THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 50 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.5 2082 शनिवार, 17 मई-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✲ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

29 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली/भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मौसम विभाग ने आज शुक्रवार को 29 राज्यों में आंधी-तूफान और बारिश का अलर्ट जारी किया है। इन राज्यों में मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, हरियाणा, पंजाब भी शामिल हैं। मध्य प्रदेश के 21 जिलों में आंधी-बारिश की चेतावनी है। बाकी जिलों में हीट वेव के आसार है। बिहार में पटना समेत 24 जिलों में हीट वेव का यलो अलर्ट है। 14 जिलों में बारिश की संभावना है। राजस्थान के 6 जिलों में गुरुवार को अधिकतम तापमान 44.0ओसी पार पहुंच गया। श्रीगंगानगर में सीजन का सबसे ज्यादा तापमान (45.8ओसी) दर्ज किया गया। राज्य के 11 जिलों में कल बारिश का अलर्ट है।

'ब्रह्मोस ने पाक के नापाक मंसूबों पर पानी फेरा'

भुज से राजनाथ ने पड़ोसी को दिखाया आईना

भुज, 16 मई (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को गुजरात के भुज वायु सेना स्टेशन का दौरा किया। इस एयरबेस को पिछले सप्ताह पाकिस्तानी सेना की ओर से निशाना बनाने की कोशिश की गई थी। हालांकि, उनके नापाक मंसूबों पर भारतीय सशस्त्र बलों ने पानी फेर दिया था। राजनाथ की यह यात्रा जम्मू-कश्मीर की यात्रा, नियंत्रण रेखा और अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के एक दिन बाद हुई। भुज में उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्मोस की ताकत पूरी दुनिया ने देख ली है। पाकिस्तान पर हमारी मिसाइल कहर बनकर बरसी है।

जांबाजों को सलाम करता हूं :
इस दौरान उन्होंने कहा कि पहलगाम में मारे गए सभी निर्दोष नागरिकों को और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरगति को प्राप्त हुए हमारे सैनिकों को नमन करता हूं। मैं हमारे घायल सैनिकों के साहस को भी नमन करता हूं और ईश्वर से यह प्रार्थना करता हूं कि वो जल्द से जल्द स्वस्थ हों। हमारे देश की मजबूत भुजा भुज में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ा गर्व हो रहा है। यह भुज, 1965 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। यह भुज 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी रहा है। आज एक बार फिर यह भुज पाकिस्तान के खिलाफ हमारी जीत का साक्षी बना है। इसकी मिट्टी में देशभक्ति की खुशबू है और यहां के जवानों में भारत की सुरक्षा का अडिग संकल्प। मैं आप सभी वायु योद्धाओं समेत, सशस्त्र बलों और बीएसएफ के सभी जांबाजों को सलाम करता हूं। रक्षा मंत्री ने कहा कि अभी कल ही मैं श्रीनगर में सेना के अपने वीर जवानों से मिलकर लौटा हूं। आज मुझे आपके बीच आने का अवसर मिला है। कल मैं भारत के उत्तरी भाग में जवानों से मिला। आज मैं भारत के पश्चिमी भाग में वायु योद्धाओं और जवानों से मिल रहा हूं। >14

पीएम आवास पर हाई लेवल मीटिंग

> गृह मंत्री के साथ एनएसए भी शामिल

नई दिल्ली, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार शाम अपने आवास पर गृह मंत्री अमित शाह, विदेश मंत्री एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की। हालांकि बैठक को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया। लेकिन माना जा रहा है कि इस मीटिंग में ऑपरेशन सिंदूर के बाद बने हालात को लेकर बातचीत हुई होगी। बताया जा रहा है कि यह उच्च स्तरीय बैठक शुक्रवार शाम करीब 7 बजे समाप्त हुई। लेकिन इस बैठक का एजेंडा क्या रहा, सरकार की तरफ से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। हालांकि माना जा रहा है कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने को लेकर की गई कार्रवाई के बाद स्थितियों पर चर्चा हुई होगी।

खुफिया एजेंसियों ने सटीक खुफिया जानकारी जुटाई-शाह
मीटिंग से पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृढ़ संकल्प, विभिन्न एजेंसियों द्वारा सटीक खुफिया जानकारी जुटाने और भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतिबिंब है। शाह ने विभिन्न एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी साझा करने के उद्देश्य से दिल्ली में एक नये केंद्र का उद्घाटन करने के बाद यह बात कही। खुफिया ब्यूरो के तहत इस बहु एजेंसी केंद्र की स्थापना 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद की गई थी, जिसका उद्देश्य कानून प्रवर्तन में शामिल विभिन्न हितधारकों के बीच समय पर जानकारी साझा करना है।

भारत ने की थी जवाबी कार्रवाई
'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में सात मई को तड़के पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर सटीक हमले किए। भारत और पाकिस्तान ने 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति जताई। हालांकि, भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उसने केवल अपने अभियान को रोका है और उसकी भविष्य की कार्रवाई पाकिस्तान के आचरण पर निर्भर करेगी।

'कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं' : चिदंबरम की टिप्पणी को लेकर भाजपा का तंज

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भाजपा ने शुक्रवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' पर कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम की टिप्पणी पर कटाक्ष किया। भाजपा ने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि पार्टी का कोई भविष्य नहीं है। दरअसल, चिदंबरम ने गुरुवार को इंडिया ब्लॉक पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा था कि उन्हें यकीन नहीं है कि विपक्षी गठबंधन अभी भी बरकरार है या नहीं।

चिदंबरम के बयान पर टिप्पणी करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने भविष्यवाणी की है- विपक्ष भविष्य में बरकरार नहीं रहेगा, भाजपा एक दुर्जेय संगठन है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के करीबी सहयोगी भी जानते हैं कि कांग्रेस का कोई भविष्य नहीं है। भाजपा को हराया नहीं जा सकता।

गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मैं निश्चित नहीं हूं :
इससे पहले सलमान खुर्शीद और मृत्युंजय सिंह यादव की पुस्तक 'कंटेस्टिंग डेमोक्रेटिक डेफिसिट' के विमोचन के अवसर पर बोलते हुए चिदंबरम ने कहा, विपक्षी गठबंधन का भविष्य उतना उज्ज्वल नहीं है, जैसा कि मृत्युंजय सिंह यादव ने कहा है। उन्हें लगता है कि गठबंधन अभी भी बरकरार है, लेकिन मैं निश्चित नहीं हूं। राज्यसभा सांसद ने कहा कि केवल सलमान खुर्शीद ही इसका उत्तर दे सकते हैं, क्योंकि वे इंडिया ब्लॉक के लिए वार्ता करने वाली टीम का हिस्सा थे। यदि गठबंधन पूरी तरह से बरकरार है तो मुझे बहुत खुशी होगी, लेकिन यह दर्शाता है कि यह कमजोर है। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि गठबंधन अभी भी एक साथ रखा जा सकता है, अभी भी समय है। पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री ने चेतावनी दी कि इंडिया ब्लॉक एक हार न मानने वाली मशीनरी के खिलाफ लड़ रहा है, जिससे सभी मोर्चों पर लड़ा जाना चाहिए।

कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने चिदंबरम के बयान पर कहा, यह उनका मानना हो सकता है... मैं बस एक बात कहूंगा कि इंडिया गठबंधन राष्ट्रीय मुद्दों पर बना है। जब चुनाव आयोग पर वोटर लिस्ट का मुद्दा आता है, आर्थिक नीति, बेरोजगारी, जाति जनगणना, ऑपरेशन सिंदूर में सरकार का समर्थन करने की बात होती है तो पूरा इंडिया गठबंधन एक साथ खड़ा है। राष्ट्रीय मुद्दों पर पूरा इंडिया गठबंधन एक साथ खड़ा है, दरार कहां है?

बेला त्रिवेदी को बार संघ ने नहीं दी विदाई, सीजेआई ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बेला एम.त्रिवेदी चुपचाप सेवानिवृत्त हो गईं। उनके लिए सुप्रीम कोर्ट बार संघ (एससीबीए) की ओर से कोई विदाई समारोह आयोजित नहीं किया गया। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी.आर गवई ने इसकी खुले मंच से आलोचना की। उन्होंने कहा, मुझे खुलकर आलोचना करनी पड़ेगी, क्योंकि मैं सीधी बात कहने में भरोसा रखता हूं। बार संघ को ऐसा रवैया नहीं अपनाना चाहिए था। सीजेआई गवई, जस्टिस त्रिवेदी और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की एक औपचारिक पीठ की अध्यक्षता रहे थे। हालांकि, सीजेआई ने एसएसीबीए के अध्यक्ष कपिल सिब्बल और उपाध्यक्ष रचना श्रीवास्तव की प्रशंसा की कि वे समारोह में मौजूद रहे, भले ही बार संघ ने विदाई समारोह आयोजित नहीं किया। उन्होंने कहा, मैं कपिल सिब्बल और रचना श्रीवास्तव का आभारी हूं कि वे यहां आए। लेकिन बार संघ ने जो रुख अपनाया, उसकी मुझे खुले तौर पर निंदा करनी ही होगी... ऐसे मौके पर बार संघ को ऐसा रुख नहीं अपनाना चाहिए था। इसलिए मैं सिब्बल और श्रीवास्तव की मौजूदगी के लिए उन्हें खुले तौर पर सराह रहा हूं। अपनी संस्था के फैसले के बावजूद वे यहां मौजूद हैं। बार संघ ने जो नहीं किया, उसकी कमी आज कोर्टरूम में सभी लोगों की मौजूदगी से पूरी हो गई।

एस जयशंकर ने पहली बार तालिबान सरकार से बात की

शुक्रिया कहा, अफगानिस्तान ने भारतीय रॉकेट हमले का पाकिस्तानी दावा खारिज किया था

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार रात अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी से फोन पर बातचीत की। जयशंकर ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा करने के लिए मुत्ताकी को शुक्रिया कहा। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान के उन आरोपों को खारिज कर दिया था, जिनमें कहा गया था कि भारतीय मिसाइलों ने अफगानिस्तान को टारगेट किया। जयशंकर ने इस बात के लिए भी अफगान सरकार का शुक्रिया किया। यह भारत और अफगानिस्तान की तालिबान सरकार के बीच मंत्री स्तर की पहली बातचीत थी। जयशंकर ने कहा कि भारत और अफगान लोगों के बीच जो पुराना दोस्ताना रिश्ता है, उसे दोहराया गया और भविष्य में इसे कैसे आगे बढ़ाया जाए, इस पर बातचीत हुई।

तालिबान सरकार की भारत से वीजा देने की डिमांड
रिपोर्ट के मुताबिक, तालिबान के विदेश मंत्री ने भारत से अफगान व्यापारियों और मरीजों के लिए भारतीय वीजा की सुविधा की मांग की। इसके अलावा भारत में अफगान कैदियों की रिहाई और स्वदेश वापसी का भी अपील की। जयशंकर ने इन मुद्दों को तुरंत हल करने की बात कही। भारत ने अफगानिस्तान में तालिबान की एंट्री के बाद 25 अगस्त 2021 को तत्काल प्रभाव से वीजा देना बंद कर दिया था। तालिबान के सत्ता में आने के बाद वहां की सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर यह फैसला लिया गया था।

मिसरी और मुत्ताकी की मुलाकात से बातचीत शुरू हुई
तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद भारत और तालिबान सरकार के बीच बातचीत की शुरूआत जनवरी में हुई थी। जनवरी में विक्रम मिसरी और मुत्ताकी के बीच दुबई में बैठक हुई थी। तब अफगान विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान के लोगों से जुड़ने और उनका समर्थन करने के लिए भारतीय नेतृत्व की सराहना की थी। इसके बाद विदेश मंत्रालय के जॉइंट सेक्रेटरी आनंद प्रकाश ने 28 अप्रैल को मुत्ताकी से मुलाकात की थी। उस दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई थी। अब एस जयशंकर और मुत्ताकी की फोन पर बातचीत हुई है। भारत ने अब तक तालिबान सरकार को आधिकारिक मान्यता नहीं दी है, लेकिन भारत ने पिछले 20 सालों में अफगानिस्तान को 20 हजार करोड़ रुपये की मदद कर चुका है।

आतंकियों के तीन मददगार गिरफ्तार

जम्मू, 16 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के बडगाम में शुक्रवार को पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। पुलिस ने आतंकियों के तीन मददगारों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तीनों प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) से जुड़े हैं। पुलिस ने यूएपीए की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। साथ ही आगे की जांच शुरू कर दी है।

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मुजम्मिल अहमद, इशफाक पंडित निवासी अगलर पट्टन और मुनीर अहमद निवासी मीरीपोरा बीरवाह के रूप में हुई है। तीनों को मगाम के कावूसा नरबल इलाके में गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक पिस्तौल और एक हथगोला सहित अन्य गोला-बारूद बरामद किया गया है। बता दें कि सुरक्षाबल कश्मीर घाटी में छिपे आतंकियों का सफाया कर रहे हैं।

ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को ब्रीफ करेंगे भारतीय सांसद

> अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे > थरूर-ओवैसी हो सकते हैं शामिल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारत के सांसद दुनिया को ब्रीफ करेंगे। केंद्र सरकार सभी दलों के चुनिंदा सांसदों को 22 मई से 10 दिनों के लिए 5 देशों में भेज रही है। 5-6 सांसदों के कुल 8 ग्रुप्स अमेरिका, यूके, दक्षिण अफ्रीका, कतर और यूएई जाएंगे। वहां की सरकार को आतंकवाद पर भारत का पक्ष बताएंगे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अलग-अलग पार्टियों के सीनियर सांसद विदेश दौरे पर भारतीय डेलिगेशन के ग्रुप्स को लीड करेंगे। कांग्रेस सांसद शशि थरूर को ग्रुप लीडर बनाया जा सकता है। एआईएमआई चीफ असदुद्दीन ओवैसी भी डेलिगेशन का हिस्सा हो सकते हैं। सूत्रों की तरफ से बताया जा रहा है कि सांसदों के साथ विदेश मंत्रालय (एमईए) का एक अधिकारी और एक सरकारी प्रतिनिधि भी जाएंगे। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू सांसदों का विदेश दौरा कोऑर्डिनेट कर रहे हैं। सांसदों को निमंत्रण भेजा जा चुका है। उन्हें अपना पासपोर्ट और ट्रैवल से जुड़ी जरूरी डॉक्यूमेंट्स तैयार रखने की सलाह दी गई है।

सरकार ने 8 मई को सभी दलों की बैठक बुलाई थी :
केंद्र सरकार ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान पर एयर स्ट्राइक की थी। अगले दिन संसद में ऑपरेशन सिंदूर की जानकारी देने के लिए सभी दलों की बैठक बुलाई गई थी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक की अध्यक्षता की थी। रक्षा मंत्री ने बैठक में बताया कि भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में आतंकी ठिकानों पर जो हमले किए, उसमें कम से कम 100 आतंकवादी मारे गए। सर्वदलीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू के अलावा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी पहुंचे थे।

ये पहली बार नहीं है, जब केंद्र सरकार ने किसी मुद्दे पर अपना पक्ष रखने के लिए विपक्षी पार्टियों की मदद लेगी। इससे पहले 1994 में तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने कश्मीर के मुद्दे पर भारत का पक्ष रखने के लिए विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भारतीय डेलिगेशन को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग (यूएनएचआरसी) भेजा था। उस डेलिगेशन में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला और सलमान खुर्शीद जैसे नेता भी शामिल थे। तब पाकिस्तान जम्मू-कश्मीर में कथित मानवाधिकार उल्लंघन के संबंध में यूएनएचआरसी के सामने एक प्रस्ताव पेश करने की तैयारी में था। हालांकि, भारतीय डेलिगेशन ने पाकिस्तान के आरोपों का जवाब दिया और नतीजतन पाकिस्तान को अपना प्रस्ताव वापस लेना पड़ा।

रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ बढ़ाने का प्रस्ताव

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपये बढ़ा सकती है। रक्षा मंत्रालय ने सरकार को फंड बढ़ाने का प्रस्ताव दिया है, जिसे संसद के नवंबर-दिसंबर के दौरान शीतकालीन सत्र में मंजूरी मिल सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स में सरकारी सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। इसमें बताया गया है कि इस फंड से नए हथियार, गोला-बारूद और तकनीक खरीदी जाएंगी।

साथ ही सेना की दूसरी जरूरतें, रिसर्च और डेवलमेंट पर भी खर्च किया जाएगा। बढ़ोतरी के बाद रक्षा मंत्रालय का ओवरऑल बजट 7 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये का बजट दिया था। >14

'देश का नाम रोशन किया' : माउंट मकालू फतह करने पर अमित शाह ने आईटीबीपी जवानों को दी बधाई

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस (आईटीबीपी) के जवानों को माउंट मकालू पर चढ़ाई में सफलता पाने पर बधाई दी। अमित शाह ने जवानों के साहस और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने देश का नाम रोशन किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट मकालू को फतह करने पर आईटीबीपी के वीर जवानों को हार्दिक बधाई।

अमित शाह ने कहा कि आईटीबीपी के जवानों ने बेहद कठिन मौसम में चढ़ाई पूरी कर चोटी पर 'तिरंगा' फहराया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्वच्छ भारत अभियान' से प्रेरणा लेते हुए 150 किलो कचरा हटाकर सफाई अभियान भी चलाया। बता दें कि माउंट मकालू दुनिया की पांचवीं सबसे ऊंची चोटी है, जो नेपाल के महालंगूर पर्वत श्रृंखला में स्थित है।

अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोहण का हिस्सा था ये अभियान :
गौरतलब है कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) की तरफ से स्थापित किया गया ये कीर्तिमान एक खास अंतर्राष्ट्रीय पर्वतारोहण अभियान का हिस्सा थी। इसमें उन्हें माउंट मकालू और माउंट अन्नपूर्णा (8,091 मीटर ऊंची) दोनों पर चढ़ाई करनी थी। आईटीबीपी के इस पर्वतारोहण अभियान को 21 मार्च को नई दिल्ली में आईटीबीपी मुख्यालय से रवाना किया गया था। आईटीबीपी के इतिहास में यह पहली बार है जब उन्होंने एक ही मिशन में दो इतनी ऊंची चोटियों पर चढ़ाई की है।

'पीएम मोदी की मजबूत इच्छाशक्ति और सेना की ताकत का प्रतीक'

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी पर जोर दिया। शाह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति, खुफिया एजेंसियों की सटीक जानकारी और भारतीय सशस्त्र बलों की अचूक मारक क्षमता का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की तीनों सेनाओं की सटीक और ताकतवर कार्रवाई का बेहतरीन उदाहरण है। बता दें कि शाह ने यह बात दिल्ली के नॉर्थ ब्लॉक में एक नए मल्टी-एजेंसी सेंटर (एमएसी) का उद्घाटन करते हुए कही। एमएसी देश की विभिन्न सुरक्षा और खुफिया एजेंसियों के बीच सूचनाओं के आदान-प्रदान को तेज और प्रभावी बनाने के लिए बनाया गया है।

वक्फ कानून के खिलाफ नई याचिका पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को वक्फ कानून की सांविधानिक वैधता को चुनौती देने वाली नई याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि हर कोई अखबार में नाम चाहता है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने तय किया कि वह लंबित मामलों की सुनवाई 20 मई को करेगी।

शुक्रवार को अदालत में जब याचिकाएं सुनवाई के लिए आईं तो केंद्र की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं का अंत नहीं हो रहा है। ऐसे याचिकाएं दायर नहीं की जा सकती। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि उन्होंने 8 अप्रैल को याचिका दायर की थी। 15 अप्रैल को सर्वोच्च न्यायालय की रजिस्ट्री द्वारा बताई गई खामियों को दूर कर दिया था।

तिरुमला मंदिर पहुंचे इसरो प्रमुख वी नारायणन

पीएसएलवी-सी61 के सफल प्रक्षेपण के लिए मांगा आशीर्वाद

तिरुपति, 16 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी नारायणन 101वें उपग्रह प्रक्षेपण के पहले शुक्रवार को तिरुमाला मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर की पूजा की। साथ ही उन्होंने 18 मई को प्रक्षेपित किए जाने वाले पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आरआईएसएटी-18 व पीएसएलवी -सी61 के सफल प्रक्षेपण के लिए आशीर्वाद मांगा। पीएसएलवी-सी61 का प्रक्षेपण 18 मई को सुबह 5.59 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से किया जाएगा।

तिरुमला मंदिर में शुक्रवार सुबह इसरो प्रमुख वी नारायणन ने अनुष्ठान में भाग लिया। उन्होंने भगवान वेंकटेश्वर के चरणों में पीएसएलवी-सी61 का एक लघु मॉडल रखा तथा मिशन की सफलता व सुरक्षा के लिए आशीर्वाद मांगा। वैदिक विद्वानों ने रंगनायकुला मंडपम में आशीर्वाद दिया। वहीं मंदिर के अधिकारियों ने तीर्थ प्रसादम (पवित्र जल) भेंट किया और नारायणन को रेशमी शॉल देकर सम्मानित किया। इस मौके पर नारायणन ने कहा कि पीएसएलवी-सी61 के साथ यह 101वां मिशन इसरो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह सभी मौसम में पृथ्वी अवलोकन क्षमताओं को प्रदर्शित करेगा तथा अंतरिक्ष आधारित समाधानों के प्रति देश की प्रतिबद्धता को मजबूत करेगा। यह मिशन पृथ्वी अवलोकन उपग्रह को सूर्य की समकालिक ध्रुवीय कक्षा (एसएसपीओ) में स्थापित करेगा। यह ऐसी कक्षा है जहां उपग्रह सूर्य के साथ निरंतर सरेखण बनाए रखता है।

पीएसएलवी-सी61 पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल की 63वीं उड़ान है। जबकि पीएसएलवी-एक्सएल का उपयोग करते हुए 27वीं उड़ान है। जबकि ईओएस-09 को विभिन्न क्षेत्रों में परिचालन अनुप्रयोगों के लिए रिमोट सेंसिंग डेटा प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। इससे पहले इसरो अध्यक्ष ने कहा था कि हमने जनवरी में श्रीहरिकोटा से 100वां रॉकेट सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया था। भारत का 101वां उपग्रह- पृथ्वी अवलोकन उपग्रह आरआईएसएटी-18, ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी-सी61) के जरिये 18 मई को प्रक्षेपित किया जाएगा। पीएसएलवी भारत की निगरानी और आपदा प्रबंधन क्षमताओं को सशक्त बनाता है।

महिला वकील से मारपीट के मामले ने पकड़ा तूल

तीन दिन बाद गिरफ्तार वरिष्ठ वकील 14 दिन की हिरासत में

तिरुवनंतपुर, 16 मई (एजेंसियां)। ममहिला जूनियर वकील से कथित मारपीट के मामले में वरिष्ठ वकील बेयलिन दास को शुक्रवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। इसके बाद न्यायिक प्रथम श्रेणी मजिस्ट्रेट (कोर्ट नं। 11) रेविथा केजी ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सुनवाई के दौरान दास के वकील, दिलीप सथ्यान ने बताया कि उनके मुवक्किल की जमानत याचिका पर शनिवार को सुनवाई होगी। उन्होंने दावा किया कि उनके मुवक्किल पर लगे आरोप निराधार हैं और दास खुद भी घायल हुए हैं। बता दें कि मारपीट के आरोप के बाद पिछले 13 दिनों से दास फरार चल रहे थे। पुलिस के अनुसार, घटना 13 मई को हुई थी, जिसके बाद से दास तिरुवनंतपुरम के अलग-अलग स्थानों में छिपे हुए थे। शुक्रवार को गिरफ्तारी से कुछ घंटे पहले ही उन्होंने अग्रिम जमानत की याचिका भी दाखिल की थी।

बार काउंसिल ने वकालत पर लगाई रोक

केरल बार काउंसिल ने दास पर फिलहाल वकालत करने पर रोक लगा दी है। हालांकि दास की ओर से महिला वकील श्यामिली पर भी हमले का आरोप लगाया गया, जिसे पीड़िता के परिवार ने सिरे से खारिज करते हुए इसे आरोपी को जमानत दिलाने की चाल बताया।

पीड़िता ने लगाए कई गंभीर आरोप

पीड़िता श्यामिली ने बुधवार को कहा था कि वह कानूनी रूप से हर संभव प्रयास करेंगी कि दास को दोबारा वकालत करने की इजाजत न मिले। साथ ही श्यामिली ने यह भी दावा किया कि दास ने पहले भी, जब वह पांच महीने की गर्भवती थीं, तब उन्हें मारा था। श्यामिली ने आगे कहा कि अगर हम उनके किसी व्यवहार पर सवाल करते हैं तो वह तुरंत गुस्से में आ जाते हैं।

रोल्स रॉयस कार पर विवाद

सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया 'शाही परिवार' का ये मामला

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवाद में उलझे एक दंपति को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे महाराजा की तरह व्यवहार न करें, क्योंकि देश में 75 साल से ज्यादा समय से लोकतंत्र कायम है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी दंपति में शामिल उस पक्ष पर थी, जो कथित तौर पर शाही परिवार से है। अदालत ने मामले की जांच करते समय पाया कि दोनों पक्षों के बीच अहंकार का टकराव था। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने दंपति के वकीलों से कहा कि वे अपने मुवक्किलों से बात करें और उनकी मंशा अदालत को बताएं।

महिला ने याचिका में क्या आरोप लगाया?

महिला ने आरोप लगाया है कि अलग रह रहे उसके पति और ससुराल वालों ने दहेज में रोल्स रॉयस कार और मुंबई में फ्लैट की मांग को लेकर उसे परेशान किया। हालांकि, उसके पति ने आरोप से इनकार किया है। महिला की ओर से दायर याचिका में कहा गया है, "जब उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो उन्होंने शादी को मानने से इनकार करना शुरू कर दिया और याचिकाकर्ता के खिलाफ झूठे एवं तुच्छ आरोप लगाने लगे और उसका चरित्र हनन शुरू कर दिया।" पति ने अलग रह रही पत्नी, उसके माता-पिता और रिश्तेदारों के खिलाफ विवाह प्रमाण पत्र तैयार करने में धोखाधड़ी और जालसाजी करने का मामला दर्ज कराया, जबकि महिला ने दहेज उत्पीड़न और क्रूरता का मामला दर्ज कराया।

पीठ ने कहा, "इस तरह के बयान दिए जा रहे हैं कि मध्यस्थता की कोशिश नाकाम हो गई है? राजा-महाराजा की तरह व्यवहार न करें। लोकतंत्र की स्थापना को 75 साल बीत चुके हैं।" कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर मध्यस्थता के माध्यम से कोई हल नहीं निकला तो वह तीन दिन के भीतर सख्त आदेश देगी। ग्वालियर की रहने वाली महिला ने दावा किया कि वह प्रतिष्ठित परिवार से ताल्लुक रखती है, जिसके पूर्वज छत्रपति शिवाजी महाराज की नौसेना में एडमिरल थे और उन्हें कोंकण क्षेत्र का शासक घोषित किया गया था। दूसरी ओर उसके पति ने कहा कि वह सैन्य परिवार से आता है और मध्य प्रदेश में एक स्कूल को चलाता है।

एक रोल्स रॉयस कार है विवाद की जड़

मामले में विवाद की जड़ साल 1951 मॉडल की रोल्स रॉयस कार है, जिसकी कीमत 2.5 करोड़ रुपये से ज्यादा है। यह कार भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने बड़ौदा की महारानी के लिए बनवाई थी, जो अपने मॉडल की एकमात्र कार है। इसके अलावा दोनों पक्षों की ओर से पेश वकीलों ने कोर्ट को बताया कि विवाद धन को लेकर भी है। न्यायमूर्ति कांत ने कहा, "हम जानते हैं कि मामले में केवल अहंकार के कारण समझौता नहीं हो पाया है। अगर विवाद पैसे को लेकर है तो उसे कोर्ट सुलझा सकती है, लेकिन इसके लिए पक्षों को आम सहमति पर पहुंचना होगा।" कोर्ट ने सुनवाई अगले हफ्ते के लिए निर्धारित कर दी है। 22 अप्रैल को नियुक्त वरिष्ठ अधिवक्ता आर बसंत को सूचित किया था कि मामले में दोनों पक्षों को स्वीकृत समाधान तक नहीं पहुंचा जा सका है। उन्होंने कोर्ट से दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति वाले समाधान की संभावना तलाशने के लिए एक अंतिम प्रयास करने का मौका देने का अनुरोध किया था।

डीपीएस द्वारका ने शिक्षा निदेशालय के आदेश को दिखाया ठेंगा

फिर 32 बच्चों का काटा नाम; तैनात बाउंसरों ने बच्चों को भगाया

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के द्वारका स्थित डीपीएस स्कूल का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। आज फिर सुबह-सुबह जब 32 बच्चे स्कूल गए तो स्कूल परिसर ने उन्हें भगा दिया। बता दें कि दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने आदेश दिया था कि बच्चों को फीस जमा नहीं होने के कारण पढ़ाई से वंचित नहीं किया जाए। इतना ही नहीं डीएसपी द्वारका ने स्कूल गेट पर बाउंसर तैनात कर रखे हैं, जिन्होंने लड़कियों को स्कूल में घुसने पर हाथ से रोक दिया। बता दें कि अब पैरेंट्स ने इस मामले को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट की ओर रूख किया है। जानकारी दे दें कि आज एक बार फिर से फीस ना जमा करने के चलते डीपीएस द्वारका ने 32 बच्चे जिनका नाम काट दिया था और उन्हें स्कूल में प्रवेश नहीं करने दिया। शिक्षा निदेशालय के ताज़ा आदेश के बावजूद स्कूल परिसर में एंट्री नहीं करने दिया गया। स्कूल प्रशासन द्वारा स्कूल के बाहर बाउंसर भी लगाए गए हैं।

बाउंसर कर रखे हैं गेट पर तैनात

वहीं, पैरेंट्स ने स्कूल द्वारा तैनात किए गए बाउंसरों पर आरोप लगाया है कि जब कुछ बच्चों ने स्कूल में एंट्री करने की कोशिश की, जिसमें कुछ लड़कियां भी शामिल थी तो उन पुरुष बाउंसरों ने लड़कियों को हाथ लगाकर रोका जिसके बाद अभिभावकों ने कहा कि ये पुरुष बाउंसर लड़कियों का हाथ कैसे लगा सकते हैं। इसके अलावा, डीपीएस द्वारका ने इन बच्चों के अभिभावकों को भी आज होने वाली पीटीएम में शामिल होने की अनुमति नहीं दी।

आतिशी ने लिखा पत्र

आज सुबह इस मामले में आप नेता अतिशी ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को एक पत्र भी लिखा है, बता दें कि कल भी अभिभावकों ने डीपीएस द्वारका के बाहर प्रदर्शन करा था। 9 मई को डीपीएस द्वारका ने 29 छात्रों को स्कूल ने तत्काल प्रभाव से निकाल दिया था, जिसके बाद अभिभावक लगातार स्कूल के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं।

'मोहब्बत' की जंग पहुंची उपराष्ट्रपति धनखड़ के पास

युवक बोला- गर्लफ्रेंड ने 80 लाख ले लिए, सगाई दूसरे से कर ली

रीवा, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रीवा में एक युवक ने अपने कथित गर्लफ्रेंड पर शादी का झांसा देकर 80 लाख रुपये ऐंठने का आरोप लगाया है। मामला कोर्ट के बाद अब उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के पास भी पहुंच गया है। रीवा के रहने वाले विवेक शुक्ला ने अपनी प्रेमिका पर शादी का झांसा देकर 80 लाख रुपये लेकर सगाई किसी और युवक से करने का आरोप लगाया है।

गर्लफ्रेंड के खिलाफ दर्ज कराई एफआईआर मामला पहुंचा हाईकोर्ट

जानकारी के अनुसार, रीवा के रहने वाले विवेक शुक्ला ने 80 लाख रुपये की ठगी का आरोप लगाते हुए पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज करा दी। विवेक शुक्ला का दावा है कि प्रेमिका ने शादी का वादा कर उनसे बड़ी रकम ऐंठ ली और फिर किसी और से सगाई कर ली। युवक ने फरवरी में इस मामले की शिकायत अमहिया थाने में दर्ज कराई गई। विवेक शुक्ला का आरोप था कि मैंने लड़की के ऊपर 80 लाख से ज्यादा के गिफ्ट और पैसा खर्च किया हूं। इसकी रसीद और फोन पे से किया गया भुगतान की कॉपी भी थाने में प्रमाण के तौर पर दिया हूं। पुलिस ने जांच की, आरोपों को सही पाया और प्रेमिका पर फआईआर दर्ज कर दी गई। लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। प्रेमिका ने एफआईआर को हटवाने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन वहां से भी झटका लगा और अपील खारिज हो गई। मामला फिलहाल रीवा न्यायालय में विचाराधीन है, जहां करोड़ों की मानहानि और नजराने की वापसी की मांग की गई है।

मुंबई पुलिस में बड़ा बदलाव, अब इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट को मिलेगा नया नेतृत्व

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की देवेंद्र फडणवीस सरकार ने मुंबई पुलिस महकमे में ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (इंटेलिजेंस डिपार्टमेंट) के नए पद को औपचारिक मान्यता दे दी है। सरकारी आदेश (जीआर) के मुताबिक, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की सुरक्षा और खुफिया व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। मुंबई न सिर्फ भारत की सबसे व्यस्त महानगरों में से एक है, बल्कि यहां देश-विदेश के वीआईपी, राजनेता और प्रतिष्ठित हस्तियां भी लगातार आते-जाते रहते हैं। भारत के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और प्रधानमंत्री जैसे उच्च पदस्थ अधिकारी भी समय-समय पर मुंबई का दौरा करते हैं। ऐसे में, थ्रेट परसेप्शन यानी संभावित खतरे की आशंका भी यहां अधिक रहती है। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार लंबे समय से इस विशेष पद के निर्माण पर विचार कर रही थी। अब जाकर इसे हरी झंडी मिल गई है। सूत्रों के मुताबिक, ज्वाइंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (इंटेलिजेंस) का मुख्य कार्य खुफिया विभाग को अधिक मजबूत बनाना होगा। यह पद न सिर्फ स्लीपर सेल एक्टिविटी पर नजर रखेगा, बल्कि किसी भी संभावित आतंकी या असामाजिक गतिविधि की आशंका के आधार पर पहले से अलर्ट जारी करने में भी अहम भूमिका निभाएगा।

मासूम बच्चा हवस का शिकार

35 साल के रिश्तेदार ने 5 साल की मासूम को बुलाया और खेल पर ले गया

अहमदाबाद, 16 मई (एजेंसियां)। गुजरात के महिसागर जिले से एक शर्मनाक मामला सामने आया है, जहां पर पांच साल की बच्ची को एक आदमी घर से बहला-फुसलाकर ले गया और फिर उसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म किया। आरोपी बच्ची का दूर का रिश्तेदार है। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान 35 साल के शंकर खांट के रूप में हुई है, जिसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह बताया कि आरोपी लड़की के ही गांव में रहता था और लड़की का दूर का रिश्तेदार है। महिसागर के पुलिस अधीक्षक जयदीप सिंह जडेजा ने यह बताया कि जब बच्ची घर पर अपनी बड़ी बहन के साथ खेल रही थी, तब शंकर उसे बहला-फुसलाकर एक खेत में ले गया, जहां उसने उसके साथ दुष्कर्म किया और फिर मौके से फरार हो गया। बताया जा रहा है कि वारदात में बच्ची बहुत गंभीर रूप से घायल भी हो गई थी। पुलिस अधीक्षक जयदीप सिंह जडेजा ने यह बताया कि पीड़िता गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे नजदीकी अस्पताल ले जाया गया था। वहां से उसे गोधरा शहर के सिविल अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस अधीक्षक ने जानकारी दी, ''इस अपराध की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर टीमें गठित कीं और फिर आरोपी को पकड़ने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल भी किया गया । ड्रोन की मदद से और तकनीकी सर्विलांस और सूत्रों के आधार पर घटना के कुछ घंटों के भीतर ही आरोपी को पुलिस ने पकड़ लिया था।''

पाकिस्तान का जासूस गिरफ्तार, आईएसआई को मुहैया करवाई थी जानकारी

जालंधर, 16 मई (एजेंसियां)। पंजाब के जालंधर में गुजरात पुलिस ने जालंधर कमिश्नरेट पुलिस के थाना भार्गव कैंप के एरिया में छापेमारी कर पाकिस्तान को सूचना देने वाले एक जासूस मोहम्मद मुर्तजा अली को गिरफ्तार किया है। गुजरात पुलिस जालंधर की सिटी पुलिस की मदद से इस तक पहुंची और गिरफ्तार किया गया। गुजरात पुलिस मोहम्मद मुर्तजा अली को अपने साथ लेकर गई। आइए जानते हैं इस मामले के बारे में सबकुछ। गुजरात पुलिस और जालंधर की भार्गव कैंप पुलिस ने अवतार नगर में छापेमारी कर मोहम्मद मुर्तजा अली को गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से चार मोबाइल फोन और तीन सिम कार्ड भी जब्त किए गए हैं। मोहम्मद मुर्तजा अली ने जालंधर के गांधी नगर में किराए के मकान ले रखा था, वहीं पर वो रहता था। जब भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में तनाव के हालात थे तो पाकिस्तान में भारतीय समाचार चैनल, वेबसाइट बंद हो गए थे। लेकिन मोहम्मद मुर्तजा अली सभी भारतीय समाचार चैनलों पर खबरें सुनता था और सारी जानकारी आईएसआई को मुहैया करवाता था। जिसके जरिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई भारत के अंदर चल रहे हालात पर नजर रख रही थी। ये सारा काम अली खुद की बनाई एक मोबाइल ऐप के जरिए करता था, भारतीय चैनलों की सारी जानकारी वो इस ऐप में अपलोड करता था। जानकारी के मुताबिक, मुर्तजा अली ने इस ऐप का एक्सेस उपलब्ध कराने के लिए पाकिस्तान से काफी पैसा भी मांगा। प्राथमिक जांच में पता चला है कि मोहम्मद मुर्तजा अली ने चैनलों पर चल रही खबरों सहित अन्य और भी की जानकारियां पिछले कुछ दिनों में आईएसआई को मुहैया करवाई थीं।

उमर अब्दुल्ला के बयान पर भड़कीं महबूबा मुफ्ती कहा- उनका बयान गैर-जिम्मेदाराना है

जम्मू, 16 मई (एजेंसियां)। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार ने इंडस वॉटर ट्रीटी (आईडब्ल्यूटी) को रद्द कर दिया था। इसके बाद भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया और पाकिस्तान में छिपे आतंकवादी ठिकानों पर हमला करके 100 से अधिक आतंकवादियों को मार दिया। फिलहाल दोनों देशों की बीच युद्ध जैसे हालात बनने के बाद सीजफायर हो गया है। ऐसे में सीएम उमर अब्दुल्ला ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, 'उत्तरी कश्मीर में वुलर झील। वीडियो में आप जो सिविल कार्य देख रहे हैं, वह तुलबुल नेविगेशन बैराज है। इसे 1980 के दशक की शुरुआत में शुरू किया गया था, लेकिन सिंधु जल संधि का हवाला देते हुए पाकिस्तान के दबाव में इसे छोड़ना पड़ा।

उमर अब्दुल्ला के बयान पर महबूबा मुफ्ती ने किया पलटवार

उमर अब्दुल्ला ने लिखा, 'अब जब आईडब्ल्यूटी को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया है, तो मुझे आश्चर्य है कि क्या हम इस परियोजना को फिर से शुरू कर पाएंगे। इससे हमें नेविगेशन के लिए झेलम का उपयोग करने की अनुमति मिलने का लाभ मिलेगा। इससे डाउनस्ट्रीम बिजली परियोजनाओं के बिजली उत्पादन में भी सुधार होगा, खासकर सर्दियों में।' वहीं उमर अब्दुल्ला के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पीडीपी की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने एक्स पर लिखा, 'भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का तुलबुल नेविगेशन परियोजना को पुनर्जीवित करने का आह्वान बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।'

महबूबा मुफ्ती बोलीं- उनका बयान गैर-जिम्मेदाराना

महबूबा मुफ्ती ने लिखा, 'ऐसे समय में जब दोनों देश पूर्ण युद्ध के कगार से वापस लौटे हैं, जिसमें जम्मू-कश्मीर निर्दोष लोगों की जान, व्यापक विनाश और अपार पीड़ा के माध्यम से इसका खामियाजा भुगत रहा है, ऐसे बयान न केवल गैर-जिम्मेदाराना हैं, बल्कि खतरनाक रूप से भड़काऊ भी हैं। हमारे लोग देश के किसी भी अन्य व्यक्ति की तरह शांति के हकदार हैं। पानी जैसी आवश्यक और जीवन देने वाली चीज को हथियार बनाना न केवल अमानवीय है, बल्कि द्विपक्षीय मामले को अंतर्राष्ट्रीय बनाने का जोखिम भी है।' बता दें कि जब भारतीय सेना ने आतंकी ठिकानों पर हमला किया तो पाकिस्तान ने इसके जवाब में भारत पर मिसाइल और ड्रोन अटैक किया जिसे डिफेंस सिस्टम ने हवा में ही मार गिराया। हालांकि भारत ने जब जवाबी कार्रवाई शुरू की तो पाकिस्तान घुटनों के बल आ गया और उसने सीजफायर का प्रस्ताव रखा, जिसपर सहमति बन गई है।

'भारत की गलती नहीं फिर भी पूरी तत्परता से जलवायु कार्रवाई में योगदान कर रहा: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत के पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि भारत पूरी तत्परता से जलवायु कार्रवाई में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि हालांकि जलवायु संकट में भारत की भूमिका बेहद सीमित है। 'सागरमाथा संबाद' कार्यक्रम के पहले संस्करण में अपने संबोधन में भूपेंद्र यादव ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर पर्वतीय क्षेत्रों में पड़ रहा है। उन्होंने विकसित देशों द्वारा कार्बन बजट में कटौती पर भी नाराजगी जाहिर की। वैश्विक कार्बन बजट, पर्यावरण में कार्बन डाइ ऑक्साइड छोड़े जाने के अनुपात में विकसित देशों द्वारा दिया जाने वाला फंड है। यादव ने कहा कि 'विकसित देशों ने जलवायु वित्त, तकनीक और जलवायु परिवर्तन से प्रभावित देशों में क्षमता निर्माण का वादा किया था, लेकिन अब वे इससे मुकर रहे हैं। इससे जलवायु संकट बढ़ रहा है।' सागरमाथा संबाद को केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'यह सिर्फ संवाद का मंच नहीं है बल्कि अब हमें एकजुट होकर कार्रवाई करने की जरूरत है। भारत, पीएम मोदी के नेतृत्व में जलवायु कार्रवाई में जितनी जरूरत है, उतना पूरी तत्परता योगदान कर रहा है, जबकि भारत की इस संकट में बेहद कम भूमिका है।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 'पर्यावरण संकट का सबसे ज्यादा असर हिमालयी पर्वत श्रृंखला पर पड़ रहा है। भारत के लिए हिमालय क्षेत्र बेहद अहम है और इस पर पड़ रहे असर को भारतीय हिमालयी राज्यों में साफ तौर पर महसूस किया जा सकता है।' भूपेंद्र यादव ने कहा कि सभी देशों के एकजुट होकर ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करने की कोशिश करनी होगी।

राजभवन के बाहर धरने पर बैठे कांग्रेस विधायकों को उठा ले गई पुलिस

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के कैबिनेट मंत्री विजय शाह के विवादित बयान के बाद से ही लगातार उनका विरोध हो रहा है। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायकों का प्रतिनिधिमंडल आज राज्यपाल से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को ज्ञापन सौंपकर मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने की मांग की। इसके बाद कांग्रेसी विधायक काले कपड़ों में राजभवन के बाहर धरने पर बैठ गए और मंत्री विजय शाह को बर्खास्त करने के नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि सरकार कोर्ट से नहीं चलती सरकार को मुख्यमंत्री चलाते हैं। राज भवन के बाहर धरना दे रहे कांग्रेस विधायकों को पुलिस ने जबरन उठा दिया। कई विधायकों के हाथ-पैर पड़कर पुलिस ने बस में भरा और सारे विधायकों को गिरफ्तार कर ले गई। इस दौरान धरने में शामिल प्रदेश के खरगोन जिले की कसरावद विधानसभा से विधायक सचिन यादव ने कहा कि, विजय शाह ने देश को अपमानित करने का काम किया है ।

उन्होंने बहन-बेटियां, सेना एवं देश की अखंडता को खण्डित करने का जो काम किया है, वो निंदनीय है । इसको लेकर सरकार को तत्काल मंत्री विजय शाह को मंत्रिमंडल से बाहर करना चाहिए। मामले में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने उनके इस बयान पर स्वतः संज्ञान लिया था। जबलपुर हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की बेंच ने डीजीपी को मंत्री शाह पर एफआईआर के निर्देश दिए थे। हाईकोर्ट के आदेश के बाद विजय शाह के खिलाफ धारा 152, 196(1)(बी) और 197(1)(सी) के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

'देश की सेना प्रधानमंत्री के चरणों में नतमस्तक'

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा का विवादित बयान

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने सेना पर अभद्र टिप्पणी की है। जबलपुर में आयोजित सिविल डिफेंस वॉलिंटियर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा के एक बयान ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी है। उपमुख्यमंत्री देवड़ा ने कहा, पूरा देश, देश की सेना और सैनिक प्रधानमंत्री मोदी के चरणों में नतमस्तक हैं। इस बयान को लेकर आरोप लग रहे हैं कि उन्होंने भारतीय सेना का अपमान किया है।

कार्यक्रम के दौरान जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले का जिक्र करते हुए देवड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकियों के ठिकानों को नष्ट करने का जो साहसिक निर्णय लिया, उसके लिए पूरा देश आभारी है। उन्होंने उपस्थित लोगों से आतंकियों पर कार्रवाई के लिए तालियां बजवाकर

प्रधानमंत्री की सराहना की, लेकिन इसी क्रम में उनकी टिप्पणी को सेना के प्रति अपमानजनक माना जा रहा है।

डिप्टी सीएम ने क्या कहा?

डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकी अटैक को लेकर कहा, इस हमले के बाद मन में बहुत क्रोध था, जो टूरिस्ट घूमने गए थे उन्हें जिस तरह से लोगों को धर्म पूछ-पूछ कर मारा, महिलाओं के सामने उनके पतियों को गोली मारी। उस दिन से पूरे देश के लोगों के दिमाग में बहुत तनाव था। डिप्टी सीएम ने कहा, जिन महिलाओं के सिंदूर को मिटाने का काम जिन आतंकवादियों ने किया, आतंकवादियों को जो पाल रहे हैं उनको नेस्तनाबूद नहीं कर देते तब तक चैन की सांस नहीं लेंगे। इसी दौरान उन्होंने कहा, पीएम मोदी को हमें धन्यवाद देना चाहिए। पूरा देश और देश की वो सेना उनके चरणों में नतमस्तक है। उनके चरणों में पूरा देश नतमस्तक है। उन्होंने जो जवाब दिया है उसकी जितनी सराहना की जाए वो कम है।

क्यों हो रही आलोचना?

देवड़ा ने कहा, "मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने आतंकियों को उन्हीं की भाषा में जवाब दिया है। देश की सेना, सुरक्षाबल और हम सब उनके नेतृत्व में सुरक्षित हैं। उनके इस बयान में सेना की भूमिका को दरकिनार कर सारी प्रशंसा प्रधानमंत्री को दिए जाने पर विपक्ष और कुछ रक्षा विशेषज्ञों ने आपत्ति जताई है। आलोचकों का कहना है कि सेना की वीरता और बलिदान को राजनीतिक चश्मे से देखना अनुचित और अपमानजनक है।

बीजेपी की बढ़ी मुश्किल

यह पहला मौका नहीं है जब किसी बीजेपी नेता ने इस तरह का बयान दिया हो। इससे पहले प्रदेश के वरिष्ठ मंत्री विजय शाह भी अपने एक बयान को लेकर विवादों में घिर चुके हैं। अब उप मुख्यमंत्री के इस कथन ने बीजेपी की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों ने देवड़ा से सार्वजनिक माफी की मांग की है और राज्यपाल से शिकायत कर बयान को राष्ट्र की सुरक्षा भावना के खिलाफ बताया है। वहीं, बीजेपी नेताओं ने देवड़ा का बचाव करते हुए कहा कि उनका बयान गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

पंजाब में 85 किलो हेरोइन पकड़ी

पाक से यूके तक लिंक, वॉशिंग मशीन में भी मिला चिट्टा, चौंकाने वाले खुलासे

अमृतसर, 16 मई (एजेंसियां)। पंजाब पुलिस के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। तरनतारन पुलिस ने सीमा पार से भेजी गई नशे की बड़ी खेप पकड़ी है। पुलिस ने 85 किलो हेरोइन के साथ एक ड्रग स्मगलर को गिरफ्तार किया है। आरोपी अमरजोत सिंह अमृतसर का रहने वाला है। पुलिस ने इसके कब्जे से अलग-अलग जगह से कुल 85 किलो हेरोइन पकड़ी है। हेरोइन (चिट्टे) की इतनी बड़ी खेप पुलिस ने पहली बार पकड़ी है। इस हेरोइन की कीमत करोड़ों रुपये में है। पंजाब पुलिस के डीजीपी गौरव यादव ने इस संबंध में जानकारी साझा की है। डीजीपी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है, जिसमें उन्होंने बताया कि पुलिस ने नशा तस्कर को एक दिन पहले गिरफ्तार किया था। पहले दिन आरोपी के कब्जे से 5 किलो ड्रग्स बरामद की थी। इसके बाद आरोपी की घर से पुलिस को 40 किलो हेरोइन और मिली, जो उसने वॉशिंग मशीन में छुपा रखी थी। इसके अलावा आरोपी के गांव से भी 40 किलो हेरोइन बरामद हुई है। तीन किस्तों में आरोपी तस्कर से कुल 85 किलो हेरोइन बरामद की है। डीजीपी ने बताया कि तरनतारन पुलिस एसएसपी अभिमन्यू राणा के नेतृत्व में इंटेलिजेंस ऑपरेशन के तहत आरोपी अमरजोत सिंह को गिरफ्तार किया गया था। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी के लिंक यूके बेस्ड लाली और पाकिस्तानी तस्करों के साथ हैं। नशा तस्करी का पैसा हवाला के जरिये पाकिस्तानी नशा तस्करों तक पहुंचाया जाता था। डीजीपी ने बताया कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 17 मई, 2025

सुविचार: मेहनत हमेशा एकांत में रहकर करो अपने सपनों को पूरा करने पर ध्यान दो ।

भू-भारती न्यायाधिकरण की स्थापना करेंगे : पोंगुलेटी

मंत्री ने निर्मल और आसिफाबाद में भू-भारती जागरूकता सत्रों में भाग लिया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के राजस्व, आवास, सूचना और जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि धरणी पोर्टल के कारण किसानों की रातों की नींद उड़ गई है और पिछली सरकार के जल्दबाजी में कार्यान्वयन के कारण किसानों को उनकी भागीदारी के बिना दंडित किया गया है। शुक्रवार को मंत्री ने जनजातीय कल्याण मंत्री सीतक्का के साथ निर्मल और आसिफाबाद जिलों में भू-भारती जागरूकता सत्रों में भाग लिया। सीतक्का इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने घोषणा की कि भू-भारती अधिनियम के कार्यान्वयन के भाग के रूप में न्यायाधिकरण स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि भू-भारती के चार पायलट क्षेत्रों में 13,000 आवेदन प्राप्त हुए हैं और जिन भी मुद्दों को हल करने की आवश्यकता है, उन्हें इस महीने की 30 तारीख तक यथाशीघ्र हल कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अधिनियम के तहत तहसीलदार, आरडीओ, अतिरिक्त कलेक्टर, कलेक्टर, सीसीएलए और उसके बाद ट्रिब्यूनल के स्तर पर अपील प्रणाली बनाई गई है। उन्होंने कहा कि सरकार राजस्व विभाग की सेवाओं को जनता को आसानी से और पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह कार्रवाई लागू करेगी। मंत्री ने कहा कि भू-भारती कार्यक्रम के माध्यम से न केवल भूमि संबंधी मुद्दों का त्वरित समाधान हो रहा है, बल्कि किसानों को भूमि संबंधी विश्वसनीय जानकारी भी मिल रही है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि तथ्यात्मक आंकड़ों के साथ भूमि दस्तावेज प्रस्तुत करने से भविष्य में अधिकारों को लेकर चिंताएं उत्पन्न नहीं होंगी। उन्होंने कहा कि यदि भूमि संबंधी मुद्दों को जानबूझकर अनसुलझा छोड़ा गया तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि भूमि रजिस्ट्री पासबुक में भूस्वामियों के भूखंडों के नक्शे मुद्रित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे आधिकारिक तौर पर 6,000 लाइसेंसधारी सर्वेक्षकों की नियुक्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे भूमि सीमाओं की पहचान करने की प्रक्रिया में सुविधा होगी। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही ग्राम राजस्व अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। उन्होंने कहा कि भू-भारती अधिनियम के तहत भूमि के मालिक सभी लोगों को संरक्षण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अविकसित भूमि के पात्र किसानों को पट्टे प्रदान किये जायेंगे, जो बिना पट्टे के भूमि पर खेती कर रहे हैं। इन बैठकों में सीसीएलए आयुक्त नवीन मित्तल और अन्य लोगों ने भाग लिया। इसी दौरान उन्होंने कहा कि इंदिराम्मा योजना सभी पात्र लोगों को मकान उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि जिन लोगों को पहले चरण में मकान नहीं मिले हैं, उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है। मंत्री पोंगुलेटी ने कहा कि प्रथम चरण में प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र को 3,500 इंदिराम्मा आवास आवंटित किए गए हैं तथा चार अन्य चरणों में इंदिराम्मा आवास उपलब्ध कराए जाएंगे।

मी टिकट ऐप ने तेलंगाना की डिजिटल टिकटिंग क्रांति को गति दी

50 हजार से अधिक डाउनलोड, कुल लेनदेन मूल्य 1 करोड़ से अधिक

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इलेक्ट्रॉनिक सेवा वितरण (ईएसडी) प्रभाग ने मी टिकट मोबाइल ऐप के तेजी से विकास के साथ अपने डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की। आईटी मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा 9 जनवरी, 2025 को लॉन्च किए जाने के बाद से, ऐप ने 50,000 से अधिक डाउनलोड दर्ज किए हैं, 1 करोड़ से अधिक मूल्य के लेनदेन की सुविधा प्रदान की है, और सार्वजनिक सेवाओं, परिवहन, पर्यटन और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में एकीकृत डिजिटल टिकटिंग प्रणाली के माध्यम से 25,000 से अधिक अद्वितीय उपयोगकर्ताओं को सेवा प्रदान की है। एक सहज, कैशलेस टिकटिंग अनुभव प्रदान करने के लिए विकसित, मी टिकट वर्तमान में हैदराबाद मेट्रो, सार्वजनिक पार्कों, चिड़ियाघरों, मंदिरों और संग्रहालयों के लिए बुकिंग का समर्थन करता है। इसकी एक खासियत यह है कि इसने 83,000 से ज़्यादा टिकटों का सफल प्रबंधन किया, जिसमें पार्क और चिड़ियाघरों के लिए 58,000 से ज़्यादा टिकट और मेट्रो की 8,300 से ज़्यादा सवारी शामिल हैं, जिससे क्रमशः 65+ लाख और 22+ लाख रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ। ऐप ने 15 मई को कलेश्वरम में सरस्वती पुष्करालु उत्सव के शुभारंभ में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जहां हज़ारों तीर्थयात्री त्रिवेणी संगमम में पहुंचे। अधिकारियों ने कहा कि यह प्लेटफ़ॉर्म 12-दिवसीय कार्यक्रम के दौरान टिकटिंग और सेवा वितरण का प्रबंधन करेगा। आगामी सुविधाओं में टीएसटीडीसी के साथ साझेदारी में एकीकृत तेलंगाना पर्यटन पैकेज शामिल हैं। इनमें आध्यात्मिक सर्किट (बसारा, यादाद्री), इको-टूरिज्म (बोगाथा झरने, लकनावरम) और विरासत स्थलों (रामप्पा मंदिर, वारंगल किला) को शामिल किया जाएगा, जो ऐप के भीतर परिवहन और आवास जैसी बंडल सेवाएं प्रदान करेंगे। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीआरटीसी) मासिक और सब्सिडी वाले बस पास को क्यूआर सत्यापन, डिजिटल नवीनीकरण अलर्ट और उपयोग ट्रैकिंग के साथ एकीकृत करेगा, जिससे यात्रियों के बीच मी टिकट की पहुंच और बढ़ेगी। अधिकारियों का कहना है कि ऐप की लगातार 4.0+ रेटिंग और बढ़ती लोकप्रियता तेलंगाना के डिजिटल गवर्नेंस इकोसिस्टम की आधारशिला के रूप में इसकी भूमिका को पुख्ता करती है। मी टिकट प्रमुख मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म पर डाउनलोड के लिए उपलब्ध है और नागरिकों और पर्यटकों के लिए एक स्मार्ट, केंद्रीकृत टिकटिंग हब के रूप में विकसित हो रहा है।

मिर्जा रियाज उल हसन ने एमएलसी के रूप में शपथ ली

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के सभापति जी. सुखेंद्र रेड्डी ने शुक्रवार को अपने कार्यालय कक्ष में हैदराबाद स्थानीय प्राधिकरण (एचएलए) निर्वाचन क्षेत्र से ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की ओर से विधान परिषद के सदस्य चुने गए मिर्जा रियाज उल हसन इफेंडी को पद की शपथ दिलाई। विधान परिषद के उपसभापति बंडा प्रकाश, सचिव डॉ. नरसिम्हा चार्युलु, एमआईएम विधायक अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला, मीर जुल्फिकार अली, मुस्लिम धार्मिक नेता और अन्य लोग कार्यक्रम में शामिल हुए।

वन मंत्री कोंडा सुरेखा के कथित बयानों की जांच होनी चाहिए : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से वन मंत्री कोंडा सुरेखा के कथित बयानों की जांच का आदेश देने की मांग की है, जिसमें उन्होंने कहा था कि मंत्री विभिन्न फाइलों को मंजूरी देने के लिए पैसे लेते हैं। वन मंत्री का यह बयान कि "मंत्रियों द्वारा कमीशन लेना और फाइलें पास करना आम बात है" दुखद है। उन्होंने कहा कि यह इस बात की स्वीकृति है कि तेलंगाना में मंत्री कमीशन ले रहे हैं। किशन रेड्डी ने शुक्रवार को यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को मंत्रियों की संलिप्तता और उनके द्वारा मांगे गए कमीशन की विभागवार जांच का आदेश देना चाहिए। सभी विवरण सार्वजनिक किए जाने चाहिए। इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने नेताओं, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों, व्यक्तियों और संगठनों से शनिवार को शहर में आयोजित होने वाली तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में पहुंचने की अपील की। उन्होंने भाजपा कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है।

यह भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता और "ऑपरेशन सिंदूर" में उनके प्रदर्शन का जश्न मनाने के लिए आयोजित किया जा रहा है और इसमें सभी वर्गों के लोगों को भाग लेना चाहिए। तिरंगा यात्रा अंबेडकर प्रतिमा से टैंक बंड तक निकाली जाएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि कार्यक्रम में भाजपा के झंडे, पोस्टर, दुपट्टे या कोई अन्य पार्टी सामग्री नहीं होगी।

जल बोर्ड पोर्टल पर निदेशक मंडल की जानकारी अपडेट करने में विफल रहा

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज ग्रेटर हैदराबाद और उसके आसपास के इलाकों में करीब 10 लाख लोगों को सेवाएं देता है, अपने पोर्टल, खासकर बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स कॉलम को अपडेट करने में विफल रहा है। बोर्ड में कुल 11 सदस्य हैं, जिनमें मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी भी शामिल हैं, जो हैदराबाद मेट्रोपॉलिटन वाटर सप्लाई एंड सीवरेज ग्रेटर हैदराबाद के अध्यक्ष हैं। इस बीच, पोर्टल पर 30 अप्रैल को मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुईं ए शांति कुमारी का नाम अभी भी उसी पोस्ट में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स कॉलम में सूचीबद्ध है। हैरानी की बात यह है कि 1 मई को मुख्य सचिव का पद संभालने वाले के रामकृष्ण राव का नाम अभी भी उनके पुराने पदनाम, विशेष मुख्य सचिव, वित्त के साथ दिखाया गया है।

इसके साथ ही, राज्य सरकार के एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी एम दाना किशोर, जिन्हें स्थानांतरित कर प्रधान सचिव (एलईटीएंडएफ) के पद पर तैनात किया गया था, अभी भी जल बोर्ड के पोर्टल पर अपने पिछले पद पर ही दिखाए जा रहे हैं। एक अन्य आईएएस अधिकारी, इलांबर्ती, जिन्हें जीएचएमसी से स्थानांतरित कर महानगर क्षेत्र एवं शहरी विकास विभाग (एचएमडीए सीमा) के सचिव के पद पर तैनात किया गया था, अभी भी जल बोर्ड के पोर्टल पर जीएचएमसी आयुक्त के रूप में सूचीबद्ध हैं। इलांबर्ती के स्थान पर जीएचएमसी आयुक्त के पद पर स्थानांतरित किए गए आरवी कर्णन का पद भी एचएमडब्ल्यूएसएंडएसबी के आधिकारिक पोर्टल पर अपडेट नहीं किया गया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I,ANGURBALA KUNWAR IS LEGALLY WEDDED SPOUSE OF NO 15509572X RANK LD NAME AJAY SINGH PANWAR R/O. NIKEWADI VILL, KACHNARIYA PO, TEH - UJJAIN, UJJAIN DIST (M.P) HAVE CHANGED MY NAME FROM: ANGURBALA KUNWAR TO ANGUR KUNWAR

I,MEHARBAN SINGH PANWAR IS LEGALLY FATHER OF NO 15509572X RANK LD NAME AJAY SINGH PANWAR R/O. NIKEWADI VILL, KACHNARIYA PO, TEH - UJJAIN, UJJAIN DIST (M.P) HAVE CHANGED MY NAME FROM: MEHARBAN SINGH PANWAR TO MEHARBAN SINGH

I,BHURI BAI PANWAR IS LEGALLY MOTHER OF N 15509572X RANK LD NAME AJAY SINGH PARIWAR R/O. NIKEWADI VILL, KACHNARIYA PO, TEH - UJJAIN, UJJAIN DIST (M.P)HAVE CHANGED MY NAME FROM BHURI BAI PANWAR TO BHURI BAI

I, NO. 17021365F, HAV, CHAUDHARY BHAIRAVKUMAR PARAKHAJI, R/O, BANASKANTHA DIST, GUJARAT, CHANGED MY MOTHER'S NAME FROM CHAUDHARY SAMADABEN TO SAMADABEN PARAKHABHAI PATEL VIDE AFFIDAVIT DT 15.05.2025, BEFORE MEDCHAL COURT, TELANGANA.

I, NO. 17021365F, HAV, CHAUDHARY BHAIRAVKUMAR PARAKHAJI, R/O, BANASKANTHA DIST, GUJARAT, CHANGED MY FATHER'S NAME FROM CHAUDHARY PARAKHAJI TO PARAKHAJI BHALAJI CHAUDHARY VIDE AFFIDAVIT DT 15.05.2025, BEFORE MEDCHAL COURT, TELANGANA.

I, KRISHNA SINGH MOTHER OF MR ASHUTOSH SINGH GAUTAM PRESENTLY RESIDING AT VILL-GANGAGNAJ, POST ROOMA, TEH- NARVAL , DISTT- KANPUR NAGAR (UTTAR PRADESH) PIN-209402 HAVE CHANGED MY NAME FROM KRISHNA SINGH TO KIRSHNA SINGH VIDE AFFIDAVIT DT 15 MAY 2025 BEFORE P RAVEENDRANATH ADVOCATE AND NOTARY, SECUNDERABAD.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

केटीआर को यूके में पीडीएसएल नॉलेज सेंटर का उद्घाटन करने का निमंत्रण मिला

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में अपने बढ़ते वैश्विक कद के एक और प्रमाण के रूप में, पूर्व आईटी और उद्योग मंत्री, के.टी. रामाराव को यू.के. स्थित एक प्रमुख इंजीनियरिंग सेवा कंपनी, प्रैगमैटिक डिज़ाइन सॉल्यूशंस लिमिटेड (पीडीएसएल) से वारविक टेक्नोलॉजी पार्क, यूनाइटेड किंगडम में अपने अत्याधुनिक नॉलेज सेंटर का उद्घाटन करने के लिए एक प्रतिष्ठित निमंत्रण मिला है। मैकलारेन, एस्टन मार्टिन और जगुआर लैंड रोवर जैसे कुलीन ऑटोमोटिव ब्रांडों का समर्थन करने वाली पीडीएसएल, वैश्विक नवाचार और उत्कृष्टता के 15 साल पूरे होने का जश्न मना रही है। इस मील के पत्थर के हिस्से के रूप में, कंपनी एक नया नियर शोर हार्डवेयर-इन-द-लूप (एचआईएल) ऑटोमोटिव टेस्ट फैसिलिटी शुरू कर रही है- ऑटोमोटिव विकास और परीक्षण के लिए एक उन्नत इनक्यूबेशन सेंटर। केटीआर को 30 मई, 2025 को द रिसर्च सेंटर, वारविक यूनिवर्सिटी साइंस पार्क, कोवेंट्री, यूके में इस सुविधा का औपचारिक उद्घाटन करने के लिए आमंत्रित किया गया है। यह निमंत्रण उनके दूरदर्शी नेतृत्व और तेलंगाना को आईटी और औद्योगिक नवाचार के लिए एक वैश्विक केंद्र में बदलने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करता है। पीडीएसएल के निदेशक क्रांति पुप्पाला ने कहा, हम रामाराव की उपस्थिति से सम्मानित महसूस करेंगे। नवाचार और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए उनकी प्रतिबद्धता हमारे मिशन और मूल्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाती है। यह निमंत्रण वैश्विक प्रौद्योगिकी नेताओं के बीच केटीआर के प्रभाव और अंतर्राष्ट्रीय अपील की एक और मान्यता का प्रतीक है।

72वीं मिस वर्ल्ड प्रतिभागियों ने तेलंगाना के चिकित्सा पर्यटन उत्कृष्टता का अनुभव किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना- चल रहे 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल के हिस्से के रूप में, प्रतिभागियों ने हैदराबाद के गच्चीबावली स्थित एआईजी हॉस्पिटल्स में आयोजित एक प्रतिष्ठित चिकित्सा पर्यटन कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में अफ्रीका समूह की 25 प्रतिभागियों के साथ-साथ ग्वाडेलोप, तुर्की, वेल्स, बोस्निया, प्यूर्टो रिको, बेल्जियम, ग्वाटेमाला, लेबनान, मलेशिया, पोलैंड, फ्रांस, उत्तरी आयरलैंड, गुयाना, माल्टा सहित अन्य समूहों के डॉक्टर या मनोवैज्ञानिक प्रतिभागी शामिल हुए, जिनका पारंपरिक रूप से सजे-धजे तेलंगाना के कर्मचारियों ने गुलाब की पंखुड़ियां बरसाकर भव्य रेड कार्पेट स्वागत किया, साथ ही लाइव शहनाई वादन भी हुआ। प्रतियोगियों को अपने आदमकद कटआउट के साथ तस्वीरें खिंचवाने का अनूठा अवसर मिला, जिस पर उन्होंने व्यक्तिगत रूप से हस्ताक्षर भी किए। कार्यक्रम की शुरूआत एआईजी हॉस्पिटल्स के चेयरमैन डॉ.डी नागेश्वर रेड्डी द्वारा गर्मजोशी से स्वागत और हॉस्पिटल्स की विरासत के बारे में जानकारी देने के साथ हुई।

परिचय के बाद, प्रतियोगियों को अस्पताल की सुविधाओं के गहन भ्रमण के लिए दो समूहों में विभाजित किया गया। इस दौरे में एंडोस्कोपी सुइट्स, एआई एक्सपीरियंस सेंटर, मरीजों के साथ बातचीत के साथ कीमो वार्ड, रिसर्च सेंटर, स्किल लैब्स और बाल चिकित्सा वार्ड का दौरा शामिल था, जिसका मार्गदर्शन डॉ. नागेश्वर रेड्डी, डॉ. सुजाना प्रिया, डॉ.जी.वी. राव और डॉ. लक्ष्मी सहित वरिष्ठ चिकित्सा पेशेवरों द्वारा किया गया। डॉ.डी. नागेश्वर रेड्डी ने प्रतियोगियों को सम्मानित किया, जिसके बाद उन्होंने हेल्थकेयर के भविष्य शीर्षक से एक ज्ञानवर्धक संवादात्मक वार्ता का नेतृत्व किया। इसके बाद तेलंगाना सरकार द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य पहलों पर एक प्रस्तुति दी गई, जिसमें कैंसर और महिला स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसे सरकार के स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग की सचिव डॉ. क्रिस्टीना जेड. चोंगथु ने दिया। हैदराबाद के वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में उभरने पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. नागेश्वर रेड्डी ने कहा, तेलंगाना तेजी से चिकित्सा उत्कृष्टता का केंद्र बन रहा है, जिसमें विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा और अत्याधुनिक तकनीक के साथ-साथ दयालु देखभाल भी शामिल है। यहां मिस वर्ल्ड इवेंट की मेज़बानी करने से हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रगति पर वैश्विक ध्यान केंद्रित होता है, और हमें चिकित्सा पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में शहर की बढ़ती भूमिका को प्रदर्शित करने पर गर्व है। मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइज़ेशन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मोर्ले सीबीई ने कहा, हमें खुशी है कि मिस वर्ल्ड फेस्टिवल हैदराबाद के प्रभावशाली स्वास्थ्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र को उजागर करने के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है। हमारे उम्मीदवारों में डॉक्टर, मनोवैज्ञानिक और चिकित्सा विज्ञान और मनोविज्ञान के छात्र शामिल हैं, जो स्थानीय चिकित्सा देखभाल और सुविधाओं के बारे में जानकर प्रसन्न होते हैं और घर वापस जाने पर जानकारी साझा करते हैं। हमें विश्व स्तरीय चिकित्सा देखभाल के लिए तेलंगाना की प्रतिबद्धता पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान आकर्षित करने की खुशी है। हैदराबाद के चिकित्सा पर्यटन क्षेत्र में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, पिछले एक दशक में विदेशी रोगियों की आमद दोगुनी से भी अधिक हो गई है। 2014 में 75,000 से अधिक विदेशी रोगियों से, तेलंगाना ने 2024 में 1.55 लाख अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा पर्यटकों को आकर्षित किया। घरेलू मोर्चे पर, पिछले साल अकेले तेलंगाना में अन्य भारतीय राज्यों के लगभग 8.82 करोड़ रोगियों ने चिकित्सा देखभाल की मांग की। सरकारी और निजी इक्विटी दोनों के रणनीतिक निवेश ने तेलंगाना को अत्यधिक सुलभ और सस्ती स्वास्थ्य सेवा गंतव्य में बदल दिया है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में, तेलंगाना तेजी से खुद को वैश्विक चिकित्सा पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है, जिसे अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, विश्व स्तरीय चिकित्सा पेशेवरों और मजबूत सरकारी समर्थन से समर्थन प्राप्त है। 72वां मिस वर्ल्ड इवेंट एक एकीकृत वैश्विक स्वास्थ्य गंतव्य के रूप में तेलंगाना की छवि को और बढ़ाता है। एआईजी हॉस्पिटल्स में यह मेडिकल टूरिज्म इंट्रोडक्शन प्रोग्राम वैश्विक स्वास्थ्य कूटनीति के साथ ग्लैमर को मिलाने वाली अपनी तरह की पहली पहल है।

मानसून की फसलों के लिए तैयार रहें : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आगामी मानसून की फसलों के लिए तैयार रहने और ऐसे उपाय लागू करने का निर्देश दिया है जिससे किसानों को किसी भी तरह की असुविधा न हो। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में कृषि विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की।

बैठक में कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, सीएम सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को नकली बीजों के वितरण के खिलाफ सख्त कदम उठाने और कृषि सीजन के दौरान उर्वरकों की किसी भी तरह की कमी को रोकने के लिए रणनीति लागू करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को हर जिले के कलेक्टरों से इस मामले पर चर्चा करने और कार्ययोजना तैयार करने के लिए कहा है।

भ्रामक दावा वाला हर्बल फीवर गार्ड सिरप जब्त

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य औषधि नियंत्रण प्रशासन (टीएसडीसीए) ने आयुर्वेदिक दवा 'हर्बल फीवर गार्ड सिरप' के स्टॉक को जब्त कर लिया है, जो बाजार में बिक रही थी और इसके लेबल पर भ्रामक दावा किया गया था कि यह सभी प्रकार के बुखार का इलाज करती है। डीसीए अधिकारियों ने आदिलाबाद के एक मेडिकल स्टोर पर 'हर्बल फीवर गार्ड सिरप' का स्टॉक पकड़ा। इस सिरप का निर्माण और विपणन इंटरनेशनल हर्बल कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड, सिडकुल, हरिद्वार, उत्तराखंड द्वारा किया जाता था। आगे की जांच की जाएगी और सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। टीएसडीसीए के महानिदेशक शाहनवाज कासिम ने कहा कि जो लोग कुछ बीमारियों और विकारों के इलाज के लिए दवाओं के बारे में भ्रामक विज्ञापन करते हैं, वे ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत दंडनीय हैं। एक अलग छापेमारी में डीसीए की टीमों ने सिद्दीपेट जिले के गजवेल के अहमदीपुर गांव में एक क्लिनिक को जब्त कर लिया। क्लिनिक का संचालन के रामचंद्रम नामक एक झोलाछाप डॉक्टर कर रहा था, जो अपने क्लिनिक में बिना किसी उचित योग्यता के दवा का चिकित्सा कर रहा था। छापेमारी के दौरान, डीसीए अधिकारियों ने क्लिनिक में बिना ड्रग लाइसेंस के 20,000 रुपये मूल्य की 12 प्रकार की दवाइयां पाईं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, एनाल्जेसिक आदि शामिल हैं। डीसीए अधिकारियों ने विश्लेषण के लिए नमूने उठाए तथा आगे की जांच की जाएगी तथा सभी अपराधियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

IN THE COURT OF THE HON'BLE 1st SENIOR CIVIL JUDGE, CITY CIVIL COURTS, AT: HYDERABAD.
S. O. P. NO. 31 OF 2025

Between:
Duvvuri Shailendra Kumari & another. ...Petitioners
Vs.
Union Bank of India & another. ...Respondents

To,
All Concerned.

Please take notice that the above named Petitioners have filed the above said SOP to declare them as successors of the Deceased Late Rahatpuri Rajendra Singh, R/o. H.No.10-5-2/1/1, Annexe, Road No.1, Banjara Hills Road, Masab Tank, Hyderabad – 500004, Telangana State, India and if anybody has got any objection for the same, they may file their objections on **10-06-2025** before the above mentioned Hon'ble Court at **10.30 AM** and if no objection is received on that day, then the Hon'ble Court will decide / adjudicate the matter on merits.

// By Order of the Hon'ble Court //
M/s. P. NEELA RAJU & MOHD. RAFI
Advocates
Flat No.202, 2nd Floor, H.No.10-4-29, AlJabri Apartment, Humayun Nagar, Masab Tank, Hyderabad – 500028.
Mobile No.9700001700
(COUNSERL FOR THE PETITIONERS)

साइबर ठग गैंग का भंडाफोड़, नोएडा से ली थी हाईटेक ठगी की ट्रेनिंग, चार गिरफ्तार

अलीगढ़, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश की अलीगढ़ पुलिस ने एक अंतरजनपदीय साइबर ठग गैंग का खुलासा कर चार शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। यह गैंग पहले मोबाइल चोरी करता था और फिर चुराए गए फोन के यूपीआई का इस्तेमाल कर पीड़ितों के बैंक खातों से पैसे निकाल लेता था। पुलिस ने बताया कि आरोपियों ने दिल्ली में साइबर ठगी की ट्रेनिंग ली थी, जिसके बाद उन्होंने इस हाईटेक अपराध को अंजाम देना शुरू किया। थाना रोरावर और जनपदीय साइबर सेल की संयुक्त कार्रवाई में चारों आरोपियों को धर दबोचा गया और उनके पास से चार मोबाइल फोन और 1090 रुपये बरामद किए गए। घटना का मुकदमा थाना रोरावर में मुकदमा संख्या 131/2025, धारा 305(ए) बीएनएस और 66(सी) आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। पीड़ित की शिकायत के अनुसार, उनकी दुकान से मोबाइल चोरी कर यूपीआई के जरिए 17,000 रुपये निकाले गए थे। मुख्य आरोपी रिजवान ने पूछताछ में खुलासा किया कि वह और उसके साथी मोबाइल चोरी कर यूपीआई से पैसे निकालते थे और फिर फोन को दूसरे जिलों में बेच देते थे। रिजवान ने बताया कि नोएडा में कुछ लोगों से उसने यह तकनीक सीखी और पहले भी वह कई बार जेल जा चुका है। एसपी क्राइम ममता कुरील ने कहा कि साइबर ठगी से बचने के लिए यूपीआई उपयोगकर्ताओं को जागरूक रहना होगा। उन्होंने सलाह दी कि डेट ऑफ बर्थ जैसे साधारण पासवर्ड का इस्तेमाल न करें, क्योंकि ठग आसानी से इन्हें क्रैक कर लेते हैं।

तलाकशुदा मां के साथ रहने वाली बेटी पेंशन की हकदार

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आदेश दिया, पिता की मौत के बाद बड़ी बेटी ने ली अनुकंपा नौकरी

प्रयागराज, 16 मई (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पेंशन को लेकर आदेश दिया है। कोर्ट ने तलाकशुदा मां के साथ रह रही बेटी को पिता की मौत के बाद पारिवारिक पेंशन देयता पर निर्णय लेकर पेंशन जारी करने का निर्देश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार ने मेरठ की रहने वाली स्वाति की याचिका पर दिया। स्वाति के अधिवक्ता गोपाल खरे ने कहा- स्वाति की बड़ी बहन पिता के पास रहती थी। जबकि वह और उसका भाई मां के पास रहते हैं। पिता की मौत के बाद उसकी बड़ी बहन को पेंशन मिल रही थी। फिर उसे पिता के स्थान पर अनुकंपा में नौकरी मिल गई। जिस कारण पेंशन मिलनी बंद हो गई। ऐसे में छोटी बहन को पेंशन पाने का हक है। कोर्ट ने स्वाति के अधिवक्ता गोपाल खरे और सरकारी वकील के तर्क सुने। फिर फैसला दिया।

क्या है पूरा मामला

मामले के अनुसार मेरठ में ईशापुरम मवाना रोड निवासी याची स्वाति के पिता गोपाल कृष्ण की 15 मार्च 2011 को मौत हो गई थी। वह जिला निर्वाचन कार्यालय गेरठ में चपरासी के पद पर कार्यरत थे। याची के पिता व मां अनीता का 16 मई 2001 को विवाह विच्छेद (तलाक) हो गया। याची की बड़ी बहन चारु पिता गोपाल कृष्ण के साथ रह रही थी। याची स्वाति और उसका छोटा भाई राहुल मां अनीता के साथ रह रहे थे। पिता की मृत्यु के बाद याची की बड़ी बहन चारु को पिता की पारिवारिक पेंशन दी जा रही थी। वर्ष 2013 में चारु को जिला निर्वाचन अधिकारी मेरठ में पिता की जगह कनिष्ठ लिपिक पद पर अनुकंपा नियुक्ति दे दी गई। जिसके कारण चारु की पारिवारिक पेंशन मिलना बंद हो गई।

वकील ने कहा- अविवाहित बेटियां पारिवारिक पेंशन की पूर्ण पात्र हैं

कोर्ट में एडवोकेट खरे ने कहा- यदि किसी दिवंगत कर्मचारी की पारिवारिक पेंशन उनके बड़े पुत्र या पुत्री को दी गई हो। उसके बाद पारिवारिक आश्रितों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति दे दी जाए, तो ऐसी स्थिति में अन्य आश्रितों के अधिकार समाप्त नहीं हो जाते। उन्होंने यह भी तर्क दिया कि 16 मई 2015 के शासनादेश के अनुसार अविवाहित बेटियां आश्रित की श्रेणी में पारिवारिक पेंशन की पूर्ण पात्र हैं।

कोर्ट ने कहा- 2 माह में जारी करें पेंशन

अधिवक्ता ने कहा- 16 मई 2015 के शासनादेश के तहत पारिवारिक पेंशन का लाभ उठाने के लिए अविवाहित बेटियों को आश्रितों की श्रेणी में शामिल किया गया है। इसलिए सक्षम प्राधिकारी को याची की शिकायत की जांच करने और कानून के अनुसार निर्णय लेने का निर्देश दिया जा सकता है। सुनवाई के बाद कोर्ट ने 16 मई 2015 के शासनादेश के आलोक में पारिवारिक पेंशन के लिए याची के दावे की 2 महीने में जांच करने का आदेश दिया। याची का दावा सही पाए जाने पर उसके पक्ष में पारिवारिक पेंशन जारी करने का निर्देश दिया।

रिटायर वायुसेना कर्मी से 20 लाख की धोखाधड़ी

कानपुर, 16 मई (एजेंसियां)। रिटायर्ड वायुसेना कर्मी की पत्नी ने शोरूम खोलने के नाम पर 25 लाख रुपये लेकर 20 लाख हड़प लेने के मामले में गुरुवार को सहयोगी पर धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शारदानगर निवासी पंकज कुमार गुप्ता वायुसेना से रिटायर हैं। उनकी पत्नी रेखा के मुताबिक लखनऊ के आदिलनगर निवासी निखिलेश मिश्रा पति के परिचित हैं। उनकी पत्नी अभया मिश्रा ने कन्नौज में एक फैशन ग्रुप की रिटेल शॉप की फ्रेंचाइजी पार्टनरशिप में खोलना तय किया था। शोरूम बनाने से लेकर माल खरीदने तक में 50 लाख रुपये का खर्च आना था। उन्होंने अपने हिस्से के 25 लाख रुपये अभया को दे दिए। आरोप है कि अभया ने अपने हिस्से का पैसा नहीं दिया, जिसके चलते शोरूम शुरू नहीं हो पाया।

अमेठी में अखिलेश यादव बोले

पाला बदलने वाले 'एहसान फरामोश और दगाबाज', कभी चुनाव नहीं जीत पाएंगे

अमेठी, 16 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव शुक्रवार को अमेठी पहुंचे। उन्होंने सपा नेता जहूर अहमद के आवास पर मुलाकात की और क्षेत्रीय हालातों की जानकारी ली। इसके बाद वे मुसाफिरखाना के रामरायपुर स्थित सपा जिलाध्यक्ष राम उदित यादव के घर भी पहुंचे और पार्टी कार्यकर्ताओं से संवाद किया। अमेठी दौरे पर पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बीजेपी पर जमकर निशाना। उन्होंने पार्टी के बागियों को भी आड़े हाथों लिया।

पाला बदलने वाले कभी चुनाव जीत नहीं पाएंगे

अखिलेश यादव ने कहा कि अमेठी के जिन लोगों ने पाला बदला है, वो 3 वजहों से फिर कभी नहीं जीत पाएंगे। पहला-एहसान-फरामोशी, दूसरा- दग़ाबाज़ी और तीसरी वजह ये है कि वो उस दल में गये हैं, जो ख़ुद के लोगों का सगा नहीं है, दल बदलुओं का क्या होगा। ऐसे लोगों ने अपने राजनीतिक संभावनाओं पर ख़ुद ही फुल स्टॉप लगा दिया है।

एहसान फरामोश लोग किसी के नहीं होते: अखिलेश

अमेठी में भाजपा की सक्रियता पर तंज कसते हुए सपा अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अमेठी में गुमशुदा है। जनता अब उसे पहचान चुकी है। सपा के बागी विधायक पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि दल बदलने वाले और एहसान फरामोश लोग किसी के नहीं होते। अब तो हर दल में उनकी टिकट पाने की उम्मीद भी खत्म हो चुकी है। भाजपा जैसे दल भी ऐसे लोगों को अपनाने से हिचकते हैं।

बीजेपी की तिरंगा यात्रा पर साधा निशाना

बीजेपी की तिरंगा यात्रा पर निशाना साधते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि जश्न जीत का होना चाहिए, सीज़ का नहीं। बात ये नहीं होनी चाहिए कि फिर कभी हमला हुआ तो मुंहतोड़ जवाब देंगे, बल्कि जनता को ये भरोसा मिलना चाहिए कि फिर कभी हमला नहीं होगा। भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा न सिर्फ मध्य प्रदेश से उजागर हुआ है, बल्कि बलिया जैसे जिलों से भी जनता ने देखा है। नारी सुरक्षा के मुद्दे पर भाजपा को घेरते हुए उन्होंने कहा कि नारी वंदन का नारा देने वाली भाजपा असल में महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा में बार-बार विफल हुई है।

'जो देश पाकिस्तान का यार वो भारत के लिए गद्दार है

तुर्किए और अजरबैजान के संबंधों पर शाहनवाज हुसैन का बड़ा बयान

पटना, 16 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सैन्य टकराव के दौरान तुर्किए और अजरबैजान ने पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद भारत और पाकिस्तान में तनातनी चरम पर थी। तुर्किए ने अजरबैजान के साथ मिलकर पाकिस्तान का साथ दिया था। पाकिस्तान के साथ दोनों देशों की एकजुटता पर भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है। बीजेपी नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री शाहनवाज हुसैन का बयान सामने आया है। शाहनवाज हुसैन ने एक्स पर इस संबंध में एक पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, जो देश पाकिस्तान का यार है, वो भारत के लिए गद्दार है। तुर्किए और अजरबैजान ने 40 करोड़ भारतीयों के दिल को चोट पहुंचाई है। भारत सरकार सख्त कदम उठा रही है और उठाएगी। आतंक के समर्थकों को जवाब मिलेगा। तुर्किए ने अजरबैजान को भी पक्ष में मिला लिया। दोनों देश सैन्य टकराव में पाकिस्तान के लिए एक साथ आ गए। अब भारत में दोनों देशों के खिलाफ गुस्सा देखने को मिल रहा है। भारत में तुर्किए और अजरबैजान का बॉयकॉट शुरू कर दिया गया है।

सोशल मीडिया पर तुर्किए और अजरबैजान जैसे हैशटैग की बाढ़ आ गई है। भारतीय दोनों देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था पर प्रहार करने की तैयारी में हैं। ऑनलाइन ट्रैवल कंपनियों ने तुर्किए और अजरबैजान के लिए पैकेजों का प्रचार या बिक्री नहीं करने का फैसला लिया है। भारतीय व्यापारी भी दोनों देशों के खिलाफ आ गए हैं। 22 अप्रैल को पहलगाम में 26 लोगों की हत्या के बाद आतंक को मुंहतोड़ जवाब देने का ऐलान किया गया था। सेना की ओर से पाकिस्तान और पीओके के 9 आतंकी ठिकानों को मिट्टी में मिलाने की कार्रवाई की गई थी।

सोफिया कुरैशी के अपमान पर बिहार में सियासत! आरजेडी ने पोस्टर लगाया

पटना, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सरकार में मंत्री और बीजेपी नेता विजय शाह ने कर्नल सोफिया को अपने एक बयान में आतंकियों का बहन बताया था। इसके बाद से यह मामला तूल पकड़ता जा रहा है। वे विपक्ष के निशाने पर हैं। अब बिहार में भी सियासत शुरू हो गई है। शुक्रवार (16 मई, 2025) को पटना में जगह-जगह पोस्टर लगाकर विरोध जताया गया है। पटना में आरजेडी के महासचिव भाई अरुण की ओर से पार्टी दफ्तर से लेकर कई जगहों पर पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर में तेजस्वी यादव की तस्वीर है। वे भारत-पाक तनाव के दौरान शहीद हुए बिहार के लाल को श्रद्धांजलि देते नजर आ रहे हैं। पोस्टर में कर्नल सोफिया की भी तस्वीर है। लिखा है, कर्नल सोफिया का अपमान नहीं सहेगा हिन्दुस्तान। कर्नल सोफिया मेरी बहन है। मुझे अपनी बहन पर गर्व है। कर्नल सोफिया का अपमान करने वाले भाजपा के मंत्री विजय शाह को गिरफ्तार करो।

'मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है'

पोस्टर के जरिए भारत-पाक के बीच युद्धविराम में अमेरिका की कथित मध्यस्थता पर सरकार को घेरा गया है। पोस्टर में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीर है। लिखा गया है- भारत पाकिस्तान का युद्ध मैंने रुकवाया। सवाल किया गया है- मेरे अंगने में तुम्हारा क्या काम है? पूछता है भारत। जब भारतीय सेना का हाथ पाकिस्तान सेना की गर्दन में था तो सीजफायर क्यों? अगर दो-तीन युद्ध और होता तो पीओके भारत का होता। जय हिंद। बता दें ऑपरेशन सिंदूर की ब्रीफिंग करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर मध्य प्रदेश के मंत्री के विवादित बयान पर एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर दिए बयान से बीजेपी नेतृत्व बेहद खफा है। आदिम जाति कल्याण मंत्री विजय शाह का पद खतरे में है। उन्हें मोहन यादव कैबिनेट से इस्तीफा देने को कहा जा सकता है या फिर बर्खास्त भी किया जा सकता है। सोफिया कुरैशी को लेकर विजय शाह ने कहा था- जिन लोगों ने हमारी बेटियों के सिंदूर उजाड़े थे, पीएम नरेंद्र मोदी ने उन कटे-पिटे लोगों को उनकी एक बहन को भेजकर ऐसी-तैसी करवा दी।

फ्लैट की बालकनी टूटकर गिरी नीचे मलबे में दबकर मामा-भांजे की मौत

गाजियाबाद, 16 मई (एजेंसियां)। यूपी के गाजियाबाद में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां फ्लैट की बालकनी टूटकर दो लोगों के ऊपर गिर गई। दोनों मामा-भांजे बताए जा रहे हैं। वहीं जर्जर फ्लैट की बालकनी टूटकर गिरने से दोनों की मौत हो गई। मृतकों की पहचान आकाश (26) और उसके भांजे वंश (04) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों घर से निकलकर चावल लेने के लिए किराने की दुकान पर खड़े थे। इसी दौरान अचानक उनके ऊपर बने फ्लैट की बालकनी टूटकर गिर गई। इस हादसे में दोनों की मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं जीडीए के एक अधिकारी ने बताया कि इस कॉलोनी का निर्माण 30 साल पहले हुआ था। यह कई सालों से जर्जर अवस्था में है।

फेसबुक पर दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये ठगे, सीए को शादी का दिया था झांसा; कोर्ट ने दिया ये आदेश

कानपुर, 16 मई (एजेंसियां)। एसीजेएम प्रथम अभिनव तिवारी ने फेसबुक पर चार्टर्ड एकाउंटेंट से दोस्ती कर 10.66 लाख रुपये रुपये ठगने वाली युवती व उसके स्वजन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के आदेश नजीराबाद थाना प्रभारी को दिए हैं। पुलिस के रिपोर्ट न दर्ज करने पर चार्टर्ड एकाउंटेंट ने कोर्ट में प्रार्थनापत्र देकर रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए कहा था। अधिवक्ता संजय कुमार सिंह ने बताया कि जवाहर नगर निवासी चार्टर्ड एकाउंटेंट आनंद कुमार झा ने रांची की रहने वाली ईशा, उसकी मां रानी देवी, पिता शैलेंद्र किशोर, भाई विशाल पांडेय व मित्र शिवम कुमार के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दी थी। इसमें कहा था कि फेसबुक पर उनकी दोस्ती ईशा कुमारी से हुई। उसने शादी का झांसा देकर 10,66,452 रुपये ऐंठ लिए। रकम ईशा ने अपने, अपनी मां रानी देवी, मित्र शिवम कुमार के बैंक खातों में मंगाई। बाद में उसे झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकी देने लगी। पता चला कि ईशा शादीशुदा है और उसका अपने पति अभय से रांची में मुकदमा भी चल रहा है। अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की कोर्ट ने फर्जीवाड़ा कर दूसरे का मकान बेच देने वाले की जमानत अर्जी खारिज कर दी है। बीटेक मैकेनिकल इंजीनियर त्रिपुरेश मिश्रा ने नौबस्ता थाने में हमीरपुर निवासी बृजबिहारीलाल, फतेहपुर के बिंदकी निवासी प्रत्यूष कुमार, सीसामऊ निवासी सक्षम सोनकर व फतेहपुर के अमौली निवासी आनंद कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। समें कहा कि बूढ़पुर मछरिया में उसका एक पैतृक प्लाट है। इसका पट्टा पंजाब फ्रंटियर सहकारी आवास समिति लिमिटेड ने वर्ष 1985 में उसकी मां करुणा देवी मिश्रा के पक्ष में किया था। इसके बाद मकान का निर्माण हुआ लेकिन कूटरचित दस्तावेजों के जरिए बृजबिहारी ने फर्जी पट्टा तैयार किया। इसके बाद प्रत्यूष को मकान की रजिस्ट्री कर दी। इसमें सक्षम व आनंद गवाह बने। कब्जा करने की नीयत से एक दीवानी वाद दाखिल कर दिया। कोर्ट का सम्मन मिलने पर त्रिपुरेश को जानकारी हुई तो उससे 25 लाख रुपये रंगदारी मांगी गई। पुलिस ने बृजबिहारी लाल को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। बृजबिहारी ने जमानत अर्जी दाखिल की थी लेकिन कोर्ट ने अपराध की गंभीरता को देखते हुए अर्जी खारिज कर दी। विवेचक द्वारा छह माह पहले चार्जशीट भेजे जाने के बावजूद एसीपी स्वरूप नगर द्वारा अब तक चार्जशीट कोर्ट नहीं भेजी गई। इस पर सीजेएम सूरज मिश्रा की कोर्ट ने एसीपी से 22 मई तक तिथिवार रिपोर्ट मांगी है।

लखनऊ, आगरा और गाजियाबाद में पकड़ी गईं सर्वाधिक नकली दवाएं, 68 गिरफ्तार

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में नकली दवा कारोबारियों पर निरंतर कार्रवाई हो रही है। सर्वाधिक नकली दवाएं लखनऊ, आगरा और गाजियाबाद में पकड़ी गई हैं। इसमें ऑक्सीटोसिन इंजेक्शन, नारकोटिक्स दवाएं और नकली कॉस्मेटिक उत्पाद शामिल हैं। अब सीएम के निर्देश के बाद इन जिलों में विशेष निगरानी करने की रणनीति बनाई गई है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ओर से प्रदेश के सभी औषधि निरीक्षकों को निर्देश दिया गया है कि आगरा, लखनऊ और गाजियाबाद की दवा मंडी से आने वाली दवाओं की बिक्री पर्ची की जांच की जाए। इन दवाओं के सैंपल भी भरे जाएं। विभाग की ओर से वर्ष 2024-25 में 30 करोड़ 77 लाख रुपये की नकली दवाएं जब्त की गई हैं। प्रदेश में 1039 छापेमारी अभियान चलाए गए, जिनमें 13,848 नमूने संकलित किए गए। इसमें 96 नकली और 497 अधोमानक पाए गए। नकली व अधोमानक दवा बेचने के आरोप में 1166 दवा कारोबारियों के लाइसेंस निरस्त किए गए।

68 लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है। वर्ष 2024-25 में 463 दवा निर्माण इकाइयों, 647 ब्लड बैंकों और 10,462 विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया। पांच ब्लड बैंकों के लाइसेंस भी निरस्त किए गए हैं। लगभग 30 करोड़ 77 लाख रुपये की नकली दवाएं जब्त की गईं।

दोस्त बना दरिंदा! महिला के फ्लैट पर पहुंचा, गर्दन काटी

पटना, 16 मई (एजेंसियां)। राजधानी पटना से दिल दहलाने वाली खबर सामने आई है, जहां अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें पुलिस का जरा भी खौफ नहीं। बीती रात एसके पुरी थाना क्षेत्र के आनंदपुरी इलाके में संजना नाम की लड़की की उसके घर में घुसकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने पहले संजना की गर्दन काटी और शरीर पर कई वार किए। इसके बाद उसने चूल्हे से गैस सिलिंडर का पाइप निकाला और आग लगाकर जिंदा जला दिया। इस तरह 28 वर्षीय संजना कुमारी की उनके ही फ्लैट में बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस जघन्य अपराध को अंजाम देने का आरोप संजना के दोस्त सूरज कुमार पर है, जो हत्या के बाद फरार हो गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपी की तलाश में छापेमारी कर रही है। मिली जानकारी के अनुसार, मूल रूप से मुजफ्फरपुर के सकरा की रहने वाली संजना कुमारी आनंदपुरी में मनोरमा अपार्टमेंट के पीछे, सिंचाई विभाग से रिटायर अधिकारी राजेश्वर प्रसाद के मकान के दूसरे तल पर अकेली रहती थीं। संजना ने मुजफ्फरपुर के एमडीडीएम कॉलेज से बीबीए किया था और उनका चयन बिहार में सीजीएल (कंबाइंड ग्रेजुएट लेवल) नौकरी के लिए हो चुका था। अगले महीने उनकी जॉइनिंग होने वाली थी। उनके पिता मिथिलेश कुमार किसान हैं, और उनके दो भाई हैं, जिनमें से छोटा भाई राजगीर में दारोगा की ट्रेनिंग ले रहा है। पुलिस के अनुसार, बीती रात सूरज कुमार, जो मुजफ्फरपुर का ही रहने वाला है, दोपहर करीब 1 बजे एक पिट्ठू बैग के साथ संजना के फ्लैट में आया। दोनों अच्छे दोस्त थे, लेकिन किसी बात को लेकर उनका विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि सूरज ने किचन से चाकू उठाया और संजना की गर्दन, पेट, और पीठ पर कई वार किए, जिससे वह लहूलुहान हो गईं। इसके बाद सूरज ने किचन से गैस सिलेंडर लाकर उसका पाइप काट दिया और लीक हो रही गैस से संजना को फर्श पर ही जला दिया। इस क्रूर हत्या को अंजाम देने के बाद सूरज संजना का मोबाइल, लैपटॉप, और फ्लैट की चाबी अपने पिट्ठू बैग में लेकर करीब 3 बजे फरार हो गया।

सीएम ने बयान सुने बिना ही ट्वीट कर दिया

विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित टिप्पणी के बाद रामगोपाल यादव ने ये कहा

लखनऊ, 16 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय मुख्य महासचिव रामगोपाल यादव ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर 'जातिसूचक' टिप्पणी के बाद अब सफाई दी है। बता दें कि पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) पर भारतीय सेना द्वारा 'आपरेशन सिंदूर' के तहत की गई कार्रवाई की जानकारी विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने कर्नल सोफिया कुरैशी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी थी। इसी के बाद से दोनों चर्चा में आ गईं। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह द्वारा कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का जिक्र मुरादाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान करते हुए रामगोपाल यादव ने व्योमिका सिंह 'जातिसूचक' टिप्पणी की, जिसके बाद सीएम योगी और मायावती समेत अन्य बड़े नेताओं ने उनपर हमला बोला। अब रामगोपाला यादव ने मामले में लेटेस्ट प्रतिक्रया दी है, जिसे आप खबर में आगे जानें। रामगोपाल यादव ने एक्स पर कहा, उत्तर भारत के कुछ राज्यों में विशेषकर उत्तर प्रदेश में जहाँ धर्म, जाति और वर्ग देखकर लोगों पर फ़र्ज़ी मुकदमे लगाये जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर एनकाउंटर किये जा रहे हों, जाति धर्म के आधार पर गैंगस्टर लगा कर संपत्ति जब्त की जा रही हो, जाति धर्म और वर्ग देखकर महिलाओं पर अत्याचार किए जारहे हों, जाति धर्म और वर्ग देख कर कर्मचारियों और अधिकारियों की पोस्टिंग्स कीजातीं हो ऐसी विकृत मानसिकता के लोगों के वारे में कल मैंने एक कार्यक्रम में कहा था की कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिए इसलिए गाली दी गयीं, विदेश सचिव मिस्त्री को गाली दीं गयीं अगर इन गाली बाजों को ये पता चल जाता की व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियाँ देने से बाज नहीं आते। उन्होंने आगे कहा, मुझे आश्चर्य इस बात का है कि जिस मुख्यमंत्री की नाक के नीचे अल्पसंख्यकों, दलितों और पिछड़ों पर अकल्पनीय अत्याचार हो रहे हों उन्होंने मेरा पूरा बयान बगैर सुने ही ट्वीट कर दिया। जिन मीडिया चैनलों ने इस्लामाबाद और रावलपिंडी पर कब्जा कर लिया था, उनसे मुझे कोई शिकायत नहीं क्योंकि उन पर सत्ता पक्ष के अलावा किसी को विश्वास नहीं।

क्या कहा था रामगोपाल यादव ने, जिससे मचा बवाल?

मुरादाबाद में एक कार्यक्रम के दौरान रामगोपाल यादव ने कहा था, कर्नल कुरैशी को इनके (भाजपा) एक मंत्री ने गाली दे दी। उच्च न्यायालय ने उन पर मुकदमा दर्ज करने का आदेश किया है, लेकिन व्योमिका सिंह के बारे में उन्हें मालूम नहीं था कि वह कौन हैं और ना ही वे एयर मार्शल एके भारती के बारे में जानते थे, वरना यह लोग उन्हें भी गाली देते। रामगोपाल यादव ने कहा, मैं आपको बता दूं व्योमिका सिंह हरियाणा की जाटव हैं और एयर मार्शल भारती पूर्णिया के यादव हैं। तो तीनों पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक वर्ग) से थे। एक को मुसलमान समझ कर गाली दी। एक को राजपूत समझकर कुछ नहीं किया और भारती के बारे में जानकारी नहीं थी और जब पेपर में आ गया तो यह सोचने को विवश है कि अब क्या करें।

रेलवे बेस कैंप पर हमला मामले में 2 हार्डकोर नक्सली गिरफ्तार

नवादा, 16 मई (एजेंसियां)। बिहार एसटीएफ और नवादा की पुलिस ने अरवल जिले से दो हार्डकोर नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों की पहचान इंद्रजीत महतो उर्फ पंकज उर्फ पप्पू और संतोष चौधरी के रूप में हुई है। एसपी अभिनव धीमान की देखरेख में नवादा से एक टीम का गठन किया गया था। इसके बाद एसडीपीओ गुलशन कुमार और थाना प्रभारी मोहन कुमार की निगरानी में छापेमारी की गई। दरअसल एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि दोनों नक्सली अरवल जिले के थाना परासी क्षेत्र में छिपे हुए हैं। मजदूर बनकर काम कर रहे हैं। सूचना पर नक्सलियों की धर पकड़ के लिए एसटीएफ, जिला आसूचना इकाई नवादा और सिरदला थानाध्यक्ष मोहन कुमार ने संयुक्त अभियान चलाया। पुलिस ने छापा मारकर दोनों नक्सलियों को धर दबोचा।

बालाघाट के जंगल में फिर बाघ का हमला, 15 दिनों में दूसरी मौत से दहशत

बालाघाट, 16 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के बालाघाट जिले के कटंगी वन क्षेत्र में बाघ का आतंक लगातार बना हुआ है। बीते 15 दिनों में यह दूसरा मामला है जब बाघ ने किसी इंसान पर हमला किया हो। शुक्रवार सुबह एक 35 वर्षीय युवक जंगल में तेंदूपत्ता तोड़ने गया था, तभी बाघ ने उस पर हमला कर दिया। युवक की पहचान अनिल भलावी (पिता आनंदन सिंह) निवासी कछारगांव के रूप में हुई है। वह जंगल में झुककर तेंदूपत्ता तोड़ रहा था, तभी बाघ ने पीछे से हमला किया और उसके शरीर के पिछले हिस्से को बुरी तरह से नोच डाला। वन विभाग के अधिकारी मधुकर राव धुर्वे और बालकराम सिरसाम ने बताया कि यह घटना कछार गांव के पास हुई, जो कटंगी मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर है। घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है। बालाघाट जिले के कटंगी वन क्षेत्र में शुक्रवार को तेंदूपत्ता तोड़ रहे युवक पर बाघ ने हमला कर उसे मार डाला। जब पास में मौजूद अन्य लोग उसकी चिल्लाने की आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे, तो बाघ शव को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। सूचना मिलने के बाद प्रशासन और वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। शव को पंचनामा कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ित परिवार को सरकार की तरफ से नियमानुसार सहायता राशि दी जाएगी। इस घटना से कुछ दिन पहले 3 मई को भी इसी इलाके के कुडवा गांव में 50 वर्षीय किसान प्रकाश पाने पर बाघ ने हमला कर उसकी जान ले ली थी। वह खेत में बनी झोपड़ी में सो रहा था जब बाघ ने हमला किया था। उस बाघ को 6 मई को पकड़कर सतपुड़ा के जंगलों में छोड़ा गया था।

चीफ जस्टिस गवई के पहले फैसले से पूर्व सीएम नारायण राणे 'क्लीन बोल्ड' , महाराष्ट्र में गरमा सकती है राजनीति

मुंबई/नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले जस्टिस भूषण रामकृष्ण गवई (बी आर गवई) के सुप्रीम कोर्ट की बागडोर संभालने के बाद बीजेपी नेता और पूर्व सीएम नारायण राणे को करारा झटका लगा है। यह महज संयोग है कि गवई के सीजेआई बनने के बाद महाराष्ट्र के कद्दावर नेता नारायण राण पहली गेंद पर बोल्ड हो गए हैं। सीजेआई ने अपने पहले फैसले में महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी नेता नारायण राणे के राजस्व मंत्री रहते लिए गए एक फैसले को निरस्त कर दिया। राणे पर आरोप है कि उन्होंने अपने करीबी बिल्डर को पुणे जिले की वन विभाग की 30 एकड़ जमीन दी थी। सीजेआई ने उक्त जमीन वन विभाग को वापस कर देने के आदेश देते हुए कहा कि देश भर में ऐसे सभी मामलों की जांच होनी चाहिए जहां नेता-अफसर-बिल्डर मिलीभगत है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से महाराष्ट्र के राजनीतिक हलकों में हड़कंप की स्थिति है। नारायण राणे मोदी 2.0 में केंद्रीय मंत्री थे। इस बार वह मंत्री नहीं है लेकिन लोकसभा चुनाव जीतने में सफल रहे हैं। वह रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से लोकसभा सदस्य हैं। उनके बड़े बेटे नीलेश राणे शिवसेना से विधायक है तो छोटा बेटा नितेश राणे बीजेपी से फडणवीस सरकार में मंत्री हैं। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले को नारायण राणे के लिए सीधा झटका माना जा रहा है। चूंकि अब वह बीजेपी में हैं। ऐसे मे इस मुद्दे परमहायुति में भी राजनीतिक बवाल शुरू होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। फडणवीस सरकार में अभी राजस्व मंत्री की जिम्मेदारी प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के हाथों में हैं। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकिर विपक्ष में खास तौर से उद्धव ठाकरे की पार्टी को राणे पर आक्रमक हो सकती है। मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने राजनेताओं और बिल्डरों के नेक्सस को लेकर भी कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने कहा कि वन विभाग द्वारा पुणे में 30 एकड़ जमीन एक बिल्डर को देने का फैसला इस बात का ज्वलंत उदाहरण है कि किस तरह राजनेता और प्रशासनिक अधिकारी, निजी बिल्डरों के साथ मिलकर काम करते हैं। यह पूरा मामला जुलाई से अगस्त 1998 के आसपास का है। तब मनोहर जोशी राज्य के मुख्यमंत्री थे। इसके बाद नारायण राणे राज्य के सीएम बने थे। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि उस वक्त पर जिस तेज गति से भूमि उपयोग बदला गया। उससे साफ है कि तत्कालीन राजस्व मंत्री इसमें शामिल थे। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को यह जांच करने का निर्देश भी दिया कि क्या किसी निजी पक्ष को गैर-वनीय गतिविधियों के लिए वन भूमि आवंटित की गई है। अगर ऐसा हुआ है तो आरक्षित भूमि को वन विभाग को वापस सौंप दिया जाए। नारायण राणे महाराष्ट्र के 15 जून, 1996 से लेकर 1 फरवरी, 1999 तक राजस्व मंत्री रहे थे।

सोशल मीडिया पर अश्लील लिंक पर क्लिक किया और गंवा दिए लाखों

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। अगर आप सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील कंटेंट के लालच में आकर किसी लिंक पर क्लिक करते हैं, तो यह आपके लिए बहुत भारी पड़ सकता है. भांडुप के एक कॉलेज छात्र ने इंस्टाग्राम पर अश्लील फोटो और वीडियो कॉल का वादा करने वाले एक व्हाट्सएप लिंक पर क्लिक किया. शुरुआत में तो उसे 2000 रुपये में सेवा देने की बात कही गई, लेकिन जल्द ही यह लालच एक बड़े जाल में तब्दील हो गया. पहले उससे 4999 रुपये तक का भुगतान करवाया गया. जब उसने और पैसे देने से इनकार किया, तो एक नए नंबर से कॉल आया. कॉलर ने खुद को रविंद्र सिंह, यूपी पुलिस का अफसर बताया और छात्र को धमकाया कि उस पर एक लड़की के यौन उत्पीड़न का केस दर्ज है.

जम्मू-कश्मीर में रातों-रात बदलाव की उम्मीद अवास्तविक: फारुक अब्दुल्ला

पहलगाम, 16 मई (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया। इसी के बाद अब घाटी में आतंकवाद को लेकर सवाल उठाए जाने लगे हैं। इसी को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार से रातों-रात बदलाव की उम्मीद करना 'अवास्तविक' है क्योंकि पिछले एक दशक के 'विकासात्मक नुकसान' को तुरंत दूर नहीं किया जा सकता है। नॉर्थ कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के क्रालपोरा में रेशीगुंड इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में बनी सरकार ने एक ऐसे युग की शुरुआत की है जो प्रभावी शासन में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर आधारित है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा, सरकार का कार्यकाल 5 साल का होता है और किसी नई गठित हुई सरकार से यह उम्मीद करना कि वो रातों-रात क्षेत्र को बदल देगी, अवास्तविक है। हमारे क्षेत्र ने पिछले एक दशक में जो विकासात्मक नुकसान सहे हैं, उन्हें एक झटके में ठीक नहीं किया जा सकता। इन्हें ठीक करने का कोई जादुई समाधान नहीं है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के लोगों ने बीते दशकों में अनेक कठिनाइयों का सामना किया है। उन्होंने दोहराया कि सरकार पार्टी के घोषणापत्र में किए गए सभी वादों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि लगातार कोशिशों और जनता की सक्रिय भागीदारी के जरिए एनसी सरकार ने एक स्पष्ट दिशा तय की है, जिसका मकसद इन लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करना है। अब्दुल्ला ने कहा कि सरकार के पास पूर्ण बहुमत होने के बावजूद वो किसी भी फैसले में एकतरफा रवैया नहीं अपना रही है। उन्होंने कहा, इसके उलट, समावेश के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता है, जिसमें यह सुनिश्चित किया जाता है कि नीतियां बनाने से पहले सभी की आवाज सुनी जाए। उन्होंने आगे कहा, मुझे यकीन है कि हमारा क्षेत्र फिर से रफ्तार पकड़ेगा और नागरिकों को सभी क्षेत्रों में सुधार देखने को मिलेंगे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को अटैक हुआ। इस आतंकवादी हमले में आतंकियों ने 26 टूरिस्ट को निशाना बनाया और बेरहमी से निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाई। इसी के बाद भारत ने पाकिस्तान की तरफ से किए जा रहे आतंकवाद के खिलाफ सख्त कदम उठाए और ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया।

महाकुंभ में दिए गए बयान पर धीरेंद्र शास्त्री को नोटिस जारी, 20 मई को जाना होगा कोर्ट

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। प्रसिद्ध कथावाचक पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री को उनके एक सार्वजनिक बयान को लेकर न्यायालय से नोटिस जारी किया गया है. यह मामला महाकुंभ 2025 को लेकर प्रयागराज में दिए गए एक विवादित वक्तव्य से जुड़ा है. शहडोल के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सीता शरण यादव ने उन्हें 20 मई को सुबह 11 बजे अदालत में हाजिर होकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है. दरअसल, पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने महाकुंभ को लेकर एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि महाकुंभ में हर व्यक्ति को आना चाहिए, जो भी नहीं आएगा वह पछताएगा और वो व्यक्ति देशद्रोही कहलाएगा. इस बयान को कई लोगों ने आपत्तिजनक और उकसावे वाला माना गया है.

हाथ में तलवार, बचाव करता कंडक्टर और ड्राइवर को दे थप्पड़ पर थप्पड़

जीरकपुर, 16 मई (एजेंसियां)। मोहाली के जीरकपुर में हरियाणा रोडवेज बस चालक और कंडक्टर के साथ मारपीट की घटना हुई है। यह घटना चंडीगढ़ बैरियर से पहले जीरकपुर फ्लाईओवर के ऊपर हुई है। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें कुछ लोग चालक और कंडक्टर के साथ मारपीट कर रहे हैं। इतना ही नहीं एक व्यक्ति हाथ में तलवार लिए बस कर्मियों के साथ मारपीट कर रहा है। दरअसरल हरियाणा रोडवेज की बस के चालक-परिचालक और एक बाइक सवार के बीच कहासुनी हो गई थी। इसके बाद मारपीट तक पहुंच गया। घटना वीरवार सुबह की है। एक व्यक्ति अपनी बेटी के साथ जीरकपुर से चंडीगढ़ जा रहा था। आरोप है कि जब वह चंडीगढ़ बैरियर से पहले फ्लाईओवर के ऊपर पहुंचा तो हरियाणा रोडवेज के चालक ने तेज रफ्तार बस बाइक चालक के इतना नजदीक से गुजारी कि वह बाल-बाल बचा। ऐसा लगा कि बस उन पर चढ़ जाएगी। उसने शोर मचाया तो बस ड्राइवर ने बस को वहीं पर रोक दिया और कंडक्टर के साथ बस से नीचे उतरा। बस से उतरते ही जींद निवासी ड्राइवर अमित कुमार और कंडक्टर हिम्मत सिंह ने मारपीट करनी शुरू कर दी, कपड़े फाड़ डाले, उसकी दाढ़ी के बाल भी उखाड़ दिए। आरोप है कि ड्राइवर व कंडक्टर ने अभद्र भाषा का प्रयोग भी किया। यह देख काफी लोग जमा हो गए और सड़क पर करीब एक घंटे तक जाम भी लग रहा। इसके बाद घटना का वीडियो वायरल होने के बाद मामला पुलिस तक पहुंचा। इस मामले में हरियाणा रोडवेज के चंडीगढ़ डिपो के जनरल मैनेजर अजय गर्ग और हरियाणा रोडवेज कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष जगदीप लाठर थाना जीरकपुर में पहुंचे और शिकायत दर्ज करवाई। अजय गर्ग ने कहा कि कर्मचारियों के साथ झगड़े की जानकारी लेने आए हैं। इस मामले को लेकर एसएचओ से भी मुलाकात की है। उधर, जगदीप लाठर ने कहा कि वीडियो वायरल में साफ दिख रहा है कि एक स्थानीय व्यक्ति नंगी तलवार लेकर ड्राइवर व कंडक्टर के साथ झगड़ा कर रहा है। इसके अलावा 15 से 20 अन्य लोगों ने कर्मचारियों पर हमला किया है। ड्राइवर को 5 घंटे से थाने में बैठ कर रखा गया। कंडक्टर के शरीर पर तीन से चार जगह पर तलवार से कटने का निशान है। उसे चंडीगढ़ के सेक्टर 32 के सरकारी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। थाना प्रभारी और डीएसपी से मुलाकात की है। शुक्रवार को हरियाणा की 10 यूनियन के संयुक्त मोर्चे की मीटिंग करेंगे अगर प्रशासन ने आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई न की तो बड़ा निर्णय लिया जाएगा। इसके बाद पंजाब और हिमाचल रोडवेज के साथ अन्य राज्यों की यूनियनों से संपर्क कर समर्थन मांगा जाएगा। उन्होंने मांग की कि पुलिस प्रशासन को मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करनी चाहिए।

सैनिक कल्याण बोर्ड में पूर्व जवान ने किया 3 करोड़ का घोटाला

भोपाल, 16 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश सैनिक कल्याण समिति में एक बड़ा घोटाला सामने आया है। ईओडब्ल्यू यानी आर्थिक अपराध शाखा भोपाल ने नीरज चतुर्वेदी नाम के एक पूर्व सैनिक को गिरफ्तार किया है। नीरज पर आरोप है कि उन्होंने सैनिक कल्याण के लिए आए सरकारी पैसे में 3 करोड़ से ज्यादा की हेराफेरी की है। यह घटना 2013 से 2019 के बीच हुई। नीरज उस समय समिति में असिस्टेंट ग्रेड-02 के पद पर थे। उन्होंने अपने पद का गलत इस्तेमाल करके यह घोटाला किया। नीरज ने समिति के पैसे को अपने निजी खाते में ट्रांसफर कर दिया। शिकायत मिलने पर ईओडब्ल्यू ने जांच की और नीरज को गिरफ्तार कर लिया। नीरज चतुर्वेदी 2013 से 2019 तक मध्य प्रदेश सैनिक कल्याण समिति में काम करते थे। आरोप है कि उन्होंने सरकारी धन का दुरुपयोग किया। यह पैसा सैनिकों के कल्याण के लिए था। पर उन्होंने इस राशि का पर्सनल कामों में इस्तेमाल किया। जांच में पता चला कि नीरज ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया टीटी नगर शाखा भोपाल में समिति के नाम से एक फर्जी खाता खोला था। इस खाते में उन्होंने 2.95 करोड़ ट्रांसफर किए। फिर यह पैसा उन्होंने अपने निजी खाते में जमा कर दिया। इतना ही नहीं नीरज ने कर्मचारियों के ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि), ईएसआईसी (कर्मचारी राज्य बीमा निगम), और टैक्स के फर्जी बिल भी जमा किए। उन्होंने कुछ पैसा जमा किया और बाकी अपने पास रख लिया। आरोप है कि समिति के खाते से लगभग 16.25 लाख का इस्तेमाल भोपाल में अपने निजी फ्लैट को सजाने के लिए किया। नीरज ने 1.40 करोड़ से ज्यादा की रकम सेल्फ-चेक और नेट बैंकिंग के जरिए अपने निजी खातों में ट्रांसफर की। इस घोटाले का खुलासा तब हुआ जब भोपाल के नरेंद्र रायकवार नाम के एक स्थानीय निवासी ने ईओडब्ल्यू में शिकायत दर्ज कराई।

इराक की शिप पर सवार होकर भारत पहुंचा पाकिस्तानी, अधिकारियों ने उल्टे पांव लौटाया वापस

करवार, 16 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के करवार पोर्ट पर एक इराकी मालवाहक जहाज के चालक दल में शामिल पाकिस्तानी और सीरियाई को वापस भेजने का मामला सामने आया है। दरअसल, यहां करवार पोर्टपर एक मालवाहक जहाज पहुंचा, जिसपर इराक का झंडा लगा हुआ था। इस मालवाहक जहाज के चालक दल को करवार पोर्ट पर उतरने की अनुमति नहीं दी गई, क्योंकि उसमें पाकिस्तानी और सीरियाई नागरिक मौजूद थे। वहीं करवार पोर्ट के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तानी और सीरियाई नागरिकों को वापस भेज दिया गया है। बता दें कि 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद जारी किए गए सुरक्षा निर्देशों के कारण पोर्ट के अधिकारियों ने यह फैसला लिया। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। वहीं पाकिस्तान के खिलाफ अपने जवाबी कदमों की श्रृंखला में भारत ने देश में सभी पाकिस्तानी नागरिकों के वीजा रद्द कर दिए थे, जिससे उन्हें तत्काल बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा। साथ ही पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के भारतीय बंदरगाहों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, इराक के अल जुबैर से रवाना हुआ इराकी जहाज करवार में बिटुमेन लेकर जा रहा था। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि जहाज 15 भारतीय नागरिकों, एक पाकिस्तानी और दो सीरियाई नागरिकों के चालक दल के साथ कर्नाटक के करवार पोर्ट पर पहुंचा। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि मानक निरीक्षण प्रोटोकॉल और कड़ी निगरानी के अनुसार, जहाज पर एक पाकिस्तानी और सीरियाई नागरिक की मौजूदगी के कारण पोर्ट अधिकारियों और तटीय सुरक्षा पुलिस की ओर से सुरक्षा प्रतिक्रिया हुई। इसके बाद, जहाज के कप्तान के माध्यम से तीनों व्यक्तियों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए, ताकि उनका संचार प्रतिबंधित हो सके। पाकिस्तानी नागरिक और सीरियाई नागरिकों को दो दिनों तक जहाज में ही रखा गया, जबकि माल उतारा जा रहा था।

बढ़ाई गई सुरक्षा

पोर्ट के अधिकारी ने कहा, हालांकि अंतरराष्ट्रीय मालवाहक जहाजों में अक्सर विभिन्न देशों के चालक दल के सदस्य होते हैं, लेकिन उन्हें आम तौर पर बिना किसी विशेष मंजूरी के भारतीय बंदरगाहों पर उतरने की अनुमति नहीं होती है। इस मामले में, मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य के मद्देनजर मानक प्रतिबंध लागू किए गए थे। इस बीच, तटीय सुरक्षा पुलिस निरीक्षक निश्चल कुमार ने कहा, व्यक्तियों को मोबाइल फोन का उपयोग न करने का निर्देश दिया गया था और उन्हें जहाज के साथ वापस भेज दिया गया था। तटीय निगरानी बढ़ा दी गई है और तटरेखा के साथ संवेदनशील क्षेत्रों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने लगाई नीट यूजी रिजल्ट पर रोक

इंदौर, 16 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने मेडिकल क्षेत्र के अंडरग्रेजुएट कोर्सों में एडमिशन के लिए 4 मई को आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेस टेस्ट यानी नीट-यूजी के रिजल्ट घोषित करने पर अंतरिम रोक लगा दी है। कोर्ट ने यह रोक इंदौर के एक उम्मीदवार की याचिका पर लगाई है। इससे नीट यूजी की परीक्षा देने वाले बच्चों में हड़कंप-सा मच गया है कि आखिर ऐसा क्यों किया गया? मिली जानकारी के मुताबिक, उम्मीदवार ने अपनी याचिका में कहा कि नीट-यूजी परीक्षा के दौरान इंदौर में मौसम खराब होने के बाद बिजली गुल हो गई, जिससे एंट्रेंस एग्जाम में वह सभी प्रश्न अटेम्प्ट नहीं कर सका, इसलिए उसे नीट यूजी परीक्षा में दोबारा बैठने का मौका दिया जाना चाहिए। इस पर हाईकोर्ट के जस्टिस सुबोध अभ्यंकर ने उम्मीदवार को तत्काल तौर पर राहत देते हुए अपने निर्देश में कहा कि याचिका की अगली सुनवाई तक नीट-यूजी के रिजल्ट घोषित नहीं किए जाएं। इसके अलावा, उन्होंने याचिका पर अगली सुनवाई की तारीख 30 जून तय की। गौरतलब है कि कोर्ट का यह आदेश नीट-यूजी में बैठे देश भर के तकरीबन 21 लाख उम्मीदवारों को प्रभावित कर सकता है। हाईकोर्ट ने मामले में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए), सरकार और मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी को नोटिस जारी किया है और इन सभी से 4 हफ्तों के भीतर जवाब भी मांगा है। मामले में सिंगल बेंच ने कहा, ''प्रतिवादी 4 मई को आयोजित नीट-यूजी परीक्षा में बैठे याचिकाकर्ता को उचित परिस्थितियां प्रदान करने में असफल रहे हैं। जिससे परीक्षा के दौरान शहर के अलग-अलग हिस्सों में बिजली गुल हो गई।''कोर्ट ने आगे यह भी बताया कि 13 मई को प्रतिवादियों के वकील से कोर्ट ने कहा था कि मामले में संबंधित अधिकारियों से उचित निर्देश लिए जाएं, लेकिन इसके बावजूद प्रतिवादियों की ओर से कोई भी वकील 15 मई (गुरुवार) को कोर्ट में पैरवी के लिए उपस्थित नहीं हुआ। याचिकाकर्ता के वकील मृदुल भटनागर ने बताया, इंदौर में नीट-यूजी के लिए बनाए गए कई केंद्रों में जनरेटर या बिजली का अन्य वैकल्पिक इंतजाम नहीं था,

'इस्कॉन सोसाइटी बंगलूरू का है हरे कृष्ण मंदिर' सुप्रीम कोर्ट ने पलटा कर्नाटक हाईकोर्ट का फैसला

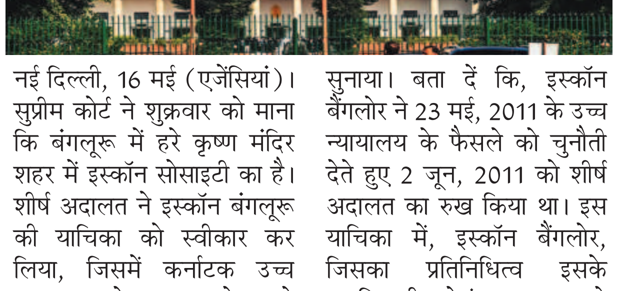

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को माना कि बंगलूरू में हरे कृष्ण मंदिर शहर में इस्कॉन सोसाइटी का है। शीर्ष अदालत ने इस्कॉन बंगलूरू की याचिका को स्वीकार कर लिया, जिसमें कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें बंगलूरू में प्रतिष्ठित हरे कृष्ण मंदिर और शैक्षणिक परिसर पर नियंत्रण के लिए इस्कॉन मुंबई के पक्ष में फैसला सुनाया गया था। ये फैसला न्यायमूर्ति एएस ओका और ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने सुनाया। बता दें कि, इस्कॉन बैंगलोर ने 23 मई, 2011 के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देते हुए 2 जून, 2011 को शीर्ष अदालत का रुख किया था। इस याचिका में, इस्कॉन बैंगलोर, जिसका प्रतिनिधित्व इसके पदाधिकारी कोडंडाराम दास ने किया, ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी, जिसने बंगलूरू की एक स्थानीय अदालत के 2009 के आदेश को पलट दिया था। इससे पहले ट्रायल कोर्ट ने इस्कॉन बैंगलोर के पक्ष में फैसला सुनाया था, जिसमें इसके कानूनी शीर्षक को मान्यता दी गई थी और इस्कॉन मुंबई के खिलाफ स्थायी निषेधाज्ञा दी गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया और इस्कॉन मुंबई के प्रतिवाद को बरकरार रखा, जिससे उन्हें प्रभावी रूप से मंदिर पर नियंत्रण मिल गया। कानूनी झगड़े ने समान नाम और आध्यात्मिक मिशन वाली दो सोसाइटियों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर दिया है। कर्नाटक में पंजीकृत इस्कॉन बैंगलोर का तर्क है कि वह दशकों से स्वतंत्र रूप से काम कर रही है और बंगलूरू दिर का प्रबंधन कर रही है। राष्ट्रीय सोसाइटी पंजीकरण अधिनियम, 1860 और बॉम्बे पब्लिक ट्रस्ट अधिनियम, 1950 के तहत पंजीकृत इस्कॉन मुंबई का दावा है कि इस्कॉन बैंगलोर केवल उसकी शाखा है और संबंधित संपत्ति सही मायने में उसके अधिकार क्षेत्र में है।

जबलपुर की महिला की हत्या का हुआ खुलासा पति ही निकला हत्यारा

जबलपुर, 16 मई (एजेंसियां)। जबलपुर के माढ़ोताल थाना क्षेत्र में एक महिला की हत्या के मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस जांच में पता चला कि महिला की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके पति ने ही की थी। उसने यह कदम अपनी पत्नी के चरित्र पर शक होने के कारण उठाया। 12 मई को माढ़ोताल थाना क्षेत्र के ग्राम मंगेला में एक नाले के पास महिला की लाश मिली थी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। महिला की पहचान चचेरी बहन रामबती कुंजाम ने की। मृतका का नाम पारबती वरकड़े (35 वर्ष) था, जो अपने पति शिवकुमार वरकड़े के साथ मजदूरी करने मंगेला आई थी। पुलिस ने जब पति शिवकुमार से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि 10 मई की रात वह और उसकी पत्नी खाना खाकर सो गए थे।

मोदी पाकिस्तान पर पीछे क्यों हटे

संजय राउत ने चीन-यूएस को लेकर पीएम पर लगाए गंभीर आरोप

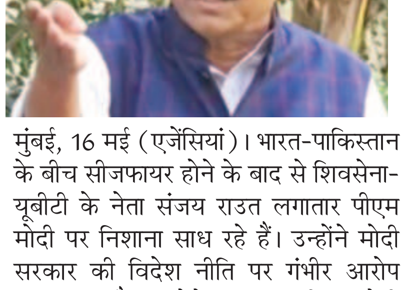

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर होने के बाद से शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत लगातार पीएम मोदी पर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने मोदी सरकार की विदेश नीति पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी हमेशा चीन, फ्रांस, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बारे में चुप रहेंगे। चुप रहना उनकी फितरत है। ट्रंप ने एक बार नहीं है बल्कि बार-बार कहा है कि मेरी मध्यस्थता की वजह से यह सीजफायर हुआ है। कल उन्होंने एक शब्द की अदला-बदली की है। उन्होंने कहा कि मैंने मदद करने की कोशिश की है, उसमें अंतर क्या है? संजय राउत ने कहा, 'ट्रंप की मदद किसने मांगी है, यह बताएं। आपके यहां मदद मांगने कौन आया था, क्या मोदी जी आए थे, जयशंकर आए थे या डिफेंस मिनिस्टर आए थे?' उन्होंने आगे कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने एप्पल को आदेश दिया है कि वह हिंदुस्तान में अपनी कंपनी मत लगाइए। इस बात का देश खुलासा करे कि ट्रंप ने ऐसा क्यों बोला है। पीएम मोदी हमेशा दबाव में ही काम करते हैं, वे कोई शूरवीर आत्मा नहीं हैं। पाकिस्तान के अंदर क्यों नहीं घुसे, पीछे क्यों हट गए?'

संजय राउत की कल लॉन्च होगी किताब

वहीं, उन्होंने अपनी आने वाली किताब के बारे में बात करते हुए कहा, 'मेरी जो किताब है वह मराठी में है। अंग्रेजी भाषा में भी जुलाई के महीने में वह प्रकाशित होने वाली है, जिसका विमोचन राहुल गांधी करेंगे। कल किताब का विमोचन मराठी में किया जाएगा। इस दौरान जावेद अख्तर और शरद पवार उपस्थित रहेंगे। किताब में बहुत कुछ लिखा है। सिर्फ अमित शाह और मोदी को मत देखिए, मेरी आंखों के सामने भूतकाल में बहुत सी घटनाएं हुई हैं।' राउत ने कहा, 'बालासाहेब ठाकरे जी के साथ मैंने जीवन भर काम किया है, जो मैंने देखा है उसमें से कुछ बातें मैंने लिखी हैं। अगर पूरी बातें मैं लिखता तो देश में और सरकार में हाहाकार मच जाता, लेकिन जो एथिक्स है, मैं उसका पालन करता हूं। मैं इसके लिए यह सारी बातें ज्यादा नहीं लिखना चाहता हूं। मैंने सच लिखा है और मैं सच बोलता हूं, पूरी कहानी सच है। मैंने मर्यादा का पालन करके कुछ चीज नहीं लिखी हैं। संजय राउत को पब्लिसिटी की जरूरत नहीं है। देश पहचानता है, जो मैं लिखता हूं वही हमारी पब्लिसिटी होती है। मेरी बात पूरा देश सुनता है।'

राउत ने अमित शाह को लेकर कही ये बात

उन्होंने कहा, 'अभी के नेताओं को क्या मालूम 25 साल पहले क्या हुआ? 2014 में मातोश्री पर अमित शाह एक बार आए थे और कहा था कि हम वापस एक बार काम करेंगे। 20 साल पहले जब आए थे, तब वह कोई बड़ी हस्ती नहीं थे। वह एक विधायक थे। उनको कोई पहचानता नहीं था। बालासाहेब ठाकरे जी ने भी उनको नहीं पहचाना था। उन्होंने मुझसे कहा था कि अरे संजय यह तो वह है जिसकी हमने मदद की थी, क्या यह वही है?'

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 17 मई - 2025

बयानवीरों की फिसलती जुबान

समाजवादी पार्टी के दिग्गज नेता राम गोपाल यादव ने मुरादाबाद में सोफिया कुरैशी, व्योमिका सिंह और एयर मार्शल एके भारती को लेकर जो बयान दिए उससे विवाद होना स्वाभाविक है। मामला बढ़ता देख राम गोपाल यादव ने घिसी-पिटी सफाई दी कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया है। बहरहाल, पिछले कुछ समय में समाजवादी पार्टी के अबू आजमी से लेकर रामजीलाल सुमन तक के बयान विवादों में हैं। ऐसे में सवाल है कि क्या नेताओं की जुबान फिसल रही है? या इसके पीछे उनकी मंशा कुछ और है? सबसे पहले महाराष्ट्र में सपा का अकेला सबसे बड़ा चेहरा अबू आजमी ने औरंगजेब के लिए कहा था कि मैं 17वीं सदी के मुगल बादशाह औरंगजेब को क्रूर, अत्याचारी या असहिष्णु शासक नहीं मानता। अबू आजमी के इस बयान के बाद देश की राजनीति में बवाल मच गया। चौतरफा घिरे अबू आजमी को विधानसभा से निंलबित कर दिया गया। यही नहीं उनके खिलाफ दो एफआईआर भी दर्ज की गई। बाद में अबू आजमी ने अपने बयान के पीछे इतिहासकारों का हवाला देते हुए माफी मांग ली थी। इसके बाद राज्यसभा में सपा सांसद रामजीलाल सुमन ने राणा सांगा को लेकर विवादित बयान दे दिया। इससे नाराज देश भर में क्षत्रिय संगठनों ने सुमन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इसके बाद आगरा में करणी सेना के लोगों ने सांसद के घर पर हमला बोला। मामले में कई जगह विरोध प्रदर्शन हुए। इस पर अखिलेश ने भी जवाबी मोर्चा संभाला और इस पूरे विरोध प्रदर्शनों को योगी सरकार की प्लानिंग करार दिया। रामजी लाल सुमन का मामला ठंडा हो ही रहा था कि अचानक अंबेडकर जयंती पर लखनऊ में सपा दफ्तर के एक पोस्टर लगाया गया, जिसमें एक तस्वीर में आधा चेहरा डॉ भीमराव अंबेडकर और आधा चेहरा अखिलेश यादव का दिखा। तस्वीर वायरल हुई तो बीजेपी ने बिना चूके इस मुद्दे पर चौतरफा हमला तेज कर दिया। पूरे प्रदेश में जिला मुख्यालयों पर प्रदर्शन भी शुरू हो गया। आखिरकार अखिलेश यादव को बयान देना पडा कि वह अपने कार्यकर्ताओं की भावना का सम्मान करते हैं लेकिन महापुरुषों से किसी भी नेता की तुलना नहीं की जा सकती। अब ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय जनता पार्टी ने पूरे देश में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया लेकिन इस आयोजन में मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह के विवादित बयान ने पलीता लगा दिया। उनके विवादित बयान के बाद पूरे देश में बवाल मच गया। हाईकोर्ट तक ने मंत्री की टिप्पणी पर नाराजगी जाहिर की। इस मसले पर सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी हमलावर दिखे। इसी बीच अचानक मुरादाबाद में सपा सांसद राम गोपाल यादव का विवादित बयान आ गया। इस बयान पर बैकफुट में चल रही बीजेपी को नई ऊर्जा दे दी और योगी आदित्यनाथ से लेकर यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, बेबीरानी मौर्य, अनिल राजभर, लालजी प्रसाद निर्मल आदि हमलावर हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक्स अकाउंट पर सपा नेता के बयान को भारतीय सेना के सम्मान और देश की अस्मिता के खिलाफ करार दिया। मुख्यमंत्री ने लिखा कि सेना की वर्दी 'जातिवादी चश्मे' से नहीं देखी जाती है। अब राम गोपाल यादव ने सफाई दी है कि मैंने एक कार्यक्रम में कहा था की कर्नल सोफिया का धर्म नाम से पहचान लिए इसलिए गाली दी गयीं, विदेश सचिव मिस्त्री को गाली दीं गयीं अगर इन गाली वाजों को ये पता चल जाता की व्योमिका सिंह जाटव हैं और एयर मार्शल अवधेश भारती यादव हैं तो ये इन अफसरों को भी गालियां देने से बाज नहीं आते। देखा जाए तो यह एक तरह से सोची समझी रणनीति भी हो सकती है।

कब तक लोगों की जान लेती रहेगी जहरीली शराब?

मनोज अग्रवाल

कभी बिहार यूपी तमिलनाडु और आंध्र जहरीली शराब से मौतों के मामलों को लेकर चर्चित रहते थे लेकिन अब पंजाब भी नकली शराब का बड़ा अड्डा बन गया है। एक बार फिर पंजाब में जहरीली शराब पीने से 21 लोगों की मौत ने देश का ध्यान खींचा है। दुःखद बात यह है कि राज्य में यह कोई पहली घटना नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार पंजाब में तीन साल में चौथी बड़ी जहरीली शराब त्रासदी है। राज्य में सबसे बड़ी शराब की त्रासदी पांच साल पहले तरनतारन, अमृतसर और गुरदासपुर जिलों में हुई थी। जुलाई और अगस्त 2020 में माझा क्षेत्र के तीन जिलों तरनतारन, गुरदासपुर और अमृतसर में कथित तौर पर नकली शराब पीने से लगभग 130 लोगों की मौत हो गई थी। लगभग एक दर्जन लोगों की आंखों की रोशनी चली गई थी। अकेले तरनतारन जिले में लगभग 80 मौतें हुई थीं। किसी त्रासद घटना का सबक यह होना चाहिए कि उसमें हुई हानि को ध्यान में रखकर बाकी जगहों पर भी ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे वैसी घटनाओं से बचा जा सके।

मगर विडंबना यह है कि ज्यादातर घटनाओं को स्थानीय समस्या मानकर दूसरी जगहों पर उसकी अनदेखी कर दी जाती है या फिर उसे महज एक खबर की तरह देखा जाता है।

आपको पता है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर जहरीली शराब का सेवन करने से लोगों के मरने की खबरें आती रहती हैं। मगर समस्या के निदान के लिए सख्त कारगर नीति अमल में नहीं लाई जाती । पंजाब में जहरीली शराब से करीब 21 लोगों की मौत से यही पता चल रहा है कि शराब के नाम पर जहर बेचने का काम विना किसी रोक-टोक चल रहा था। अवैध तरीके से बनाई बेची जाने वाली शराब इसलिए अक्सर जहर का रूप धारण कर लेती है, क्योंकि ज्यादा मुनाफे के लालब में उसे बेहद हानिकारक और अखाद्य सामग्री से बनाया जाता है। आमतौर पर अवैध शराब के कारोबार से पुलिस प्रशासन और आबकारी विभाग के लोग अवगत ही नहीं होते, बल्कि वे उसे संरक्षण भी प्रदान करते हैं। हालांकि एक बड़ा सवाल यह है कि पंजाब में जब शराब आसानी से मिल जाती है, तो लोग देसी शराब क्यों पीते हैं? यहां लगभग हर मोहल्ले, कस्बे और शहर में शराब की दुकानें मौजूद हैं। हैं। कई जगहों पर तो सस्ती ब्रांड की शराब भी खुलेआम बिकती है। फिर भी हर कुछ महीनों में जहरीली शराब से होने वाली मौत की खबरें सामने आती हैं। सवाल उठता है कि जब कानूनी रूप से शराब इतनी आसानी से मिल जाती है, तो जानलेवा जहरीली शराब आखिर आती कहां से है? दरअसल पंजाब के कई गांवों और सीमावर्ती इलाकों में अवैध रूप से देसी शराब बनाई जा रही है। मिट्टी के बर्तनों और प्लास्टिक के ड्रमों में बनने वाली इस नकली शराब में मेथनॉल जैसे खतरनाक केमिकल मिलाए जाते हैं, जो शरीर के लिए बेहद भातक साबित होते हैं। यह शराब न केवल सस्ती होती है, बल्कि तेज नशा देती है, जिससे गरीब और मजदूर वर्ग इसे खरीदता है। शराब माफिया ज्यादा मुनाफा कमाने के चक्कर में शराब में मिलावट करते हैं। महंगे केमिकल की जगह सस्ते और खतरनाक विकल्प मिलाए जाते हैं। नतीजा यह होता है कि कुछ घंटे के नशे के बाद पीने वालों की हालत बिगड़ने लगती है, कई मामलों में अंधापन, किडनी फेल होना और मौत जैसी घटनाएं सामने आती हैं।

अवैध शराब 30 से 50 रुपये में मिल जाती है, जबकि लाइसेंसी शराब 200 से ऊपर होती है। शराब की लत में फंसे लोग किसी भी कीमत पर नशा ढूंढते हैं, चाहे वह जहरीला ही क्यों न हो। हालांकि प्रशासन समय-समय पर छापेमारी करता है, लेकिन यह एक अस्थायी समाधान बनकर रह जाता है। कई जगहों पर स्थानीय पुलिस की मिलीभगत और राजनीतिक संरक्षण भी इन अवैध धंधों को बढ़ावा देता है। आपको बता दें ऐसा ही देश के अन्य हिस्सों में भी होता है और इसी कारण रह-रहकर जहरीली शराब के कहर ढाने के समाचार आते ही रहते हैं। चूंकि मरने वाले लोग गरीब तबके के होते हैं, इसलिए तात्कालिक तौर पर दिखाई जाने वाली सजगता का जल्द ही लोप हो जाता है और सब कुछ पहले की तरह चलने लगता है। पंजाब में तो यह धंधा एक तरह के कुटीर उद्योग में तब्दील हुआ दिख रहा। कई इलाकों में घर-घर अवैध शराब बन रही थी और उसकी खपत ढाबों में हो रही थी। पंजाब में अवैध शराब बनाने में इस्तेमाल होने वाले घातक रसायनों की आपूर्ति का भी एक मजबूत नेटवर्क नजर आ रहा है। बिना संरक्षण के इस तरह के धंधे चल ही नहीं सकते। अवैध शराब बनाने वालों पर कहीं कोई लगाम नहीं थी, इसका पता उन तत्वों की गिरफ्तारी से भी चल रहा है, जिन पर अवैध शराब बनाने या फिर बेचने के मामले पहले से चल रहे थे। इसका मतलब है कि ऐसे तत्व कठोर कार्रवाई के अभाव में मौत बांटने का धंधा करने में लगे हुए थे और कोई देखने-सुनने वाला नहीं था। हालांकि जब भी ऐसी घटना सामने आती है, तो पुलिस कार्रवाई जोरशोर से होती है। पंजाब में पांच गांवों में हुई मौतों की जांच के दौरान पता चला है कि ऑनलाइन 600 किलो मेथेनॉल मंगवाई गई थी, जिसके जरिए यह शराब तैयार की गई थी। देखा जाए तो सिर्फ पंजाब ही नहीं, पूरे देश में जहरीली शराब का नेटवर्क बना हुआ है। मौतों पर मुआवजा देना या अस्थायी कार्रवाई इस समस्या का समाधान कतई नहीं है।

एक रिपोर्ट के अनुसार देश में नकली शराब से सबसे अधिक 134 लोगों की मौत बिहार में हुई। इसके बाद दूसरे स्थान पर कर्नाटक और तीसरे स्थान पर पंजाब है।वर्ष 2022 में देश भर में अवैध व नकली शराब के 507 केस दर्ज हुए। इनमें 617 लोगों की मौत हुई, जिनमें 15 महिलाएं थीं। हालांकि, बिहार में एक भी महिला की मौत अवैध शराब के सेवन से नहीं हुई है।एनसीआरबी 2022 की रिपोर्ट चौंकाने वाली है। अवैध और नकली शराब से जुड़े बिहार में सबसे कम 29 केस सामने आए, लेकिन मौत के मामले में आंकड़ा सबसे अधिक है।

आपको बता दें कि फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की रिपोर्ट बताती है कि देश में अवैध शराब का कारोबार 23 हजार 466 करोड़ रुपये का है. फिक्की के मुताबिक, अवैध शराब की तस्करी की वजह से सरकार को 15 हजार 262 करोड़ रुपये का नुकसान होने का अनुमान है. अवैध शराब यानी जिसका कोई रिकॉर्ड नहीं है. ये शराब बिना किसी रिकॉर्ड के बिकती है. इसकी तस्करी होती है और इस पर कोई टैक्स नहीं दिया जाता है. लिहाजा अवैध शराब की तस्करी से सरकार को रेवेन्यू लॉस होता है, लोगों की मौत होती है तो दूसरी ओर शराब कारोबारी पैसा कमाते हैं।

एक अनुमान के मुताबिक, भारत में हर साल पांच अरब लीटर शराब पी जाती है. इसमें 40 फीसदी से ज्यादा अवैध तरीके से बनाई जाती है और ये सस्ती होती है. ग्रामीण इलाकों में देसी शराब ज्यादा पी जाती है. जबकि, विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल शराब की जितनी खपत होती है, उसमें से 50 फीसदी अवैध तरीके से बनती और बिकती है।

ऐसे हालात में शराब को लेकर अभी बहुत जागरूकता लाने और सरकारी नीतियों का पुनरीक्षण कर विचार करने की जरूरत है ताकि लोगों को शराब के जहर से बचाया जा सके। जहरीली शराब से हो रही मौतों को रोकने के लिए राज्य सरकारों को ठोस नीति बनाकर कठोर कार्रवाई करने की जरूरत है। सिर्फ बड़ा घटनाक्रम होने के बाद ही प्रशासन और सरकार की नींद टूटती है, ऐसा नहीं होना चाहिए। पंजाब सहित सभी राज्यों को चाहिए कि पूरे वर्ष ही जहरीली शराब के खिलाफ अभियान चलाए और इसके दोषियों को सजा के अंजाम तक पहुंचाएं, ताकि शराब रुपी जहर पर लगाम लग सके।

युद्ध विराम के फलादेश

विजय सहगल

11 मई 2025 को भारत पाकिस्तान के बीच चल रहे युद्ध के बीच, दोनों देशों के मिलिट्री ऑपरेशन के महानिदेशकों के बीच जैसे ही संघर्ष विराम पर सहमति बनी, भारत के राजनैतिक क्षितिज पर बैठे राजनैतिक दलों के महारथियों के चेहरों पर अचानक से बने इस घटनाक्रम पर निस्तब्धता छा गयी यद्यपि इसी दिन शाम 5 बजे से लागू किये गये संघर्ष विराम को पाकिस्तान की सेना ने एक बार फिर तोड़ कर अपने झूठे और अविश्वासनीय चरित्र को उजागर कर दिया।

पाकिस्तान के डीजीएमओ के आग्रह और अनुरोध पर भारत-और पाकिस्तान के बीच अचानक युद्ध विराम के समाचार से भारत के विपक्षी दलों के कुछ छूट भैये नेताओं की नींद उड़ा दी। दोनों देशों के डीजीएमओ की युद्ध विराम की घोषणा के कुछ समय पूर्व, अमेरिका के राष्ट्रपति के उस ट्वीट ने आग मे घी का काम किया जिसमे उन्होने भारत पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम कराने मे अपनी भूमिका का जिक्र करते हुए अपने मुंह मियां मिट्ठू बनने की चेष्टा की। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्वीट के तथ्यों को जाने विना काँग्रेस और अन्य दलों के प्रवक्ताओं ने भारत और पाकिस्तान के बीच अमेरिका जैसे किसी तीसरे पक्ष को शामिल करने की भारत की नीति पर प्रधान मंत्री मोदी से सवालों की झड़ी लगाते हुए संसद के विशेष सत्र बुलाने की मांग कर दी।

अमेरिका के राष्ट्रपति के बड़बोलेपन से दुनियाँ के सारे देश बखूबी परिचित हैं जो कभी कनाडा और कभी पनामा नहर पर अमेरिका के कब्जे की चर्चा के लिए पहले से ही प्रसिद्ध थे। वे भारत और कश्मीर समस्या को हजारों साल से चली आ रही समस्या बता कर पहले ही अपनी जग हँसाई करवा चुके हैं।

जब सोशल मीडिया पर ऊलजलूल टिप्पड़ी के लिये, किसी गली छाप आदमी को नहीं रोका जा सकता हैं तो कोई, अमेरिका के राष्ट्रपति को ट्वीटर पर भारत-पाकिस्तान के युद्ध विराम संधि का उल्लेख करने से कैसे रोक सकता हैं? ये विचारणीय प्रश्न है? अमेरिका के राष्ट्रपति के अपेक्षा हमे भारतीय सेना के अपने डीजीएमओ के कथन पर विश्वास करना चाहिये, इसलिये विपक्षी दलों का प्रधानमंत्री मोदी पर, कश्मीर मसले पर किसी तीसरे देश के हस्तक्षेप का आरोप लगाना न्यायोचित नहीं है।

कुछ राजनैतिक दलों को पाकिस्तान के विरुद्ध इस युद्ध मे कुछ बड़ा करने की मोदी से अपेक्षा थी? जैसे मोदी ने, पीओके को अपने कब्जे मे क्यों नहीं लिया? ये वही लोग हैं जिन्होने भारत की स्वतन्त्रता के बाद उन नेताओं से आज तक कभी ये नहीं पूंछा कि कश्मीर को पाकिस्तान के कब्जे मे दिया क्यों? और जहाँ तक बात रही कुछ बड़ा करने की, क्या पाकिस्तान मे स्थित नौ आतंकी ठिकानों जिनमे जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैबा और हिज़्बुल मुजाहिद्दीन के हेडक्वार्टर और बड़े प्रशिक्षण केंद्र शामिल थे, पर मिसाइल, राकेटों और बमों से हमला कर सैकड़ों अंतंकवादियों को मार कर उन अड्डों को मिट्टी मे मिलाकर नेस्तनाबूद कर दिया हो, वह कुछ बड़ा करने से कम था?

6-7 मई की देर रात मे इन आतंकी संगठनों के, भारत मे मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज़ मुहम्मद जमील, मोहम्मद युसुफ अज़हर मुहम्मद हसन खान, मुदस्सार खादियान और अबु अक्शा, अब्दुल राऊफ भी मारे गये।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने इस कथन को सच कर दिखाया कि आतंकवादियों के खात्मे के लिये भारत घर मे घुसकर, चुन चुन कर मिट्टी मे मिला देगा। इन आतंकियों के जनाजे मे पाकिस्तानी फौज के बड़े बड़े अफसरों और नेताओं के शामिल होने पर देश और दुनियाँ ने एक बार फिर देखा कि, धूर्त पाकिस्तान की सेना ही दरअसल आतंकवादियों को खाद, पानी देकर पालने पोषने जैसे अनैतिक कार्यों मे संलिप्त हैं और पाकिस्तान सेना का सेना प्रमुख स्वयं जनरल मुनीर आतंकवादी मदरसों मे पला बढ़ा जिहादी सोच वाला मौलवी हैं। ये पाकिस्तान नहीं बल्कि आतंकिस्तान का गढ़ है जिसका उन्मूलन अवश्य संभावी है? हमने अपने अभेद्य सुरक्षा तंत्र एस400 के कारण, बिना किसी बड़ी मानवीय क्षति और हवाई अड्डों पर एक भी खरोंच आए बिना पाकिस्तान की 600 से भी ज्यादा मिसाइल हमलों, रॉकेट और ड्रोन हमलों को पूरी तरह नाकाम कर दिया, पाकिस्तान की हवाई हमला रोधी सिस्टम को नष्ट कर उनके अनेकों हवाई अड्डो के बुनियादी स्वरूप को नष्ट-भ्रष्ट करना क्या किसी बड़ी कार्यवाही से कम हैं? हमे याद रखना होगा कि भारत का मकसद सिर्फ पाकिस्तान मे पल रहे आतंकियों और उनके आतंकी अड्डों का समूल नाश करना था!! भारत का उद्देश्य पाकिस्तानी सेना या उनके नागरिकों को नुकसान पहुंचाना नहीं था। भारतीय सशस्त्र सेना अपने लक्ष्यों को भेदने मे पूरी तरह कामयाब रही, भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की जितनी भी प्रशंसा की जाय, कम होगी। भारतीय सेना की थल, जल और नभ सेनाओं का आपसी सहयोग और समंजस्य अकल्पनीय और अद्भुद था, उनकी शूरवीरता, साहस और पराक्रम का कहीं कोई मुक़ाबला नहीं हो सकता पर एक बात का उल्लेख करना यहाँ लाज़मी हैं कि हमारी सुदृढ़ सेना के पीछे देश की दृढ़ राजनैतिक इच्छा शक्ति को भी नहीं नकारा जा सकता जिसने पहली बार दुश्मन के हरेक अपवित्र, अशुद्ध और अवांछनीय इरादों को पूरी क्षमता और ताकत के साथ मुँह तोड़ जवाब देने की खुली छूट जो दी थी।

12 मई 2025 को रात्रि 8 बजे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पाकिस्तान सहित सारी दुनियाँ को राष्ट्र के नाम अपने सम्बोधन मे बड़े दृढ़ और स्पष्ट तरीके से संदेश दे कर कहा कि आतंकवाद और उसके सरपरस्त पाकिस्तान के खिलाफ कार्यवाही केवल स्थगित हुई है। ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है। पाकिस्तान ने भारत पर हमला करने का जो दुस्साहस किया, उसका जवाब पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया गया। पाकिस्तान के गुहार लगाने पर ही संघर्ष विराम हुआ। उन्होने स्पष्ट लेकिन कठोर शब्दों मे कहा कि आतंक और व्यापार, आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्होने 19 अप्रैल 1960 को भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सिंधु जल संधि के संदर्भ मे कहा कि, ₹पानी और खून भी एक साथ नहीं बह सकते₹। विदित हो कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाँव मे 26 पर्यटकों की आतंकी हमले मे हत्या के बाद भारत ने 24 अप्रैल 2025 को स्वतंत्र भारत के इतिहास मे पहली बार सिंधु जल संधि को निलंबित किया गया।

सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक है जेईई एडवांस्ड

राजेश जैन

देश के 23 इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) की 18,500 से ज्यादा सीटों के लिए 18 मई को आयोजित जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम-एडवांस्ड विश्व की प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा है। इसे दुनिया में दूसरे नंबर की सबसे कठिन परीक्षा माना जाता है। जेईई एडवांस्ड की कठिनाई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसमें एक सवाल को हल करने के लिए भी 3.30 मिनट का समय दिया जाता है, जबकि नीट यूजी में 1 मिनट व जेईई मेन में 2 मिनट का समय एक सवाल को सॉल्व करने के लिए मिलता है। पिछले साल यानी 2024 में तीन-तीन घंटे की दो पारी में हुई जेईई एडवांस्ड की परीक्षा में कुल 102 सवाल पूछे गए थे। यानी 3 घंटे की एक पारी में 51 सवाल पूछे गए। इसमें फिजिक्स, केमिस्ट्री व मैथमेटिक्स के 17-17 सवाल थे, जबकि जेईई मेन में 3 घंटे में 90 सवाल हल करने होते हैं। वहीं, नीट यूजी परीक्षा में 3 घंटे में 180 सवाल करने होते हैं।

वर्ल्ड ऑफ स्टैटिसटिक्स के सर्वे के अनुसार चीन में यूनिवर्सिटी और कॉलेज में अंडरग्रैजुएट कोर्सेज में एडमिशन के लिए होने वाली गाओकाओ एग्जाम दुनिया की सबसे कठिन परीक्षा है। वहीं, तीसरे नंबर पर भारत की यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन (यूपीएससी) की सिविल सर्विसेज एग्जाम है। इस क्रम में आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी में मास्टर्स ऑफ टेक्टेनोलॉजी (एमटेक), मास्टर्स ऑफ़ इंजीनियरिंग (एमइ) और पीएचडी कोर्सेज में प्रवेश के लिए आयोजित ग्रेजुएट एप्टीट्यूड टेस्ट इन इंजीनियरिंग (गेट) आठवें नंबर पर है।परीक्षा में दुबारा नहीं आते सवाल जेईई एडवांस्ड परीक्षा में न एग्जाम पैटर्न की जानकारी पहले दी जाती है, न ही पेपर की मार्किंग स्कीम बताई जाती है। आईआईटी कौंसिल के निर्णय से जेईई एडवांस्ड के आयोजन की जिम्मेदारी हर साल किसी न किसी आईआईटी को मिलती है। ऐसे में पेपर इस तरह से सेट किया जाता है कि इसमें एक बार पूछा सवाल दुबारा आने की संभावना नहीं होती है । परीक्षा पैटर्न हर साल बदल जाता है। इसमें योग्यता और सब्जेक्ट के नॉलेज का टेस्ट लिया जाता है। कॉन्सेप्ट क्लियर होने पर ही कैंडिडेट जेईई एडवांस्ड को क्वालीफाई कर सकता है। एग्जाम में मल्टी कांसेप्चुअल क्वेश्चन होने से सब्जेक्ट की जानकारी नहीं होने पर गलत होने की संभावनाएं ज्यादा रहती है।

ब्लाइंड गेम है एडवांस का पेपर और मार्किंग स्कीम नीट यूजी व जेईई मेन परीक्षा में मार्किंग पेटर्न, सवालों की संख्या, सवाल पूछने का तरीका बदलता नहीं है। उनमें बदलाव भी पहले से जाहिर कर दिया जाता है, पूरा एग्जाम एनसीआरटी बेस्ड ही रहता है, लेकिन जेईई एडवांस्ड में कुछ भी फिक्स नहीं है। यह पूरी तरह से ब्लाइंड या फिर कहें तो छिपा हुआ रखा जाता है। इस परीक्षा में फैक्ट व फार्मूला आधारित सवाल भी नहीं पूछे जाते हैं। परीक्षा में हमेशा क्रिटिकल थिंकिंग पर आधारित मल्टी कांसेप्चुअल सवाल ही पूछे जाते हैं। यहां तक कि हर कैटेगरी के सवाल की मार्किंग का नेगेटिव मार्किंग स्कीम भी अलग-अलग होती है। कुछ सवालों में सही जवाब के तीन तो कुछ में 4 अंक मिलते हैं। साथ ही कुछ सवालों में माइनस मार्किंग होती तो कुछ में नहीं होती है।

55 से 109 नंबर पर सफलता, फिर भी 70 से लेकर 76 फीसदी फेल जेईई एडवांस्ड में जनरल कैटेगरी के कैंडिडेट को 15 से 30 फीसदी के बीच अंक लाने पर भी सफलता मिल जाती है। इस एग्जाम में साल 2019 में से 372 में से 93 अंक वाले को सफल घोषित किया गया था। साल 2020 में 396 में 69 अंक पर सफलता मिली थी, जबकि साल 2021 से 2024 तक पूर्णांक 360 रहे हैं। इसमें साल 2021 में 63, 2022 में 55, 2023 में 86 और 2024 में 109 अंक वाले को भी सफलता मिली है। इसके बावजूद इस परीक्षा में बीते 6 साल में 70 से लेकर 76 फीसदी के बीच कैंडिडेट विफल रहे हैं। दरअसल, परीक्षा में स्टूडेंट ओवरऑल कटऑफ क्लियर करने से क्वालीफाई नहीं होता है, एग्जाम में कैंडिडेट को हर सब्जेक्ट की कट ऑफ को भी क्लियर करना होता है। तभी उसे क्वालीफाई माना जाता है। उदाहरण के तौर पर फिजिक्स, केमिस्ट्री या मैथमेटिक्स में से किसी एक विषय में इंडिविजुअल सब्जेक्ट कट ऑफ से कम नंबर उसे मिले हैं, लेकिन एग्रीगेट कट ऑफ उसने प्राप्त कर ली है, इसके बावजूद वह क्वालीफाई नहीं माना जाएगा।

टॉपर स्टूडेंट के बीच होता है मुकाबला जेईई एडवांस्ड एग्जाम में परीक्षा देने वाले कैंडिडेट्स को जेईई मेन परीक्षा पार कर आना होता है। जेईई मेन में जहां दो साल में 14 से 15 लाख कैंडिडेट ने एग्जाम दिया। उनमें से 2.5 लाख कैंडिडेट क्वालीफाई होते हैं, इनमें करीब 1.8 लाख कैंडिडेट ने बीते सालों में परीक्षा दी थी। देखा जाए तो यह इंजीनियरिंग एंट्रेंस के टॉपर स्टूडेंट रहते हैं, इन टॉपर्स स्टूडेंट के बीच ही जेईई एडवांस्ड में मुकाबला होता है। अब तक नहीं बना है किसी भी कैंडिडेट का परफेक्ट स्कोर आमतौर पर इस परीक्षा में हर साल पूर्णांक बदल दिए जाते हैं, लेकिन अभी तक एक भी कैंडिडेट परफेक्ट स्कोर यानी पूरे में से पूरे अंक नहीं ला पाया है। बीते साल कोटा से पढ़ाई करके ऑल इंडिया रैंक 1 लाकर टॉपर रहे वेद लाहोटी 360 में से 355 अंक लेकर आए।

राहुल की जातिवादी राजनीति

अजय कुमार

बिहार की राजनीति एक नए दौर में प्रवेश कर रही है, और इस दौर के केंद्र में इस बार राहुल गांधी हैं। जब पूरा देश 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद राष्ट्रवाद की राजनीति की ओर फिर से झुक गया, राहुल गांधी ने इसके ठीक उलट जातीय जनगणना और सामाजिक न्याय को अपनी राजनीतिक प्राथमिकता बना लिया है। यह वही बिहार है, जिसने कभी मंडल राजनीति की नींव रखी थी और जहां जातीय समीकरण अब भी हर चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। ऐसे में राहुल गांधी का यह फोकस न केवल एक रणनीतिक चुनावी दांव है, बल्कि यह संकेत भी है कि कांग्रेस अब केवल राष्ट्रीय मुद्दों पर नहीं, बल्कि क्षेत्रीय राजनीति की नब्ज पर भी हाथ रखना चाहती है।

बीते पांच महीनों में राहुल गांधी बिहार के चार दौरे कर चुके हैं और हर बार उन्होंने अलग-अलग जिलों को चुना है। यह चयन यूं ही नहीं है, बल्कि हर दौरे के पीछे सामाजिक समूहों की स्पष्ट गणना है। दरभंगा में उन्होंने दलित छात्रों से मिलने की कोशिश की, लेकिन प्रशासन ने उन्हें अंबेडकर छात्रावास में जाने की अनुमति नहीं दी। इसके बावजूद राहुल गांधी ने हार नहीं मानी। उन्होंने पदयात्रा शुरू की, पुलिस और प्रशासनिक अफसरों से बहस की और आखिरकार टाउन हॉल में शिक्षा न्याय संवाद के जरिए अपनी बात रखी। यह कोई साधारण राजनीतिक दौरा नहीं था, बल्कि प्रतीकों से भरा हुआ एक बड़ा संदेश था।राहुल गांधी ने दरभंगा में छात्रों से कहा कि देश की 90 फीसदी आबादी के पास कोई अवसर नहीं है। उन्होंने पूछा कि उच्च नौकरशाही में आपके कितने लोग हैं? डॉक्टरी पेशे में आपके कितने लोग हैं? शिक्षा व्यवस्था में आपके कितने लोग हैं? और फिर खुद ही जवाब दिया "जीरो"। उन्होंने आगे कहा कि मनरेगा की सूची में मजदूरों की संख्या देखिए, वह 90 प्रतिशत आबादी से ही भरी हुई है। लेकिन जब बात सत्ता, संपत्ति और ठेकेदारी की आती है, तो सारा पैसा केवल 8 से 10 प्रतिशत लोगों के पास पहुंच जाता है। राहुल गांधी ने इसे लोकतंत्र की सबसे बड़ी विफलता बताया और कहा कि जब तक सामाजिक रूप से वंचित वर्ग एकजुट नहीं होंगे, तब तक कोई बदलाव संभव नहीं है। राहुल गांधी की यह बात बिहार जैसे राज्य में खास असर डाल सकती है, जहां जातीय आधार पर लोगों की पहचान और उनकी सामाजिक स्थिति गहराई से जुड़ी हुई है। खास बात यह भी है कि राहुल गांधी केवल भाषणों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उन्होंने दलित समाज के साथ वक्त बिताने और उनकी संस्कृति को समझने का प्रयास किया है। पटना के एक मॉल में उन्होंने दलित समाज के लोगों के साथ 'फुले' फिल्म देखी, जो सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महात्मा फुले के जीवन पर आधारित है। यह एक संदेश था कि कांग्रेस अब दलित राजनीति को केवल चुनावी गणित नहीं, बल्कि वैचारिक जिम्मेदारी मान रही है।

हालांकि, राहुल गांधी का यह अभियान राजनीतिक टकराव से अछूता नहीं रहा। दरभंगा दौरे के दौरान पुलिस प्रशासन ने उन्हें छात्रावास में प्रवेश से रोका, जिसे कांग्रेस ने दलितों से संवाद रोकने की साजिश करार दिया। प्रियंका गांधी ने सोशल मीडिया पर इसे दलित विरोधी रवैया बताते हुए बिहार सरकार पर हमला किया और लिखा कि अगर एक नेता दलित छात्रों से मिलना चाहता है तो उसमें क्या गलत है? दूसरी ओर प्रशासन का कहना है कि भारत में कहीं भी छात्रावासों में राजनीतिक कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी जाती, इसलिए उन्हें टाउन हॉल में अनुमति दी गई थी। बिहार में कांग्रेस की यह सक्रियता महज बीजेपी के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह सहयोगी दल आरजेडी के लिए भी चुनौती बनती जा रही है। दरअसल, जिस प्रकार से राहुल गांधी सीधे तौर पर दलित-पिछड़े वर्ग को संबोधित कर रहे हैं, उससे आरजेडी का वोट बैंक खिसक सकता है।

चाय, चारपाई और चालान

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

जब गली में चाय का पहला प्याला उबलता है, तो मोहल्ले की सियासत भी खौल उठती है। अरे पप्पू, पानी ज़रा कम डालना... वरना फिर से वही इश्क़ का सूप बन जाएगा, रामप्रसाद काका अपनी चाय के लिए प्रेमपत्र जैसी नजाकत से निर्देश देते हैं। मोहल्ले की गली नंबर चार में चाय पीना एक रस्म है, जिसमें दूध कम और किस्से ज़्यादा होते हैं। चारपाई पर बैठकर लोग ऐसे-ऐसे जुमले फेंकते हैं जैसे संसद में बिल पास हो रहा हो। चाय के साथ जो सबसे ज़्यादा उबलती है, वो है हरिशंकर जी की पुरानी जलन—जो उन्हें गुप्ता जी के नए रॉयल एनफील्ड से है।

हमने तो 1975 में भी ऐसी धौंकनी नहीं देखी थी, जैसी उसकी मोटर फेंकती है धुआं! कहकर वो गला साफ करते हैं। गुप्ता जी मुस्कुरा देते हैं, मानो देश की जीडीपी उन्होंने ही बढ़ा दी हो। मोहल्ले में जो सबसे बड़ा जुर्म था, वो था बिना चाय पिए किसी का घर से निकल जाना। "अबे सुन, चाय पीके जा वरना पेट्रोल पंप समझेगा कि तू मीटर से चला है!"

गली में हर दूसरा आदमी खुद को व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी का वाइस चांसलर समझता था। "हमको सब पता है, कल मोदी जी भी बोले थे... टीवी में... व्हाट्सएप आया था!" — ये वाक्य ऐसे चलते थे जैसे शेरवानी में शादी हो। औरतें आंगन में मिर्च सुखा रहीं होती थीं, पर कान मोहल्ले की खिचड़ी में होते थे। "देख बहन, वो जो सामने बबली बैठी है ना, वही है जिसने पिछले साल नगरपालिका चुनाव में गुप्ता जी को वोट नहीं दिया था, और अब देखो, रोड टूटी पड़ी है!"मोहल्ले का लोकतंत्र चाय की दुकान पर तय होता था। जहाँ लोकतंत्र का मतलब था – "तेरा नेता बेकार, मेरा नेता दिलदार।" हर बात पर बहस ऐसे होती जैसे कन्हैया कुमार और अर्णब गोस्वामी की आत्माएँ एक ही देह में उतर गई हों।

गली की सबसे शानदार बात थी – वहां किसी की घड़ी नहीं चलती थी, लेकिन सबको सबका टाइम पता होता था। अरे अबे आठ तो बज ही गए होंगे, शर्मा जी की बहू साग धूप में डाल चुकी है! — टाइम ज़ोन का ऐसा ज्ञान तो गूगल मैप में भी नहीं मिलेगा। चाय की दुकान गूगल से पहले 'लोकल ट्रेंडिंग' बताती थी। "अरे पता चला? मिश्रा जी के लड़के ने MBA छोड़कर यूट्यूब चैनल खोल लिया है। नाम रखा है – 'तू चाय पी, मैं बकता हूं'!"

सुनकर सब ऐसे चौंकते जैसे उसने अमेरिका से चंद्रमा की जमीन खरीद ली हो। "अबे वो MBA था ना, माने मैया-बाबा के अरमान!" कहकर पप्पू चायवाले ने गरम पानी मिलाकर क्रांति की चुस्की ले ली।

और फिर एक दिन अचानक मोहल्ले की चाय दुकान पर नोटिस चिपक गया— "अवैध अतिक्रमण हटाओ अभियान के अंतर्गत यह दुकान 24 घंटे में हटाई जाएगी।" मोहल्ले में कोहराम मच गया। रामप्रसाद काका ने तो चाय नहीं पी, सीधा BP की गोली चबाई। अबे सरकार हमसे तो लुंगी छीन रही है और खुद धोती समेटे घूम रही है, उन्होंने कहा और रो पड़े।

गुप्ता जी का एनफील्ड जैसे चुप हो गया, मोहल्ले की साइकिलें उदास हो गईं, चारपाइयों पर चाय के दाग जैसे इतिहास बन गए। "हमने तो आज़ादी की लड़ाई में भी इतना दर्द नहीं देखा भाई," कहकर हरिशंकर जी दीवार की ओर देख रो दिए।

शनि की साढ़ेसाती-ढैया से हैं परेशान तो अमावस्या को राशि अनुसार उपाय

सनातन धर्म में शनिदेव को ग्रहों के न्यायाधीश कहा जाता है। शनिदेव की कृपा दृष्टि जिस पर हो जाए, वह रंक से राजा बन सकता है और जिनके कर्म बुरे होते हैं, उन्हें बुरे परिणाम झेलने पड़ते हैं। वह राजा को भी रंक बना सकते हैं। शनि की साढ़ेसाती और पनौती से परेशान लोग शनिदेव की जयंती का विशेष इंतजार करते हैं।

शास्त्रों में शनिदेव की महिमा का वर्णन मिलता है। ज्येष्ठ माह की अमावस्या तिथि को शनिदेव का जन्म हुआ था, इसलिए इस दिन का विशेष महत्व है। इस दिन कुछ विशेष चीजों का दान राशि अनुसार कर दिया जाए, तो शनि महाराज अशुभ से शुभ फल देना शुरू कर देते हैं। इस बार 27 मई 2025 को मनाई जाएगी। आइए जानते है पंडित गणेश जोशी से इस दिन क्या दान करें...

मेष – शनि जयंती पर इस राशि के जातकों को काले तिल या सरसों के तेल का दान करना चाहिए।

वृषभ – शनि महाराज की विशेष कृपा पाने के लिए इस राशि के जातकों को शनि जयंती पर जल से भरे मटके का दान करना चाहिए।

मिथुन – शनि महाराज के क्रोध को शांत करने के लिए इस राशि के जातकों को काली उड़द या कपड़ों का दान करना चाहिए।

कर्क – इस राशि के जातकों को शनि जयंती पर सरसों के तेल या काले तिल का दान करना शुभ रहता है।

सिंह – शनि महाराज के क्रोध को शांत करने के लिए इस राशि के जातकों को गरीबों को मौसमी फलों का दान करना चाहिए। इससे पापों से मुक्ति मिलेगी और पुण्य प्राप्त होगा।

कन्या – यदि आपका कोई काम लंबे समय से पूरा नहीं हो रहा है, तो शनि जयंती पर काले रंग के कपड़ों का दान करें। इससे आपको उस काम में सफलता जरूर मिलेगी।

तुला – शनि जयंती पर इस राशि के जातकों को शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए फलों का दान करना बहुत शुभ परिणाम दिला सकता है।

वृश्चिक – शनि जयंती पर वृश्चिक राशि के लोगों के लिए काली उड़द का दान करना शुभ होता है।

धनु – शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त करने के लिए शनि जयंती पर धनु राशि के जातकों को सरसों के तेल का दान करना चाहिए। इससे जाने-अनजाने में हुए सारे पाप नष्ट होते हैं।

मकर – शनि जयंती पर इस राशि के जातकों को शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए गरीबों को भोजन कराना शुभ रहेगा।

कुंभ – शनि महाराज की कृपा पाने के लिए इस राशि के लोगों को चप्पल का दान करना शुभ होता है। इससे शनि दोष से छुटकारा मिलेगा और घर-परिवार में खुशियों का आगमन होगा।

मीन – शनि जयंती पर काले-नीले कपड़े और चावल का दान करना मीन राशि के जातकों के लिए शुभ रहेगा। इससे शनि के अशुभ प्रभाव से मुक्ति मिलेगी और घर-परिवार में खुशियों का आगमन होगा।

बेहद चमत्कारी है ये हनुमान मंदिर, बरगद के पेड़ पर मौली बांधने से पूरी होती है पुत्र की मनोकामना!

भारत में धर्म और आस्था का रिश्ता बेहद गहरा है। यहां हर मंदिर के साथ कोई न कोई कहानी जुड़ी होती है, जो लोगों को वहां जाने के लिए प्रेरित करती है। ऐसा ही एक विशेष मंदिर पंजाब के अमृतसर शहर में स्थित है श्री बड़ा हनुमान मंदिर। यह मंदिर न केवल अपनी मान्यताओं के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि एक अनोखे मेले की वजह से भी पूरे देश में चर्चित है। इस मेले में बच्चे लंगूर बनकर आते हैं और भगवान हनुमान के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करते हैं। ये मंदिर रामायण काल का है और जिसके साक्ष्य आज भी मंदिर में मौजूद हैं। इस मंदिर में केवल भारत नहीं बल्कि दुनिया भर से श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में संतान प्राप्ति की मनोकामना पूरी होती है।

यह मंदिर पंजाब में कहां स्थित है?

श्री बड़ा हनुमान मंदिर, अमृतसर में स्थित है और स्वर्ण मंदिर से मात्र 2 किलोमीटर की दूरी पर है। यह मंदिर श्री दुर्ग्याणा तीर्थ परिसर के अंतर्गत आता है, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं।

मंदिर से जुड़ी मान्यता क्या है?

इस मंदिर की सबसे विशेष बात यह है कि यहां हनुमान जी की प्रतिमा बैठी हुई मुद्रा में है, जो बहुत कम मंदिरों में देखने को मिलती है। मान्यता है कि यही वह स्थान है जहां रामायण काल में भगवान राम की सेना और लव-कुश के बीच युद्ध हुआ था। इस युद्ध के दौरान हनुमान जी को लव-कुश ने एक बरगद के पेड़ से बांध दिया था। आज भी वह पेड़ मंदिर परिसर में मौजूद है, जिसे देखने श्रद्धालु विशेष रूप से आते हैं।

मान्यता है कि यह मंदिर उस पवित्र भूमि पर बना है, जहां रामायण काल में लव-कुश और भगवान राम की सेना के बीच युद्ध हुआ था। रामायण काल में जब भगवान श्री राम जी ने अश्वमेघ यज्ञ के लिए घोड़ा छोड़ा तो लव और कुश ने इस घोड़े को वटवृक्ष से बांध दिया। उस समय हनुमान जी अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को छुड़ाने आए थे, जिसे लव-कुश ने पकड़ा था और हनुमान जी को वटवृक्ष से बांध दिया था। लव और कुश से बातचीत के दौरान हनुमान जी को एहसास हुआ कि ये उनके प्रभु श्री राम की संतान हैं।

मान्यता है कि हनुमान जी बंधन के मुक्त होने के बाद भगवान श्री राम ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए कहा था कि जहां पर उनकी संतान का मिलन हुआ है। वहां पर जो भी व्यक्ति संतान की प्राप्ति की कामना करेगा, वह अवश्य पूरी होगी।

पूरी होती है संतान प्राप्ति की मनोकामना

मान्यता है कि जो दंपत्ति संतान सुख की प्राप्ति के लिए यहां सच्चे मन से बजरंगबली के इस मंदिर में प्रार्थना करते हैं, उनकी मनोकामना अवश्य पूरी होती है। जिन लोगों के घर में बेटा नहीं होता है, वे यहां आकर पेड़ पर मौली बांधते हैं और बेटे की मन्नत मांगते हैं और जब उनकी झोली संतान सुख से भर जाती है, तो वे भगवान को धन्यवाद देने के लिए अपने बच्चों को लंगूर बनाकर इस मंदिर में लाते हैं। यह भगवान को धन्यवाद देने की एक अनोखी परंपरा है।

लंगूर मेले में क्या होता है?

यह मेला हर साल शारदीय नवरात्रि की पहली नवरात्रि से प्रारंभ होता है और पूरे दस दिनों तक चलता है। इस दौरान अमृतसर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो जाता है। दूर-दूर से आए श्रद्धालु अपने बच्चों को लंगूर के रूप में सजाते हैं। इस दौरान सैकड़ों बच्चे लंगूर बनते हैं और हनुमान जी के प्रति अपनी श्रद्धा जताते हैं।

नियमों का करते हैं पालन

मंदिर के पुजारी के अनुसार, लंगूर बनने वाले बच्चों और उनके माता-पिता को इन 10 दिन तक कठोर नियमों का पालन करना होता है।

लंगूर बने बच्चे और उनके माता-पिता को जमीन पर ही सोना होता है।

माता-पिता को ब्रह्मचर्य का पालन करना होता है।

उन्हें सात्विक भोजन करना पड़ता है, जिसमें प्याज और लहसुन का भी परहेज होता है।

लंगूर बने बच्चों को नंगे पैर रहना होता है।

वे अपने घर के अलावा किसी और के घर के अंदर नहीं जा सकते हैं।

चाकू से काटी हुई चीज नहीं खा सकते हैं।

न ही सुई और कैंची का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इस बार वट सावित्री व्रत शोभन जैसे शुभ योग में है

वट सावित्री व्रत ज्येठ अमावस्या तिथि को रखते हैं। इस साल वट सावित्री व्रत 26 मई सोमवार को है। इस बार वट सावित्री व्रत शोभन योग में है, जो एक शुभ योग है।

विवाहित महिलाएं वट सावित्री व्रत पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन के लिए रखती हैं। इस दिन वट वृक्ष यानि बरगद के पेड़ और सावित्री की पूजा करने का विधान है। उत्तर भारत में वट सावित्री का व्रत अमावस्या को रखा जाता है। यदि आपको पहली बार वट सावित्री व्रत रखना है तो आपको पूजा सामग्री के बारे में जानकारी होनी चाहिए। आइए जानते हैं कि वट सावित्री व्रत की पूजा सामग्री और मुहूर्त क्या है?

वट सावित्री व्रत 2025 पूजा सामग्री लिस्ट

व्रती को वट सावित्री व्रत की पूजा के लिए बरगद का फल, बांस से बना पंखा, एक वट वृक्ष, रक्षा सूत्र, कच्चा सूत, सिंदूर, फल, फूल, कुमकुम, रोली, चंदन, सुहाग की सामग्री, बताशा, पान, सुपारी, सवा मीटर नया कपड़ा, गंध, इत्र, धूप, अक्षत, दीपक, पानी का कलश, मिठाई, मखाना, नारियल, भींगा हुआ चना, मूंगफली, पूड़ी, गुड़, घर पर बने पकवान, देवी सावित्री और सत्यवान की एक मूर्ति या तस्वीर, वट सावित्री व्रत की कथा और पूजा विधि की एक पुस्तक की आवश्यकता होगी।

इस पूजा सामग्री के बिना वट सावित्री व्रत की पूजा संपन्न नहीं हो पाएगी। इस व्रत में मृत्यु के देवता यमराज की भी पूजा करते है। देवी सावित्री ने यमराज से अपने पति के प्राण वापस लेकर आई थीं।

बुध और सूर्य की युति से बनेगा राजयोग! रातों-रात बदल जाएगी इन 3 राशियों किस्मत

जेठ का महीना पर त्यौहार के साथ-साथ ही ग्रह नक्षत्र के दृष्टिकोण से भी खास है। जेठ के महीने में कई बड़े ग्रह अपना राशि परिवर्तन, तो करने ही वाले हैं। इसके साथ-साथ ही कई ग्रहों की युति से शुभ और अशुभ योग का भी निर्माण होने वाला है, जिसका प्रभाव मानव जीवन देश दुनिया और राशि पर पड़ने वाला है। सूर्य और बुद्ध की युति होती है, तो बुधादित्य का निर्माण होता है, जो बेहद शुभ माना जाता है। जिस भी राशि के ऊपर बुधादित्य योग का प्रभाव पड़ जाए, उस राशि की किस्मत रातों-रात बदल जाती है, तो आईये देवघर के ज्योतिषाचार्य से जानते है कब बन रहा है बुधादित्य राजयोग को इससे किन राशियों के ऊपर सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है।

बुध और सूर्य की युति होती है, तो बुधादित्य राजयोग का निर्माण होता। वहीं 22 मई को सूर्य और बुध की युति वृषभ राशि में होने जा रही है, जिससे बुधादित्य राज्यों का निर्माण होगा, जिससे तीन राशि के ऊपर बुधादित्य का सकारात्मक प्रभाव पड़ने वाला है। वह तीन राशि है वृषभ, सिंह और वृश्चिक।

क्योंकि वृषभ राशि में ही बुधादित्य राजयोग का निर्माण होने जा रहा है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। कोई भी फैसला लेने में झिझक नहीं होगी। अगर नए व्यापार की शुरुआत करना चाहते हैं, तो समय बिल्कुल अनुकूल रहने वाला है। करियर में ग्रोथ होगा। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रोजी रोजगार की तलाश पूरी होगी।

खाते-पीते, बनाते-खिलाते अत्यधिक सावधानी रखिए

हमारी बड़ी-बूढ़ी माताएं-बहनें कहा करती थीं कि भोजन बनाने में हड़बड़ाहट नहीं करनी चाहिए, नहीं तो उसका स्वाद चला जाता है। आज की भाषा में कहें तो भोजन बनाने में टाइमिंग का बड़ा महत्व है। पूरी दुनिया में हम भारत के लोग ही हैं, जिन्होंने अन्न को बड़े अच्छे ढंग से ढाला है।

हम जो अन्न लाते हैं, उसे साफ-सुथरा करके भोजन बनाते हैं। फिर उसी भोजन को भोग लगाते हैं। किसी की ईश्वरीय-शक्ति को अर्पित करते हैं। तब वही भोग प्रसाद बन जाता है। फिर वह बांटा जाता है, प्राप्त किया जाता है। लेकिन दुःख होता है कि हमारे देश में भी लोग अन्न का महत्व भूल रहे हैं।

जैसे सफलता के साइड-इफेक्ट्स होते हैं, प्रतिभा का साइलेंट-इफेक्ट होता है, ऐसे ही अन्न का सॉलिड-इफेक्ट होता है। भारत के परिवारों में इस समय जब हम बच्चों के लालन-पालन को लेकर चिंतित हैं तो हमें एक उपाय करना चाहिए कि बच्चों के भोजन को लेकर सावधान रहिए। जितना अच्छा, शुद्ध, संस्कारी भोजन हम बच्चों को देंगे, उनके व्यक्तित्व में उतनी ही पॉजिटिविटी आएगी।

मरते दम तक भी किसी के साथ साझा नहीं करनी चाहिए ये बातें

आचार्य चाणक्य को भारत के महानतम राजनीतिज्ञों और अर्थशास्त्रियों में से एक माना जाता है। सदियों पहले बताई गईं उनकी बातें आज भी उतनी ही प्रभावी हैं। चाणक्य नीति के अनुसार, बुद्धिमान व्यक्ति को कुछ बातें कभी भी किसी के साथ शेयर नहीं करनी चाहिए। दुनिया में अगर आपको कामयाब होना है, इज्जत बनाए रखनी है और अपनी ताकत को कायम रखना है तो कुछ बातें ऐसी होती हैं जिन्हें मरते दम तक भी किसी से साझा नहीं करना चाहिए। ये वो राज़ हैं, जो अगर दूसरों को पता चल जाएं, तो लोग आपका फायदा उठाने लगते हैं, आपको कमजोर समझने लगते हैं और आपकी ज़िंदगी में परेशानियां बढ़ जाती हैं। आइए जानते हैं वो 7 बेहद ज़रूरी बातें, जो आचार्य चाणक्य के अनुसार भी किसी से साझा नहीं करनी चाहिए, चाहे कुछ भी हो जाए।

अपनी सबसे बड़ी कमजोरी

हर इंसान की कोई न कोई कमजोरी होती है। लेकिन जब आप अपनी कमजोरी किसी को बता देते हैं, तो एक दिन वही इंसान उस कमजोरी को आपके खिलाफ इस्तेमाल कर सकता है। अगर किसी को पता चल जाए कि आपको गुस्सा जल्दी आता है, तो वो आपको उकसाकर आपकी छवि खराब कर सकता है। इसलिए अपनी कमजोरी को अपनी ताकत में बदलिए, ना कि उसे बताकर लोगों को हथियार दीजिए।

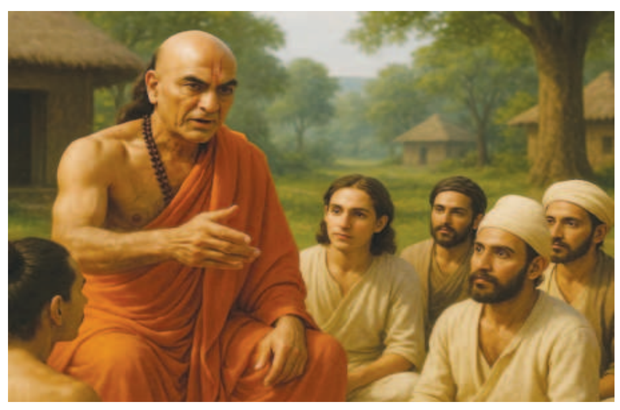

भविष्य की योजनाएं

अपने बड़े सपनों और लक्ष्यों को तब तक किसी से न कहें, जब तक वे पूरे ना हो जाएं। अगर आपने बता दिया तो लोग या तो आपको हतोत्साहित करेंगे या फिर आपकी राह में अड़चनें खड़ी करेंगे। इसलिए चुपचाप मेहनत कीजिए और जब सफलता मिलेगी तो दुनिया खुद-ब-खुद आपकी तारीफ करेगी।

अपने निजी रिश्तों को दुनिया के सामने लाना कई बार मुसीबत का कारण बनता है। बहुत से लोग होते हैं जो आपकी खुशियों को बर्दाश्त नहीं कर पाते। वे अफवाहें फैलाते हैं, जलते हैं और आपकी खुशियों में ज़हर घोल सकते हैं। इसलिए अपने रिश्तों को पवित्र बनाए रखने के लिए उन्हें निजी ही रखें।

अपनी आर्थिक स्थिति

अगर आप अमीर हैं और यह बात सबको बताते फिरते हैं, तो लोग सिर्फ पैसे के लिए आपके पास आएंगे। और अगर आप आर्थिक रूप से कमजोर हैं, तो लोग आपको नजरअंदाज करेंगे। इसलिए अपनी इनकम, बैंक बैलेंस और संपत्ति की जानकारी गोपनीय रखें। जितना कम लोग जानेंगे, उतना ही आपके लिए अच्छा होगा।

अपनी भलाई और दान के काम

अगर आप किसी की मदद करते हैं, किसी भूखे को खाना देते हैं या ज़रूरतमंद की सहायता करते हैं तो उसका दिखावा न करें। असली भलाई वही होती है जो बिना प्रचार के की जाती है। दिखावा करने से लोग आपकी नीयत पर शक करेंगे और आपकी अच्छाई मज़ाक बन सकती है।

महाभारत : युद्ध के बाद कब खत्म हो गया अर्जुन के धनुष का जादू

साधारण डाकुओं ने हरा दिया, फिर लिया बडा फैसला

महाभारत युद्ध में अर्जुन को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर के तौर पर याद किया जाता है। उस युद्ध में पांडवों की जीत का सबसे बड़ा सेहरा उन्हीं पर था। इससे पहले भी अर्जुन ने बार- बार अपने तीर और धनुष से अपनी श्रेष्ठता ऐसी जाहिर की कि बड़े से बड़ा योद्धा और बड़ी से बड़ी सेना भी उनके छूटते तीरों के सामने हार मान जाती थी। इन्हीं अर्जुन के तीर धनुष ने बाद में जवाब दे दिया। वो लाख तीन धनुष चलाते रहे लेकिन साधारण से डाकुओं ने उन्हें हरा दिया।

ये बात हैरान जरूर करती है लेकिन है सच। जब अर्जुन कृष्ण के निधन के बाद द्वारिका गए तो वहां से लौटते हुए उनका बुरा हाल हो गया। वह उनके महल की सैकड़ों महिलाओं को हिफाजत में लेकर हस्तिनापुर लौट रहे थे। वजह ये थी कि कृष्ण के निधन के बाद द्वारिका का डूबना शुरू हो गया था। ये समुद्र में समाने लगी थी। ऐसे में अर्जुन से सभी ने कहा कि वह इन महिलाओं को लेकर हस्तिनापुर ले जाएं, वहां ये सुरक्षित रहेंगी।

साधारण डाकुओं को भी नहीं हरा पाए

लेकिन लौटते समय रास्ते में उन्होंने देखा कि उनके तीर-धनुष की धार खत्म हो चुकी थी। उनकी धनुर्विद्या गायब हो गई। इसने जवाब दे दिया। कृष्ण के निधन के बाद हस्तिनापुर लौटते हुए उनका दस्युओं का सामना हुआ। दस्यु अर्जुन के साथ जा रही कई महिलाओं को उठा ले गए। अर्जुन कुछ नहीं कर सके। उन्होंने धनुष पर तीर चढ़ाए लेकिन वो चल ही नहीं रहे। चल भी रहे थे तो इनका असर नहीं हो रहा था।

कृष्ण के निधन का क्या असर पड़ा

इसका कारण उनकी धनुर्विद्या में कमी नहीं, बल्कि गहरे आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और दैवीय वजहें। दरअसल अर्जुन की धनुर्विद्या की जबरदस्त ताकत का प्रमुख स्रोत भगवान कृष्ण की कृपा और उपस्थिति थी। कृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था। युद्ध में उनके सारथी के रूप में मार्गदर्शन किया था। उनकी गंभीर शक्ति और युद्ध-कौशल में कृष्ण का आशीर्वाद महत्वपूर्ण था। कृष्ण के निधन के बाद वह दैवीय समर्थन समाप्त हो गया, जिसके कारण अर्जुन की शक्ति कमजोर पड़ गई।

अर्जुन का गांडीव धनुष उन्हें अग्निदेव से मिला था। ये दैवीय अस्त्र था। यह धनुष कृष्ण की मौजूदगी के साथ दैवीय उद्देश्य के लिए काम करता था। युद्ध के बाद और कृष्ण के निधन के बाद गांडीव की शक्ति का उद्देश्य खत्म हो गया। इस वजह से ये धनुष केवल एक साधारण हथियार बन गया, जिसके कारण अर्जुन इसे पहले की तरह प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं कर पाए।

अर्जुन का आत्मविश्वास भी डोल गया

कृष्ण के निधन ने अर्जुन को गहरे मानसिक आघात में डाल दिया। कृष्ण न केवल उनके मित्र और मार्गदर्शक थे, बल्कि उनके आत्मविश्वास का आधार भी थे। उनकी अनुपस्थिति में अर्जुन का आत्मविश्वास डगमगा गया। इससे उनका युद्ध कौशल पर भी प्रभावित हुआ। दस्युओं के सामने उनकी असफलता का कारण यह मानसिक कमजोरी भी थी।**(जारी)**

बहुत 'शर्मीली' हूं मैं : आकांक्षा शर्मा

बादशाह के गाने 'जुगनू' में नजर आई आकांक्षा शर्मा बॉलीवुड में कदम रख चुकी है। जल्द ही वह सुनील शेट्टी, विवेक ओबेरॉय और सूरज पंचोली स्टारर फिल्म 'केसरी वीर : लीजेंड्स ऑफ सोमनाथ' में नजर आएगी। उसे फिल्म में निडर योद्धा रजल का रोल मिला है। मेकर्स ने फिल्म से उसकी पहली लुक जारी कर दी है। पोस्टर में आकांक्षा की लुक शानदार है। उसके चेहरे पर जुनून और आत्मविश्वास साफ झलक रहा है। आंखों में ऐसा तेज और साहस है, जो सबका ध्यान खींच रहा है। उसके कंधों पर धनुष भी दिखाई दे रहा है। बॉलीवुड में डेब्यू को लेकर उसका अनुभव कैसा रहा, पर उसने कहा, यह फिल्म मेरे लिए बहुत खास है । मेरा अनुभव बेहद अच्छा रहा। मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मुझे अपनी पहली ही फिल्म में ऐसा किरदार निभाने का मौका मिला, जो सिर्फ लुक या डांस पर नहीं, बल्कि एक गहराई वाले रोल पर आधारित है। ऐसे में मैंने पूरी कोशिश की है कि अपने किरदार को ईमानदारी से निभा सकूं।

फिल्म में अपने किरदार और असल जिंदगी का उसका स्वभाव कितना मेल खाता है, पर उसने कहा, "मैं रियल लाइफ में काफी शर्मीली हूं। अगर समानताओं की बात करें, तो मेरे और किरदार रजल के बीच काफी समानता है, क्योंकि हर इंसान के अंदर एक योद्धा छिपा होता है, जो रोजमर्रा की जिंदगी में कई चुनौतियों से लड़ता है।

मैंने भी अपनी जिंदगी में कई लड़ाइयां लड़ी हैं और उन्हीं अनुभवों से मुझे इस किरदार को निभाने की प्रेरणा मिली । '

पति 'नास्तिक' लेकिन बच्चे 'हिंदू' बनेंगे : प्रिटी जिंटा

अपने पति जीन गुडइनफ के साथ अमेरिका में रहने के बावजूद, प्रिटी जिंटा अपने जुड़वां बच्चों को अपनी भारतीय जड़ों से गहराई से जोड़ रही हैं। सोशल मीडिया पर फैंस के साथ हाल ही में 'आस्क मी एनीथिंग सैशन' में प्रीति ने मदरहुड, सांस्कृतिक पहचान और परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने की अपनी इच्छा पर बात की। इसी बीच उसने बताया कि वह अपने बच्चों को कैसे पाल रही है ।

'कल हो न हो', 'वीर जारा' और 'दिल चाहता है ' जैसी फिल्मों में अपने रोल्स के लिए मशहूर प्रिटी ने खुलासा किया कि उसने और उसके पति जीन गुडइनफ ने अपने बच्चों को हिंदू के रूप में पालने का फैसला किया है। उसने कहा कि यह उसकी इच्छा से उपजा कि उसके बच्चे विदेश में बड़े होने के दौरान अपनी भारतीय विरासत को न भूलें।

एक फैन को जवाब देते हुए प्रिटी ने लिखा, "मां बनने और विदेश में रहने के बाद मैं यह चाहती हूं कि मेरे बच्चे यह न भूलें कि वे आधे भारतीय हैं। चूंकि मेरे पति नास्तिक हैं, इसलिए, हम अपने बच्चों को हिंदू के रूप में पाल रहे हैं । ₹ बच्चों को भारतीय संस्कृति से जोड़ रही प्रिटी

इसे अपनी खुशी बताते हुए, प्रिटी ने यह भी बताया कि यह फैसला कितना व्यक्तिगत और दिल से लिया गया है, जो उसकी संस्कृति के प्रति प्रेम और गर्व से जुड़ा है। उसने बताया कि उसके लिए अपने बच्चों के साथ भारतीय परंपराओं और वैल्यूज को शेयर करना कितना जरूरी है, भले ही वे उस देश से दूर बड़े हो रहे हों, जिसे वह अपना घर कहती है ।

सरोगेसी के जरिए हुए जुड़वां बच्चे

इस कपल ने 2021 में सरोगेसी के जरिए अपने जुड़वां बच्चों जय और जिया का स्वागत किया था । प्रिटी और जीन ने 29 फरवरी, 2016 को लॉस एंजल्स में शादी की थी। तब से वह अमरीका में रह रही है । वह भारत में अपने काम के साथ विदेश में अपनी पर्सनल लाइफ भी मैनेज कर रही है।

'अपने ही बच्चों से नहीं मिल सकता', भावुक हुए एक्टर रवि मोहन ने टूटते रिश्ते का बताया सच

'मेरी चुप्पी को मेरा अपराध समझा गया। मैंने अपने बच्चों को नहीं छोड़ा। अपने ही बच्चों से मैं नहीं मिल सकता। अपने माता-पिता से मिलने की इजाजत नहीं है। एक पिता और बेटा होने के नाते यह सबसे दर्दनाक अनुभव है। मुझे भावनात्मक और आर्थिक रूप से प्रताड़ित किया गया। मैं पूरी तरह से टूट चुका था जब केनिशा मेरी लाइफ में आई। वो मेरी जिंदगी है।'

साउथ एक्टर जयम रवि उर्फ रवि मोहन की यह बातें उनके टूटते रिश्ते की कहानी को बयां करती हैं। उन्होंने अपने पूर्व पत्नी आरती रवि के उन आरोपों का लंबे-चौड़े पोस्ट के जरिए जवाब दिया है। इमोशनल होकर अभिनेता ने अपनी शादीशुदा जिंदगी में आए भूचाल पर बात की है।

पूर्व पत्नी पर रवि मोहन का आरोप

अभिनेता ने अपने पोस्ट में इस बात का जिक्र किया है कि उन्होंने अपने रिश्ते को बचाने की पूरी कोशिश की लेकिन इमोशनल और फाइनेंशियल तौर पर वो बहुत परेशान हो गए थे। रवि मोहन ने लिखा, 'मैं सालों से एक ऐसे रिश्ते में बंधा था जो मुझे मानसिक रूप से तोड़ रहा था। हालात इतने बिगड़ गए कि मैंने अपने आत्मसम्मान को बचाने के लिए अलग होना ही बेहतर समझा।'

बच्चों से दूर रहने का दर्द

रवि ने अपने पोस्ट में यह भी बताया कि उन्हें अपने बच्चों से मिलने की इजाजत नहीं है और सिर्फ एक बार कोर्ट के आदेश पर पिछले क्रिसमस पर उनकी मुलाकात हो सकी थी। उन्होंने लिखा, 'अब बच्चों के साथ बॉडीगार्ड्स लगाए जाते हैं ताकि वो उनसे संपर्क भी न कर सकें।' अपने पोस्ट में अभिनेता ने यह भी लिखा, 'जब मैंने अपना घर छोड़ा, तभी मैंने दिल से अपने रिश्ते को खत्म मान लिया था। मैंने इस मुद्दे पर सार्वजनिक चुप्पी तोड़ने का फैसला इसलिए किया क्योंकि मैं अब अपने सम्मान और सच्चाई के लिए खड़ा होना चाहता हूं। मेरा देश की कानून व्यवस्था पर पूरा विश्वास है।'

गर्लफ्रेंड केनिशा को बताया 'जिंदगी'

इसी पोस्ट में रवि मोहन ने अपनी रूमर्ड गर्लफ्रेंड केनिशा फ्रांसिस पर भी बात की। उन्होंने लिखा, 'जब मैं पूरी तरह से टूट चुका थे, तब केनिशा मेरे जीवन में उम्मीद की एक रोशनी बनकर आई। वो मेरे मुश्किल वक्त में किसी फायदे की वजह से नहीं बल्कि पूरी संवेदनशीलता और सहानुभूति के साथ मेरे साथ खड़ी रही। केनिशा मेरी शादी टूटने की वजह नहीं है। यह फैसला मैंने बहुत सोच-समझकर लिया है।'

पूर्व पत्नी आरती रवि के आरोप

इससे पहले एक्टर से अलग हो चुकीं आरती रवि ने भी एक इमोशनल पोस्ट के जरिए उन पर कई आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि रवि मोहन आर्थिक तौर पर उनकी बिल्कुल भी मदद नहीं कर रहे हैं। उन्होंने बच्चों तक की भी जिम्मेदारी से खुद को अलग कर लिया है, जबकि वह आज भी उन्हें अपना पिता मानते हैं।

तापसी पन्नू की 'नेक पहल'

तापसी पन्नू फिल्मों के साथ- साथ कई समाजसेवी संस्थाओं के साथ भी जुड़ी हुई है और बढ़-चढ़ कर समाज भलाई के कामों में अपना योगदान देती है।

हाल ही में वह उत्तर प्रदेश के बाराबंकी पहुंची और विकासखंड रामनगर के प्राथमिक विद्यालय गर्री का दौरा किया। नंदी फाउंडेशन की नन्ही कली प्रोजैक्ट के तहत तापसी ने 60 बच्चियों को गोद लिया है। तापसी ने बच्चियों को साइकिल और शैक्षिक सामग्री भेंट की। उसने बच्चियों के साथ डांस किया और उनसे खुलकर बातचीत की। तापसी ने बताया कि साइकिल से बच्चियां आसानी से स्कूल पहुंच सकेंगी। नंदी फाउंडेशन संचालित इस प्रोजैक्ट में शिक्षा विभाग के सहयोग से बच्चों को 2 घंटे की निःशुल्क ट्यूशन भी दी जाती है। तापसी हर साल इन बच्चियों से मिलने आती है और उन्हें लर्निंग मैटीरियल देती है। उसने बाराबंकी को अपना दूसरा घर बताया। उसने कहा कि वह इन बच्चियों को डॉक्टर, इंजीनियर, टीचर या जो भी वे बनना चाहें, उसमें मदद करेगी।

दूसरी ओर उसने हेमकुंट फाउंडेशन के साथ मिलकर भी एक विशेष पहल शुरू की है। इस पहल के तहत झुग्गियों और कम आय वाले इलाकों में पंखे और वाटर कूलर वितरित किए गए, ताकि उन लोगों को राहत मिले, जिनके पास चिलचिलाती गर्मी से बचने का कोई साधन नहीं है।

इस प्रयास का उद्देश्य उन परिवारों की मदद करना है, जिनके पास ठंडक पाने के बुनियादी उपकरण नहीं हैं। ऐसे इलाकों में, जहां छाया या वैंटिलेशन की सुविधा लगभग न के बराबर होती है, गर्मी के दिनों में जीवन बेहद कठिन हो जाता ।

उसका मानना है कि भले ही यह मदद छोटी लगे, लेकिन यह लोगों की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकती है।

तापसी ने अपनी इस नेक पहल के बारे में कहा, गर्मी के इस मौसम में पंखे या कूलर जैसी चीजें, जिन्हें हम आमतौर पर हल्के में ले लेते हैं, बहुत से लोगों के लिए किसी वरदान से कम नहीं होतीं। ₹

उसने आगे कहा, "यह पहल केवल मदद देने की बात नहीं है, बल्कि लोगों के साथ खड़े होने, उनकी समस्याओं को समझने और उन्हें कम करने के लिए हर संभव प्रयास करने की है । इस अभियान में शामिल होकर मुझे खुशी और गर्व महसूस हो रहा है।

विक्की के जन्मदिन पर पिता शाम कौशल बोले - बेटे के रूप में तुमको पाकर गर्व और धन्य महसूस कर रहा हूं

अभिनेता विक्की कौशल आज अपना 37वां जन्मदिन मना रहे हैं। अपने करियर में अलग-अलग तरह के किरदार निभाकर खुद को स्थापित करने वाले विक्की कौशल को उनके जन्मदिन पर बधाइयां दी जा रही हैं। इसी क्रम में विक्की कौशल के पिता और एक्शन डायरेक्टर शाम कौशल ने भी विक्की कौशल को एक खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। शाम कौशल ने एक प्यारा सा वीडियो साझा करके विक्की कौशल को हैप्पी बर्थडे पुत्तर कहा है।

पिता ने साझा किया प्यारा वीडियो

शाम कौशल ने अपने इंस्टाग्राम पर अपना और विक्की कौशल का एक प्यारा सा वीडियो साझा किया है। इस वीडियो में विक्की और शाम कौशल बीच के किनारे कदमताल कर रहे हैं और मुस्कुरा रहे हैं। वीडियो में दो मुस्कुराते चेहरों के साथ खुले हाथों वाले इमोजी के साथ 'हैप्पी बर्थडे पुत्तर' लिखा हुआ है।

विक्की पर पिता को है गर्व

वीडियो को शेयर करते हुए शाम कौशल ने कैप्शन में बेटे विक्की कौशल के लिए एक प्यारा सा नोट भी लिखा है। कैप्शन में शाम कौशल ने लिखा, "पिता दुनिया का सबसे खुश व्यक्ति होता है जो अपने बेटे को जीवन में आगे बढ़ता देखता है। लव यू पुत्तर... तुमको जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। अपने बेटे के रूप में तुमको पाकर गर्व और धन्य महसूस कर रहा हूं। रब दी मेहर बनी रहे। जोर दी झप्पी।"

भाई सनी कौशल बोले- हैप्पी बर्थडे मेरी जान

पिता शाम कौशल के अलावा विक्की कौशल को भाई सनी कौशल ने भी जन्मदिन की बधाई दी है। सनी ने अपने इंस्टाग्राम पर विक्की की एक फोटो की फोटो शेयर की है। जिसमें विक्की हैप्पी बर्थडे लिखे बैनर के सामने खड़े हैं। फोटो को शेयर करते हुए सनी ने कैप्शन में लिखा, 'हैप्पी बर्थडे मेरी जान।'

'छावा' से छाए विक्की

बता दें कि विक्की कौशल अपने माता-पिता के साथ ही अपनी पत्नी कटरीना कैफ के साथ रहते हैं। कौशल परिवार अक्सर त्यौहारों के मौके पर अपनी तस्वीरें साझा करता रहता है। वर्कफ्रंट की बात करें तो विक्की कौशल आखिरी बार इसी साल आई फिल्म 'छावा' में नजर आए थे। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई की है।

सिद्धार्थ मल्होत्रा-तमन्ना की मूवी 'वीवन' में रोमांस करते नजर आयेंगे

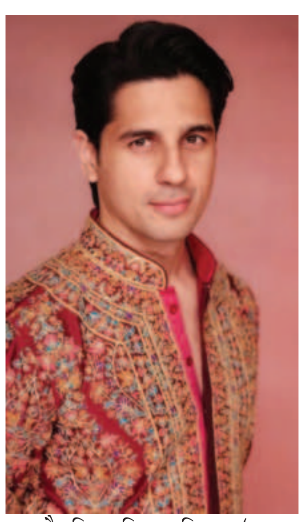

पौराणिक थ्रिलर फिल्म 'वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट' उर्फ वीवन की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा कर दी गई है। हाल ही में मेकर्स ने वीवन का टीजर रिलीज किया था, जिसमें फिल्म की स्टार कास्ट के चेहरे नहीं बल्कि उनके नाम जरूर जाहिर किए थे। वहीं आज रिलीज डेट के सामने आने से फैंस बेहद खुश हैं।

वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट की रिलीज डेट

बाला जी मोशन पिक्चर्स ने आज इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए फिल्म 'वन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट'की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। इस पोस्ट के साथ पोस्टर वही पुराना है, लेकिन कैप्शन नया है। कैप्शन में लिखा- 'जंगल फुसफुसा रहा है। 15 मई, 2026 को बल का प्रदर्शन किया जाएगा! बड़े परदे पर रोमांच के लिए तैयार हो जाइए!' आगे फिल्म की स्टार कास्ट और बाकी जानकारी देते हुए लिखा है- 'अभिनीत सिद्धार्थ मल्होत्रा और तमन्ना भाटिया। फिल्म के निर्देशक अरुणभ कुमार और दीपक मिश्रा करेंगे।' यह फिल्म बालाजी मोशन पिक्चर्स द्वारा निर्मित है। VVAN-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट 15 मई, 2026 को रिलीज होगी।

हाल ही में एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बाला जी मोशन पिक्चर्स ने इंस्टाग्राम पर इसका टीजर रिलीज किया था और कैप्शन में लिखा- 'भारतीय पौराणिक कथाओं और रहस्यवाद पर आधारित, वीवन-फोर्स ऑफ द फॉरेस्ट इतिहास और लोककथाओं के पन्नों से सीधे एक कहानी सामने लाता है। आपका स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। इस शक्तिशाली कथा के लिए — अपने आप में एक ताकत, जो पहले कभी नहीं देखी गई स्क्रीन पर कमान संभालने के लिए तैयार है।'

फिल्म की रिलीज पर सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

बॉलीवुड निर्माता प्रज्ञा कपूर ने लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं। वहीं फैंस ने भी कमेंट कर फिल्म के लिए अपनी राय दी है। एक फैन ने लिखा, 'इसके लिए 1 साल तक इंतजार करना पड़ेगा', एक और फैन ने लिखा, 'बहुत उत्साहित हूं', एक और फैन ने लिखा, 'हमें 1 साल इंतजार करना होगा, ठीक है आपके लिए कुछ भी', एक और फैन ने लिखा, 'इस फिल्म के लिए बहुत उत्साहित हूं। मैं इस हॉरर फिल्म का और सिद्धार्थ और तमन्ना की केमिस्ट्री का इंतजार कर रहा हूं।'

मिशन इम्पॉसिबल की स्क्रीनिंग में शामिल हुईं दो भारतीय एक्ट्रेस

हॉलीवुड की चर्चित सीरीज में से एक मिशन इम्पॉसिबल की फाइनल फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबलः फाइनल रेकनिंग' 17 मई को भारत में रिलीज हो रही है जबकि अमेरिका और कनाडा में 23 मई को इसे रिलीज किया जा रहा है। इससे पहले लंदन में फिल्म की स्क्रीनिंग रखी गई जिसमें दो भारतीय अभिनेत्रियां शामिल हुईं।

अवनीत कौर स्क्रीनिंग में हुईं शामिल

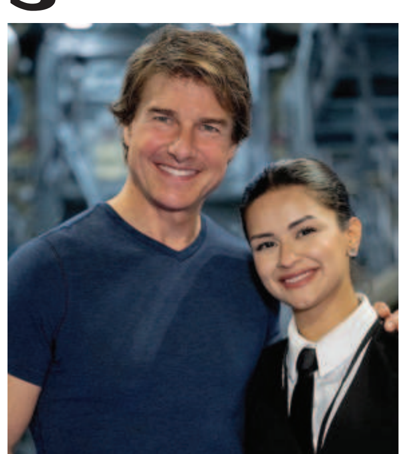

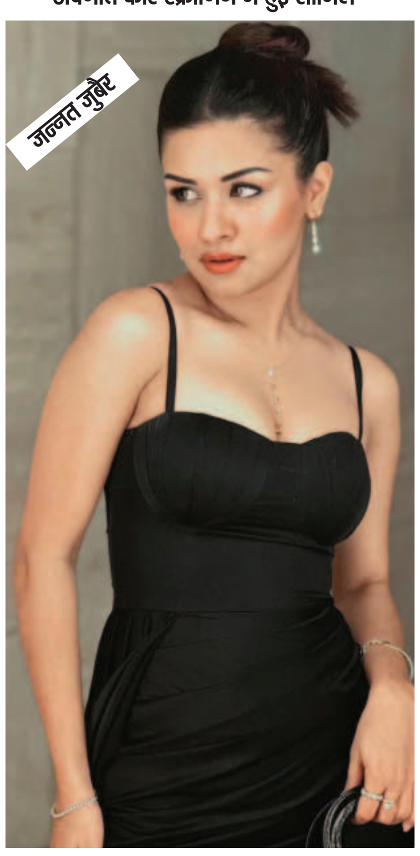

जन्नत जुबैर

टीवी एक्ट्रेस अवनीत कौर इस फिल्म की स्क्रीनिंग में नजर आईं। अवनीत कौर ने अपने इंस्टाग्राम पर कई स्टोरी शेयर की हैं जिसमें एक्ट्रेस पैपराजी को पोज देते हुए नजर आ रही हैं। स्क्रीनिंग के दौरान दिग्गज एक्टर टॉम क्रूज ने अपने ही अंदाज में स्क्रीनिंग में एंट्री की। वो वहां रखे हेलीकॉप्टर पर लटके हुए नजर आए। अवनीत ने एक तस्वीर शेयर करते हुए लिखा- "मैंने कुछ ऐसा ही सोचा था आप यहीं दिखोगे टॉम क्रूज।'

अवनीत ने की टॉम की तारीफ

इसके अलावा अवनीत ने टॉम के साथ एक पिक्चर शेयर करते हुए लिखा है, 'टॉम क्रूज आप सचमुच के जेंटलमैन हो। आप हर बार मुझे कुछ ना कुछ सिखाते हो।' इसके साथ ही अवनीत ने बताया कि टॉम ने उन्हें उनकी ड्रेस की वजह से घास पर चलने में हो रही दिक्कत में भी मदद की।

जन्नत जुबैर भी आईं नजर

अवनीत के अलावा उनकी दोस्त और एक्ट्रेस जन्नत जुबैर भी इस स्क्रीनिंग में नजर आईं। जन्नत जुबैर ने भी अपने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। एक फोटो में उनके साथ टॉम नजर आ रहे हैं, जो उन्हें भी घास पर चलने में मदद कर रहे हैं। वहीं एक तस्वीर में जन्नत फिल्म के बैनर के आगे खड़े होकर पोज देते हुए नजर आ रही हैं।

सेट पर भी जा चुकी हैं अवनीत

बता दें इससे पहले अवनीत कौर मिशन इम्पॉसिबल के सेट पर भी विजिट कर चुकी हैं। उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए बताया था कि उन्हें सेट पर जाने का मौका मिला और उनके लिए ये अनुभव काफी शानदार रहा।

अवनीत कौर

ऑरेंज कैपः सूर्यकुमार, विराट कोहली से लेकर जोस बटलर तक में कांटे की टक्कर

क्या सूर्यकुमार बरकरार रख पाएंगे बढ़त?

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में ऑरेंज कैप की रेस इस बार बेहद रोमांचक हो चली है। मुंबई इंडियंस के सूर्यकुमार यादव, गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन और शुभमन गिल, आरसीबी के विराट कोहली और गुजरात के ही जोस बटलर के बीच टॉप 5 में जबरदस्त टक्कर देखने को मिल रही है।

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में इस बार बल्लेबाजों के बीच ऑरेंज कैप की रेस बेहद रोमांचक हो चली है। मुंबई इंडियंस के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव भले ही इस रेस में सबसे आगे चल रहे हों, लेकिन उनके पीछे गुजरात टाइटंस के बल्लेबाजों ने कांटे की टक्कर दे रखी है। टॉप 5 में सूर्यकुमार और जोस बटलर के बीच महज 10 रनों का अंतर है और इस जंग में गुजरात टाइटंस की टीम का दबदबा साफ दिखाई दे रहा है।

सूर्यकुमार यादव सबसे आगे

सूर्यकुमार यादव ने IPL 2025 में अब तक 12 मैचों की 12 पारियों में 510 रन बनाकर ऑरेंज कैप की रेस में पहला स्थान हासिल किया है। उनका औसत 63.75 रहा, जबकि स्ट्राइक रेट 170.57 का शानदार है। उन्होंने इस सीजन में 51 चौके और 26 छक्के जड़े हैं। लेकिन उनकी बादशाहत को कड़ी चुनौती मिल रही है।

दूसरे नंबर पर गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 509 रन बनाए हैं। सूर्यकुमार और साई के बीच का अंतर सिर्फ 1 रन का है। साई का औसत 46.27 और स्ट्राइक रेट 153.31 रहा है। उन्होंने 56 चौके और 16 छक्के लगाए हैं। मजेदार बात यह है कि तीसरे नंबर पर साई के साथी और गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल काबिज हैं। शुभमन ने भी 11 मैचों में 508 रन बनाए हैं और वह साई से सिर्फ 1 रन पीछे हैं। उनका औसत 50.80 और स्ट्राइक रेट 152.55 है। शुभमन ने 51 चौके और 16 छक्के जड़े हैं।

रेस में विराट कोहली और जोस बटलर भी

चौथे नंबर पर रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 505 रन बनाए हैं। वह शुभमन गिल से सिर्फ 3 रन पीछे हैं। कोहली का औसत 63.13 और स्ट्राइक रेट 143.47 है। उन्होंने 44 चौके और 18 छक्के लगाए हैं। वहीं, पांचवें स्थान पर गुजरात टाइटंस के जोस बटलर हैं, जिन्होंने 11 मैचों में 500 रन बनाए हैं। बटलर, कोहली से 5 रन पीछे हैं, लेकिन उनका औसत 71.43 और स्ट्राइक रेट 163.93 काफी प्रभावशाली है। बटलर ने 49 चौके और 22 छक्के जड़े हैं।

गुजरात टाइटंस का दबदबा, टॉप 5 में 3 बल्लेबाज

इस रेस में गुजरात टाइटंस का दबदबा साफ देखा जा सकता है। टॉप 5 में साई सुदर्शन, शुभमन गिल और जोस बटलर के रूप में गुजरात के तीन बल्लेबाज शामिल हैं। यह न सिर्फ टीम की बल्लेबाजी की गहराई को दर्शाता है, बल्कि उनकी सफलता की कहानी भी बयां करता है। दूसरी ओर, सूर्यकुमार यादव और विराट कोहली अपनी-अपनी टीमों की ओर से अकेले योद्धा बने हुए हैं।

क्या सूर्यकुमार बरकरार रख पाएंगे बढ़त?

ऑरेंज कैप की यह रेस IPL 2025 के मुकाबलों की तरह ही रोमांचक हो चली है। सूर्यकुमार यादव भले ही टॉप पर हों, लेकिन साई सुदर्शन और शुभमन गिल जैसे बल्लेबाजों की मौजूदगी इस जंग को हर पल दिलचस्प बनाए हुए है। विराट कोहली और जोस बटलर भी अपनी अनुभव और फॉर्म के दम पर पीछे नहीं हैं। टूर्नामेंट के आगे बढ़ने के साथ यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या सूर्यकुमार अपनी बढ़त बरकरार रख पाएंगे, या फिर गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज इस रेस में बाजी मार लेंगे।

रोहित शर्मा-विराट कोहली देख रहे 2027 का वर्ल्ड कप? 26 महीने में 8 टीमों से खेलेंगे

भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहकर अपने करियर के एक युग को समाप्त किया। 'हिटमैन' रोहित ने 7 मई को टेस्ट से संन्यास लिया, जबकि 'किंग' कोहली ने 12 मई को यह कठिन निर्णय लिया।

दोनों ने पहले ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से विदाई ले ली थी। अब ये दोनों सितारे केवल वनडे क्रिकेट में भारतीय तिरंगे का प्रतिनिधित्व करेंगे और उनकी नजरें 2027 के वनडे विश्व कप पर टिकी हैं।

अंतिम मंजिल विश्व कप 2027

रोहित और कोहली के लिए वनडे क्रिकेट अब सिर्फ एक प्रारूप नहीं, बल्कि एक मिशन है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में अक्टूबर-नवंबर 2027 में होने वाला विश्व कप उनके करियर का अंतिम पड़ाव हो सकता है। दोनों खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में खिताबी जीत के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहना चाहते हैं। अभी दो साल से अधिक का समय

बाकी है, और भारतीय टीम के पास इसकी तैयारी के लिए कम से कम 27 वनडे मुकाबले होंगे।

मौजूदा शेड्यूल के अनुसार, भारत 2027 विश्व कप से पहले आठ देशों के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेगा। न्यूजीलैंड ही एकमात्र टीम है जिसके साथ भारत दो बार भिड़ेगा। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद भारत का वनडे अभियान अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ शुरू होगा। यह लंबा सफर रोहित और कोहली को अपनी तैयारियों को परखने और निखारने का सुनहरा मौका देगा।

रोहित का अधूरा सपना

रोहित शर्मा के लिए वनडे विश्व कप का विशेष महत्व है। 2011 विश्व कप की टीम में जगह न मिलना उनके दिल में आज भी एक टीस की तरह है। उन्होंने एक बार खुलासा किया था, "मैंने सेमीफाइनल और फाइनल को छोड़कर 2011 विश्व कप के बाकी मैच नहीं देखे। मैं बहुत निराश था। हर बार टीवी चालू करने पर मुझे लगता था कि मैं वहां हो सकता था।"

वनडे क्रिकेट में तीन दोहरे शतक जड़ने वाले रोहित ने कई बार कहा है कि 50 ओवर का विश्व कप उनके लिए 'असली विश्व कप' है। उनके शब्दों में, "हम 50 ओवर का विश्व कप देखते हुए बड़े हुए हैं। मेरे लिए यही असली विश्व कप है, और मैं इसे जीतना चाहता हूं।" यह जुनून उनके खेल में अब भी साफ झलकता है।

कोहली का जुनून

विराट कोहली की बल्लेबाजी और नेतृत्व ने भारतीय क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। टेस्ट और टी20 से संन्यास के बाद कोहली का पूरा ध्यान अब वनडे में अपनी विरासत को और मजबूत करने पर है। 2011 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे कोहली के लिए 2027 का विश्व कप न केवल एक और खिताब, बल्कि उनके शानदार करियर का समापन हो सकता है।

खेल मंत्रालय के साथ बीसीसीआई की बड़ी साझेदारी ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्रों से चमकेगा युवाओं का भविष्य

भारत में खेलों के विकास और ओलंपिक में बेहतर प्रदर्शन के लिए खेल मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसमें विशेष ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस योजना को बल देने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने दो से तीन खेलों को अपनाने की इच्छा जताई है। यह पहल न केवल खेलों को बढ़ावा देगी, बल्कि भारत के युवा प्रतिभाओं को वैश्विक मंच पर चमकने का अवसर भी प्रदान करेगी।

खेल मंत्रालय की योजना

खेल मंत्रालय ने प्रत्येक खेल के लिए समर्पित ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने की योजना बनाई है। मंत्रालय का लक्ष्य है कि पूरे देश से 100 से 200 प्रतिभाशाली एथलीट्स को चिह्नित किया जाए और उन्हें वर्तमान और अगले ओलंपिक चक्र के लिए प्रशिक्षित किया जाए। इन केंद्रों में अलग-अलग आयु वर्ग के खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय प्रशिक्षण और सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

खेल मंत्रालय के एक सूत्र ने बताया कि हाल ही में खेल मंत्री ने 58 कॉरपोरेट्स के साथ बैठक की, जिसमें कई बड़े कॉरपोरेट हाउस, सार्वजनिक क्षेत्र की इकाइयां और बीसीसीआई ने इन प्रशिक्षण केंद्रों को वित्तीय सहायता देने में रुचि दिखाई। बीसीसीआई ने दो से तीन खेलों के सभी खर्च उठाने की पेशकश की है।"

बीसीसीआई की भूमिका

बीसीसीआई, जो पहले भी भारतीय ओलंपिक संघ को वित्तीय सहायता प्रदान कर चुका है, इस बार और बड़े स्तर पर योगदान देने को तैयार है। पिछले साल 2024 पेरिस ओलंपिक की तैयारियों के लिए बीसीसीआई ने आईओए को 8.5 करोड़ रुपये की सहायता दी थी। अब, बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने ओलंपिक प्रशिक्षण केंद्रों के विकास में रुचि दिखाई है, जिसमें सरकार को कोई वित्तीय बोझ नहीं उठाना पड़ेगा।

सूत्रों के अनुसार, बीसीसीआई उन खेलों पर ध्यान दे सकता है, जो क्रिकेट से कुछ हद तक समानता रखते हैं, जैसे बेसबॉल। बीसीसीआई की विशेषज्ञता और संसाधन इन खेलों में नई जान फूंक सकते हैं।

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र

वर्तमान में, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा संचालित 23 राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र देश में मौजूद हैं। हालांकि, इनमें से केवल तीन केंद्र ही एक-एक खेल के लिए समर्पित हैं-रोहतक में मुक्केबाजी, दिल्ली में तैराकी और दिल्ली में निशानेबाजी। खेल मंत्रालय की नई योजना के तहत प्रत्येक खेल के लिए अलग-अलग केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण और सुविधाएं मिल सकें।

ओसीआई कार्डधारकों को मौका

खेल मंत्रालय एक और महत्वपूर्ण कदम पर विचार कर रहा है, जिसमें भारतीय मूल के खिलाड़ियों को शामिल किया जाएगा। विशेष रूप से उन खेलों में, जहां भारत का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर है, जैसे फुटबॉल। मंत्रालय ओसीआई (ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया) कार्डधारकों को देश का प्रतिनिधित्व करने की अनुमति देने पर विचार कर रहा है।

वर्तमान में, 2008 में तत्कालीन खेल मंत्री एमएस गिल द्वारा बनाई गई नीति के तहत केवल भारतीय नागरिक ही अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में देश का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। इस नीति के कारण ओसीआई और भारतीय मूल के व्यक्ति कार्डधारक अयोग्य माने जाते हैं। हालांकि, मंत्रालय अब इस नीति पर पुनर्विचार करने को तैयार है।

पंजाब एफसी को 2025-26 सत्र के लिए बिना किसी प्रतिबंध के सीधे 'प्रीमियर 1' लाइसेंस मिला

पंजाब एफसी को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) से 2025-26 सत्र के लिए 'प्रीमियर 1' क्लब लाइसेंस मिला, जो बिना किसी प्रतिबंध के इसे प्राप्त करने वाला देश का एकमात्र क्लब है।

मूल्यांकन प्रक्रिया के समापन के बाद एआईएफएफ की क्लब लाइसेंसिंग समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया। समिति ने 15 क्लबों से आवेदन प्राप्त करने के बाद निर्णयों को अंतिम रूप देने से पहले व्यापक रिपोर्ट और दस्तावेजीकरण की समीक्षा की। पंजाब एफसी 2024-25 सत्र के लिए बिना किसी प्रतिबंध के 'प्रीमियर 1' लाइसेंस प्राप्त करने वाला एकमात्र क्लब था।

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 चैंपियन और लीग शील्ड विजेता मोहन बागान सुपर जायंट एफसी, कोलकाता की दिग्गज ईस्ट बंगाल, एफसी गोवा, बेंगलुरु एफसी, चेन्नईयिन एफसी, जमशेदपुर एफसी और मुंबई सिटी एफसी को बी मानदंड की मामूली गैर-पूर्ति के कारण प्रतिबंधों के साथ लाइसेंस प्राप्त हुआ है।

पंजाब एफसी के तकनीकी निदेशक निकोलस टोपोलियाटिस ने कहा, पंजाब एफसी में सभी के लिए यह गर्व का क्षण है। यह मान्यता परिचालन उत्कृष्टता, पारदर्शिता

और क्लब प्रबंधन में उच्चतम मानकों को बनाए रखने के लिए हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। हमारे युवा विकास ढांचे से लेकर हमारे प्रथम-टीम संचालन तक, हमने हमेशा व्यावसायिकता और अखंडता के लिए मानक स्थापित करने का प्रयास किया है। यह न केवल हमारे प्रयासों को मान्य करता है बल्कि हमें पंजाब एफसी और भारतीय फुटबॉल के मानकों को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करता है।

पंजाब एफसी ने इंडियन सुपर लीग सीजन में 28 अंकों के साथ दसवां स्थान हासिल किया और कलिंगा सुपर कप के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया। क्लब की युवा टीमों ने इस सत्र में युवा फुटबॉल में अपना दबदबा कायम रखा है, हाल ही में संपन्न एआईएफएफ अंडर-17 एलीट यूथ लीग में जमशेदपुर एफसी को हराकर जीत हासिल की।

उन्होंने मोहन बागान सुपर जायंट को आसानी से हराकर ड्रीम स्पोर्ट्स चैंपियनशिप का भी बचाव किया। सब जूनियर (अंडर-15) टीम वर्तमान में एआईएफएफ सब जूनियर लीग के अंतिम दौर में अपने-अपने समूह का नेतृत्व कर रही है।

इस बीच, आई लीग चैंपियन चर्चिल ब्रदर्स एफसी गोवा, जिसे अगले सत्र के लिए आईएसएल में पदोन्नत किया गया था। हैदराबाद एफसी, केरल ब्लास्टर्स एफसी, ओडिशा एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब और इंटर काशी को लाइसेंस नहीं मिला।

एआईएफएफ ने कहा कि जिन क्लबों के आवेदन खारिज कर दिए गए हैं, उन्हें या तो निर्णय के खिलाफ अपील करने का अधिकार है, या लागू लाइसेंसिंग नियमों के अनुसार राष्ट्रीय क्लब प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छूट का अनुरोध करने का अधिकार है।

भारतीय क्लब लाइसेंसिंग प्रणाली भारत में फुटबॉल क्लबों की गुणवत्ता, व्यावसायिकता और बुनियादी ढांचे को बनाए रखने में महत्वपूर्ण है। यह एक वार्षिक प्रक्रिया है, जिसके तहत क्लब प्रत्येक सत्र के लिए एएफसी और राष्ट्रीय क्लब प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए आवश्यक लाइसेंस प्राप्त करते हैं। इन लाइसेंसों को इंडियन सुपर लीग क्लबों के लिए 'प्रीमियर 1' और आई-लीग क्लबों के लिए 'प्रीमियर 2' में वर्गीकृत किया गया है।

2025-26 सत्र के लिए एआईएफएफ क्लब लाइसेंसिंग प्रीमियर 1 के परिणाम-

बिना प्रतिबंध के लाइसेंस दिया गयाः पंजाब एफसी

प्रतिबंधों के साथ लाइसेंस दिया गयाः मुंबई सिटी एफसी, मोहन बागान सुपर जायंट, बेंगलुरु एफसी, जमशेदपुर एफसी, एफसी गोवा, चेन्नईयिन एफसी और ईस्ट बंगाल एफसी।

लाइसेंस अस्वीकृतः हैदराबाद एफसी, केरल ब्लास्टर्स एफसी, ओडिशा एफसी, नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी, मोहम्मडन स्पोर्टिंग क्लब, चर्चिल ब्रदर्स, एफसी गोवा और इंटर काशी।

स्टार्क के नहीं खेलने से दिल्ली की प्लेऑफ की उम्मीदों को लगेगा झटका? डुप्लेसिस की भी वापसी तय नहीं

आईपीएल 2025 के दूसरे चरण की शुरुआत शनिवार से होने जा रही है। इस बार कई विदेशी खिलाड़ियों के भारत नहीं लौटने की संभावना है। इससे कई टीमों के प्लेऑफ में पहुंचने के समीकरण को ठेस पहुंचेगी। दिल्ली कैपिटल्स भी उन्हीं टीमों में शामिल है। टीम को हाल फिलहाल में हार का सामना करना पड़ा है और अब उनके लिए बचे हुए मैचों को हर हाल में जीतना जरूरी है। हालांकि, अब दूसरे चरण में मिचेल स्टार्क खेलते नहीं दिखेंगे। स्टार्क ने अब तक घातक गेंदबाजी की थी। इसके अलावा फाफ डुप्लेसिस की वापसी भी अभी तय नहीं है। वहीं, जेक फ्रेजर मैकगर्क पहले ही टूर्नामेंट से हट चुके हैं।

बाकी बचे मैच में नहीं खेलेंगे स्टार्क

नीलामी में 11.75 करोड़ में बिकने वाले स्टार्क ने आईपीएल के शेष मैचों के लिए कथित तौर पर भारत लौटने का फैसला नहीं किया है। 'ऑस्ट्रेलियाई एसोसिएटेड प्रेस' के मुताबिक, स्टार्क ने फ्रेंचाइजी को बताया है कि वह धर्मशाला वाले मैच के एक सप्ताह बाद टीम में शामिल नहीं हो सकेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस बारे में दिल्ली को ईमेल भी कर दिया है। इस मैच को आस-पास के इलाकों में हवाई हमले की चेतावनी के बाद सुरक्षा कारणों से बीच में ही

रद्द कर दिया गया था। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण अगले दिन लीग को निलंबित कर दिया गया था। बीसीसीआई ने संघर्ष विराम के बाद सरकार से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद 17 मई से इसे फिर से शुरू करने की घोषणा की। इसका फाइनल पहले से तय 25 मई की जगह तीन जून को खेला जाएगा।

दिल्ली के लिए इस सत्र में सबसे ज्यादा विकेट

दिल्ली कैपिटल्स के अहम खिलाड़ी स्टार्क इस सत्र में टीम के लिए अब तक टीम के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 11 मैचों में 26.14 की औसत से 14 विकेट लिए हैं। प्लेऑफ में जगह पक्की करने के लिए संघर्ष कर रही दिल्ली की टीम को आगामी मैचों में निश्चित तौर पर उनकी कमी महसूस होगी। दिल्ली की टीम फिलहाल 11 मैचों में छह जीत और चार के साथ अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसके 13 अंक हैं, जबकि नेट रन रेट +0.362 है।

डुप्लेसिस की वापसी पर भी संशय बरकरार

दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डुप्लेसिस लीग में वापस आएंगे या नहीं इस बात की पुष्टि अभी नहीं हुई है। दूसरी ओर ट्रिस्टन स्टब्स ने कहा है कि वह टीम में सिर्फ लीग चरण के मैचों के लिए शामिल होंगे। वह इसके बाद विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए रवाना हो जाएंगे।

मुस्तफिजुर के जुड़ने पर भी संदेह बरकरार

दिल्ली कैपिटल्स ने भारत नहीं लौटने का फैसला करने वाले जेक फ्रेजर-मैकगर्क की जगह मुस्तफिजुर रहमान करार किया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज की भागीदारी पर हालांकि संदेह बना हुआ है क्योंकि बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा है कि उनसे इस क्रिकेटर के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र के लिए संपर्क नहीं किया गया है।

तेज गेंदबाज मयंक यादव फिर हुए चोटिल, लीग के बाकी बचे मैचों से हुए बाहर

आईपीएल 2025 जब रोका गया था, तब लखनऊ सुपर जाएंट्स की टीम को इस बात की राहत थी कि उनके पास सभी खिलाड़ी फिट मौजूद हैं। तब एलएसजी को वापसी की उम्मीद थी, लेकिन अब इन उम्मीदों को झटका लगा है। दरअसल, भारत के सबसे तेज गेंदबाज मयंक यादव की पीठ में चोट लगने के कारण लीग के बचे मैचों से बाहर होना पड़ा। इस वजह से बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (पूर्व में एनसीए) पर सवाल उठने शुरू हो गए हैं। फैंस यह पूछ रहे हैं कि उन्हें फिटनेस सर्टिफिकेट दे कैसे दिया गया।

आईपीएल मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया, 'मयंक यादव को पीठ में

चोट लगी है और वह बचे सत्र से बाहर हो गए हैं।' न्यूजीलैंड के विलियम ओ रुर्के बचे हुए टूर्नामेंट के लिए लखनऊ सुपर जाएंट्स में उनकी जगह लेंगे। 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में छह महीने के रिहैबिलिटेशन के बाद वापसी करने वाले मयंक ने दो मैच में आठ ओवरों में 100 रन दिए और सिर्फ दो विकेट लिए। उन्होंने कुल मिलाकर 48 गेंदें फेंकीं। मयंक सीओई से फिटनेस सर्टिफिकेट मिलने के बाद 16 अप्रैल को लखनऊ की टीम से जुड़े थे। फिर उन्हें 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ मैच खेलने को मिला था। फिर वह चार मई को पंजाब किंग्स के खिलाफ उतरे थे। इसके बाद नौ मई को आईपीएल को स्थगित किया गया। अब 17 मई से जब दूसरे चरण की शुरुआत हो रही है तो मयंक फिर चोट से जूझ रहे हैं।

इस सीजन उनकी गति में कम से कम 15 किमी प्रति घंटे की गिरावट आई थी और गेंदबाजी एक्शन में बदलाव हुआ है। रिकॉर्ड के लिए मयंक ने 30 मार्च 2024 और चार मई 2025 के बीच नौ टी20 मैच खेले हैं जो ठीक 13 महीने और चार दिन है। एक साल के अंदर उन्हें तीन बार पीठ की चोट से जूझना पड़ा है। मयंक के इन नौ मैचों में पिछले साल लखनऊ के लिए चार टी20 मैच शामिल हैं। तब उन्होंने लगातार 150 किमी प्रति घंटे की गेंद डालकर धमाल मचाया था। हालांकि, पहला ब्रेकडाउन पिछले साल अप्रैल में हुआ था और वह छह महीने तक बाहर रहे। उसके बाद अजीत अगरकर और गौतम गंभीर ने उन्हें बांग्लादेश सीरीज के लिए भारत की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम में शामिल कर लिया।

आम आदमी को मिलेगा जबर्दस्त तोहफा

आरबीआई करेगा रेपो रेट में 0.50% की कटौती होम-ऑटो लोन सस्ते होंगे, रोजगार बढ़ेगा

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। आम आदमी को जल्द और राहत मिलने वाली है। अगले महीने जून से दीपावली तक आरबीआई की तरफ से रेपो रेट में 0.50% की कटौती तय है। मामले से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की अगली बैठक 4-6 जून तक होनी है।

इससे पहले ही रेपो रेट में 0.25% की कटौती पर सहमति बन गई है। इसके बाद 5-7 अगस्त या 29 सितंबर से 1 अक्टूबर को होने वाली बैठक में भी इतनी ही और कटौती हो सकती है। यह एक तरह से दीपावली का तोहफा होगा, क्योंकि उसी महीने 20 तारीख को दीपावली है।

रेपो रेट घटने से इससे जुड़े होम और कार लोन सस्ते होंगे। इंडस्ट्री को सस्ता लोन मिलने लगेगा। इससे न सिर्फ शहरी खपत को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि कारखानों में निवेश बढ़ने से रोजगार भी पैदा होगा। आरबीआई ने फरवरी से रेपो रेट में कटौती शुरू की थी। तबसे दो बैठक में 0.50% की कटौती हो चुकी है। इससे रेपो रेट गिरकर 6% पर आ गई है।

मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी में 6 सदस्य होते हैं। इनमें से 3 आरबीआई के होते हैं, जबकि बाकी केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किए जाते हैं। आरबीआई की मीटिंग हर दो महीने में होती है। बीते दिनों रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की बैठकों का शेड्यूल जारी किया था। इस वित्तीय वर्ष में कुल 6 बैठकें होंगी।

पहली बैठक 7-9 अप्रैल को हुई थी। एसबीआई सिक्युरिटीज के डिप्टी वाइस प्रेसीडेंट सनी अग्रवाल ने बताया कि सभी फैक्टर रेट कट के लिए बिल्कुल मुफीद हैं। मानसून सामान्य रहने के आसार हैं। जीडीपी ग्रोथ स्थिर है। महंगाई काबू में है। रिटेल महंगाई जुलाई 2019 के बाद निचले स्तर पर है।

पिछली बैठक में आरबीआई गवर्नर ने भी संकेत दिए थे कि महंगाई काबू में रहती है तो दरें और घट सकती हैं। इससे रियल एस्टेट और ऑटो सेक्टर को बूस्ट मिलेगा। आरबीआई जिस ब्याज दर पर बैंकों को लोन देता है उसे रेपो रेट कहते हैं। रेपो रेट कम होने से बैंक को कम ब्याज पर लोन मिलेगा। बैंकों के लोन सस्ता मिलता है, तो वो अकसर इसका फायदा ग्राहकों को पास कर देते हैं। यानी, बैंक भी अपनी ब्याज दरें घटा देते हैं।

किसी भी सेंट्रल बैंक के पास पॉलिसी रेट के रूप में महंगाई से लड़ने का एक शक्तिशाली टूल है। जब महंगाई बहुत ज्यादा होती है, तो सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट बढ़ाकर इकोनॉमी में मनी फ्लो को कम करने की कोशिश करता है।

पॉलिसी रेट ज्यादा होगी तो बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज महंगा होगा। बदले में बैंक अपने ग्राहकों के लिए लोन महंगा कर देते हैं। इससे इकोनॉमी में मनी फ्लो कम होता है। मनी फ्लो कम होता है तो डिमांड में कमी आती है और महंगाई घट जाती है।

इसी तरह जब इकोनॉमी बुरे दौर से गुजरती है तो रिकवरी के लिए मनी फ्लो बढ़ाने की जरूरत पड़ती है। ऐसे में सेंट्रल बैंक पॉलिसी रेट कम कर देता है। इससे बैंकों को सेंट्रल बैंक से मिलने वाला कर्ज सस्ता हो जाता है और ग्राहकों को भी सस्ती दर पर लोन मिलता है।

तुर्की को 40,000 करोड़ का फटका!

भारत से गद्दारी और पाकिस्तान से यारी तुर्की पर पड़ने वाली है बहुत भारी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। तुर्की को लेकर आजकल देश में काफी चर्चा हो रही है। हाल में हुए संघर्ष में तुर्की ने खुलकर पाकिस्तान का साथ दिया था। उसके बाद से ही सोशल मीडिया पर बॉयकॉट तुर्की कैंपेन चल रहा है। तुर्की के साथ व्यापार समेत सभी तरह के संबंधों को खत्म करने की मांग की जा रही है।

इस बीच सरकार ने तुर्की से संबंध रखने वाली कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया लिमिटेड की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी थी। यह कंपनी भारत में कई एयरपोर्ट्स पर ग्राउंड हैंडलिंग सर्विस देती है। इनमें दिल्ली, कोचीन, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और गोवा जैसे बड़े एयरपोर्ट शामिल हैं। कंपनी का दावा है कि उसने भारत में 200 मिलियन डॉलर का निवेश कर रखा है। यह तो शुरुआत है।

पाकिस्तान के साथ यारी तुर्की को बहुत भारी पड़ सकती है।

कुछ ट्रैवल वेबसाइट्स ने भारतीयों को तुर्की की यात्रा से बचने की सलाह दी है। इसी तरह कई कारोबारियों ने तुर्की से सेब नहीं खरीदने का फैसला किया है। सोशल मीडिया पर #BoycottTurkey ट्रेंड कर रहा है। गोवा विलास ने तुर्की के नागरिकों को गोवा में ठहरने से सुविधा नहीं देने का फैसला किया है। इसी तरह उदयपुर के मार्बल ट्रेडर्स का कहना है कि उन्होंने तुर्की के साथ बिजनस खत्म कर दिया है। भारत के साथ पंगा लेने से तुर्की को करीब 4.6 अरब डॉलर यानी लगभग 40,000 करोड़ रुपये का झटका लग सकता है। भारत और तुर्की के बीच व्यापार में पिछले कुछ साल में काफी तेजी आई है। 2022-23 में दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 13.8 बिलियन डॉलर को पार कर गया। हालांकि 2023-24 में इसमें कुछ गिरावट आई और यह व्यापार 10.43 बिलियन डॉलर रहा। इसमें से भारत ने तुर्की को 6.65 अरब डॉलर का सामान बेचा और उससे 3.78 अरब डॉलर का सामान खरीदा। भारत तुर्की को खासकर गाड़ियां, केमिकल और इलेक्ट्रॉनिक आइटम्स एक्सपोर्ट करता है और उससे फ्यूल, मशीनरी, सीमेंट और ड्राइ फ्रूट्स मंगाता है।

तुर्की की कई कंपनियां भारत में लोकप्रिय हो रही हैं। इनमें Godiva, Ulker और LC Waikiki शामिल हैं। साथ ही तुर्की के स्किनकेयर और पर्सनल केयर ब्रांड भी भारत में जगह बना रहे हैं। लेकिन आने वाले दिनों में भारत और तुर्की के बीच ट्रेड प्रभावित हो सकता है। कैट समेत कई व्यापार संगठनों ने तुर्की से आयात-निर्यात बंद करने की मांग उठाई है। अगर इंपोर्ट और एक्सपोर्ट बंद होता है तो इससे तुर्की को पर्यटन और व्यापार दोनों मोर्चों पर झटका लग सकता है।

अप्रैल 2000 से दिसंबर 2023 तक तुर्की का भारत में कुल एफडीआई 227.5 मिलियन डॉलर रहा। भारतीय कंपनियों ने अगस्त 2000 से मार्च 2024 के बीच तुर्की में लगभग 200 मिलियन डॉलर का निवेश किया। सूत्रों के मुताबिक सरकार देश भर में चल रहे तुर्की के निवेश वाले प्रोजेक्ट्स की समीक्षा करने जा रही है। तुर्की की कंपनियां देश के पांच राज्यों यूपी, दिल्ली, मुंबई, गुजरात और जम्मू-कश्मीर में आईटी, मेट्रो रेल और टनल सहित कई तरह के प्रोजेक्ट में काम कर रही हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डिफेंस शेयरों में लगातार तेजी

कोचीन शिपयार्ड और मझगांव डॉक 12% चढ़े पारस डिफेंस में 20% का अपर सर्किट लगा

मुंबई, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर के बाद से भारतीय डिफेंस स्टॉक्स में लगातार तेजी बनी हुई है। शुक्रवार,16 मई को कोचीन शिपयार्ड, गार्डन रीच शिप बिल्डर्स और मझगांव डॉक जैसी कंपनियों के शेयर 15% तक चढ़े। जबकि निफ्टी इंडिया डिफेंस इंडेक्स में 6% की तेजी है। ब्रोकरेज फर्म्स का मानना है कि पाकिस्तान से तनाव के बीच सरकारी ऑर्डर बढ़ने, घरेलू उत्पादन पर फोकस और निर्यात में बढ़ोतरी की संभावना के चलते डिफेंस स्टॉक्स लगातार निवेश हो रहा है। पिछले 5 दिनों में कोचीन शिपयार्ड ने 34% तो वहीं गार्डन रीच शिप बिल्डर्स ने 38% रिटर्न दिया है।

डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स बनाने वाली कंपनी पारस डिफेंस का शेयर आज 15% तेजी के साथ 1,743 रुपए पर कारोबार कर रहा है। पीएसयू डिफेंस शेयर्स में गार्डन रीच शिप बिल्डर्स 12% तेजी के साथ 2,517 रुपए पर ट्रेड कर रहा है। वहीं कोचीन शिपयार्ड का शेयर 12% की तेजी के साथ 2,517 रुपए पर कारोबार कर रहा है। मझगांव डॉक के शेयर में करीब 10% की तेजी है। गार्डन रीच शिप बिल्डर्स ने FY25 में 48% की उछाल के साथ 527 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया है। चौथी तिमाही में लाभ 118% बढ़कर 244 करोड़ रुपए रहा। इसके चलते शेयर में पिछले एक साल में 125% रिटर्न दिया है।

डिफेंस सेक्टर में तेजी की मुख्य वजह FY27 तक 8.45 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर मिलने की संभावना है। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल ने हाल ही में T-90 टैंक इंजन, वरुणास्त्र टॉरपीडो समेत 54,000 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। एंटिक स्टॉक ब्रोकिंग के अनुसार, सरकार के 'मेक इन इंडिया' पुश और घरेलू उत्पादों पर जोर देने की नीतियों से शिपयार्ड कंपनियों को लंबे समय तक फायदा मिलेगा। वर्तमान में देश का 65% रक्षा उपकरण स्थानीय स्तर पर बन रहा है। सरकार ने FY25 में डिफेंस सेक्टर में 1.69 लाख करोड़ रुपए के ऑर्डर घरेलू कंपनियों को दिए हैं। FY25 में रक्षा निर्यात 23,622 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा है। इसमें पिछले दस साल में 34 गुना बढ़ोतरी हुई है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गुरु	३
मंगल	४
सूर्य	२
बुध, शुक्र, शनि, राहु	१ / १२
केतु	६
चंद्र	९

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
सूर्योदय - 05-47
सूर्यास्त - 18-37
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	वृष मे	वृष---	05-40 बजे
चंद्र-	धनु मे	मिथुन..	07-40 बजे
मंगल	कर्क मे	कर्क--	09-52 बजे
बुध-	मेष मे	सिंह---	12-03 बजे
गुरु-	मिथुन मे	कन्या...	14-10 बजे
शुक्र-	मीन मे	तुला....	16-16 बजे
शनि-	मीन मे	वृश्चिक..	18-26 बजे
राहु-	मीन मे	धनु.....	20-39 बजे
केतु-	कन्या मे	मकर...	22-46 बजे
		कुंभ...	00-36 बजे
		मीन....	02-18 बजे
		मेष.....	03-51 बजे

दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- पंचमी 05-57 अहोरात्र तक
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , शनिवार 17 May
नक्षत्र - पूर्वाषाढा 17-43 तक उपरान्त उत्तराषाढ़ा
योग - साध्य 07-08 तक उप शुभ
करण- कौलव 17-39 तक उप तैतिल
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मातंग योग

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 08:59 से 10:36 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	05:47 - 07:22	अशुभ	लाभ	18:47 - 20:03	शुभ
शुभ	07:22 - 08:59	शुभ	उत्पात	20:03 - 21:26	अशुभ
रोग	08:59 - 10:36	अशुभ	शुभ	21:26 - 22:49	शुभ
उत्पात	10:36 - 12:13	अशुभ	अमृत	22:49 - 00:12	शुभ
चंचल.	12:13 - 13:50	शुभ	चंचल	00:12 - 01:35	शुभ
लाभ.	13:50 - 15:27	शुभ	रोग	01:35 - 02:58	अशुभ
अमृत	15:27 - 17:03	शुभ	काल	02:58 - 04:21	अशुभ
काल.	17:03 - 18:37	अशुभ	लाभ.	04:21 - 05:47	शुभ

पाकिस्तान के दोस्त 'चीन' का इलाज बाकी

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम हो चुका है। इस संघर्ष में पाकिस्तान का साथ देने वाले तुर्की का तो हमने इलाज कर दिया है। वहां की कंपनी सेलेबी की दुकान का भी शटर डाउन हो चुका है। लेकिन पाकिस्तान के सबसे गहरे दोस्त चीन का क्या? पिछले महीने भी हमने न सिर्फ सबसे ज्यादा इंपोर्ट चीन से किया बल्कि वहां से हमारा आयात 27.08 फीसदी बढ़ा है।

कल ही भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय ने अप्रैल 2025 के लिए आयात-निर्यात के आंकड़े जारी किए। इन आंकड़ों से पता चलता है हमारे इंपोर्ट बास्केट में इस समय सबसे बड़ी भागीदारी चीन की ही है। बीते अप्रैल महीने के दौरान कुल आयात 64.91 बिलियन डॉलर का रहा था। इसमें से अकेले चीन से 9.90 बिलियन डॉलर का आयात हुआ। यही नहीं, इस महीने चीन से आयात में एक साल पहले के इसी महीने के मुकाबले 27.08 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस महीने हमने चीन को 1.4 बिलियन डॉलर का एक्सपोर्ट किया। मतलब कि $8500.21 मीलियन का ट्रेड डेफिसिट।

साल 2024-25 के दौरान भी चीन से आने वाले सामानों में 11.52 फीसदी की भारी बढ़ोतरी हुई थी। वहीं भारत से चीन को निर्यात होने वाले सामानों में 14.49 फीसदी की गिरावट देखी गई थी। जबकि देश के विभिन्न हिस्सों में चीनी वस्तुओं के बायकॉट का अभियान चलता रहता है। देखा जाए तो साल 2021-22 से ही चीन से आयात लगातार बढ़ रहा है। साल 2020-21 में चीन से 65.21 बिलियन डॉलर का सामान आया था। इसके एक साल बाद यानी 2021-22 में वहां से 94.57 बिलियन डॉलर इंपोर्ट हुआ। यह 45 फीसदी से भी ज्यादा की बढ़ोतरी है। इसके एक साल बाद, 2022-23 में 98.50 बिलियन डॉलर का चीन से इंपोर्ट हुआ जो कि एक साल पहले के मुकाबले 4.16 फीसदी अधिक है। साल 2023-24 में वहां से 101.73 लाख करोड़ रुपये का सामान आया। मतलब इस साल भी 3.28 फीसदी की बढ़ोतरी। पिछले साल यानी 2024-25 में तो चीन से रिकार्ड 113.45 बिलियन डॉलर का इंपोर्ट हुआ जो कि एक साल पहले के मुकाबले 11.52 फीसदी अधिक है।

बीते अप्रैल महीने के दौरान भारत से सामानों का निर्यात 9.1% बढ़ा है। यह पिछले छह महीनों में सबसे तेज गति है। अप्रैल में निर्यात 38.5 बिलियन का रहा। हालांकि, इस महीने भी अपना व्यापार घाटा बढ़ा है। अब यह बढ़ कर $26.4 बिलियन हो गया है। यह पिछले साल नवंबर के बाद सबसे ज्यादा है। वाणिज्य विभाग के नए आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में आयात 64.9 बिलियन रहा। यह पिछले साल की तुलना में 19% ज्यादा है।

क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ICRA की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर का कहना है ₹अप्रैल 2025 में व्यापार घाटा हमारी अपेक्षाओं से अधिक रहा। निर्यात में अच्छी वृद्धि के बावजूद ऐसा हुआ। इसका कारण कच्चे तेल का आयात बढ़ना और इलेक्ट्रॉनिक्स के आयात में तेज वृद्धि होना है।₹ हालांकि इसी दौरान कच्चे तेल की कीमतें कम हुईं, लेकिन इसका आयात ज्यादा हो गया।

उल्लेखनीय है कि बीते अप्रैल में पेट्रोलियम पदार्थों का आयात 25.6% बढ़कर $20.7 बिलियन हो गया। रासायनिक सामग्री का आयात दोगुना से अधिक होकर 2 बिलियन हो गया। इलेक्ट्रॉनिक्स का आयात 31% बढ़कर $9.5 बिलियन होने का अनुमान है। सोने का आयात भी 4.9% बढ़कर $3.1 बिलियन हो गया है।

भारत में सबसे तेज बढ़ेगी तेल की मांग

चीन से दोगुनी वृद्धि; लाभांश पर 23 मई को फैसला करेगा आरबीआई

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। तेल उत्पादक संगठन ओपेक ने कहा है कि भारत की तेल मांग प्रमुख देशों में सबसे तेज गति से बढ़ेगी। 2025 और 2026 में यह चीन की वृद्धि दर से दोगुनी हो जाएगी। भारत की तेल मांग 2024 में 55.5 लाख बैरल प्रतिदिन से बढ़कर 2025 में 57.4 लाख बैरल प्रतिदिन (बीपीडी) तक पहुंचने का अनुमान है, जो कि 3.39 प्रतिशत की वृद्धि है।

इससे दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था में बढ़ती ऊर्जा जरूरतों से मदद मिलेगी। 2026 में तेल की मांग 4.28 प्रतिशत बढ़कर 59.9 लाख टन बीपीडी हो जाएगी। यह वृद्धि 2025 में चीन की मांग में 1.5 फीसदी व 2026 में 1.25 प्रतिशत की अनुमानित वृद्धि से अधिक है। अमेरिका 2025 में 2.05 करोड़ बीपीडी की मांग के साथ सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता बना रहेगा। चीन 2025 में 1.69 करोड़ बीपीडी व 2026 में 1.71 करोड़ बीपीडी के साथ दूसरे स्थान पर होगा।

आरबीआई के केंद्रीय बोर्ड ने अपने आर्थिक पूंजी ढांचे की समीक्षा की है। इस समीक्षा के आधार पर ही सरकार को लाभांश दिया जाएगा। आरबीआई ने 2023-24 के लिए सरकार को रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ का लाभांश दिया था। इस बार लाभांश भुगतान अधिक होने की उम्मीद है। इसका निर्णय 23 मई की बैठक में लिया जाएगा।

वर्या क्रिएशंस व सात प्रवर्तकों पर सेबी का प्रतिबंध

आईपीओ रकम के दुरुपयोग के चलते सेबी ने वर्या क्रिएशंस और उसके सात प्रवर्तकों पर शेयर बाजार में कारोबार करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन्वेंचर मर्चेंट बैंकिंग को नए कारोबार लेने पर रोक लगा दी है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 95,280 पर बिक रहा

सोना-चांदी की कीमतों में बड़ी तेजी, एक्सपर्ट का अनुमान- सोना इस साल 1.10 लाख तक पहुंचेगा

सोने-चांदी के दाम में आज यानी 16 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,293 बढ़कर 93,658 पर पहुंच गया है। कल सोने की कीमत 92,365 प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव 1,016 बढ़कर 95,588 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 94,572 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

इस साल अब तक 17,496 रुपए महंगा हो चुका है सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 17,496 रुपए बढ़कर 93,658 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 9,571रुपए बढ़कर 95,588 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

साल के आखिर तक 1.10 लाख तक जा सकता है सोना

इस साल सोना 3,700 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है। इंटरनेशनल रेट के हिसाब से कैलकुलेट करें तो भारत में 10 ग्राम सोने के दाम 1.10 लाख रुपए तक जा सकते हैं। विदेशी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स ने ये अनुमान जारी किया है।

सेंसेक्स 200 और निफ्टी 42 अंकों की गिरावट के साथ बंद

इन शेयरों में हुआ भारी नुकसान

शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार ने गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार शुरू किया और लाल निशान में ही कारोबार बंद किया। हफ्ते के आखिरी दिन 200.15 अंकों (0.24%) के नुकसान के साथ 82,330.59 अंकों पर बंद हुआ। इसी तरह, आज एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 42.30 अंकों (0.17%) की गिरावट के साथ 25,019.80 अंकों पर बंद हुआ।

आज खासतौर पर आईटी और बैंकिंग स्टॉक्स में बिकवाली देखने को मिली। बताते चलें कि कल, गुरुवार को सेंसेक्स 1200.18 अंकों (1.48%) की तेजी के साथ 82,530.74 अंकों पर और निफ्टी 395.20 अंकों (1.60%) की बढ़त के साथ 25,062.10 अंकों पर बंद हुआ था।

भारती एयरटेल के शेयर में भारी गिरावट

आज सेंसेक्स की 30 में से 16 कंपनियों के शेयर हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 14 कंपनी का शेयर गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह, आज निफ्टी 50 की 50 में से 26 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुए और बाकी की सभी 24 कंपनी का शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। शुक्रवार को आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल के शेयर सबसे ज्यादा 1.38 प्रतिशत की बढ़त और भारती एयरटेल के शेयर 2.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — आप आज उल्लास और कुछ कर गुजरने के मूड में हैं । आपके सामने आज भुत से अवसर आयेंगे और आप उनका पूरा लाभ उठाने के लिए बहुत उत्साह में हैं । आज अगर आप अपने दिल की सुनेंगे तो वित्तीय,निजी जीवन तथा संबंधों में भी बहुत सफलता मिलेगी। आज दिन घटनाओं भरा रहेगा और आप इसका हरपल आनंद उठाएंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — किसी भी काम को तुरंत तैयार होकर शुरू करने से पहले गंभीरता से तर्क की कसौटी पर परख लेना ही ठीक होगा । आपके लिए कल्पनात्मक सा समय है । इसीलिए रोमांस का आनंद लें । रोमांस में कल्पना लाने से आपके लिए अच्छा होगा लेकिन अगर आप ऑफिस में भी यही करने की कोशिश करेंगे तो परिणाम अच्छे नही होंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप अपनी बढ़ी हुई जिम्मेदारियों से परेशान हैं,लेकिन अभी आपको कोई राहत मिलती दिखाई नही दे रही । सबसे अच्छा यही है की आप शिकायत करना छोड़कर अपने कामों को पूरा करें । जितनी जल्दी पूरा करेंगे ,उतनी ही जल्दी बोझ कम होता जाएगा । लेकिन इसका अर्थ यह भी नही है कि आपको इसे लापरवाही से पूरा करना है ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज कर्म में आपका विश्वास और पक्का हो जाएगा । आप यह मान लेंगे कि कर्म का फल अवश्य मिलता है । आप दूसरों की तकलीफ समझते हैं । आप सबसे आगे चलते हुए अपने व्यक्तित्व की उदारता की भी नोट करेंगे । कोई आपसे मदद मांगेगा । प्रियजनों के साथ छोटी-मोटी यात्रा कर सकते हैं ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज आप व्यावहारिकता की अपेक्षा रखने वाले कई मुद्दों में भावनात्मक व्यवहार करेंगे । स्पष्ट सोच रखते हुए यह समझने की कोशिश करें की आपकी इच्छाएं क्या हैं और आपके लिए अच्छा क्या हैं । आपके भीतर कुछ ऐसी भावनाए पैदा हो सकती हैं जो आपको कुछ सीमायें लांघने के लिए उकसा सकती हैं । ऐसी कोई भी फैसला लेने से पहले सब को सूचित कर दें ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — दिन की शुरुआत उलझन से होगी । आज कोई आध्यात्मिक प्रवृति वाला व्यक्ति आपके बचाव में आयेगा,आपका मार्गदर्शन करेगा । आप उसकी नेक सलाह मान सकते हैं । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं । दोपहर बाद दिन अच्छा गुजरेगा,दोस्तों के साथ समय बीतेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको कई सारे मुद्दे सलझाने हैं और ये सभी काफी महत्व के मसले हैं । इन सबके चक्कर में आपको कम समय मिल पायेगा और आप इन सबमे फंसा हुआ सा अनुभव करेंगे । इसके अलावा ,आज आपको कुछ ऐसी योजनाओं के बारे में भी पता चलेगा जो कुछ अलग सी दिखाई दे रही हैं । आप आज अपनी परेशानी के चलते कुछ ऐसा कह या कर सकते हैं।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे मानेंगे।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज आप अपने घर की साज सज्जा ,कपड़ों और सौंदर्य प्रसाधनों पर काफी खर्च कर सकते हैं । हालाँकि आप अपने खर्च को फिजूलखर्ची की सीमा तक पहुचने से पहले नियंत्रित कर पायेंगे । अपने किसी ख़ास को कोई कीमती उपहार दे सकते हैं,जो उसे बहुत अच्छा लगेगा।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुलेंगे।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — जब भी कोई फैसला लेना होता है,आप दिल और दिमाग के बीच उलझ जाते हैं । यही उलझान है,अपने मन की आवाज सुनें ,इससे आप सही फैसले ले पायेंगे । आपके परिजनों और करीबियों को आपके साथ की जरुरत है । उनके साथ अच्छा समय बिताएं । यात्रा की योजना बनाने के लिए अच्छा समय है । अगले सप्ताह यात्रा कर सकते हैं ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

नक्सलियों के हथियारों का जखीरा बरामद

जंगल से 14 हथियार, गोली-बारूद समेत कई सामान जब्त, बंकर भी मिला

गिरिडीह, 16 मई (एजेंसियां)। गिरिडीह पुलिस और सीआरपीएफ को नक्सलियों के खिलाफ चलाए जा रहे सर्च अभियान में बड़ी सफलता मिली है। खुखरा थाना क्षेत्र के जोकानाल के पास से नक्सलियों का बंकर बरामद किया गया है।

गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन में पुलिस ने जंगल में जमीन के अंदर छिपाए गए 14 हथियार बरामद किए। इनमें 303 बोर का राइफल, एसएलआर, एक 12 बोर बंदूक और 14 सिंगल शॉट बंदूकें शामिल हैं।

बरामद सामग्री में 7.62 एमएम की 38 और 9 एमएम की 10 गोलियां , बंडल कॉर्डेक्स वायर और भारी मात्रा में बारूद भी शामिल है।

गिरिडीह एसपी डॉ. बिमल कुमार ने बताया कि पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें पारसनाथ पर्वत की तराई वाले इलाके में नक्सलियों के खिलाफ अभियान जारी रखे हुए हैं। बरामदगी में नक्सलियों के दैनिक उपयोग की अन्य सामग्री भी मिली है। पुलिस और सीआरपीएफ की टीमें क्षेत्र में लगातार सर्च अभियान चला रही हैं।

अनियंत्रित बाइक पेड़ से टकराई

युवक की मौके पर मौत, मधुपुर से घर जाने के दौरान हुआ हादसा

देवघर, 16 मई (एजेंसियां)। देवघर जिले के मधुपुर अनुमंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। बुढ़ई थाना क्षेत्र के जगदीशपुर के पास धावाटांड़ में एक बाइक अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में बिहार के बटिया थाना क्षेत्र के घोंघा गांव निवासी दीपक सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर बुढ़ई थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। बाइक से मिले कागजात से पता चला कि वह जामताड़ा के मिहिजाम की है। पुलिस के मुताबिक, दीपक मधुपुर से अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान धावाटांड़ के पास उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई। पेड़ से टकराने के कारण सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उनकी मृत्यु हो गई।

कांग्रेसियों और पुलिस से झड़प

एमपी के मंत्री शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर फूंका पुतला, कर्नल सोफिया कुरैशी पर की थी टिप्पणी

बिलासपुर, 16 मई (एजेंसियां)। बिलासपुर में गुरुवार को नेहरु चौक पर पुतला दहन के दौरान कांग्रेस नेताओं और पुलिस के बीच झड़प हो गई। कांग्रेसियों ने मध्यप्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह के खिलाफ प्रदर्शन कर पुतला फूंका। फिर जमकर नारेबाजी भी की। ऑपरेशन सिंदूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी पर मंत्री विजय शाह ने अमर्यादित टिप्पणी की थी, जिसका देश भर में विरोध हो रहा है।

कांग्रेस नेता और कार्यकर्ताओं ने भी उनके इस बयान का विरोध किया। कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता कांग्रेस भवन में एकत्रित हुए, जहां से रैली निकालकर नारेबाजी करते हुए नेहरु चौक पर प्रदर्शन किया। इस दौरान मंत्री शाह के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

इस दौरान पुलिसकर्मियों ने कांग्रेसियों को पुतला दहन करने से रोकने की कोशिश की। जिसके चलते पुलिसकर्मियों से उनकी झड़प हो गई। पुलिसकर्मियों के संघर्ष के बाद भी कांग्रेसी पुतला दहन करने में कामयाब रहे।

शहर और ग्रामीण अध्यक्ष विजय पांडेय और विजय केशरवानी ने कहा कि सिंदूर ऑपरेशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली देश की आन-बान और शान, जिस पर पूरे देश को गर्व है। मातृ शक्ति कर्नल सोफिया कुरैशी पर भाजपा के मंत्री विजय शाह द्वारा अमर्यादित, स्तरहीन बयान देना सनातन धर्म की परिपाटी के विपरीत है। हमारा धर्म कहता है कि, जहां नारी की पूजा होती है वही स्वर्ग है। लेकिन, भाजपा और उसके नेता जिस आदर्शवाद के नाम की डफली पीटते हैं उसके एक अंश भी आत्मसात नहीं करते। भाजपा के चाल-चरित्र में महिलाओं का अपमान है और नेता केवल राजनीति के लिए दिखावा करते हैं। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि, बीजेपी मंत्री को बचाने की कोशिश कर रही है। यही वजह है कि अब तक न तो कोई सख्त कार्रवाई की गई और न ही पार्टी ने स्पष्ट रुख अपनाया। कांग्रेस नेताओं ने कहा एक महिला सैन्य अधिकारी पर इस तरह की अभद्र टिप्पणी करना न सिर्फ स्त्रीविरोधी है, बल्कि सेना और राष्ट्र का भी अपमान है। मंत्री भले ही माफी मांग रहे हों, लेकिन उनके चेहरे की हंसी बताती है कि वो इस पूरे मामले को मजाक समझ रहे हैं। हाईकोर्ट ने खुद संज्ञान लिया है, और अब कांग्रेस इसे जनता की आवाज़ बनाएगी। कांग्रेस नेताओं ने मामले में उनके खिलाफ राष्ट्रद्रोह का मामला दर्ज करने की मांग की है। पुतला दहन कार्यक्रम में शहर अध्यक्ष विजय पांडेय, ग्रामीण अध्यक्ष विजय केशरवानी, पार्षद ओम कश्यप, पूर्व पार्षद रमाशंकर बघेल सहित कांग्रेसजन मौजूद रहे।

मंत्री ओपी ने बघेल को बताया हीनता बोध से ग्रस्त

साव बोले-क्या नक्सलवाद के साथ हैं भूपेश, पूर्व सीएम ने नक्सल-सिंदूर ऑपरेशन पर उठाए थे सवाल

रायपुर, 16 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने नक्सल ऑपरेशन और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बयान पर दिया। जिस पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने बघेल को हीनता बोध से ग्रस्त बताया है। वहीं, डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, क्या बघेल नक्सलवाद के साथ हैं।

दरअसल, भूपेश बघेल ने रायपुर में तिरंगा यात्रा को लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। जिसमें कहा कि, सीएम साय ऑपरेशन सिंदूर को एक आयोजन बता रहे हैं। आयोजन शब्द को पकड़कर भूपेश ने ट्वीट किया। आगे लिखा कि, हे ईश्वर, सेना के शौर्य और पराक्रम को आयोजन बताने वाले इन लोगों को क्षमा करना। वे नहीं जानते कि शौर्य और पराक्रम क्या होता है।

मंत्री ओपी चौधरी ने एक्स पर पूर्व मुख्यमंत्री बघेल को हीनता बोध से ग्रस्त बताया है। उन्होंने कहा कि, पाकिस्तान के खिलाफ भारत की जीत को नहीं पचा पा रहे हैं। मंत्री ने आयोजन शब्द को लेकर कहा कि, 'नागरी प्रचारिणी सभा' के शब्दकोष में 'आयोजन' का अर्थ है- 'किसी कार्य या गतिविधि को सुनियोजित और व्यवस्थित ढंग से करने की प्रक्रिया।' इसमें योजना बनाना, संसाधनों का प्रबंधन और कार्य को निर्धारित समय पर पूरा करना शामिल है।

मंत्री चौधरी ने आगे लिखा कि, क्या कांग्रेस नेता यह कहना चाहते हैं कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत चला अभियान सुनियोजित नहीं था या अव्यवस्थित था? या सेना ने योजना सही नहीं बनाई थी, कि संसाधनों का प्रबंधन सेना ने सही नहीं किया? कभी सर्जिकल स्ट्राइक का इसी तरह मजाक बनाते हुए भूपेश ने यह कहा था कि 'वहां केवल कौए मरे हैं।'

जनता ने उस भद्दे मजाक का माकूल जवाब भी दे दिया उन्हें। हमारे सैनिकों के शौर्य पर सवाल खड़ा करते रहने की परिपाटी बंद होना चाहिए। यह राजनीति का विषय नहीं है।

बीजापुर में हाल ही में सफल हुए नक्सल ऑपरेशन को लेकर भी भूपेश बघेल ने सवाल उठाए थे। उन्होंने नक्सलियों की संख्या, मारे गए नक्सलियों की पहचान को लेकर सवाल उठाए। भूपेश बघेल ने एक पोस्टर जारी करते हुए सोशल मीडिया पर ऑपरेशन से जुड़े संदेह जाहिर किए।

भूपेश बघेल की तरफ से नक्सल ऑपरेशन को लेकर की गई आपत्तियों के बाद डिप्टी सीएम अरुण साव ने कहा कि, छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी चिंता का विषय है कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल नक्सलवाद उन्मूलन के साथ हैं? या नक्सलवाद के साथ हैं? ये उन्हें स्पष्ट करना चाहिए।

साव ने कहा कि, कांग्रेस पार्टी के 2 पूर्व मुख्यमंत्रियों को देश की सेना पर भरोसा नहीं। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी को बॉर्डर पर सेना के शौर्य पर शंका है। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बस्तर में सेना के जवानों के पराक्रम पर शंका है। मैं, दोनों को ही बता देना चाहता हूं, भारत भूमि में, सेना के शौर्य पर सवाल नहीं उठाए जाते, सेना के गौरव की गाथाएं गाई जाती हैं।

झारखंड में शराब की खुदरा बिक्री निजी हाथों में

सरकार के पास रहेगा होलसेल दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से, एक माह में होगा लागू

रांची, 16 मई (एजेंसियां)। झारखंड सरकार ने शराब की खुदरा बिक्री से जुड़ी नई नियमावली को मंजूरी दे दी है। मंत्रिपरिषद ने 'झारखंड उत्पाद (शराब की खुदरा बिक्री के लिए दुकानों की बंदोबस्ती एवं संचालन) नियमावली 2025' के गठन की स्वीकृति दी। नई नीति लागू होने से अब खुदरा शराब व्यापारी पहले की तरह बिक्री कर सकेंगे। लेकिन, होलसेल का जिम्मा राज्य सरकार के पास होगा।

यह नियम एक महीने में लागू होगा। एक जिले में एक व्यक्ति को अधिकतम 12 दुकानें मिलेंगी। शराब दुकानों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। कैबिनेट की प्रधान सचिव वंदना दादेल ने दावा किया कि नई नीति से शराब दुकानों के संचालन में पारदर्शिता आएगी।

युवती को ट्रक ने कुचला, मौके पर मौत

टायर चढ़ने से भेजा बाहर आया, सिर-छाती की हड्डियां चूर-चूर, कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

रायपुर, 16 मई (एजेंसियां)। रायपुर में 27 साल की युवती को तेलीबांधा चौक पर एक ट्रक ने कुचल दिया है। युवती की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि युवती के सिर और छाती की हड्डियां चूर-चूर हो गई हैं। एक्सीडेंट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के मुताबिक मृत युवती का नाम एल.तान्या रेड्डी है। घटना करीब 11:30 बजे की है। वह मैग्नेटो मॉल की तरफ से शहर के भीतर मरीन ड्राइव की ओर आ रही थी, तभी ट्रक के ब्लाइंड स्पॉट में आ गई। फिलहाल कांग्रेस स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग को लेकर प्रदर्शन करेगी।

तेलीबांधा थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा से मिली जानकारी के मुताबिक ट्रक रेड सिग्नल होने के कारण ट्रक खड़ा हुआ था, जो मैग्नेटो मॉल की तरफ से टाटीबंध की ओर जा रहा था। सिग्नल ग्रीन होते ही ट्रक आगे बढ़ा। इस दौरान स्कूटी को ट्रक ड्राइवर ने लेफ्ट तरफ के चक्के से अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा है कि युवती की स्कूटी ट्रक के ब्लाइंड स्पॉट में आई। जिसे ट्रक ड्राइवर ने देखा नहीं और गाड़ी आगे बढ़ा दी। एक्सीडेंट होते ही स्कूटी ट्रक के सामने के हिस्से में फंस गई। जिससे तान्या ट्रक के पिछले चक्के में दब गई।

बताया जा रहा है कि हादसे में उसके सिर और सीने की हड्डियां बुरी तरह चूर-चूर हो गई है। मौके पर उसकी मौत हो गई। सिर पर टायर चढ़ने से भेजा बाहर आ गया है। हादसे के बाद ट्रैफिक जाम हो गया। पुलिस ने धीरे-धीरे जाम को क्लियर करवाया।

तान्या अपने गोल्डन स्काई अपार्टमेंट फेज-2 वीआईपी रोड से स्कूटर से शहर की तरफ जा रही थी। हादसे के दौरान पुलिस को एक बैग भी मिला है। आशंका है कि युवती कहीं जॉब पर जा रही थी। तेलीबांधा पुलिस ने युवती के परिजनों को सूचना दे दी है। पुलिस ने युवती की लाश को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी ट्रक ड्राइवर रामप्रवेश कुमार को हिरासत में ले लिया है। ट्रक छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर जिले का है। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय का कहना है कि प्रशासन से लंबे समय से तेलीबांधा में स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग की गई हैं, लेकिन इस पर ध्यान नहीं दिया गया। जिस वजह से घटना हुई है। आज शाम 4 बजे कांग्रेस के कार्यकर्ता तेलीबांधा पहुंचकर स्पीड ब्रेकर बनाने की मांग करेंगे।

मामा की शादी में भांजे पर गिरा डीजे, मौत

बच्चे का पिता चला रहा था कार, स्टंट के चक्कर में पिकअप को मारी टक्कर

कोरबा, 16 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में मां की शादी में डेढ़ साल के मासूम पर डीजे गिर गया, जिससे बच्ची की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मासूम दूल्हे की गोद में बैठा था। कार बच्चे का पिता चला रहा था, लेकिन स्टंट मारने के चक्कर में डीजे वाली गाड़ी को टक्कर मार दी। मामला मानिकपुर चौकी क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृत बच्चे का नाम हरिओम तिवारी है। मासूम हरिओम के ऊपर डीजे गिरने से उसका सिर फट गया। कार का शीशा टूट गया। कांच के टुकड़े बच्चे पर लग गए, जिससे बच्चा खून से सन गया।

दरअसल, गुरुवार रात को सूरजपुर से चिमनीभाठा बारात आई थी। बारात दुल्हन के घर की ओर जा रही थी। डीजे की धुन पर सभी नाच-गा रहे थे। दूल्हे का जीजा कार चला रहा था, तभी मुड़ापार शारदा विहार रोड पर कार से स्टंट मारने की कोशिश की। जानकारी के मुताबिक, नीलेश ने स्पीड में अचानक ब्रेक लगाकर पीछे का चक्का उठाने की कोशिश की थी। इस दौरान कार का बैलेंस बिगड़ गया और वह डीजे वाहन से टकरा गई। हादसे में मासूम हरिओम की जान चली गई। वहीं दूल्हे का जीजा नीलेश तिवारी घायल है। हादसे के बाद राहगीरों ने कार चालक की पिटाई कर दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं बच्चे के शव को मॉर्च्यूरी भेजा। हादसे के बाद दूल्हा शादी करने से मना कर रहा था, लेकिन दुल्हन के परिजनों और स्थानीय लोगों के समझाने पर गमगीन माहौल में शादी संपन्न हुई।

लोगों की डिमांड, गांव में खोली जाए शराब दुकान

सुशासन तिहार में बोले- महुआ शराब से सेहत बिगड़ रही, बिलासपुर में विधायक धर्मजीत बोले-मांग पूरी करेंगे

बिलासपुर, 16 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार की तरफ से चलाए जा रहे 'सुशासन तिहार' में कई तरह की रोचक मांगें सामने आ रही हैं। बिलासपुर के तखतपुर इलाके में लोगों ने विधायक धर्मजीत सिंह से कोड़ापुरी गांव में शासकीय शराब दुकान खोलने की मांग की है। उनकी यह डिमांड सुनकर बीजेपी विधायक धर्मजीत सिंह ने कहा कि, मेरे 22 साल की विधायकी में पहली बार किसी गांव के लोगों ने शराब दुकान खोलने की मांग की है। लेकिन, हम उनकी ये मांग भी पूरी कर रहे हैं। उन्होंने आबकारी विभाग के अफसर से शराब दुकान खोलने की बात कही है।

दरअसल, राज्य सरकार की योजनाओं को लोगों तक पहुंचाने प्रदेश भर में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। तखतपुर के जरौंधा में आयोजित शिविर में कोड़ापुरी गांव के लोगों ने शासकीय शराब दुकान खोलने की मांग की। इसके लिए बाकायदा उन्होंने आवेदन पत्र भी दिया है।

कोड़ापुरी गांव के ग्रामीणों ने बताया कि, गांव में शराब दुकान नहीं होने के कारण कुछ लोग महुआ से शराब बनाकर अवैध बिक्री कर रहे हैं। जिसे पीने के बाद लोगों का स्वास्थ्य खराब हो रहा है। बच्चे, महिलाएं इससे प्रताड़ित हो रही हैं। इस समस्या के निराकरण के लिए संख्या के आधार पर गांव में शासकीय शराब दुकान खोला जाना चाहिए।

शिविर में मौजूद विधायक धर्मजीत सिंह भी गांव वालों की मांग सुनकर हैरान रह गए। उन्होंने मंच से कहा कि, उनके राजनीतिक करियर और 22 साल के विधायक रहते यह पहला मौका है, जब ग्रामीण इस तरह गांव में शराब दुकान खोलने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि, महुआ लहान से शराब बनती है, तो बताइए अभी छापेमारी कराएंगे। इसलिए तो समाधान शिविर लगा है। लेकिन, हम गांव वालों की यह मांग भी पूरी कर रहे हैं। हमने आबकारी विभाग की अफसर से कहा है कि, गांव में शराब दुकान खोली जाए।

इधर, गांव में शराब दुकान खोलने की मांग और विधायक के मंच से की गई घोषणा का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विधायक गांव वालों की मांग को सुनकर हैरानी भी जता रहे हैं। साथ ही उनकी ये डिमांड पूरा करने का आश्वासन भी दे रहे हैं।

जलते अंगारों पर नंगे पाव चले भक्त

शिव उपासना मंडा पूजा का समापन आग के ऊपर झूलन अनुष्ठान

गुमला, 16 मई (एजेंसियां)। गुमला के भरनो प्रखंड के बड़ा तुरिअंबा गांव में फूलखुंदी व झूलन के साथ शिव उपासना के दो दिवसीय मंडा पूजा का विधिवत समापन किया गया। इस दौरान लोगों ने अंगारों पर नंगे पांव चलकर भक्ति दिखाया और झूलन अनुष्ठान पूराकर क्षेत्र के लिए मनोकामना मांगी।

इस अवसर पर रातभर लोगों ने छऊ नृत्य, जागरण और मेला का लुत्फ उठाया। मंडा पूजा को लेकर प्रखंड प्रमुख पारस नाथ उरांव और मुखिया विनीता एक्का इस धार्मिक कार्यक्रम में शामिल हुए। लोगों को मंडा पूजा की बधाई दी।

प्रखंड प्रमुख और मुखिया ने कहा कि तुरिअंबा गांव में मंडा पूजा का आयोजन कर यहां के लोग धार्मिक अनुष्ठान व परंपरा के अनुसार श्रद्धालुओं ने जलते अंगारों में खाली पांव चलकर आस्था और विश्वास के साथ भक्ति और शक्ति का परिचय दिया है।

मुखिया विनीता एक्का ने कहा कि धधकते अंगारों में खाली पांव चलकर भक्ति से सराबोर होकर भक्त डुबकी लगा रहे। इस धार्मिक अनुष्ठान से लोगों विश्वास और अधिक बढ़ता है और एकजुटता दिखाई देती है। वहीं, इस धार्मिक अनुष्ठान में काफी संख्या में भोक्ता भी शामिल होकर विधिवत पूजा के अलावे ऊपर झूला में झूलन करते हुए सुख समृद्धि की कामना की।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो आरोपी गिरफ्तार

तीन चोरी की बाइक बरामद, आगजनी के आरोपी को भी पकड़ा

धनबाद, 16 मई (एजेंसियां)। धनबाद शहरी क्षेत्र में बाइक चोरी की बढ़ती घटनाओं पर आखिरकार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया है। चोरी की तीन मोटरसाइकिलें भी बरामद की गई हैं।

इस संबंध में शुक्रवार को डीएसपी विधि व्यवस्था नौशाद आलम ने बताया कि धनबाद के एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ असामाजिक तत्व शहर से बाइक चोरी कर बलियापुर इलाके में ले जाकर उन्हें भोले-भाले लोगों को सस्ते दामों में बेच रहे हैं।

सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसएसपी ने एक विशेष टीम का गठन किया और योजनाबद्ध तरीके से छापेमारी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान पुलिस ने दो अपराधियों विकास राम और लालू कुरैशी को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से चोरी की दो बाइक बरामद की गईं, जबकि तीसरी बाइक तापस गोराई नामक व्यक्ति के घर से मिली, जिसे इन अपराधियों ने पहले ही बेच दिया था।

डीएसपी आलम ने बताया कि विकास राम और लालू कुरैशी एक संगठित बाइक चोर गिरोह का संचालन करते हैं। दोनों का आपराधिक इतिहास रहा है और ये पूर्व में भी कई बार जेल जा चुके हैं। इनकी गिरफ्तारी से शहर में हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगने की उम्मीद है।

सिक्योरिटी गार्ड की पत्थर से कुचलकर हत्या

पाइप की निगरानी में नाइट ड्यूटी पर था तैनात, सुबह मिली खून से लथपथ लाश

धनबाद, 16 मई (एजेंसियां)। धनबाद में गुरुवार की देर रात एक सिक्योरिटी गार्ड की पत्थर से कुचलकर हत्या कर दी गई। शुक्रवार की सुबह जब लोगों ने शव देखा तो पुलिस को सूचना दी। शव के पास ही एक बड़ा पत्थर भी पड़ा मिला।

घटना केंदुआडीह थाना क्षेत्र की है। मृतक की पहचान मिथलेश रवानी (45) के रूप में की गई। मिथलेश श्रीराम कंपनी में सिक्योरिटी गार्ड के रूप में कार्यरत था। मिथलेश कंपनी द्वारा रखे गए पाइप की निगरानी और सुरक्षा का काम करता था। रोज की तरह वे अपनी ड्यूटी पर तैनात था, लेकिन देर रात अपराधियों ने उस पर बुरी तरह से पत्थर से हमला किया, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

सुबह घटना की जानकारी स्थानीय लोगों के माध्यम से पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही केंदुआडीह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया।

घटनास्थल से पत्थर भी बरामद हुआ है, जिन पर खून के धब्बे पाए गए हैं। पुलिस इन सुरागों के आधार पर जांच में जुटी है।

कचरा फेंकने पर विवाद: महिला ने आरी से किया हमला

पड़ोसी के सीने पर मारी लात जमीन पर पटका, 2 परिवार में झड़प

दुर्ग, 16 मई (एजेंसियां)। दुर्ग जिले के कैलाश नगर क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 2 पड़ोसियों में हिंसक झड़प हो गई। कचरा फेंकने को लेकर कहासुनी से शुरू हुआ विवाद गाली-गलौज और फिर मारपीट में बदल गया। इस दौरान एक महिला ने पड़ोसी परिवार पर आरी से भी हमला कर दिया। वहीं, झगड़े के दौरान एक महिला ने दूसरी महिला को जमीन पर पटक दिया और उसके सीने पर लात मार दी, जिससे वह कुछ देर के लिए बेहोश हो गई। यह मामला जामुल थाना के कैलाश नगर इलाके का है। इस मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

दरअसल, कैलाश नगर की एक गली में एक परिवार ने पड़ोसी के घर के बाहर कचरा फेंक दिया। इसे लेकर दूसरे परिवार ने आपत्ति जताई। पहले तो दोनों पड़ोसियों के बीच तीखी बहस हुई, लेकिन बात हाथापाई तक पहुंच गई। देखते ही देखते दोनों परिवार की महिलाएं और पुरुष इस झगड़े में कूद पड़े।

इसके बाद दोनों परिवारों के महिला और पुरुषों के बीच जमकर मारपीट हुई। झगड़े के दौरान महिला गुस्से में लकड़ी काटने वाली आरी लेकर सामने वाले परिवार की ओर दौड़ी और मारपीट करने लगी। महिला ने एक दूसरी महिला को जमीन पर पटक दिया और उसके सीने पर जोरदार लात मार दी, जिससे वह बेहोश हो गई।

इस झड़प में एक ही परिवार के तीन सदस्य घायल हो गए हैं, जिनमें दो महिलाएं और एक पुरुष शामिल हैं। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायलों को पास के अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है।

मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर हालात को काबू में किया। उन्होंने महिला के हाथ से आरी छीनी और दोनों परिवारों को अलग किया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही जामुल पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिलहाल दोनों पक्षों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। हालांकि इनके नाम सामने नहीं आए हैं। फिलहाल पुलिस वीडियो फुटेज और मौके पर मौजूद लोगों के बयान के आधार पर जांच कर रही है। पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी होने के बाद सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ट्रंप का पश्चिम एशिया दौरा पूरा

कई नेताओं से मिले, धार्मिक स्थल पर भी गए अमेरिकी राष्ट्रपति

अबू धाबी, 16 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पश्चिम एशिया दौरे का समापन संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी में किया। अपने दौरे के आखिरी दिन ट्रंप ने एक कारोबारी सम्मेलन में हिस्सा लिया और उसके बाद एक विशेष धार्मिक स्थल - अब्राहमिक फैमिली हाउस का दौरा किया।

यह धार्मिक स्थल एकता और सहिष्णुता का प्रतीक है, जहां एक साथ एक मस्जिद, एक चर्च और एक सिनेगॉग (यहूदी उपासना स्थल) मौजूद हैं। इसे 'अब्राहम अकॉर्ड्स' के तहत बनाया गया था, जो एक ऐतिहासिक समझौता है। इसके तहत यूएई और कुछ अन्य अरब देशों ने इस्राइल को आधिकारिक रूप से मान्यता दी थी। यह तीन प्रमुख धर्मों — इस्लाम, ईसाई धर्म और यहूदी धर्म — को जोड़ने वाला एक प्रतीक स्थल है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अबू धाबी में शुक्रवार सुबह एक व्यापारिक बैठक में हिस्सा लिया। इस बैठक में उन्होंने यूएई के व्यापार जगत के प्रमुख लोगों से मुलाकात की। इस दौरान व्यापार और निवेश से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। वहीं ट्रंप की मौजूदगी के दौरान अबू धाबी की सरकारी एयरलाइन एतिहाद एयरवेज ने घोषणा की कि वह 28 बोइंग विमान खरीदेगी। इनमें बोइंग 787 और 777X मॉडल के विमान शामिल हैं। यह सभी विमान जीई इंजन से लैस होंगे और इनके साथ एक सेवाओं से जुड़ा पैकेज भी मिलेगा। हालांकि बोइंग कंपनी की ओर से अभी तक इस सौदे की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। इस सौदे को अमेरिका और यूएई के बीच बढ़ते व्यापारिक संबंधों का संकेत माना जा रहा है। ट्रंप इससे पहले सऊदी अरब और कतर भी गए थे, जहां कतर ने अपनी एयरलाइन कतर एयरवेज के लिए बोइंग विमानों का एक बड़ा ऑर्डर दिया।

ट्रंप दौरे के दौरान बढ़ा तनाव

डोनाल्ड ट्रंप के इस दौरे के दौरान वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में हिंसा की घटनाएं भी हुईं। गाजा में 120 से ज्यादा लोगों की मौत की खबर है। हालांकि ट्रंप की ओर से इस पर कोई सीधी प्रतिक्रिया नहीं आई। ट्रंप का यह दौरा मध्य पूर्व में अमेरिका के पुराने संबंधों को मजबूत करने और व्यापार को बढ़ावा देने की एक कोशिश माना जा रहा है।

न्यूयॉर्क सीनेट में भारतीय संविधान का सम्मान

75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रस्ताव पारित

वॉशिंगटन, 16 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य न्यूयॉर्क की सीनेट में औपचारिक रूप से भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर इसका सम्मान करते हुए एक प्रस्ताव पारित किया गया। प्रस्ताव में भारतीय संविधान को राष्ट्र के रूप में भारत की निरंतर प्रगति के लिए एक मार्गदर्शक ढांचे के रूप में मान्यता दी गई है और देश के लोकतांत्रिक मूल्यों का जश्न मनाया गया। न्यूयॉर्क स्टेट सीनेटर जेरेमी कूनी ने यह प्रस्ताव पेश किया। जेरेमी कूनी वर्तमान में न्यूयॉर्क स्टेट सीनेट में सेवारत भारतीय मूल के एकमात्र सदस्य हैं। कूनी के प्रस्ताव को बुधवार को एक समारोह में पारित किया गया। इस कार्यक्रम में न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत विनय प्रधान के साथ-साथ न्यूयॉर्क में भारतीय-अमेरिकी समुदाय के लोग भी शामिल हुए।

जेरेमी कूनी ने कहा, 'मैं भारतीय संविधान की 75वीं वर्षगांठ के सम्मान में यह प्रस्ताव पेश कर रहा हूं, यह भारतीय स्वतंत्रता और उन कई बहादुर भारतीयों का जश्न मनाने का समय है।

इशाक डार ने अपनी ही संसद में फर्जी खबर के जरिए दिखाया बड़बोलापन

पाकिस्तानी मीडिया ने ही खोल दी पोल

इस्लामाबाद, 16 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के उप-प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने पाकिस्तानी सीनेट में एक विदेशी अखबार की फर्जी तस्वीर का जिक्र कर झूठा दावा किया कि पाकिस्तानी वायुसेना संघर्ष में भारत की वायुसेना पर भारी पड़ी। इस दौरान पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने ब्रिटिश अखबार डेली टेलीग्राफ के एक लेख की तस्वीर का हवाला दिया। हालांकि पाकिस्तानी मीडिया ने ही अपने विदेश मंत्री के झूठ का पर्दाफाश कर दिया। फैक्ट चेक में विदेशी अखबार की तस्वीर फर्जी निकली है।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने गुरुवार को पाकिस्तानी सीनेट में बताया कि ब्रिटिश अखबार टेलीग्राफ ने लिखा कि 'पाकिस्तानी वायुसेना, आकाश में निर्विवाद किंग रही।'

इस पर पाकिस्तान के एक जाने-माने अखबार डॉन ने ही फैक्ट चेक कर अपने विदेश मंत्री के दावे को खारिज कर दिया। अखबार ने बताया कि इशाक डार ने जिस खबर का जिक्र किया, वह फर्जी है और वह सिर्फ सोशल मीडिया पर वायरल एक फर्जी तस्वीर है। पाकिस्तानी अखबार ने वायरल तस्वीर की जांच की तो उसे तस्वीर में कई खामियां नजर आईं। जांच में पता चला कि डेली टेलीग्राफ ने ऐसी कोई खबर प्रकाशित ही नहीं की।

पाकिस्तानी अखबार ने फैक्ट चेक के जरिए पता लगाया कि वायरल तस्वीर में जो लेख है, उसमें स्पेलिंग की गलतियां थीं, जो एक प्रतिष्ठित अखबार के संपादकीय में नहीं हो सकतीं। पेज का लेआउट भी डेली टेलीग्राफ के लेआउट से मेल नहीं खाता। पाकिस्तान के कई अन्य पत्रकारों ने भी इस तस्वीर का फैक्ट चेक किया और इस खबर को फर्जी पाया।

एक यूजर ने डेली टेलीग्राफ की तस्वीर को एआई जेनरेट बताया और संसद में दिए उप-प्रधानमंत्री के दावे को शर्मनाक करार दिया। गौरतलब है कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत से बुरी तरह से मात खाने के बाद पाकिस्तानी सेना और सरकार अपने देश में फर्जी प्रोपेगैंडा चला रहे हैं ताकि जनता की नजरों में हीरो बनकर बेइज्जती से बचा जा सके।

उल्लेखनीय है कि कई अंतरराष्ट्रीय रक्षा विशेषज्ञों ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष में भारत को विजेता बताया है और दावा किया कि पाकिस्तानी वायुसेना, भारतीय वायुसेना के सामने कहीं न टिक सकी।

भारत ने पूरी सटीकता और सुनियोजित तरीके से हमले किए, जबकि पाकिस्तानी वायुसेना के ड्रोन और लड़ाकू विमान हवा में ही तबाह कर दिए गए। भारत ने पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया, जिसमें उनके कई अहम एयरबेस को भारी नुकसान हुआ।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भारत के साथ बातचीत की अपील की है। इशाक डार का यह बयान ऐसे वक्त सामने आया है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम चल रहा है।

पाकिस्तानी सीनेट में इशाक डार ने दावा किया कि 'सैन्य स्तर पर हुई बातचीत में संघर्षविराम 18 मई तक बढ़ गया है। डार ने कहा कि राजनीतिक स्तर पर बातचीत से ही समस्या सुलझेगी। हम भारत के साथ समग्र बातचीत करना चाहते हैं।'

हालांकि भारत का रुख साफ है कि आतंकवाद खत्म किए बिना पाकिस्तान से कोई बात नहीं होगी। पीएम मोदी ने ये भी साफ कर दिया कि पाकिस्तान के साथ सिर्फ आतंकवाद और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर पर बात होगी।

रूस-यूक्रेन जंग खत्म करने पहली बार आमने-सामने की डील

तुर्किये पहुंचे दोनों देशों के प्रतिनिधि, ट्रम्प बोले- मेरे बिना कोई डील नहीं हो सकती

अंकारा, 16 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गुरुवार को कहा कि वह रूसी प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के लिए तुर्किये के इस्तांबुल में अपनी टीम भेजेंगे। इसका नेतृत्व रक्षा मंत्री रुस्तम उमरोव करेंगे। अगर ऐसा होता है तो दोनों देशों के बीच पहली बार शांति को लेकर सीधी बातचीत होगी।

जेलेंस्की ने कहा कि यह फैसला उन्होंने इसलिए लिया, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन का सम्मान करते हैं। जेलेंस्की ने कहा कि रूसी डेलीगेशन में कोई भी ऐसा शख्स शामिल नहीं है जो वास्तव में फैसले लेता हो।

रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी और रूसी राजनयिकों के बीच आज इस्तांबुल में बातचीत हो सकती है। इसके लिए रूसी डेलीगेशन इस्तांबुल पहुंच गया है। इसमें रूस की तरफ से पुतिन के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की की लीडरशिप में एक डेलीगेशन पहुंचा है।

इससे पहले शांति वार्ता में हिस्सा लेने के लिए पहले जेलेंस्की और पुतिन के शामिल होने की चर्चाएं थीं लेकिन गुरुवार को क्रेमलिन ने कहा कि पुतिन इसमें शामिल नहीं होंगे।

पुतिन ने शांति वार्ता में न पहुंचने के फैसले के बाद ट्रम्प ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि जब तक पुतिन और मैं एक साथ नहीं आते, तब तक कुछ भी होने वाला है, चाहे आप इसे पसंद करें या नहीं। लेकिन हमें इसे हल करना होगा क्योंकि बहुत से लोग मर रहे हैं।'' जेलेंस्की ने इससे पहले साफ कहा है कि यूक्रेन कभी भी उन इलाकों को रूस का हिस्सा नहीं मानेगा, जो अभी रूस के कब्जे में हैं। उन्होंने यह भी बताया कि शांति वार्ता आगे बढ़ेगी, लेकिन यूक्रेन अपनी जमीन से समझौता नहीं करेगा। जमीन यूक्रेन की है और यह हमेशा यूक्रेन की ही रहेगी। रूस बार-बार यह मांग करता रहा है कि यूक्रेन के चार इलाके और क्रीमिया को रूस का हिस्सा माना जाए। क्रीमिया पर रूस ने 2014 में कब्जा कर लिया था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सरकार ने पहले इशारा दिया था कि शायद यूक्रेन अब अपने सभी पुराने इलाकों को वापस नहीं पा सकेगा।

जेलेंस्की ने यह भी कहा कि रूस ने यूक्रेन के खिलाफ चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो उस पर और भी कड़े प्रतिबंध लगाए जाएंगे।

अमेरिका और यूरोपीय देशों ने रूस को चेतावनी दी है कि अगर वह अमेरिका के समर्थन वाले 30 दिन के बिना शर्त युद्धविराम प्रस्ताव पर दस्तखत नहीं करता, तो उसके खिलाफ नए प्रतिबंध लगाए जाएंगे। कई यूरोपीय देशों ने यह भी कहा था कि अगर रूस ने सोमवार तक लड़ाई नहीं रोकी, तो वे उस पर 'बड़े' और सख्त प्रतिबंध लगाएंगे। हालांकि, यह समय सीमा इसलिए बदल दी गई क्योंकि उम्मीद बनी कि इस हफ्ते रूस और यूक्रेन के बीच बैठक हो सकती है।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन ऐसे कदमों की ओर बढ़ रहा है जिससे युद्ध खत्म करने का कोई रास्ता निकले, लेकिन सिर्फ यूक्रेन की ओर से कोशिशें काफी नहीं हैं।

भारत-चीन को लड़वाना चाहता है पश्चिम रूसी विदेश मंत्री का अमेरिका पर निशाना

क्या एशियाई पड़ोसियों को फिर शांत कराने आया रूस?

मॉस्को, 16 मई (एजेंसियां)। रूस ने आरोप लगाया है कि पश्चिमी देश भारत, चीन और रूस के बीच तनाव बढ़ाना चाह रहे हैं। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने गुरुवार को कहा कि पश्चिमी देश भारत और चीन को एक दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं।

रूस की सरकारी समाचार एजेंसी टीएएसएस के मुताबिक, लावरोव ने एएसईएएन की सीमाओं के बिना संस्कृतिः सांस्कृतिक कूटनीति की भूमिका और विकास राजनयिक क्लब की बैठक के दौरान ये टिप्पणी की है। उनकी ये टिप्पणी उस वक्त आई है, जब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में जियो-पॉलिटिकल ध्रुवीकरण अपने चरम पर है। क्यूयूएडी, एयूकेयूएस और अन्य सुरक्षा साझेदारियां एशिया की शक्ति-संतुलन को तेजी से बदल रही हैं।

नंबर '86 47' क्या है, जिसका डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की धमकी से जोड़ा जा रहा कनेक्शन

पूर्व एफबीआई चीफ की पोस्ट पर मचा बवाल

वॉशिंगटन, 16 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी एफबीआई के पूर्व चीफ जेम्स कॉमी की एक इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई तस्वीर ने बड़े विवाद का रूप ले लिया है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम और कई अन्य रिपब्लिकन ने दावा किया है कि इस तस्वीर में राष्ट्रपति डोनाल्ड को खत्म करने की धमकी छिपी हुई है। समुद्र तट पर टहलते हुए पोस्ट की गई इस तस्वीर को कोमी ने डिलीट कर दिया है। फिलहाल अमेरिकी अधिकारियों ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोमी ने इंस्टाग्राम पोस्ट पर जो तस्वीर पोस्ट की थी, उसमें समुद्र तट पर सीपियों की एक संरचना थी, जो '86 47' नंबर बनाती हुई दिख रही थी। इसका कैप्शन था- 'समुद्र तट पर टहलते हुए शानदार शैल संरचना।' साल 2013 से 2017 तक एफबीआई के निदेशक रहे कोमी को राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दौरान रूसी अधिकारियों और राष्ट्रपति के 2016 के अभियान के बीच कथित संबंधों की ब्यूरो की जांच के बीच बर्खास्त कर दिया था।

क्या है '86 47' का मतलब?

86 अमेरिका में बोलचाल की भाषा में इस्तेमाल किया जाना वाला शब्द है, जिसका मतलब होता है किसी चीज से छुटकारा पाना, बाहर फेंकना या सेवा से इनकार करने के संदर्भ में किया जाता है।

वहीं, 47 से अभिप्राय 47वें अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से लगाया गया है।

हालांकि, कोमी ने पोस्ट को हटाने के बाद कहा कि उन्हें इस बात की जानकारी नहीं थी कि ये संख्याएं हिंसा से जुड़ी हुई हैं।

माउंट एवरेस्ट से उतरते समय भारतीय पर्वतारोही की मौत

ऊंचाई संबंधी बीमारी से जान जाने का दावा

काठमांडू, 16 मई (एजेंसियां)। एक 45 वर्षीय भारतीय पर्वतारोही की दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट से उतरते समय मौत हो गई। दावा किया जा रहा है कि ऊंचाई संबंधी स्वास्थ्य समस्या होने पर भारतीय पर्वतारोही की जान गई। मृतक भारतीय पर्वतारोही की पहचान सुब्रत घोष के रूप में हुई है, जो पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। इस सीजन में माउंट एवरेस्ट पर मरने वाले सुब्रत घोष दूसरे विदेशी पर्वतारोही हैं।

नेपाली मीडिया ने ट्रैकिंग कराने वाली एजेंसी के एमडी बोधराज भंडारी के हवाले से बताया कि सुब्रत घोष की जान माउंट एवरेस्ट की चोटी से ठीक नीचे हिलेरी स्टेप पर हुई। भंडारी ने बताया कि सुब्रत अपने गाइड के साथ दोपहर करीब दो बजे माउंट एवरेस्ट पहुंचे थे। वहां से उतरने के दौरान उन्हें बेहद थकान हुई और ऊंचाई से होने वाली बीमारी के लक्षण दिखाई दिए। भंडारी ने सुब्रत को ले जाने वाले गाइड चंपाल तमांग के हवाले से बताया कि सुब्रत ने आगे बढ़ने से इनकार कर दिया। सुब्रत के इनकार के बाद गाइड चंपाल देर रात तक कैंप-4 पर वापस लौट आया और सुबह घटना के बारे में जानकारी दी। भंडारी ने बताया कि अब सुब्रत के शव को वापस लाने की तैयारी हो रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, घोष पर्वतारोही संगठन, कृष्णानगर-स्नो एवरेस्ट एक्सपीडिशन 2025 का हिस्सा थे। उल्लेखनीय है कि बीती 14 मई को फिलीपींस के पर्वतारोही 45 वर्षीय फिलिप-2 सेंटियागो की भी एवरेस्ट पर चढ़ाई की तैयारी करते हुए मौत हो गई थी। अब तक इस सीजन में 50 से ज्यादा पर्वतारोही सफलतापूर्वक एवरेस्ट की चढ़ाई कर चुके हैं।

फुटबॉल स्टेडियम के बाहर अनियंत्रित कार ने भीड़ को रौंदा

मैड्रिड, 16 मई (एजेंसियां)। स्पेन में एक अनियंत्रित कार ने फुटबॉल स्टेडियम के बाहर मौजूद भीड़ को रौंद दिया। इस हादसे में 13 लोग घायल हुए हैं। यह हादसा बार्सिलोना में उस वक्त हुआ, जब स्पेनिश लीग टूर्नामेंट में बार्सिलोना का मुकाबला एस्पेनोल से हो रहा था। मैच शुरू होने के कुछ मिनट बाद ही स्टेडियम के बाहर एक अनियंत्रित कार ने भीड़ को रौंद दिया।

हादसे में घायल सात लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, वहीं बाकी लोगों का घटनास्थल पर ही इलाज किया गया। पुलिस ने कहा है कि यह जानबूझकर किया गया हमला नहीं था और कार चालक गाड़ी से नियंत्रण खो बैठा, जिससे यह हादसा हुआ।

हॉन्गकॉन्ग में कोरोना के 31 मामले सामने आए

सिंगापुर अलर्ट पर, कोविड केस में 28% इजाफा, चीन-थाईलैंड में भी बढ़ सकते है मामले

हांगकांग, 16 मई (एजेंसियां)। हॉन्गकॉन्ग और सिंगापुर में फिर से कोविड-19 के मामले बढ़ने लगे हैं। हॉन्गकॉन्ग में 3 मई तक कोविड के 31 मामले सामने आ चुके हैं। इनमें कई मौतें भी शामिल हैं। सिंगापुर में भी कोविड अलर्ट जारी किया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इस साल कोरोना संक्रमण पर अपना पहला अपडेट जारी किया है।

सिंगापुर में अप्रैल के आखिरी हफ्ते कोरोना के केसों की संख्या 11,110 थी, जो मई के पहले हफ्ते बढ़कर 14,200 हो गई है। इसमें 28% का इजाफा हुआ है। यहां मामलों में 28% का इजाफा हुआ है। इस साल अब तक कोरोना के 14200 मामले सामने आ चुके हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि महामारी एक बार फिर से विकराल रूप ले सकती है और इसका असर एशिया के बाकी हिस्सों में भी देखने को मिल सकता है।

हॉन्गकॉन्ग हॉन्गकॉन्ग में संक्रामक बीमारियों के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ के मुताबिक कोरोना वायरस के मामले बहुत तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने का चांस इस साल के हाई पर पहुंच गया है।

चीन और थाईलैंड में भी कोविड को लेकर सरकार अलर्ट पर हैं। चीन में बीमारियों की जांच करवाने जा रहे मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने हो गए हैं। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज हो सकती है। वहीं, थाइलैंड में दो अलग-अलग इलाकों में तेजी से कोविड केस बढ़ने का मामले आए हैं। थाइलैंड में क्लस्टर आउटब्रेक के ऐसे दो मामले सामने आ चुके हैं।

कोविड-19 महामारी ने दुनिया भर में प्रभाव डाला। भारत में मुख्य रूप से तीन प्रमुख वेव देखे गए। भारत में मार्च 2020 पहला मामला सामने आया, और यह लहर 2020 के अंत तक चरम पर थी। इस वेव में एसएआरएस-सीओवी-2 वायरस का प्रभाव देखा गया।

लंदन में भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज

सीबीआई ने आरोपी की दलीलों का विरोध किया पीएनबी से 14500 करोड़ के फ्रॉड का आरोप है

लंदन, 16 मई (एजेंसियां)। पीएनबी घोटाला मामले में मुख्य आरोपी भगोड़े नीरव मोदी की जमानत याचिका खारिज की गई है। लंदन की किंग्स बेंच डिवीजन हाईकोर्ट ने सुनवाई के बाद इसे खारिज किया। भारत की ओर से सीबीआई के वकील ने नीरव की दलीलों का विरोध किया था।

नीरव मोदी पर पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) से लोन लेकर करीब 14 हजार करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। घोटाला सामने आने के बाद वह जनवरी 2018 में देश छोड़कर फरार हो गया था। नीरव को साउथ-वेस्ट लंदन से 19 मार्च, 2019 को गिरफ्तार किया गया था। तभी से वो वहां की जेल में है।

भारत में नीरव के खिलाफ धोखाधड़ी के तीन केस हैं। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) के साथ धोखाधड़ी का सीबीआई मामला। दूसरा, पीएनबी मामले मनी लॉन्ड्रिंग का केस और तीसरा सीबीआई की कार्रवाई में सबूतों और गवाहों के साथ छेड़छाड़ का मामला है।

फरवरी 2021 में ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट में नीरव के प्रत्यर्पण पर सुनवाई की थी। कोर्ट ने भी नीरव को भारत भेजने की मंजूरी दे दी थी। इसके बाद 15 अप्रैल 2021 को ब्रिटेन की होम सेक्रेटरी प्रीति पटेल ने भी नीरव के प्रत्यर्पण का आदेश दिया था।

इसके बाद लंदन हाईकोर्ट ने नीरव के प्रत्यर्पण का फैसला सुनाया था। हालांकि, अन्य कानूनी प्रक्रिया के चलते नीरव का प्रत्यर्पण अब तक नहीं हो पाया है।

घोटाले की शुरुआत पीएनबी की मुंबई स्थित ब्रेडी हाउस ब्रांच से 2011 में हुई। फर्जी लेटर ऑफ अंडरटेकिंग्स (एलओयू) के जरिए घोटाला किया गया। साल 2011 से 2018 के बीच हजारों करोड़ की रकम विदेशी खातों में ट्रांसफर की गई। फ्रॉड का खुलासा फरवरी 2018 के पहले हफ्ते में हुआ। पंजाब नेशनल बैंक ने सेबी और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को 11,356 करोड़ रुपए के घोटाले की जानकारी दी। बाद में पीएनबी ने 1,300 करोड़ के नए फ्रॉड के बारे में सीबीआई को बताया।

भारत और ब्रिटेन के बीच 22 सितंबर 1992 को प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर हुए थे, लेकिन पहले आरोपी को भारत लाने में 24 साल का वक्त लग गया। हत्या के आरोपी समीरभाई वीनूभाई पटेल को 19 अक्टूबर 2016 को प्रत्यर्पण कर भारत लाया गया था।

उसके बाद फरवरी 2020 में संजीव कुमार चावला को भारत लाया गया।

भूकंप में ढही बैंकॉक की इमारत बनाने वालों पर शिकंजा

धांधली के आरोपों के बाद बिल्डर का आत्मसमर्पण

बैंकॉक, 16 मई (एजेंसियां)। म्यांमार में इस साल 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप के कारण थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में एक ऊंची इमारत के ढहने के मामले में एक दिग्गज बिल्डर, डिजाइनर और इंजीनियर्स ने शुक्रवार को आपराधिक लापरवाही के आरोप में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है।

मामले में बैंकॉक के उप पुलिस प्रमुख नोप्पासिन पूनसावत ने बताया कि भवन परियोजना के मुख्य थाई ठेकेदार, इटालियन-थाई डेवलपमेंट कंपनी के अध्यक्ष प्रेमचाई कर्णसुता, डिजाइनरों और इंजीनियरों समेत 17 लोगों पर पेशेवर लापरवाही के कारण मौत का आरोप लगाया गया है। अब इस हादसे को लेकर पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है, जिसमें 92 लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, जिन लोगों पर आरोप है, उन्होंने पुलिस के सामने जाकर आरोपों से इनकार किया है। इनमें से कई ने पहले भी मीडिया में आरोपों को झूठा बताया था। 28 मार्च को आए विनाशकारी भूकंप का केंद्र म्यांमार था, लेकिन उसका असर थाईलैंड में भी महसूस हुआ।

इस दौरान सिर्फ यही एक इमारत गिरी। इसमें काम कर रहे दर्जनों मजदूर और कर्मचारी मलबे में दब गए, जिसमें कुल 92 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि कुछ लोग अब भी लापता हैं।

फिलहाल डीएनए जांच के जरिए अभी भी शवों की पहचान का काम चल रहा है, लेकिन मलबे से शव निकालने का काम रोक दिया गया है। बैंकॉक के डिप्टी पुलिस चीफ नोपसिन पूनसावत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि विशेषज्ञों की रिपोर्ट के अनुसार बिल्डिंग का डिजाइन और निर्माण तय मानकों पर खरा नहीं उतरा।

पुलिस जांच में सामने आया कि, लिफ्ट शाफ्ट की संरचना में गंभीर खामी थी। सीमेंट और स्टील घटिया क्वालिटी के थे। बिल्डिंग की डिजाइन को लेकर दस्तावेजों में अनियमितताएं थीं। थाई मीडिया भी इस हादसे की रिपोर्टिंग लगातार कर रहा है और कई घोटालों की बात सामने आई है।

इस प्रोजेक्ट में थाई कंपनी इटालियन-थाई ने एक चीनी कंपनी चाइना रेलवे नंबर 10 के साथ साझेदारी की थी। जांच में सामने आया है कि इस चीनी कंपनी ने थाई व्यापारिक कानून का उल्लंघन किया।

झांग चुआनलिंग नाम के अधिकारी को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। उस पर आरोप है कि उसने अवैध रूप से थाई नागरिकों के नाम पर फर्जी कंपनी बनाकर चीन की कंपनी को नियंत्रित किया।

इस आरोप में तीन और थाई अधिकारियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

यह पहला मौका नहीं है जब प्रेमचाई कानून के शिकंजे में फंसे हैं। 2019 में उन्हें जंगल में शिकार के मामले में दोषी पाया गया था।

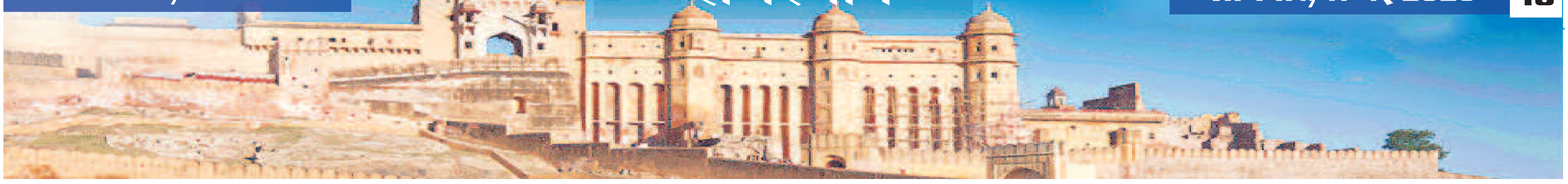

पीएम मोदी बीकानेर में 103 रेलवे स्टेशनों का करेंगे वर्चुअल उद्घाटन

करणी माता के दर्शन करने जाएंगे

बीकानेर, 16 मई (एजेंसियां)। बीकानेर के पास स्थित पलाना गांव 22 मई को एक ऐतिहासिक क्षण का साक्षी बनने जा रहा है। इस दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देशभर के 103 रेलवे स्टेशनों का सामूहिक रूप से वर्चुअल उद्घाटन करेंगे और कुछ प्रस्तावित स्टेशनों का शिलान्यास भी किया जाएगा। यह कार्यक्रम भारतीय रेलवे के अब तक के सबसे बड़े वर्चुअल लोकार्पण आयोजनों में से एक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी के इस कार्यक्रम के लिए बीकानेर में तैयारियां जोरों पर हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 17 मई को पलाना पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेंगे। जानकारी के अनुसार रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव भी प्रधानमंत्री के साथ इस दौरे में शामिल हो सकते हैं। इस अवसर पर एक विशाल जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें करीब एक लाख लोगों के शामिल होने की संभावना है। गुरुवार को बीकानेर की जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और पुलिस अधीक्षक कावेन्द्र सिंह सागर ने पलाना पहुंचकर कार्यक्रम स्थल और हेलीपैड के लिए उपयुक्त स्थानों का निरीक्षण किया। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि यह भारतीय रेलवे का एक बड़ा और महत्वपूर्ण आयोजन होगा। हालांकि रेलवे प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक सूचना जारी नहीं की गई है, लेकिन स्थानीय प्रशासन ने तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। सुरक्षा, यातायात और अन्य व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासनिक अमला पूरी गंभीरता से जुटा हुआ है और सभी तैयारियां तेजी से आगे बढ़ रही हैं। खबर ये भी है कि पीएम मोदी करणी माता के दर्शन करने देशनोक भी जाएंगे। इस कार्यक्रम में केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उनके साथ होंगे।

अजमेर में बांग्लादेशी महिला डिटेन

सालों से नागफणी इलाके में रह रही थी, अब तक एसटीएफ ने 32 घुसपैठिए पकड़े

अजमेर, 16 मई (एजेंसियां)। अजमेर जिला पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स ने एक बांग्लादेशी महिला को पकड़ा है। गंज थाना क्षेत्र में पकड़ी गई यह महिला बांग्लादेश से कई वर्ष पहले बेनापोल बॉर्डर क्रॉस करके भारत आई थी।

वह लंबे समय से अजमेर में रह रही है। पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। अब तक एसटीएफ ने कुल 32 बांग्लादेशी पकड़े हैं। इनमें से गंज थाना क्षेत्र से पांच को पकड़ा जा चुका है। टीम ने थाना गंज क्षेत्र में अभियान के दौरान मुखबिर की सूचना पर लौंगिया क्षेत्र बाबूगढ़, नागफणी, दरगाह संपर्क सड़क, ताराशाह और गंज के अन्य संभावित क्षेत्र में रह रहे करीब 3-4 संदिग्ध खानाबदोश को डिटेन किया था। पूछताछ में एक महिला फूलजान बांग्लादेशी निकली।

चांदी के कड़ों के लिए चिता पर लेटा बेटा

मां का अंतिम संस्कार नहीं करने दिया; श्मशान में ही गहने लाकर देने पर उठा

कोटपूतली, 16 मई (एजेंसियां)। कोटपूतली-बहरोड़ जिले में चांदी के कड़ों के लिए एक बेटे ने मां का अंतिम संस्कार नहीं करने दिया। मां का शव चिता पर रखने से पहले वह चिता पर लेट गया। उसने करीब 2 घंटे तक हंगामा किया। ग्रामीणों के समझाने पर भी नहीं माना। इसके बाद श्मशान में ही उसे चांदी के कड़े लाकर दिए तो वह चिता से उठा और फिर मां का अंतिम संस्कार किया गया। मामला विराटनगर की लीला का बास की ढाणी का है। ये पूरा घटनाक्रम मई की दोपहर को हुआ। गुरुवार को इसका वीडियो सामने आया है।

भाइयों में चल रहा था प्रॉपर्टी का विवाद

ग्रामीणों ने बताया- लीला का बास ढाणी निवासी भूरी देवी पत्नी स्व. छित्रमल रेगर का निधन 3 मई को दोपहर करीब 12 बजे हो गया था। भूरी देवी के 7 बेटों में से 6 बेटे एक साथ रहते हैं, जबकि एक बेटा ओमप्रकाश गांव के बाहर अलग घर में रहता है। ओमप्रकाश और 6 भाइयों में पिछले 3-4 साल से प्रॉपर्टी का विवाद चल रहा था। भूरी देवी के निधन के बाद बेटों और ग्रामीणों ने घर पर अंतिम संस्कार से पहले की क्रियाएं की। इस दौरान भूरी देवी के गहनों को उतारकर बड़े बेटे गिरधारी को सौंपा गया।

बेटे ने श्मशान में 2 घंटे तक किया हंगामा

ग्रामीणों ने बताया- घर पर अंतिम क्रियाएं पूरी होने के बाद अंतिम यात्रा निकाली गई। बेटे ओमप्रकाश ने भी मां की अर्थी को कंधा दिया। श्मशान घाट पहुंचने के बाद भूरी देवी के पार्थिव शरीर को एक तरफ रखा गया और ग्रामीण अंतिम संस्कार के लिए लकड़ियां लगाने में जुट गए। इस बीच ओमप्रकाश ने मां के चांदी के कड़ों और अन्य गहनों के लिए श्मशान में ही हंगामा करना शुरू कर दिया। हंगामे के बीच ओमप्रकाश चिता के लिए लगाई लकड़ियों पर लेट गया। करीब 2 घंटे तक ओमप्रकाश ने हंगामा किया। ग्रामीणों और रिश्तेदारों ने समझाया, लेकिन वह नहीं माना।

श्मशान में ही लाकर दिए गहने, तब उठा

ओमप्रकाश नहीं माना तो श्मशान में ही भूरी देवी के कड़े और अन्य गहने मंगवाए गए और ओमप्रकाश को दिए। इसके बाद ओमप्रकाश चिता से उठा और भूरी देवी का अंतिम संस्कार किया गया। भूरी देवी के पति छित्रमल की 2 साल पहले मौत हो गई थी। ओमप्रकाश 7 भाइयों में से 5वें नंबर का है।

सवाई-माधोपुर में पुलिस पर हमला, डीएसपी की प्राइवेट बोलेरो जलाई

ट्रैक्टर ड्राइवर की मौत से गुस्साए बजरी माफिया, चारों ओर से घेरकर पथराव

सवाई माधोपुर, 16 मई (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर में बजरी माफिया ने पुलिस टीम पर हमला कर दिया। मौके पर पहुंचे पुलिस उपाधीक्षक की प्राइवेट बोलेरो में आरोपियों ने आग लगा दी। चारों ओर से पथराव होने पर पुलिसवालों ने बनास नदी एरिया में छुपकर जान बचाई। घटना गुरुवार रात करीब 12 बजे चौथ का बरवाड़ा में डिडायच रपट के पास की है। दरअसल, अवैध खनन कर रहे आरोपियों को रोकने के लिए पुलिसकर्मियों ने लाठी भांजी थी। इसके बाद मची अफरा-तफरी में एक ट्रैक्टर चालक की टायर के नीचे आने से मौत हो गई। इसके बाद माफिया ने पुलिस पर हमला कर दिया। पुलिस उप-अधीक्षक लाभूराम विश्नोई गुरुवार रात 11:15 बजे अवैध खनन रोकने एक प्राइवेट बोलेरो से गए थे। उन्होंने अपनी सरकारी गाड़ी सूरवाल थाने में ही छोड़ दी थी। बनास नदी के पास अवैध खनन करने वाले लोगों पर पुलिस ने डंडे बरसाए तो 1 ड्राइवर अफरा-तफरी में टायर के नीचे आ गया। इसके बाद दोनों से पत्थरबाजी शुरू हो गई। जिस प्राइवेट बोलेरो में डीएसपी और पुलिसवाले पहुंचे थे, उसे आग लगा दी गई। थाना प्रभारी सुमनकुमार ने बताया कि घटना में एक व्यक्ति की मृत्यु भी हुई है। मृतक की शिनाख्त बूंदी निवासी सुरज्ञान मीना के तौर पर हुई है।

हत्या के आरोप, आंदोलन की चेतावनी

मृतक के भाई रामप्रसाद मीणा ने बताया कि सुरज्ञान मीणा पर डीएसपी ग्रामीण लाभूराम ने लोहे के सरिया से वार किया। जिसके चलते उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को कोई सूचना नहीं दी और शव को सवाई माधोपुर मॉर्च्युरी में पहुंचा दिया। पुलिस द्वारा मामले को पूरी तरह से दबाने की कोशिश की जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पुलिस उपाधीक्षक ग्रामीण के खिलाफ कार्रवाई नहीं की जाती है तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। शुक्रवार सुबह से चौथ का बरवाड़ा थाने लोगों की भीड़ जमा है।

पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने इस मामले को लेकर कहा है कि मामले में जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, इस घटना में पुलिस की कार्रवाई पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। मौके पर खनिज विभाग की टीम को नहीं बुलाया गया।

जयपुर की खुली जेल में बनेगा 300 बेड का सैटेलाइट अस्पताल, सुप्रीम कोर्ट ने भी दी मंजूरी

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजधानी जयपुर में सांगानेर स्थित खुली जेल की जमीन पर सैटेलाइट अस्पताल बनाए जाने के प्रस्ताव को मंजूर कर लिया है।

इस मामले में सीजेआई बी.आर. गवई और जस्टिस ऑगस्टीन जार्ज मसीह की पीठ एक अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसमें जयपुर में 17800 वर्गमीटर के भूखंड पर खुली जेल के लिए प्रस्तावित ले आउट योजना में छेड़छाड का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में राज्य सरकार के मुख्य सचिव को अवमानना की कार्रवाई से मुक्त कर दिया है और खुली जेल में सैटेलाइट अस्पताल बनाने को मंजूरी दे दी है। हालांकि कोर्ट ने राज्य सरकार को इस मामले में एक हलफनामा देने के लिए कहा है। जानकारी के अनुसार सांगानेर की 22 हजार वर्गगज जमीन पर 300 बेड का सैटलाइट अस्पताल बनना है। राज्य सरकार की ओर से सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने पैरवी करते हुए कोर्ट को बताया कि रजिस्ट्रार की रिपोर्ट के बाद राज्य सरकार ने खुली जेल में आवंटित की गई 17800 वर्गमीटर के साथ 14940 वर्गमीटर और जमीन को शामिल कर नय जेल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाया जाएगा। साथ ही यह भी बताया कि नई जेल नहीं बन जाती तब तक मौजूदा जेल की बिल्डिंग को खाली नहीं किया जाएगा।

दो समुदायों के बीच झगड़े में सब्जी विक्रेता को तलवार मारी

आग के हवाले किए आसपास खड़े ठेले

उदयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। शहर के धानमंडी थाना इलाके में गुरुवार देर शाम एक मामूली कहासुनी ने बड़े झगड़े का रूप ले लिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार फल-सब्जी खरीदने-बेचने को लेकर दो युवकों के बीच बहस हुई थी, जो धीरे-धीरे दो समुदायों के बीच झगड़े में तब्दील हो गई। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गया और बात हाथापाई से होते हुए हिंसा तक पहुंच गई।

झगड़े के दौरान समुदाय विशेष के कुछ युवकों ने सब्जी विक्रेता पर तलवार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद हमलावरों ने आसपास खड़े ठेलों पर पथराव भी किया, जिससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। घटना से आक्रोशित लोगों ने विरोध स्वरूप सड़क किनारे खड़े कुछ ठेलों को आग के हवाले कर दिया। घायल सब्जी विक्रेता को तत्काल एमबी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस हरकत में आई और एसपी सहित चार थानों का जाप्ता मौके पर पहुंचा। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित किया और इलाके में अतिरिक्त बल तैनात कर दिया गया। घटना की खबर जैसे ही शहर में फैली, बड़ी संख्या में हिन्दू समाज के लोग घटनास्थल पर एकत्र हो गए। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस प्रशासन ने लोगों को समझाइश देकर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई किए जाने की बात कही। फिलहाल इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है लेकिन पुलिस नें मोर्चा संभाल रखा है। प्रशासन ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की है।

सीमा विवाद ने जयपुर के पर्यटन पर लगाया ब्रेक, होटलों में 80 प्रतिशत बुकिंग रद्द

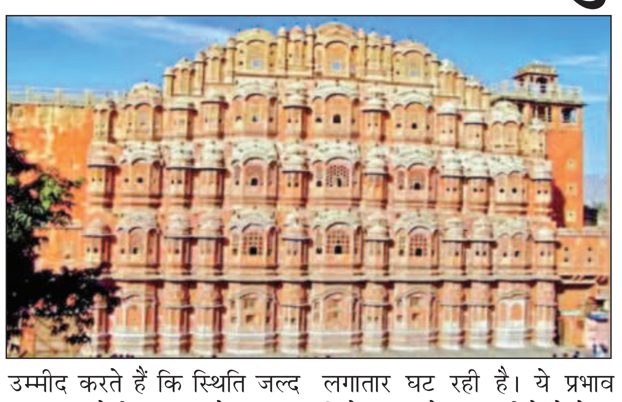

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच हाल ही में बढ़े तनाव के बाद राजस्थान आने वाले पर्यटकों की संख्या में लगातार गिरावट देखी जा रही है। राज्य के पर्यटन उद्योग पर इसका गहरा पड़ा है। राज्य की अर्थव्यवस्था का अहम हिस्सा रहा राजस्थान का पर्यटन अब संकट का सामना कर रहा है।

राजस्थान के प्रमुख होटलों में इस समय 80 प्रतिशत बुकिंग्स रद्द हो चुकी हैं। होटल संचालक और ट्रेवल एजेंट्स अब इस स्थिति से जूझते नजर आ रहे हैं। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान के मुताबिक हमारे लिए यह समय बहुत कठिन है क्योंकि लगभग 500 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। हम उम्मीद करते हैं कि स्थिति जल्द सामान्य होगी। राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर इन दिनों सन्नाटा सा पसरा है। जैसलमेर, बीकानेर, जोधपुर और जयपुर जैसे शहरों में पर्यटकों की संख्या में गिरावट आई है। विदेशी पर्यटकों की आवक तो लगभग आधी रह गई है, जबकि स्थानीय पर्यटकों की संख्या भी लगातार घट रही है। ये प्रभाव विशेष रूप से उन महीनों में देखा जा रहा है, जब राज्य में पर्यटन का ऑफ सीजन होता है यानी अप्रैल से लेकर सितंबर तक।

पहलगाम हमले के बाद से पर्यटकों में असुरक्षा का अहसास बढ़ा है और इसी के चलते लोगों ने अपनी यात्रा की योजना रद्द की है। होटल और रेस्टोरेंट एसोसिएशन का कहना है हमारी प्राथमिकता इस समय पर्यटकों की सुरक्षा है। हम उन्हें पूरा रिफंड दे रहे हैं ताकि उनका विश्वास बना रहे। जयपुर में जहां आमेर महल और हवा महल जैसे प्रसिद्ध स्थलों पर आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आई है।

मौसम की स्थिति भी इस बार अनुकूल रही थी, जिससे जनवरी से अप्रैल तक पर्यटन का दौर ठीक-ठाक था लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। राजस्थान का जो आकर्षण एक समय पर्यटकों को खींच लाता था, वह अब थोड़ा फीका पड़ गया है, और इसका असर न सिर्फ होटल कारोबार पर पड़ा है, बल्कि राज्य की आर्थिक स्थिति पर भी हो रहा है।

जैसलमेर कलेक्टर के खिलाफ आरएएस एसो. ने सीएम को चिट्ठी लिखी

हड़ताल पर जाने की चेतावनी

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। राजस्थान के सीमावर्ती जिले जैसलमेर में कलेक्टर और एसडीओ के बीच छिड़े घमासान में अब आरएएस एसो. भी कूद गई है। एसो. ने कलेक्टर प्रताप सिंह के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की है। इसके लिए एसो. ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी पत्र लिखा है। दरअसल पिछले दिनों जैलसमेर के पोकरण में तैनात आरएएस अधिकारी प्रभोजोत सिंह गिल का कलेक्टर से विवाद हो गया था। इसके बाद प्रभोजोत ने कलेक्टर पर आरोप लगाया कि वे उन्हें मानदंडों के खिलाफ जाकर जांच बंद करने के लिए कह रहे हैं। प्रभोजोत ने इसके लिए एक शिकायती चिट्ठी भी सरकार को लिखी, जिसमें कहा गया है कि ब्याज माफिया के खिलाफ जब पीड़ितों की शिकायत पर उन्होंने कार्रवाई करने के लिए पत्रावली चलाई तो कलेक्टर ने उन्हें अपने चैंबर में बुलाकर धमकाया और जांच बंद करने के लिए कहा। इससे पहले भी प्रताप सिंह के खिलाफ अपने अधीनस्थों के साथ दुर्व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगते रहे हैं। प्रभोजोत सिंह ने कलेक्टर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया। इस पूरे मामले को आरएएस एसो. ने बेहद गंभीरता से लेते हुए सरकार से कलेक्टर के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

हिरण शिकार मामले में सलमान और अन्य सितारों की संयुक्त सुनवाई 28 जुलाई को, हाईकोर्ट ने तय की तारीख

जोधपुर, 16 मई (एजेंसियां)। काला हिरण शिकार मामले में अभिनेता सलमान खान से जुड़ी कानूनी कार्रवाई एक बार फिर सुर्खियों में है। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को इस मामले से संबंधित एक अहम सुनवाई हुई। यह सुनवाई सरकार द्वारा दायर की गई लीव टू अपील पर हुई, जो अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू और सोनाली बेंद्रे को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के खिलाफ दायर की गई थी।

राज्य सरकार ने इन सितारों को बरी किए जाने के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में अपील की थी। मामले की सुनवाई जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की एकल पीठ में हुई। सुनवाई के दौरान वकीलों ने कोर्ट के समक्ष यह मांग रखी कि सलमान खान को सजा सुनाए जाने के फैसले के खिलाफ दायर अपील भी अब हाईकोर्ट में ट्रांसफर हो चुकी है, इसलिए दोनों अपीलों को एक साथ जोड़ा जाए और एक ही समय पर सुनवाई की जाए। कोर्ट ने इस आग्रह को स्वीकार कर लिया है। अब सलमान खान, सैफ अली खान और अन्य सितारों से जुड़े सभी अपील मामलों की संयुक्त सुनवाई 28 जुलाई को होगी।

गौरतलब है कि हम साथ-साथ हैं फिल्म की शूटिंग के दौरान इन सितारों ने दो काले हिरणों का शिकार किया था। जिसके लिए 1998 में जोधपुर पुलिस ने सलमान खान और अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। हिरण शिकार का ये मामला विश्नोई समुदाय की तरफ से दर्ज कराया गया था। सलमान खान के खिलाफ तीन अलग-अलग स्थान पर हिरण शिकार व अवधि पार लाइसेंस के हथियार रखने के मामले दर्ज किए गए।

इस मामले में सलमान खान को 12 अक्टूबर 1998 को गिरफ्तार किया गया था, जिसके पांच दिन बाद उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया था। इसके बाद हुई सुनवाइयों में सलमान को कई बार जोधपुर भी आना पड़ा था।

जयपुर में मिला 2,075 किलो विस्फोटक, दो आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 16 मई (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में एक बड़े सुरक्षा संकट की आशंका ने जन्म ले लिया है। बीते 10 मई को जयपुर-भरतपुर नेशनल हाईवे (NH-21) पर बस्सी टोल के पास एक पिकअप वाहन से 2,075 किलो विस्फोटक बरामद किया गया। पुलिस जांच में अब तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि इस विस्फोटक का उद्देश्य क्या था, इसे जयपुर में क्यों लाया गया, और इसका कहां उपयोग किया जाना था।

पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। बस्सी थाना क्षेत्र के एसआई मनोज के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में रामजीलाल बलाई निवासी हाथीपुरा, तूंगा (जयपुर), कृष्ण कुमार मीणा, निवासी खानवास, दौसा शामिल हैं।

दर्दनाक हादसों के बाद भी नहीं चेता वन विभाग

बाघों के नजदीक पहुंचकर युवक ने बनाए वीडियो

सवाई माधोपुर, 16 मई (एजेंसियां)। रणथंभौर टाइगर रिजर्व से दो चौंकाने वाले वीडियो वायरल हो रहे हैं, जिन्होंने वन्यजीवों की सुरक्षा और प्रशासन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इन वीडियो में एक व्यक्ति बाघों के अत्यंत निकट नजर आ रहा है, कभी नवजात शावकों को सहलाते हुए तो कभी बाघ के पास रील बनाने की कोशिश करते हुए।

पहला वीडियो रणथंभौर की फलौदी रेंज के देवपुरा वन क्षेत्र का बताया जा रहा है, जहां बाघिन आरबीटी-2302 ने हाल ही में तीन शावकों को जन्म दिया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि तीनों शावक एक पाइप में बैठे हैं और एक व्यक्ति उनके पास जाकर उन्हें हाथ लगा रहा है, उन्हें सहला रहा है और वीडियो बना रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो यदि इस दौरान बाघिन वहां पहुंच जाती, तो बड़ा हादसा हो सकता था। दूसरा वीडियो फलौदी रेंज के जोन नंबर 10 (झोझेश्वर व कैलाशपुरी के बीच) का है। इसमें एक पर्यटक वाहन से उतरा युवक बाघ के बेहद नजदीक पैदल जा रहा है, जो तालाब में पानी पी रहा है। वीडियो में युवक रील बनाने के लिए अपनी जान जोखिम में डालता नजर आ रहा है। सौभाग्यवश बाघ ने हमला नहीं किया, वरना एक और अनहोनी हो सकती थी। इन दोनों घटनाओं ने साफ कर दिया है कि रणथंभौर टाइगर रिजर्व में वन्यजीवों की सुरक्षा भगवान भरोसे है। वन विभाग की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है लेकिन वायरल वीडियो ने विभाग की तैयारियों और सतर्कता की पोल खोलकर रख दी है।

गौरतलब है कि हाल ही में रणथंभौर में दो बड़ी घटनाएं हो चुकी हैं, जिसमें 16 अप्रैल को टाइगर के हमले में एक सात वर्षीय बालक की मौत हो गई थी और 11 मई को बाघिन कनकटी ने रेंजर देवेंद्र चौधरी को मार डाला था। इन घटनाओं के बाद भी सुरक्षा में इस प्रकार की चूक वन विभाग की गंभीर लापरवाही को उजागर करती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि इंसानों का इस तरह बाघों के करीब जाना न केवल उनकी खुद की जान के लिए खतरा है, बल्कि इससे बाघों का प्राकृतिक व्यवहार भी प्रभावित होता है। शावकों के साथ इस तरह की छेड़छाड़ बाघों के आक्रामक व्यवहार का कारण बन सकती है।

धान की खरीद अभूतपूर्व गति से हो रही है : उत्तम कुमार रेड्डी

मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कांग्रेस सरकार ने अभूतपूर्व गति से खरीद करते हुए 15 मई, 2025 तक चालू रबी (यासांगी) सीजन में 50 लाख मीट्रिक टन से अधिक धान खरीद कर एक रिकॉर्ड बनाया है- जो पिछली बीआरएस सरकार के तहत इसी अवधि के दौरान खरीदी गई मात्रा से दोगुना है। नागरिक आपूर्ति और सिंचाई मंत्री कैप्टन एन उत्तम कुमार रेड्डी ने शुक्रवार को डॉ. बीआर अंबेडकर सचिवालय में जिला कलेक्टरों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान यह घोषणा की। मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और पोन्नम प्रभाकर वीडियो कॉन्फ्रेंस में ऑनलाइन शामिल हुए, जबकि मुख्य सचिव ए. रामकृष्ण राव और नागरिक आपूर्ति प्रमुख सचिव डी.एस. चौहान नागरिक आपूर्ति मंत्री के साथ सचिवालय में मौजूद थे। बैठक को संबोधित करते हुए उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया कि रबी 2022-23 सीजन में धान की खरीद 25.35 लाख मीट्रिक टन थी, जो रबी 2023-24 में बढ़कर 32.93 लाख मीट्रिक टन हो गई। इस साल चालू रबी 2024-25 सीजन में मई के मध्य तक खरीद 49.53 लाख मीट्रिक टन तक पहुंच गई है, जो ऐतिहासिक उच्च स्तर है और किसानों के प्रति कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि विभागों के बीच कुशल समन्वय, सक्रिय योजना और किसान-केंद्रित दृष्टिकोण से संभव हुई है। इस सीजन की खरीद यासांगी सीजन के दौरान 60.14 लाख एकड़ में रिकॉर्ड धान की खेती के बाद हुई है, जिसका अनुमानित उत्पादन 129.35 लाख मीट्रिक टन है। इस पृष्ठभूमि में सरकार ने 70.13 लाख मीट्रिक टन खरीद का लक्ष्य रखा था, जिसमें से 71 प्रतिशत से अधिक मई के मध्य तक हासिल किया जा चुका है। उत्पादन में वृद्धि को समायोजित करने और सुचारू खरीद सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने अपने बुनियादी ढांचे में काफी सुधार किया। इस सीजन में रिकॉर्ड 8,348 धान खरीद केंद्र (पीपीसी) स्थापित किए गए, जो पिछले रबी सीजन की तुलना में 1,311 अधिक हैं। उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि खरीद कार्यों का विस्तार यह सुनिश्चित करने के लिए किया गया था कि किसी भी किसान को अपनी उपज की बिक्री के दौरान इंतजार या परेशानी न उठानी पड़े। मंत्री ने दोहराया कि सरकार बेमौसम बारिश से प्रभावित नमी वाले धान की भी खरीद करेगी। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि भले ही उनकी फसल हाल ही में हुई बेमौसम बारिश से भीगी हो, लेकिन सरकार संकट में बिक्री को रोकने के लिए क्षतिग्रस्त धान की खरीद करेगी। उन्होंने जिला कलेक्टरों को जमीनी स्तर पर सख्त निगरानी बनाए रखने और किसी भी रसद या प्रशासनिक खामियों की तुरंत पहचान करने और उन्हें दूर करने का निर्देश दिया। अगले 10 से 12 दिनों में खरीद के चरम पर पहुंचने की उम्मीद के साथ, अधिकारियों को निर्बाध संचालन की सुविधा के लिए हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। उत्तम कुमार रेड्डी ने खरीद प्रक्रिया के बारे में गलत सूचना फैलाने के खिलाफ भी चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि सिस्टम को बदनाम करने और किसानों को गुमराह करने का जानबूझकर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने जिला कलेक्टरों को ऐसे झूठे आख्यानों का सक्रिय रूप से मुकाबला करने और कृषक समुदाय के बीच विश्वास पैदा करने का निर्देश दिया।

समीक्षा के दौरान, पिछले वर्षों की तुलना में सुधार के पैमाने को रेखांकित करने के लिए तुलनात्मक डेटा प्रस्तुत किया गया। कांग्रेस सरकार ने न केवल पिछले साल की तुलना में खरीद की मात्रा को दोगुना किया है, बल्कि खेती के क्षेत्र और काटे गए अनाज को उठाने की गति के मामले में पहले के मानकों को भी पीछे छोड़ दिया है। रबी 2022-23 में, कम खरीद स्तर और अपर्याप्त बुनियादी ढांचे ने परिचालन में देरी और किसानों के बीच असंतोष पैदा किया था। इस वर्ष, जल्दी योजना बनाने, रसद बढ़ाने और विभागों के बीच समन्वय ने पिछली बाधाओं को दूर करने में मदद की, जिसमें खराब परिवहन उपलब्धता, कम चावल मिल भागीदारी और भंडारण के मुद्दे शामिल हैं।

उत्तम कुमार रेड्डी ने कहा कि इस सीजन की खरीद की सफलता केवल संख्याओं के बारे में नहीं है, बल्कि शासन में बदलाव को भी दर्शाती है- जो गति, पैमाने और संवेदनशीलता पर केंद्रित है। उन्होंने अधिकारियों से सीजन के अंत तक गति बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया कि प्रत्येक पात्र किसान को समय पर सहायता मिले।

मिस वर्ल्ड प्रतिभागियों ने एक्सपेरियम इको-टूरिज्म पार्क का दौरा किया

प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किया > 250 एकड़ के वंडरलैंड में ग्रीन टूरिज्म, संस्कृति और रचनात्मकता का वैश्विक उत्सव

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में आज ग्लैमर और ग्रीन कॉन्शियसनेस का शानदार मिश्रण देखने को मिला, जब मिस वर्ल्ड एशिया-ओशिनिया समूह की 24 प्रतिभागियों के साथ-साथ चेक गणराज्य की मिस वर्ल्ड 2024 क्रिस्टीना पिस्ज़कोवा ने प्रगति रिसॉर्ट्स के पास स्थित विस्मयकारी एक्सपेरियम इको-टूरिज्म पार्क का दौरा किया। 250 एकड़ में फैला एक्सपेरियम भारत का सबसे विस्तृत और इमर्सिव नेचर बेस्ड डेस्टिनेशन है, जो कला, इनोवेशन और स्थिरता का जीवंत कैनवास है।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि एक्सपेरियम पहुंचे, जहां उनका ढोल की थाप और गजेलु से सुसज्जित पारंपरिक भव्यता के साथ स्वागत किया गया। प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक उत्सव में भाग लिया और लयबद्ध धुनों पर नृत्य किया। बाद में प्रतिभागियों ने पार्क के सबसे प्रतिष्ठित आकर्षणों में क्यूरेटेड टूर के लिए इको-फ्रेंडली बग्गी पर सवार होकर यात्रा की। प्रत्येक स्थान पर, प्रतिभागियों ने फोटो सत्र के लिए रुककर अंतर्राष्ट्रीय सौंदर्य और भारत के इको-टूरिज्म चमत्कार के सामंजस्य को कैद किया। प्रतिनिधियों ने पार्क के विजन और क्रियान्वयन के लिए विस्मय और प्रशंसा व्यक्त की। मिस कनाडा, एम्मा मॉरिसन ने साझा किया, यह जगह अविश्वसनीय है। मेरे माता-पिता जल्द ही हैदराबाद आने की योजना बना रहे हैं और मैं सुनिश्चित करूंगी कि वे एक्सपेरियम को मिस न करें! मिस यूनाइटेड स्टेट्स, एथेना क्रॉस्बी ने टिप्पणी की, पृथ्वी की रक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है।

एक्सपेरियम दिखाता है कि हम विचारशील डिजाइन के माध्यम से प्रकृति के साथ सद्भाव में रह सकते हैं। मिस ब्राजील, जेसिका पेड्रोसो ने व्यक्त किया, यह एक शानदार अनुभव था- ऐसा कुछ जिसे हमारे देशों को भी अपनाने पर विचार करना चाहिए। मिस गुयाना, ज़ालिका सैमुअल्स ने कहा, आज की आधुनिक दुनिया में, स्थिरता महत्वपूर्ण है। एक्सपेरियम आश्चर्यजनक रूप से प्रकृति को खूबसूरती से संरक्षित करता है। इस यात्रा ने न केवल एक्सपेरियम की वैश्विक अपील को उजागर किया, बल्कि मिस वर्ल्ड ऑर्गनाइजेशन के ब्यूटी विदअ परपज़ मिशन के साथ भी मजबूती से जुड़ा हुआ है, जो दर्शाता है कि कैसे गंतव्य संस्कृति, स्थिरता और रचनात्मकता का जश्न मनाते हुए पर्यावरण जागरूकता को बढ़ावा दे सकते हैं।

कांचा गच्चीबावली भूमि मुद्दे को लेकर सीएम पर हमला

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस सचेतक केपी विवेकानंद ने कांचा गच्चीबावली भूमि मुद्दे को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला किया और 10,000 करोड़ रुपये की कथित वित्तीय अनियमितताओं की स्वतंत्र जांच की मांग की। तेलंगाना भवन में मीडिया से बात करते हुए विवेकानंद ने कांचा गाचीबोवली भूमि में पेड़ों की कटाई पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों का स्वागत किया तथा इसकी केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट की ओर इशारा किया, जिसमें पुष्टि की गई है कि विवादित भूमि में वन विशेषताएं थीं। उन्होंने आरोप लगाया, "अदालत की छुट्टियों का फ़ायदा उठाकर रातों-रात पेड़ काट दिए गए। मुख्यमंत्री को चोर की तरह रंगे हाथों पकड़ा गया है।" उन्होंने कहा कि सरकार ने 10,000 करोड़ रुपये का लोन जुटाने के लिए बिचौलियों को 170 करोड़ रुपये कमीशन के तौर पर दिए और रेवंत रेड्डी पर भारी वित्तीय लाभ के लिए जनता को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "इस सरकार का लालच हरियाली और जनता के भरोसे की कीमत पर आया है।" सीईसी के निष्कर्षों का हवाला देते हुए, बीआरएस विधायक ने मांग की कि हैदराबाद विश्वविद्यालय की भूमि में पर्यावरण विनाश के लिए मुख्यमंत्री के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने केंद्रीय एजेंसियों की निष्क्रियता पर भी सवाल उठाया, और संदेह जताया कि घोटाले में भाजपा सांसद की कथित संलिप्तता ने जांच को बाधित किया होगा। इसके अलावा, विवेकानंद ने तेलंगाना की छवि को नुकसान पहुंचाने और शासन को मजाक में बदलने के लिए कांग्रेस शासन की आलोचना की।

दो शिक्षकों के बीच हुई हाथापाई में शिक्षा अधिकारी घायल

जगतियाल, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। धरमपुरी में मंडल शिक्षा अधिकारी सीतालक्ष्मी शुक्रवार को ढोनूर सरकारी हाई स्कूल में दो शिक्षकों के बीच हुई हाथापाई में घायल हो गईं। प्राथमिक और उच्च विद्यालयों की अभिभावक शिक्षक बैठक एक ही स्थान पर आयोजित की गई थी क्योंकि दोनों स्कूल एक ही परिसर में स्थित थे। शिक्षक कासेट्टी रमेश (प्राथमिक विद्यालय) और येदापल्ली महेश (हाई स्कूल), दोनों के बीच पुरानी प्रतिद्वंद्विता है, बैठक के दौरान उनमें बहस शुरू हो गई। बहस गंभीर होने पर दोनों ने एक दूसरे पर हमला कर दिया। बैठक में मौजूद एमईओ सीतालक्षी ने झगड़ रहे शिक्षकों को शांत करने की कोशिश की। इस दौरान शिक्षकों ने उन्हें धक्का दे दिया, जिससे वह जमीन पर गिर गईं। उनके बाएं हाथ की कलाई में फ्रैक्चर हो गया। एमईओ ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीएनबी ने रिटेल आउटरीच कार्यक्रम

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंजाब नैशनल बैंक ने हैदराबाद अंचल में ग्राहकों ऋण जैसी अपनी लोकप्रिय रिटेल योजनाओं की पहुंच बढ़ाने के उद्देश्य से पीएनबी रिटेल लोकसंपर्क (आउटरीच) कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक सुनील कुमार चुघ ने बताया कि इस कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य है, पीएनबी की रिटेल योजनाओं से अधिक से अधिक ग्राहकों को जोड़ना।

हम अपने ग्राहकों को एक ही छत के नीचे आकर्षक एवं प्रतिस्पर्द्धी ब्याज दर पर आवास ऋण, कार ऋण, शिक्षा ऋण तथा संपत्ति ऋण मुहैया करा रहे हैं। इसके अंतर्गत बैंक ग्राहकों को कई प्रकार के छूट भी दे रहा हैं। साथ ही हम अपनी डिजिटल योजनाओं से भी उन्हें जोड़ सकेंगे। आउटरीच कार्यक्रम के द्वारा लक्ष्य रखा है कि हम अपने ग्राहकों तक विभिन्न रियल एस्टेट कंपनियों, आरडब्ल्यूए, कार डीलरों, शिक्षा संस्थानों और ब्रांडों के साथ सहयोग के माध्यम से पहुंचेंगे। संपूर्ण हैदराबाद अंचल में आयोजित आज के आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत हमने 200 करोड़ रुपये से अधिक का व्यवसाय किया है। अंचल प्रमुख ने यह भी बताया कि आगे भी हम इस प्रकार के कार्यक्रम जारी रखेंगे ताकि ग्राहकों को फाइनेंस के आसान एवं भरोसेमंद विकल्प मिल सके। इस कड़ी में यह भी जानकारी दी गई कि बैंक द्वारा आगामी 20 मई को आर्थिक विकास, रोजगार सृजन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समर्थन, नवाचार, समावेशी विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।

एमएमटीएस ट्रेनों की संख्या बढ़ाई जाए : प्रभाकर

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और उप्पल के पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने आज जीएम दक्षिण मध्य रेलवे अरुण कुमार जैन से उनके कक्ष में मुलाकात की और शहर में एमएमटीएस ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि मेट्रो रेल ने टैरिफ दरों में वृद्धि की है, इसलिए आम आदमी एमएमटीएस ट्रेनों का लाभ उठा सकता है जो हैदराबाद और बाहरी इलाकों के सभी बिंदुओं से जुड़ी हैं। हील्स ने एनएफसी पुल का विस्तार करने और मौलाली रेलवे स्टेशन के आधुनिकीकरण का अनुरोध किया। बैठक में संबंधित अधिकारी भी मौजूद थे, साथ ही राज्य सरकार द्वारा संचालित आरटीसी और जीएचएमसी पर सुविधाएं प्रदान करने और आरटीसी को विभिन्न क्षेत्रों से चेर्लापल्ली के लिए अधिक बसें चलाने के लिए दबाव डालने का अनुरोध किया।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को चिह्नित करने के लिए दमरे ने रैली निकाली

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे भारतीय सशस्त्र बलों के साथ एकजुटता में खड़ा है ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को चिह्नित करने के लिए, शुक्रवार को नागरिक सुरक्षा संगठन, दक्षिण मध्य रेलवे के नेतृत्व में रेल निलयम, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) मुख्यालय, सिकंदराबाद से संगीत जंक्शन तक रैली निकाली गई। उदयनाथ कोटला, नागरिक सुरक्षा नियंत्रक और उप महाप्रबंधक (जी), एससीआर, ए.के रावत, राज्य सचिव, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स और उप मुख्य सामग्री प्रबंधक, एससीआर, एसआर शेलके, उप मुख्य सतर्कता अधिकारी, एससीआर सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी सदस्य, एससीआर स्काउट्स एंड गाइड्स के स्वयंसेवक और आरपीएफ जवान फ्लैग मार्च में शामिल हुए। फ्लैग मार्च का उद्देश्य 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बारे में जनता के बीच जागरूकता फैलाना और आतंकवाद पर नकेल कसने के लिए भारतीय सशस्त्र बलों की रणनीतिक शक्ति और कौशल का जश्न मनाना था। एससीआर के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने कहा कि फ्लैग मार्च राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता और हमारे बहादुर सैनिकों के साथ एकता की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि एससीआर रक्षा बलों की वीरता को सलाम करता है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में उनके साथ खड़ा है।

गर्मियों में सावधानी: पुलिस ने चोरी के खिलाफ लोगों से सतर्कता बरतने का आग्रह किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मियों की छुट्टियाँ शुरू होने और कई परिवारों के यात्रा पर जाने के कारण, घरों में अक्सर सुरक्षा नहीं रहती है - जिससे चोरी और डकैती के लिए आदर्श परिस्थितियाँ बनती हैं। साइबराबाद डीसीपी अपराध, एलसी नाइक, सभी निवासियों को सतर्क रहने और मौसम के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरल सावधानियों का पालन करने की सलाह देते हैं।

सामुदायिक सहयोग और बुनियादी निवारक उपायों से, कई घटनाओं से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि अगर आपको अपने घर को बंद करने की ज़रूरत है, तो अपने प्रस्थान और आगमन की योजना के बारे में स्थानीय पुलिस स्टेशन को सूचित करें। अतिरिक्त सुरक्षा के लिए सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम वाले ताले लगाएँ। अपने घर के लिए मोशन सेंसर वाले सुरक्षा अलार्म सिस्टम की व्यवस्था करें। किसी भी संदिग्ध व्यक्ति की तुरंत स्थानीय पुलिस स्टेशन को रिपोर्ट करें या 100 पर कॉल करें। अपने दोपहिया वाहनों को अपने परिसर के अंदर रखें, सुनिश्चित करें कि वे लॉक हैं, और यदि संभव हो, तो उन्हें व्हील चेन से सुरक्षित करें। अपनी संपत्ति के लिए भरोसेमंद चौकीदार या सुरक्षा गार्ड रखें।

अपने घर के प्रवेश और निकास बिंदुओं पर सीसीटीवी कैमरे लगाएं और उन पर ऑनलाइन निगरानी रखें। सुनिश्चित करें कि डीवीआर सुरक्षित स्थान पर संग्रहीत है। उन्होंने कहा कि अपने घर के बाहर कचरा, दूध के पैकेट या समाचार पत्र न छोड़ें, क्योंकि इससे अपराधियों को आपकी अनुपस्थिति का पता चल सकता है।

बंद दरवाजों को पर्दों से ढकें ताकि वे अजनबियों को दिखाई न दें। अपने घर के अंदर और बाहर कुछ रोशनी जलाकर रखें ताकि यह आभास हो कि घर में कोई है। अपने भरोसेमंद पड़ोसियों को अपनी अनुपस्थिति के बारे में सूचित करें और उन्हें अपने घर की देखभाल करने के लिए कहें। चाबियाँ आसानी से सुलभ स्थानों जैसे कि जूते की रैक, तकिए के नीचे, अलमारी के ऊपर या ड्रेसिंग टेबल की दराज में न छोड़ें।

अंधेरे और सुनसान इलाकों में पार्किंग करने से बचें - व्यस्त, अच्छी तरह से रोशनी वाली जगहों को प्राथमिकता दें।

मिधानि का रक्षा सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रक्षा मंत्रालय के तहत मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) ने 16 मई को अपने परिसर में रक्षा में स्वदेशीकरण को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई सम्मेलन का आयोजन किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन मिधानि के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ.एस.वी.एस. नारायण मूर्ति ने किया। अवसर पर डॉ. मूर्ति ने महत्वपूर्ण धातुओं के स्वदेशीकरण में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, जिनमें से कई को वर्तमान में भारत की सामरिक और रक्षा परियोजनाओं के लिए आयात किया जा रहा है। मिधानि के निदेशक (उत्पादन एवं विपणन) टी. मुत्तुकुमार भी संबोधित किया और सरकार की मेक इन इंडिया और रक्षा में आत्मनिर्भरता पहलों के प्रति मिधानि के अटूट समर्थन को दोहराया। श्रीमती के. मधुबाला, महाप्रबंधक (वित्त) ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

कार्यक्रम की शुरूआत मिधानि के अपर महाप्रबंधक (प्रभारी, क्रय) शुभदीप घोष ने मिधानि तथा उसके एमएसएमई भागीदारों के बीच सहयोगात्मक विकास के महत्व रेखांकित किया। इस कार्यक्रम में मिधानि से जुड़े लगभग 50 एमएसएमई विक्रेताओं ने भाग लिया। एमएसएमई हितधारकों के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए सूचनात्मक और संवादात्मक सत्रों की एक श्रृंखला आयोजित की गई। सृजन पोर्टल पर प्रस्तुति- मिधानि के एजीएम (सामग्री) के. राजकुमार द्वारा, रक्षा मंत्रालय के स्वदेशीकरण पोर्टल के माध्यम से एमएसएमई के लिए अवसरों की व्याख्या की।

गुत्ता ने विधान परिषद भवन के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विधान परिषद के अध्यक्ष गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने शुक्रवार को यहां विधानसभा परिसर में विधान परिषद भवन के जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने विधानमंडल सचिव डॉ. नरसिम्हा चार्युलु, आरएंडबी विभाग के अधिकारियों और आगा खान संगठन के प्रतिनिधियों के साथ चल रहे कार्यों की जांच की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल्द से जल्द काम पूरा करने और भवन में आगामी सत्र आयोजित करने के लिए प्रतिबद्ध है। गुत्ता सुखेंद्र रेड्डी ने सुझाव दिया कि आरएंडबी विभाग और आगा खान संगठन के अधिकारी और संबंधित ठेकेदारों को काम जल्दी पूरा करना चाहिए और निर्धारित अवधि में भवन को सौंप देना चाहिए।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

'ब्रह्मोस ने पाक ...

दोनों ही मोर्चों पर उच्च र्जा और हाई जोश देखकर मैं फिर से आश्वस्त हो गया हूं कि भारत की सीमाएं आप सभी की मजबूत भुजाओं में पूरी तरह से सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान आपने जो कुछ किया, उसने पूरे देश को गर्व से भर दिया है। भारतीय वायुसेना के लिए सिर्फ 23 मिनट काफी थे, पाकिस्तान की सरजमीं पर पल रहे आतंक के अजगर को कुचलने के लिए। मैं यह कहूं तो गलत नहीं होगा, कि जितनी देर में लोग नाश्ता-पानी निपटाते हैं, उतनी देर में आपने दुश्मनों का निपटारा कर दिया। आपने दुश्मन की सीमा के भीतर जाकर जो मिसाइलें गिराईं, उसकी गूंज पूरी दुनिया ने सुनी और वास्तव में वह गूंज, सिर्फ मिसाइलों की ही नहीं थी, वह गूंज आपके शौर्य और भारत के पराक्रम की थी।

रक्षा बजट में ...

इस साल रक्षा बजट पिछले साल की तुलना में करीब 9.5 प्रतिशत ज्यादा है। केंद्र ने 2024-25 में सशस्त्र बलों के लिए 6.22 लाख करोड़ रुपये दिए थे। पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के पहले बजट 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव जारी है। इस बीच रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को अहम माना जा रहा है। पहलगाम हमले का बदला लेने के लिए भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हमला किया था।

इस दौरान भारत ने अपने एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम की बदौलत बॉर्डर पार किए बिना पाकिस्तान के भीतर जाकर नौ आतंकवादी कैंपों को नष्ट कर दिया। जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान ने भी हमला किया, लेकिन भारत की मल्टी लेयर्ड एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग हर पाकिस्तानी मिसाइल और ड्रोन को बेअसर कर दिया।

भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रूस की एस-400, बराक-8 मीडियम रेंज एसएएम सिस्टम और स्वदेशी आकाशतीर सिस्टम को तैनात किया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

टेस्ट कप्तानी की रेस में राहुल का नाम

> फिटनेस की वजह से पिछड़ सकते हैं बुमराह > युवा शुभमन और पंत भी दावेदार

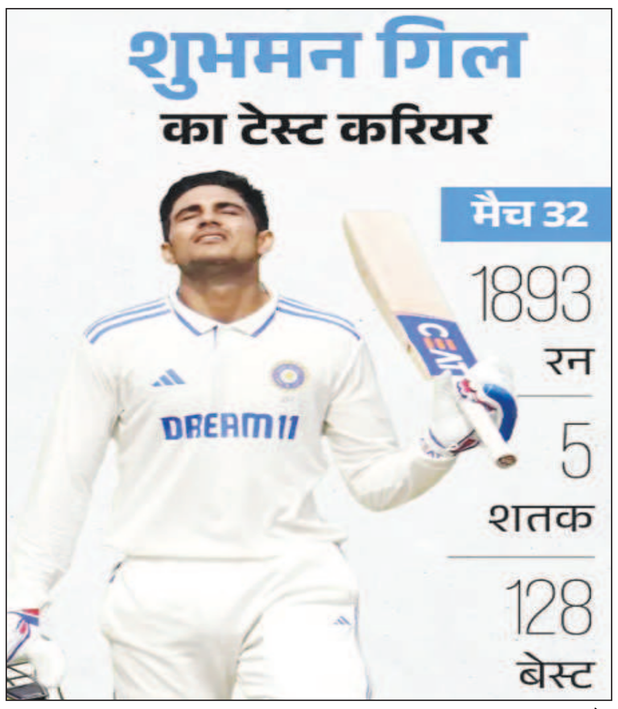

स्पोर्ट्स डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने 7 और 12 मई को टेस्ट से संन्यास ले लिया। उनके रिटायरमेंट से टीम में लीडरशिप की कमी हो गई। रोहित 4 साल से कप्तान थे, वहीं कोहली की कप्तानी में टीम ने 8 साल तक विदेश में 15 टेस्ट जीते। जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, मोहम्मद शमी और रवींद्र जडेजा ही टीम के सीनियर प्लेयर बचे। राहुल और बुमराह को कप्तानी का अनुभव है। वहीं युवा शुभमन गिल और ऋषभ पंत भी कप्तानी की रेस में बने हुए हैं।

बुमराह बड़े दावेदार, फिटनेस परेशानी

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 2 टेस्ट में कप्तानी की। पर्थ में टीम को जीत मिली, लेकिन सिडनी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया ने जीत लिया। मुकाबले की पहली पारी में ही बुमराह इंजर्ड हो गए, उन्हें बैक स्पास्म की शिकायत हुई। जिसके बाद वह मैच में दोबारा बॉलिंग नहीं कर सके, इस कारण भारत दूसरी पारी में दबाव भी नहीं बना सका। बुमराह अक्सर फिटनेस से जूझते नजर आए हैं, 2022 में आखिरी बार इंजर्ड होने के बाद वह करीब 15 महीने तक क्रिकेट से दूर रहे थे। उन्हें लंबी टेस्ट सीरीज के दौरान 1-2 मैच का रेस्ट देना भी जरूरी होता है। भारत में तो जीतने के लिए बुमराह का सभी मैच खेलना जरूरी भी नहीं। इसलिए उनका परमानेंट कप्तान बनना मुश्किल है।

फिर भी अगर बुमराह कप्तान बने तो टीम को 1 या 2 उप कप्तान बनाने होंगे, जो बुमराह की गैरमौजूदगी में जिम्मेदारी संभालते रहें। हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुमराह ने फिटनेस का हवाला देते हुए कप्तानी करने से मना कर दिया है। उनका इंग्लैंड में सभी मैच खेलना भी मुश्किल है। भारत की मौजूदा टीम में कुछ ही प्लेयर्स ऐसे हैं, जिनकी प्लेइंग-11 में जगह खतरे में नहीं दिखती। ऋषभ पंत उनमें से एक हैं। पंत पिछले 6 साल में दुनिया के बेस्ट विकेटकीपर बैटर बन चुके हैं। वे इस फॉर्मेट में कई मैच विनिंग पारियां खेल चुके हैं। पंत ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड में शतक लगाने वाले इकलौते भारतीय विकेटकीपर भी हैं। पंत को कप्तान बनाना थोड़ा रिस्की हो सकता है, क्योंकि उनकी बैटिंग भी बहुत रिस्की रहती है। मैनेजमेंट अगर उन्हें कप्तान बनाए तो टीम को उनकी बैटिंग की तरह ही कप्तानी में भी चौंकाने वाले नतीजे देखने को मिल सकते हैं। पंत ने किसी भी फॉर्मेट में भारत की कप्तानी नहीं की। हालांकि, उन्हें आईपीएल और घरेलू क्रिकेट में कप्तानी का अनुभव जरूर है।

शुभमन कप्तानी की रेस में सबसे आगे

शुभमन कप्तानी की रेस बुमराह के बाद सबसे आगे चल रहे हैं। वे वनडे और टी-20 में टीम की कप्तानी कर चुके हैं। युवा बैटर्स में यशस्वी, पंत और शुभमन ही फिलहाल परमानेंट नजर आते हैं। शुभमन 25 साल के हैं और लगभग इसी उम्र में विराट ने भी कप्तानी संभाल ली थी। अगर शुभमन अभी कप्तान नहीं भी बने तो टीम उन्हें उप कप्तान बनाकर आगे के लिए तैयार कर सकती है। पिछले 5 सालों में दुनियाभर की पिचें बैटिंग के लिए मुश्किल रहीं, इसके बावजूद शुभमन ने बेहतरीन बैटिंग कर 5 शतक लगाए हैं।

राहुल की कप्तानी में तैयार हो सकते हैं गिल

केएल राहुल पिछले 5 साल में विदेशी पिचों पर भारत के टॉप बैटर रहे। उनके नाम साउथ अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की पिचों पर ओपनिंग करते हुए सेंचुरी बनाने का रिकॉर्ड भी है। रोहित के संन्यास के बाद उनका ओपनिंग करना भी कन्फर्म माना जा रहा है। राहुल को 3 टेस्ट में कप्तानी का अनुभव भी है, जिनमें 2 बार टीम को जीत भी मिली। अगर टीम मैनेजमेंट स्टेबल ऑप्शन चाहती है तो राहुल से बेहतर कप्तान कोई नहीं। राहुल को इंग्लैंड सीरीज के लिए ही कप्तान बनाकर शुभमन को उनकी लीडरशिप में तैयार किया जा सकता है। टीम इंडिया जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी। 20 जून को पहला टेस्ट हेडिंग्ले में खेला जाएगा। दौरा 4 अगस्त तक चलेगा। टीम इंडिया ने विराट कोहली की कप्तानी में इंग्लैंड में पिछली टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराई थी।

कोलकाता के खिलाफ मैच में वापसी कर सकते हैं पाटीदार

प्रैक्टिस सेशन में बल्लेबाजी की; चेन्नई के खिलाफ मैच में हो गए थे चोटिल

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार ने बल्लेबाजी शुरू कर दी है। गुरुवार को उन्होंने बेंगलुरु में टीम के अन्य साथियों के साथ अभ्यास सत्र में भाग लिया। उन्हें 3 मई को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ फील्डिंग करने के दौरान दाहिने हाथ के उंगली में चोट लग गई थी।

पाटीदार ने गुरुवार को 30 मिनट बल्लेबाजी की अभ्यास की

आरसीबी के अभ्यास सत्र में पाटीदार ने थ्रोडाउन से शुरुआत की और फिर उन्होंने बल्लेबाज़ी का अभ्यास किया। पाटीदार ने 30 मिनट से अधिक समय तक बल्लेबाजी की। हालांकि, पाटीदार ने फील्डिंग नहीं की और ना ही उन्होंने कैच पकड़े।

बेंगलुरु का मैच कल

आईपीएल में मिले ब्रेक से रजत पाटीदार को ठीक होने का समय मिल गया। 9 मई को भारत-पाक के बीच बने युद्ध की स्थिति की वजह से बीसीसीआई ने आईपीएल को स्थगित कर दिया था। अब एक बार फिर से आईपीएल 17 मई से शुरू हो रहा है। बेंगलुरु का ही पहला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के साथ है। यह मुकाबला बेंगलुरु में खेला जाएगा।

आरसीबी पॉइंट टेबल में दूसरे स्थान पर

आरसीबी इस समय 11 मुकाबलों में आठ जीत के साथ पॉइंट में दूसरे स्थान पर मौजूद है और उन्हें शीर्ष दो में रहकर प्लेऑफ में प्रवेश करने के लिए कम से कम दो जीत जरूरी है।

17 साल के यामल ने बार्सिलोना को 28वां ला-लीगा जिताया

दो मैच शेष रहते बार्सिलोना बना चैंपियन; एस्पान्योल को 2-0 से हराया

स्पेन, 16 मई (एजेंसियां)। बार्सिलोना ने एस्पान्योल को 2-0 से हराकर अपना 28वां स्पेनिश लीग खिताब जीत लिया। 17 साल के लामिने यामल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम को यह ऐतिहासिक जीत दिलाई। बार्सिलोना लीग के दो-दो मैच बाकी रहते हुए ही खिताब अपने नाम कर लिया है। स्पेनिश लीग में सबसे ज्यादा पॉइंट अर्जित करने वाली टीम खिताब जीतती है। बार्सिलोना के 36 मैच के बाद 85 पॉइंट हैं। वह पॉइंट टेबल में टॉप पर है। जबकि रियल मैड्रिड 36 मैचों के बाद 78 पॉइंट के साथ दूसरे स्थान पर है।

स्पेनिश लीग में 20 टीमें खेल रही है। प्रत्येक टीम को एक-दूसरे से दो-दो मैच खेलने हैं। एक मैच अपने होम ग्राउंड पर और दूसरा बाहर, यानी प्रत्येक टीम को 38 मैच लीग में खेलने हैं। सभी 20 टीमों ने 36-36 मैच खेल लिए हैं और लीग में सभी के दो-दो मैच बाकी है। मैच के 53वें मिनट में यामल ने गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। उन्होंने एस्पान्योल के दो डिफेंडरों को चकमा देते हुए गेंद को गोल पोस्ट में मार दिया।

80 वें मिनट में एस्पान्योल के लिएंड्रो काबरेरा को लाल कार्ड

मैच के 80वें मिनट में एस्पान्योल के लिएंड्रो काबरेरा को लाल कार्ड दिखाया गया, जिसकी वजह से टीम को मैच समाप्त होने तक 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। काबरेरा को लाल कार्ड इसलिए दिया गया क्योंकि बॉल छीनने के दौरान उन्होंने यामल के पेट में मार दिया। फर्मिन लोपेज ने इंजरी टाइम में बार्सिलोना के लिए दूसरा गोल कर टीम को 2-0 से जीत दिलाई।

मैच के दौरान ग्राउंड के बाहर कार दुर्घटना में 13 लोग घायल

एस्पेन्योल और बार्सिलोना के बीच खेले जा रहे मैच के दौरान ग्राउंड के बाहर 13 लोग घायल हो गए। मैच के शुरुआती चरण में कुछ मिनटों के लिए रुकावट आई, जब रेफरी को पुलिस ने स्थिति की जानकारी दी । बार्सिलोना पुलिस के अनुसार, घायलों में से चार को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

शास्त्री ने बताई कोहली के संन्यास की वजह

लोगों के कमेंट्स से मानसिक रूप से परेशान थे; 2-3 साल और खेल सकते थे

दुबई, 16 मई (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय कोच रवि शास्त्री ने विराट कोहली के रिटायरमेंट की वजह का खुलासा किया है। शास्त्री के अनुसार 'कोहली लगातार सार्वजनिक टीका-टिप्पणी से मानसिक रूप से थक चुके थे।' शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू में बताया कि उन्होंने संन्यास का फैसला सार्वजनिक करने से पहले कोहली से बात की थी। पूर्व भारतीय कोच ने कहा- 'मैंने उनसे इस बारे में बात की थी। मुझे लगता है कि उनके संन्यास की घोषणा से एक सप्ताह पहले उनका दिमाग बहुत स्पष्ट था। उन्हें कोई पछतावा नहीं है। विराट ने मुझे चौंका दिया क्योंकि मुझे लगा कि उनमें टेस्ट क्रिकेट के लिए कम से कम दो-तीन साल बाकी हैं। जब आप मानसिक रूप से थके हुए होते हैं तो यही आपके शरीर को बताता है।' विराट कोहली ने 12 मई को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने एक इंस्टा पोस्ट में लिखा- 'टेस्ट क्रिकेट ने मेरी परीक्षा ली, मुझे आकार दिया, वो पाठ सिखाए जो जिंदगीभर मुझे याद रहेंगे।' कोहली ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ डेब्यू किया था।

कोहली के संन्यास पर रवि शास्त्री ने कहा

मैं विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के फैसले से हैरान था। क्योंकि मुझे लगता है कि विराट में टेस्ट खेलने के लिए 2-3 साल और बचे थे।

रवि शास्त्री की 4 बातें

कोहली लगातार सार्वजनिक टीका-टिप्पणी से बर्नआउट हो गए शास्त्री ने कहा, 'आप अपनी टीम के आधे से अधिक खिलाड़ियों से अधिक फिट हो सकते हैं, लेकिन मानसिक रूप से आप थके हैं। तो यह शरीर को एक संदेश भेजता है। आप जानते ही हैं। कोहली लगातार सुर्खियों में रहने के कारण बर्नआउट (थकान) हो गए। कोहली के दुनियाभर में फैन, लोगो को क्रिकेट देखने प्रेरित किया शास्त्री ने कहा- 'कोहली को दुनिया भर में प्रशंसा मिली है। पिछले दशक में किसी भी अन्य क्रिकेटर की तुलना में उनके पास अधिक प्रशंसक हैं। चाहे वह ऑस्ट्रेलिया हो, चाहे वह दक्षिण अफ्रीका हो, उन्होंने लोगों को खेल देखने के लिए प्रेरित किया।' अगर कोहली ने कुछ ठाना, तो अपना 100% दिया कोहली ने भारत को 68 टेस्ट मैचों में 40 जीत दिलाई जो किसी भी भारतीय कप्तान की अब तक की सबसे ज्यादा जीत है।

इस पर शास्त्री ने कहा- 'अगर उन्होंने कुछ करने का फैसला किया तो उन्होंने अपना शत प्रतिशत दिया जिसकी बराबरी करना आसान नहीं है।' एग्रेशन कोहली को दूसरे प्लेयर्स से अलग बनाता है कोहली के एग्रेशन पर शास्त्री ने कहा- 'एक खिलाड़ी अपना काम करता है, फिर आप आराम से बैठ जाते हैं। लेकिन कोहली के साथ ऐसा नहीं है, जब टीम आउट हो जाती है तो ऐसा लगता है जैसे उन्हें सभी विकेट लेने हैं, उन्हें सभी कैच लेने हैं, उन्हें मैदान पर सभी फैसले लेने हैं। इतना ज्यादा पार्टिसिपेशन, मुझे लगता कि अगर वह आराम नहीं करता है तो कहीं वह बर्नआउट होने वाला है।'

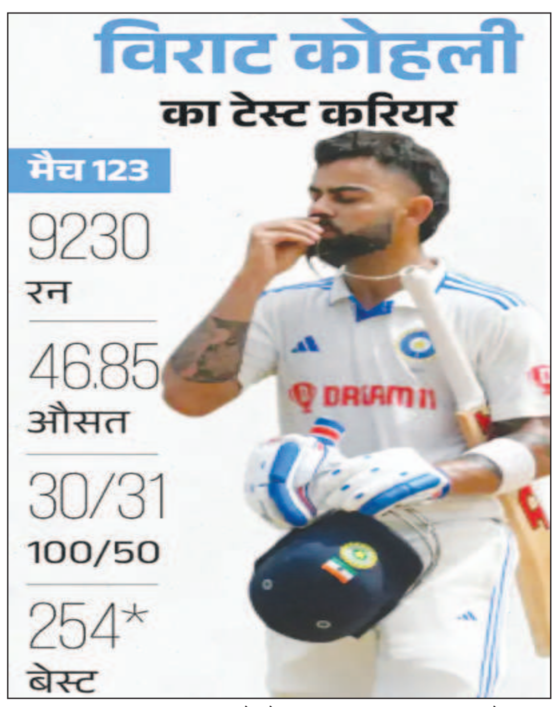

एमआई से जुड़ेंगे बोल्ट, सैंटनर और रिकेलटन

स्पोर्ट्स डेस्क, 16 मई (एजेंसियां)। 8 दिन गैप के बाद आईपीएल 17 मई से फिर शुरू हो रहा है। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति को देखते हुए टूर्नामेंट रोका गया था। जिस कारण कई विदेशी प्लेयर्स अपने देश लौट गए। 25 मई को खत्म होने वाला टूर्नामेंट अब 3 जून तक चलेगा, इस दौरान इंटरनेशनल मैच भी शुरू हो जाएंगे। इस कारण कुछ विदेशी प्लेयर्स का लौटना मुश्किल है।

ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड और पैट कमिंस आईपीएल खेलेंगे, लेकिन मिचेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की वापसी मुश्किल नजर आ रही है। साउथ अफ्रीका, इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के कई प्लेयर्स भी इंटरनेशनल शेड्यूल के कारण आईपीएल के कुछ मुकाबले छोड़ सकते हैं। वहीं फिल सॉल्ट, रोमारियो शेफर्ड और ट्रेंट बोल्ट समेत कुछ खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के साथ जुड़ चुके हैं।

कितने विदेशी आईपीएल खेलने के लिए लौटे? बटलर, रबाडा, रदरफोर्ड खेलेंगे

जीटी-कगिसो रबाडा, राशिद खान, शेरफेन रदरफोर्ड, करीम जनत और दसुन शनाका भारत में ही हैं। सभी अहमबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में प्रैक्टिस कर रहे हैं। जोस बटलर और जेराल्ड कूट्जी जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। बटलर इंटरनेशनल मैचों के कारण 26 मई तक इंग्लैंड भी लौट जाएंगे, कुसल मेंडिस उनकी जगह लेंगे। रबाडा का भी प्लेऑफ खेलना मुश्किल है।

आरसीबी-हेजलवुड का खेलना मुश्किल

टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, लियम लिविंगस्टन और नुवान थुषारा ने बेंगलुरु में टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी है।

लुंगी एनगिडी भी टीम के साथ जुड़ जाएंगे, लेकिन उन्हें 26 मई को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की तैयारी करने के लिए साउथ अफ्रीका लौटना पड़ेगा। जोश हेजलवुड इंजरी के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। बेथेल 23 मई के बाद इंग्लैंड लौट सकते हैं।

पीबीकेएस-यानसन अब तक नहीं लौटे

जैवियर बार्टलेट और ग्लेन मैक्सवेल के रिप्लेसमेंट मिचेल ओवेन पंजाब से जुड़ गए हैं। जोश इंग्लिस, मार्कस स्टोयनिस, मार्को यानसन, अजमतुल्लाह ओमरजई, आरोन हार्डी और काइल जैमिसन जल्द ही टीम का हिस्सा बन सकते हैं। पंजाब अगर प्लेऑफ में पहुंची तो यानसन और इंग्लिस का खेल पाना मुश्किल है।

एमआई-सैंटनर और बोल्ट की वापसी

मिचेल सैंटनर और ट्रेंट बोल्ट ने टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी है। रायन रिकेलटन, विल जैक्स और कॉर्बिन बॉश भी जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। हालांकि, इंटरनेशनल क्रिकेट के कारण तीनों का ही प्लेऑफ खेलना मुश्किल है। मुजीब उर रहमान और रीस टॉप्ली भी जल्द ही टीम के साथ जुड़ने वाले हैं।

डीसी-स्टार्क का लौटना मुश्किल

ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क आईपीएल के सेकेंड फेज से बाहर हो सकते हैं। डब्ल्यूटीसी को देखते हुए उनका भारत आना मुश्किल है। बांग्लादेश के मुस्तफिजुर रहमान भी 20 मई के बाद ही टीम से जुड़ सकेंगे। डोनोवन फेरेरा, फाफ डु प्लेसिस, सेदिकुल्लाह अटल और ट्रिस्टन स्टब्स जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। डब्ल्यूटीसी के कारण स्टब्स प्लेऑफ नहीं खेल पाएंगे। दुष्मंथा चमीरा ने टीम के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी।

केकेआर-मोईन अली नहीं आएंगे

आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, क्विंटन डी कॉक, एनरिक नॉर्त्या, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज ने बेंगलुरु में केकेआर प्लेयर्स के साथ प्रैक्टिस शुरू कर दी है। वहीं मोईन अली ने इंजरी के कारण भारत लौटने से मना कर दिया। इंजर्ड रोवमन पॉवेल का आना भी मुश्किल है।

गंभीर चोट से उबरने के बाद पूवन्ना की नजर भारत के लिए सीनियर पदार्पण करने पर

बेंगलुरु, 16 मई (एजेंसियां)। 2023 में भारतीय जूनियर टीम के साथ कुछ समय बिताने के बाद, पूवन्ना चंदुरा बॉबी अब एफआईएच हॉकी प्रो लीग लेग के यूरोपीय चरण से पहले सीनियर कोर ग्रुप के साथ प्रशिक्षण ले रहे हैं। 22 वर्षीय पूवन्ना वर्तमान में बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) केंद्र में वरिष्ठ राष्ट्रीय शिविर का हिस्सा हैं और उन्होंने 40 सदस्यीय कोर ग्रुप में जगह बनाई है। जूनियर टीम के साथ, पूवन्ना ने शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने क्रमशः 2022 और 2023 सुल्तान ऑफ जौहर कप में स्वर्ण और कांस्य पदक जीते। वह 2023 में पुरुषों की जूनियर एशिया कप जीतने वाली टीम का भी हिस्सा थे और अगस्त 2024 में सीनियर राष्ट्रीय शिविर में शामिल हुए। शिविर में प्रशिक्षण के अपने अनुभव के बारे में पूवन्ना ने कहा, ͞मैंने 2023 में जूनियर टीम के लिए खेला है और अब सीनियर खिलाड़ियों के साथ प्रशिक्षण ले रहा हूं, मुझे उनके और हमारे बीच बहुत अंतर दिखाई देता है।

'जिंदगी अहम है, सैलरी नहीं'

> बीसीसीआई से नाराज हुआ कंगारू दिग्गज
> विदेशी खिलाड़ियों को दी ये सलाह

नई दिल्ली, 16 मई (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 को भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) ने एक हफ्ते के लिए स्थगित कर दिया गया था. अब दोनों देशों के बीच सीजफायर हो चुका है और बॉर्डर पर स्थिति भी सामान्य हो रही है. ऐसे में बीसीसीआई ने आईपीएल 2025 के बाकी 17 मैचों को 17 मई से कराने का फैसला लिया है। आईपीएल 2025 को दोबारा शुरू करने की तो घोषणा कर दी गई, लेकिन फ्रेंचाइजी के लिए अब समस्याएं खड़ी हो गई हैं. दरअसल कई विदेशी खिलाड़ी इंटरनेशनल असाइनमेंट और अन्य वजहों से अब आईपीएल के मुकाबले मिस करने जा रहे हैं. बीसीसीआई विदेशी क्रिकेट बोर्ड्स से संपर्क में है और वो इस कोशिश में लगा हुआ कि ओवरसीज खिलाड़ी टूर्नामेंट के बाकी मैचों के लिए भारत दोबारा आएं।

हालांकि ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन का मानाना है कि किसी खिलाड़ी को टूर्नामेंट में वापस आने के लिए मजबूर नहीं करना चाहिए. कहा जा रहा कि बीसीसीआई ने कथित तौर पर विदेशी क्रिकेट बोर्डों पर अपने खिलाड़ियों को बाकी मैचों के लिए उपलब्ध कराने के लिए दबाव डाला. जॉनसन का मानना है कि खिलाड़ियों की जिंदगी महत्वपूर्ण है, सैलरी नहीं. मिचेल जॉनसन ने वेस्ट ऑस्ट्रेलियन में अपने कॉलम में लिखा, 'अगर मुझे यह निर्णय लेना है कि क्या मुझे भारत वापस जाकर टूर्नामेंट पूरा करना चाहिए तो यह एक आसान फैसला होगा. मेरा जवाब होगा नही. जीवन और सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण चीज है, सैलरी नहीं. यह एक व्यक्तिगत निर्णय है।'

'आईपीएल-पीएसएल को शिफ्ट करना चाहिए'

मिचेल जॉनसन लिखते हैं, 'किसी को भी वापस आने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए या दबाव महसूस करना नहीं चाहिए. चाहे आईपीएल हो या पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल), जो अभी रुकी हुई हैं. दोनों टूर्नामेंटों को अभी खत्म कर देना चाहिए या किसी और जगह पर शिफ्ट करने पर विचार करना चाहिए, लेकिन ऐसा करना महंगा वित्तीय रूप से साबित हो सकता है।' बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल जॉनसन ने 73 टेस्ट मैचों में 313 विकेट, जबकि 153 वनडे इंटरनेशनल और 30 टी20 इंटरनेशनल में क्रमशः 239 और 38 विकेट चटकाए. जॉनसन आईपीएल में मुंबई इंडियंस (एमआई), कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के लिए खेल चुके हैं।

भविष्य की जरूरतों के अनुसार बिजली आपूर्ति के लिए तैयार रहने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने बिजली की मांग को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को आगामी भविष्य की अपेक्षाओं और जरूरतों के अनुसार बिजली की आपूर्ति के लिए तैयार रहने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि राज्य में बिजली की मांग पहले की तुलना में बढ़ गई है। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य में आए अभूतपूर्व निवेश और आने वाले दिनों में तेलंगाना में होने वाले औद्योगिक विकास को ध्यान में रखते हुए भविष्य की योजना तैयार की जाए।

यह सुझाव दिया गया कि उद्योगों, वैश्विक क्षमता केन्द्रों, डेटा केन्द्रों और जन परिवहन (मेट्रो, विद्युत वाहन) को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। अधिकारियों को सलाह दी गई कि वे भविष्य की बिजली आवश्यकताओं का पहले से अनुमान लगाकर रोडमैप तैयार करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को सचेत किया कि राज्य में सरकार द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के कारण अगले तीन वर्षों में बिजली की मांग बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तीन वर्षीय विद्युत योजना तैयार की जाए। पिछले वर्ष की तुलना में बिजली की मांग में 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस वर्ष बिजली की मांग में रिकॉर्ड स्तर पर वृद्धि हुई है, जो पहले कभी नहीं हुई। यह एक महान उपलब्धि है। हालांकि, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने बिना किसी रुकावट के गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्ध कराने में एक मिसाल कायम की है।

इस वर्ष बिजली की मांग 17,162 मेगावाट के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गयी। अधिकारियों ने भविष्य की जरूरतों और अनुमानों के बारे में मुख्यमंत्री को बताया कि 2025-26 में बिजली की मांग बढ़कर 18,138 मेगावाट और 2034-35 तक 31,808 मेगावाट हो जाएगी।

जुबली हिल्स स्थित मुख्यमंत्री आवास पर हुई बैठक में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, ऊर्जा विभाग के प्रधान सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया, सीएमओ के विशेष सचिव अजीत रेड्डी, ट्रांसको के सीएमडी कृष्ण भास्कर, एसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ अली और टीजी रेडको की एमडी अनिला ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए बिजली उत्पादन बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्य ध्यान स्वच्छ ऊर्जा और पंप स्टोरेज पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि फ्लोटिंग सौर ऊर्जा उत्पादन के सभी अवसरों का उपयोग किया जाना चाहिए तथा नव क्रियान्वित स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा नीति पर ध्यान केन्द्रित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन में विश्व प्रसिद्ध दिग्गजों को अवसर दिए जाने चाहिए।

उन्होंने कहा कि राज्य में निर्मित की जा रही सिंचाई परियोजनाओं की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखा जाना चाहिए, साथ ही मेट्रो विस्तार, रेलवे लाइनों तथा अन्य जन परिवहन की विद्युत आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ग्रेटर हैदराबाद के साथ-साथ अन्य निगमों की बिजली जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए और नव स्थापित डेटा केंद्रों और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं की बिजली जरूरतों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि हैदराबाद वैश्विक क्षमता केन्द्रों के केन्द्र के रूप में देश में सभी का ध्यान आकर्षित कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह भविष्य में डेटा सेंटरों का केंद्र बनेगा और हैदराबाद में एक डेटा सिटी स्थापित की जाएगी। विद्युत विभाग के अधिकारियों को बाहरी रिंग रोड से क्षेत्रीय रिंग रोड तक रेडियल सड़कों और सैटेलाइट टाउनशिप की विद्युत आवश्यकताओं पर एचएमडीए के साथ समन्वय करने की सलाह दी गई। क्षेत्र स्तर पर बिजली की मांग को पूरा करने के लिए सबस्टेशनों को उन्नत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली लाइनों के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए और फ्यूचर सिटी में पूरी तरह से भूमिगत बिजली लाइनें स्थापित की जानी चाहिए।

उन्होंने याद दिलाया कि भविष्य के शहर में बिजली के टावर, खंभे और लाइनें नजर नहीं आने दी जाएंगी और हाईटेंशन लाइनों को भी वहां से हटाना होगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ग्रेटर हैदराबाद में पायलट आधार पर स्मार्ट पोल स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्हें पहले सचिवालय, नकल्स रोड और केबीआर पार्क जैसे क्षेत्रों में प्रयास करना चाहिए। 160 किलोमीटर लंबे आउटर रिंग रोड पर सौर ऊर्जा के उपयोग की योजना बनाई जानी चाहिए तथा जीएचएमसी क्षेत्र में फुटपाथों और नालियों में सौर ऊर्जा उत्पादन के अवसरों की जांच की जानी चाहिए।

नाबालिग लड़कियों को परेशान करने के आरोप में युवक पर मामला दर्ज

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। घटकेसर में प्यार के नाम पर दो नाबालिग लड़कियों को फंसाने और परेशान करने के आरोप में एक युवक पर मामला दर्ज किया गया है। यह घटना तब प्रकाश में आई जब हाल ही में एक लड़की ने आत्महत्या का प्रयास किया।

उपलब्ध जानकारी के अनुसार, संदिग्ध अविनाश रेड्डी की इंस्टाग्राम पर एक लड़की से दोस्ती हुई और उसने उसके सामने प्यार का प्रस्ताव रखा, जिसे उसने स्वीकार कर लिया। आखिरकार अविनाश ने कथित तौर पर लड़की को ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और कहा कि वह उसकी बहन में भी दिलचस्पी रखता है।

जब लड़की ने उससे इस बारे में पूछा तो उसने उसे उसकी निजी तस्वीरें और वीडियो दिखाकर धमकाना शुरू कर दिया। अविनाश रेड्डी ने कहा कि अगर वह अपनी बहन और घर से सोने के गहने लेकर आएगी तो वह फोटो और वीडियो डिलीट कर देगा। आगे की प्रताड़ना सहन न कर पाने के कारण नाबालिग लड़की ने घर में ही आत्महत्या करने की कोशिश की। हालांकि, उसे उसके परिवार के सदस्यों ने बचा लिया और अस्पताल ले जाया गया। नाबालिग लड़कियों के पिता की शिकायत के आधार पर घटकेसर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिलना तेलंगाना पुलिस के लिए गर्व की बात : सीवी आनंद

नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग को मिला अंतर्राष्ट्रीय सम्मान

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सी.वी. आनंद, डी.जी. एवं सी.पी. हैदराबाद, द एचएनईडब्लू- हैदराबाद नारकोटिक्स इंफोर्समेंट विंग का प्रतिनिधित्व करते हुए, दुबई पुलिस द्वारा 13 मई से 16 मई 2025 तक आयोजित विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन (डब्ल्यूपीएस) 2025 में "एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता" के लिए प्रथम स्थान से सम्मानित किया गया। हैदराबाद शहर में मादक पदार्थों की तस्करी और खपत को रोकने के लिए किए गए सक्रिय उपायों, हैदराबाद आयुक्तालय की सीमा में छात्रों और आम समुदाय के बीच नशीली दवाओं के नियंत्रण के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने और पिछले तीन वर्षों में इस संबंध में की गई महत्वपूर्ण उपलब्धियों के कारण उन्हें यह अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्रदान की गई।

आज दुबई, यूएई में दुबई पुलिस ऑफिसर्स क्लब में आयोजित पुरस्कार समारोह में सी.वी. आनंद, महानिदेशक और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद को प्रतिष्ठित विश्व पुलिस शिखर सम्मेलन समिति से "एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर बोलते हुए, आयुक्त ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय पुलिस शिखर सम्मेलन-2025 में 138 देशों के प्रमुख पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। उन्होंने इस बात पर बहुत प्रसन्नता व्यक्त की कि हैदराबाद सिटी पुलिस के एच-न्यू (नारकोटिक्स प्रवर्तन विंग) ने दुनिया भर के विभिन्न महाद्वीपों के अत्यधिक कुशल पुलिस बलों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के बाद "एंटी-नारकोटिक्स अवार्ड में उत्कृष्टता" जीता है। उन्होंने इस प्रतिष्ठित पुरस्कार को प्राप्त करने में अपनी टीम के सदस्यों की कड़ी मेहनत और समर्पण को स्वीकार किया और उनमें से प्रत्येक के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने आगे जोर देकर कहा कि यह उपलब्धि न केवल तेलंगाना पुलिस के लिए बल्कि भारत के पूरे पुलिस बल के लिए बहुत गर्व की बात है। उन्होंने इस मान्यता का श्रेय एच-न्यू द्वारा नशीले पदार्थों को नियंत्रित करने में अपनाए गए अभिनव कार्य प्रथाओं और व्यापक दृष्टिकोण को दिया। 12 देशों की विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के 12 पुलिस अधिकारियों और नवप्रवर्तकों को कानून प्रवर्तन की विभिन्न श्रेणियों में प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। पुरस्कार समारोह से पहले एक पैनल चर्चा में, श्री आनंद ने एक राष्ट्र के रूप में भारत के सामने आने वाले नशीले पदार्थों के मुद्दों, विशेष रूप से कोविड के बाद, देश में नशीले पदार्थों के प्रवेश के विभिन्न तरीकों, पकड़े गए विभिन्न गिरोहों और तस्करों, नशा विरोधी समितियों और जागरूकता अभियानों के माध्यम से शैक्षणिक संस्थानों पर नजर रखने के प्रयास, पुनर्वास के उपाय आदि के बारे में बात की।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के उपनगर मेडचल के अथवेल्ली में शुक्रवार को एक महिला अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाई गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निर्माण मजदूर के. लक्ष्मी (50) पिछले कुछ दिनों से घर में अकेली थी। पुलिस ने बताया कि लक्ष्मी को उसके पड़ोसियों ने मृत पाया, उसके शरीर पर बाहरी चोटों के निशान थे। मेडचल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए गांधी अस्पताल भेज दिया है। क्लूज टीम ने नमूने एकत्र किए हैं, जबकि आसपास के इलाकों में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच की जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि उसकी मौत स्वाभाविक रूप से हुई है या यह हत्या का मामला है।

सरस्वती पुष्करालु कालेश्वरम में माई नेशन प्रिजन्स स्टॉल का उद्घाटन

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के जेल एवं सुधार सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा ने कालेश्वरम के सरस्वती पुष्करालु में माई नेशन प्रिजन्स स्टॉल का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में जयशंकर भूपलपल्ली जिले के कलेक्टर, राहुल शर्मा, जेलों के डीआईजी (वारंगल रेंज) एम. संपत और केंद्रीय कारागार वारंगल के अधीक्षक टी. कलासागर ने भाग लिया। इस स्टॉल पर कैदियों द्वारा बनाए गए पर्यावरण के अनुकूल उत्पाद प्रदर्शित किए गए, जिनमें तेलंगाना कारागार विभाग द्वारा वेस्ट टू वेल्थ पहल के तहत वेमुलावाड़ा श्री राजा राजेश्वर स्वामी मंदिर से प्राप्त इस्तेमाल किए गए फूलों से तैयार की गई अगरबत्ती शामिल है। हस्तनिर्मित साबुन, बुनाई की वस्तुएं और दरी ने पुनर्वास कार्यक्रमों के माध्यम से कैदियों द्वारा हासिल किए गए व्यावसायिक कौशल को प्रदर्शित किया। इस पहल को जनता से अच्छी प्रतिक्रिया मिली, जिन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता और सामाजिक प्रभाव की सराहना की। उद्घाटन के बाद, गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्करालु अनुष्ठानों में भाग लिया, जो इस अवसर के आध्यात्मिक और सांस्कृतिक सार को दर्शाता है।

जाली प्रमाण पत्र रैकेट का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

पिछले डेढ़ साल में करीब 181 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा एसओटी अधिकारियों ने स्थानीय पुलिस के साथ मिलकर एक परिष्कृत प्रमाण पत्र जालसाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया और गुरुवार को सरूरनगर में छह लोगों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लोगों में टी वेंकट भानु प्रकाश, एक नोटरी निर्माता, उसकी पत्नी टी सागरिका, एक डीटीपी ऑपरेटर, ए चंद्रशेखर, उसका बेटा अनिल और नकली जन्म प्रमाण पत्र बनाने वाला एजेंट मोहम्मद जलील शामिल हैं। फरार लोगों में सैयद फिरोज अली, पी मल्लेश गौड़, प्रवीण, सुधीर, दोनों आउटसोर्सिंग नगर निगम कर्मचारी और अन्य शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, सरूरनगर में नगर निगम कार्यालय के सामने स्थित सात्विक एंटरप्राइजेज पर छापा मारा गया और पाया गया कि संदिग्ध लोग पुराने गैर-न्यायिक स्टांप पेपर, नकली रबर स्टांप और जाली हस्ताक्षर का उपयोग करके नकली बिक्री विलेख, जन्म और जाति प्रमाण पत्र तैयार करने और बेचने में संलिप्त थे। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त जी सुधीर बाबू ने कहा, ये जाली दस्तावेज भारी मुनाफे के लिए भूमि हड़पने वालों और धोखेबाजों को बेचे जा रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप वास्तविक व्यक्तियों के लिए गंभीर नागरिक विवाद और कानूनी जटिलताएं पैदा हो रही थीं।

जांच से पता चला कि प्रकाश और उनकी पत्नी सागरिका पिछले नौ सालों से सात्विक एंटरप्राइजेज का संचालन कर रहे थे। शुरूआत में, वे अन्य संदिग्धों से प्राप्त वास्तविक गैर-न्यायिक स्टाम्प पेपर का उपयोग करके किराये के समझौते, हलफनामे और बिक्री के काम जैसे कानूनी दस्तावेज तैयार करने में लगे हुए थे।

हालांकि, समय के साथ, प्रकाश ने अप्रयुक्त और पुराने स्टाम्प पेपर को उच्च दरों पर खरीदकर सिस्टम का फायदा उठाना शुरू कर दिया। सुधीर बाबू ने बताया, वह स्टाम्प पेपर पर मौजूद जानकारी को रसायनों का इस्तेमाल करके मिटा देता था, रबर स्टाम्प और नोटरी अधिवक्ताओं, लाइसेंस प्राप्त स्टाम्प विक्रेताओं, चिकित्सा पेशेवरों और सरकारी अधिकारियों के हस्ताक्षरों की जालसाजी करता था और नकली बिक्री विलेख तैयार करता था। ये नकली दस्तावेज 5,000 रुपये से लेकर 20,000 रुपये प्रति के हिसाब से बेचे जाते थे। पिछले वर्ष ही विभिन्न मूल्यवर्ग के स्टाम्प पेपरों का उपयोग करके लगभग 280 फर्जी बिक्री विलेख तैयार किए गए।

जांच में पता चला कि गिरोह अस्पताल डिस्चार्ज सारांश या आधार कार्ड जैसे आवश्यक दस्तावेजों के बिना जन्म प्रमाण पत्र बनाने में शामिल था। सरगना ने नरसिंगी, कामारेड्डी, बंदलागुडा जागीर नगरपालिका कार्यालयों के नगरपालिका आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के सहयोग से आधिकारिक जन्म प्रमाण पत्र तैयार किए और उन्हें मी सेवा केंद्रों से एकत्र किया। पिछले डेढ़ साल में करीब 181 फर्जी जन्म प्रमाण पत्र जारी किए गए।

जेएनटीयू- हैदराबाद के पास अपनी जमीन नहीं, किराए में चुकाए 90 करोड़

पट्टे का किराया विश्वविद्यालय के खजाने को कर रहा है खाली

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (जेएनटीयू)- हैदराबाद, जिसे देश का पहला प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है, एक सतत समस्या से जूझ रहा है- इसके पास अपनी जमीन नहीं है। वर्ष 1972 में अपनी स्थापना के बाद से, विश्वविद्यालय 89 एकड़ भूमि पर काम कर रहा है, जिसे शुरू में कुकटपल्ली हाउसिंग बोर्ड (केपीएचबी) से पट्टे पर लिया गया था। देश का पहला और सबसे पुराना तकनीकी विश्वविद्यालय होने के बावजूद, इसे लगातार सरकारों द्वारा स्थायी भूमि आवंटित नहीं की गई, जिससे विश्वविद्यालय को एक समझौते के तहत काम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। शुरूआत में यह ज़मीन केपीएचबी बोर्ड द्वारा विश्वविद्यालय को आवंटित की गई थी। बाद में सरकार ने बोर्ड को भंग कर दिया और ज़मीन सड़क और भवन विभाग के अधीन आ गई। हर साल विश्वविद्यालय विभाग को लीज रेंटल के रूप में करीब 2 करोड़ रुपये देता है, जिसमें सालाना 10 प्रतिशत किराया वृद्धि भी शामिल है। इसके अलावा, विश्वविद्यालय राज्य सरकार को सालाना करीब 90 लाख रुपये संपत्ति कर भी देता है। पिछले कई सालों में विश्वविद्यालय ने लीज रेंटल के रूप में करीब 90 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जिससे विश्वविद्यालय पर वित्तीय दबाव बढ़ रहा है और बुनियादी ढांचे का विस्तार करने की इसकी क्षमता सीमित हो रही है। चूंकि विश्वविद्यालय ने पहले ही 90 करोड़ रुपये का भुगतान कर दिया है, इसलिए संकाय और छात्र चाहते हैं कि सरकार पूरी भुगतान की गई राशि को भूमि मूल्य के रूप में माने और विश्वविद्यालय को भूमि का स्वामित्व सौंप दे। सूत्रों के अनुसार, जेएनटीयू-हैदराबाद की कार्यकारी परिषद ने हाल ही में एक प्रस्ताव पारित किया है, जिसमें सरकार से भूमि के स्वामित्व के दस्तावेज प्राप्त करने के अलावा भूमि का पूर्ण अधिकार मांगा गया है। विश्वविद्यालय ने इस संबंध में राज्य सरकार को एक पत्र भी भेजा है। हालांकि, सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सूत्रों ने बताया कि चूंकि पट्टे का किराया विश्वविद्यालय के खजाने को खाली कर रहा है, इसलिए जेएनटीयू-हैदराबाद ने पिछले पांच-छह वर्षों से पट्टे का किराया नहीं दिया है, क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि विश्वविद्यालय को भूमि का स्वामित्व हस्तांतरित करने का उनका अनुरोध सफल हो जाएगा। जेएनटीयू-हैदराबाद के कुलपति प्रो.टी. किशन कुमार रेड्डी ने कहा कि, केंद्रीय विश्वविद्यालय 1,700 एकड़ में चल रहा है, जबकि जेएनटीयू-हैदराबाद के पास सिर्फ़ 89 एकड़ ज़मीन है, जो पट्टे पर दी गई है। हम पिछले कई सालों में पट्टे के किराए के तौर पर 90 करोड़ रुपये चुका चुके हैं। हम पिछले कई सालों से सरकार से मौजूदा ज़मीन विश्वविद्यालय को सौंपने की मांग कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि विश्वविद्यालय को जल्द ही अपनी ज़मीन मिल जाएगी।

'ई- चिप पासपोर्ट' लॉन्च करने के पायलट प्रोजेक्ट में हैदराबाद भी

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के लोग जल्दी ही इलेक्ट्रॉनिक चिप-आधारित पासपोर्ट का उपयोग करके उड़ान भर सकेंगे। विदेश मंत्रालय ने हाल ही में शुरू किए गए ई-चिप पासपोर्ट को लॉन्च करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत भारत के 12 केंद्रों में से एक के रूप में हैदराबाद को चुना है। अन्य 11 राज्यों में चेन्नई, नागपुर, भुवनेश्वर, जम्मू, गोवा, शिमला, रायपुर, अमृतसर, जयपुर, सूरत और रांची शामिल हैं। हालांकि विदेश मंत्रालय ने कुछ समय पहले ई-चिप आधारित पासपोर्ट शुरू करने की घोषणा की थी, लेकिन कई कारणों से यह परियोजना समय पर शुरू नहीं हो सकी। तेलंगाना के क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, नए पासपोर्ट जल्द ही शुरू होने की संभावना है। नया ई-चिप पासपोर्ट मौजूदा पासपोर्ट जैसा ही है, लेकिन इसमें अत्यधिक उन्नत सुरक्षा प्रणाली वाली चिप होगी और इसमें आवेदक का पूरा विवरण होगा। ई-पासपोर्ट को ई-चिप डालकर नासिक में भारतीय सुरक्षा प्रेस (आईएसपी) में तैयार और मुद्रित किया जाएगा। कवर में एक आरएफआईडी चिप और एंटीना लगाया जाएगा, और सामने के कवर के नीचे एक सुनहरे रंग का प्रतीक मुद्रित किया जाएगा ताकि इसे इलेक्ट्रॉनिक एम्बेडेड पासपोर्ट के रूप में चिह्नित किया जा सके। ई-चिप पासपोर्ट में कई खास विशेषताएं होंगी, जिसमें पासपोर्ट धारक का बायोमेट्रिक डेटा और उसमें संग्रहीत डिजिटल साइन चिप शामिल है। पासपोर्ट धारक के यात्रा करते समय, एयरपोर्ट सिस्टम में व्यक्ति का पूरा विवरण दिखाई देगा।

एक और महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ई-चिप पासपोर्ट के साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है और अगर कोई व्यक्ति चिप के साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश करता है, तो पासपोर्ट सेवा प्रणाली को अलर्ट मिल जाएगा। इसके बाद पासपोर्ट प्रमाणीकरण पूरा नहीं होगा। देश और विदेश में सभी दूतावासों को ई-पासपोर्ट परियोजना से जोड़ा जाएगा। अमेरिका और ब्रिटेन में भारतीय दूतावासों को पहले ही इस परियोजना से जोड़ा जा चुका है। सामान्य पासपोर्ट (मौजूदा पासपोर्ट) जारी करने में करीब एक सप्ताह से 10 दिन का समय लगता है, लेकिन नया ई-चिप पासपोर्ट सिर्फ सात दिनों में जारी हो जाएगा। सूत्रों ने यह भी बताया कि मौजूदा पासपोर्ट जारी रहेंगे और नए पासपोर्ट के लिए आवेदन करने वाले आवेदकों को नए ई-चिप पासपोर्ट मिलेंगे। नया ई-चिप पासपोर्ट जारी होने के बाद पुराना पासपोर्ट अपने आप रद्द हो जाएगा। ई-पासपोर्ट पाने के लिए आवेदन प्रक्रिया सामान्य पासपोर्ट के समान ही है। आवेदक ऑनलाइन पोर्टल www.passportindia.gov.in के माध्यम से लॉग इन करके, निकटतम पासपोर्ट सेवा केंद्र या पोस्ट ऑफिस पासपोर्ट सेवा केंद्र में अपॉइंटमेंट शेड्यूल करके और अपनी बायोमेट्रिक जानकारी जमा करके आवेदन कर सकते हैं। तेलंगाना क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय पांच पासपोर्ट सेवा केंद्रों और 14 डाकघर पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीओपीएसके) के माध्यम से सामान्य और तत्काल सहित लगभग 4,500 से 5,000 पासपोर्ट आवेदनों का प्रसंस्करण कर रहा है।

बिल भुगतान न होने से सरपंच और उनके पति कर रहे मजदूरी

हैदराबाद, 16 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले के आदर्श गांव मुखरा (के) की सरपंच गाडगे मीनाक्षी और उनके पति सुभाष को राज्य सरकार द्वारा लंबित बिलों के भुगतान में देरी के कारण राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का लाभार्थी बनने के लिए मजबूर होना पड़ा। मीनाक्षी और सुभाष मुखरा (के) गांव में नरेगा के तहत मिट्टी खोदने का काम कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा विभिन्न विकास गतिविधियों के बिलों के भुगतान में अत्यधिक देरी के कारण वे गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे थे। उन्होंने याद किया कि तत्कालीन बीआरएस सरकार ने समय पर बिलों का भुगतान किया था। सरपंच और उनके पति ने सरकार से अनुरोध किया कि लंबित बिलों का जल्द से जल्द भुगतान करने के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों को विकास परियोजनाओं से संबंधित बिलों के भुगतान में देरी के कारण असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। उनके पास कोई विकल्प नहीं बचा था, इसलिए वे रोजगार योजना पर निर्भर थे। इस गांव को विभिन्न पहलुओं में उत्कृष्टता के लिए पांच राष्ट्रीय पुरस्कार मिले हैं। 27 अप्रैल, 2023 को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार-2023 में केंद्रीय पंचायत राज मंत्री गिरि राज सिंह से इसे राष्ट्रीय स्तर का ग्राम ऊर्जा स्वराज विशेष पुरस्कार और 50 लाख रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि मिली। मॉडल गांव को 2023 में स्वच्छ सुजल शक्ति सम्मान, विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए दीन दयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तिकरण पुरस्कार-2022 और 2022 में जैव विविधता पुरस्कार और 2020 में स्वच्छ सर्वेक्षण पुरस्कार मिला। इसने 31 मार्च 2024 को हैदराबाद में प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार समारोह 2021-22 में तीन पुरस्कार भी जीते।

श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम्
(श्री गीता भवन)
सोमसुंदरम् विथी, जनरल बाजार, कलासीगुड़ा,
सिकंदराबाद (तेलंगाना) - 500 003
https://goo.gl/maps/noCEALbUMyL2
संपूर्ण श्रीमद्भगवत गीता
सम्पूर्ण भागवत गीता सामूहिक पारायणम्,
रविवार(18-05-25) को 10.00 सुबह से 2:00 दोपहर तक, बाद में महाप्रसाद,
श्रीमद्भागवत गीता क्षेत्रम (श्री गीता भवन), जनरल बाजार, अजंली सिनेमा टॉकिस के सामने , सिकंदराबाद ।
श्री गोपाल बल्दवा-श्रीमती मन्जू बल्दवा
cont: 9000366660
|| श्री कृष्ण: शरणम् मम् || *|| जय श्री कृष्ण ||*
सभी भक्तगण प्रधारे। फोन करें या मैसेज करके आना सब व्यवस्था करने के लिये आधार कार्ड अनिवार्य, हिन्दु पहचान के लिये।
प्रति माह के तीसरे रविवार यूट्यूब चैनल पर प्रसारित ।
श्री टी. विश्वेश्वर
सिकंदराबाद
09290444203
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
GB GOPAL BALDAWA GROUP

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.